जयंती

अध्याय 1

1 इस्राएलक सन्तान सभक मिस्र सँ पलायनक पहिल वर्ष मे, तेसर मास मे, मासक सोलहम दिन [2450 अन्नो मुंडी] परमेश् वर मूसा केँ कहलथिन, 'पर्वत पर हमरा लग चढ़ू, आ हम अहाँ केँ ओहि व्यवस्था आ आज्ञाक दू टा पाथरक पाथर देब, जे हम लिखने छी, जाहि सँ अहाँ हुनका सभ केँ सिखा सकब।'
2 मूसा परमेश् वरक पहाड़ पर चढ़ि गेलाह आ परमेश् वरक महिमा सिनै पहाड़ पर रहि गेल आ छह दिन धरि मेघ ओकरा पर छाहरि देलक।
3 ओ सातम दिन मेघक बीच सँ मूसा केँ बजौलनि आ प्रभुक महिमा पहाड़क चोटी पर ज्वालामुखी आगि जकाँ छल।
4 मूसा चालीस दिन चालीस राति पहाड़ पर रहलाह, आ परमेश् वर हुनका पहिने आ बादक इतिहास सिखबैत छलाह जे धर्म-नियम आ गवाही सभक सभ दिनक विभाजन।
5 ओ कहलनि: 'हम एहि पहाड़ पर जे किछु शब्द अहाँ केँ कहब, ताहि मे अपन मोन केँ झुकाउ, आ ओकरा सभ केँ एकटा पुस्तक मे लिखू, जाहि सँ हुनकर पीढ़ी देखय जे कोना हम हुनका सभ केँ ओहि सभ दुष्टताक लेल नहि छोड़ने छी जे ओ सभ आइ सिनै पहाड़ पर हमरा आ अहाँक बीच जे वाचा हम अपन पीढ़ी-दर-पीढ़ी सभक लेल स्थापित करैत छी, तकरा उल्लंघन कएने छथि।
6 आ एहि तरहेँ ई होयत जे जखन ई सभ बात हुनका सभ पर आओत, तखन ओ सभ ई बूझि लेताह जे हम हुनका सभ सँ बेसी धर्मी छी, हुनका सभक सभ निर्णय आ सभ काज मे, आ ओ सभ ई बूझि लेताह जे हम हुनका सभक संग सत् य मे रहलहुँ अछि।
7 हम आइ अहाँ केँ ई सभ बात अपना लेल लिखू, किएक तँ हम हुनका सभक विद्रोह आ कठोर गर्दन केँ जनैत छी, ताहि सँ पहिने जे हम हुनका सभ केँ ओहि देश मे अनबा सँ पहिने, जकर हम हुनका लोकनिक पूर्वज, अब्राहम आ इसहाक आ याकूब केँ शपथ लेने रही, ई कहैत जे: 'हम अहाँक वंश केँ दूध आ मधु सँ बहय बला देश देब।
8 ओ सभ खा कS तृप्त भS जायत आ ओ सभ परदेशी देवता सभक दिस घुरि जायत, जे सभ ओकरा सभ केँ कोनो तरहक कष्ट सँ मुक्ति नहि कS सकैत अछि। कारण, ओ सभ हमर सभ आज्ञा, (एतय धरि) जे हम ओकरा सभ केँ आज्ञा दैत छी से बिसरि जेताह, आ ओ सभ गैर-यहूदी सभक पाछाँ-पाछाँ चलत आ अपन अशुद्धता आ लाजक अनुसरण करत आ अपन देवता सभक सेवा करत, आ ई सभ हुनका सभक लेल अपराध आ कष्ट आ क्लेश आ जाल साबित होयत।
9 बहुतो लोक नष्ट भS जेताह आ ओ सभ बंदी भS जेताह आ शत्रु सभक हाथ मे पड़ि जेताह, किएक तँ ओ सभ हमर नियम आ हमर आज्ञा, हमर वाचाक पाबनि, हमर विश्राम-दिनक पाबनि, आ हमर पवित्र स्थान जे हम हुनका सभक बीच मे अपना लेल पवित्र कएने छी, आ अपन तम्बू आ अपन पवित्र स्थान, जे हम देशक बीच मे अपना लेल पवित्र कएने छी, केँ छोड़ि देलनि हमर नाम ओहि पर, आ जे ओ (ओतय) रहय।
10 ओ सभ अपना लेल ऊँच स्थान आ बगीचा आ उत्कीर्ण मूर्ति बनाओत आ प्रत्येक अपन-अपन मूर्तिक आराधना करत, जाहि सँ भटकत, आ अपन संतान केँ दुष् टात् मा सभक लेल बलिदान करत, आ अपन हृदयक सभटा भ्रष्ट काजक लेल।
11 हम हुनका सभ लग गवाह पठा देबनि जे हम हुनका सभक विरुद्ध गवाही देब, मुदा ओ सभ नहि सुनत, आ गवाह सभ केँ सेहो मारि देब, आ ओ सभ धर्म-नियमक खोज करयवला सभ केँ सताओत, आ ओ सभ सभ किछु केँ निष्कृत आ बदलि देत जाहि सँ हमर नजरि मे अधलाह काज कयल जाय।
12 हम ओकरा सभ सँ अपन मुँह नुका देब आ ओकरा सभ केँ गैर-यहूदी सभक हाथ मे बंदी बना देब आ ओकरा सभ केँ बंदी बना देब आ ओकरा सभ केँ खाएब।
13 ओ सभ हमर सभ नियम आ हमर सभ आज्ञा आ हमर सभ न्याय केँ बिसरि जेताह आ अमावस्या, विश्राम-दिन, पाबनि-तिहार, जयंती आ विधि-विधानक विषय मे भटकत।
14 एकर बाद ओ सभ गैर-यहूदी सभक बीच सँ हमरा दिस घुरताह, पूरा मोन आ पूरा प्राण आ पूरा शक्ति सँ, आ हम सभ गैर-यहूदी सभक बीच सँ हुनका सभ केँ एकत्रित करब, आ ओ सभ हमरा ताकताह, जाहि सँ हम हुनका सभक बीच पाबि सकब, जखन ओ सभ हमरा अपन पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ ताकताह।
15 हम ओकरा सभ केँ धार्मिकताक संग प्रचुर शान्तिक प्रगट करब, आ हम ओकरा सभ केँ अपन पूरा हृदय आ पूरा प्राण सँ, ओकरा सभ केँ सोझताक पौधा केँ हटा देब, आ ओ सभ आशीर्वादक लेल होयत, शापक लेल नहि, आ ओ सभ माथ होयत आ पूँछ नहि।
16 हम हुनका सभक बीच अपन पवित्र स्थान बना लेब, आ हुनका सभक संग रहब, आ हम हुनका सभक परमेश् वर बनब आ ओ सभ सत्य आ धार्मिकता मे हमर प्रजा बनताह।
17 हम ओकरा सभ केँ नहि छोड़ब आ ने ओकरा सभ केँ छोड़ब। कारण, हम हुनका सभक परमेश् वर प्रभु छी।'
18 मूसा मुँह पर खसि पड़लाह आ प्रार्थना कयलनि, 'हे प्रभु हमर परमेश् वर, अपन प्रजा आ अपन उत्तराधिकार केँ नहि छोड़ू, जाहि सँ ओ सभ अपन हृदयक भ्रम मे भटकय, आ ओकरा सभ केँ अपन शत्रु, गैर-यहूदी सभक हाथ मे नहि सौंप दिअ, जाहि सँ ओ सभ ओकरा सभ पर राज नहि करथि आ अहाँक विरुद्ध पाप नहि करथि।"
19 हे प्रभु, अहाँक दया अपन लोक पर उठय, आ ओकरा सभ मे एकटा सोझ आत् मा उत्पन्न करू, आ बेलियारक आत् मा ओकरा सभ पर राज नहि करय जे ओकरा सभ पर अहाँक सोझाँ आरोप लगाबय, आ ओकरा सभ केँ धार्मिकताक सभ बाट सँ फँसाब, जाहि सँ ओ सभ अहाँक मुँहक सोझाँ सँ नष्ट भS जाय।
20 मुदा ओ सभ तोहर प्रजा आ तोहर उत्तराधिकार अछि, जकरा तोँ अपन महान शक्ति सँ मिस्रवासी सभक हाथ सँ मुक्त कS देलहुँ, ओकरा सभ मे एकटा शुद्ध हृदय आ पवित्र आत् मा सृजन करू, आ आब सँ अनन्त काल धरि ओ सभ अपन पाप मे फँसि नहि जाय।'

21 परमेश् वर मूसा कैँ कहलथिन, 'हम हुनका सभक विपरीतता आ विचार आ कठोर गर्दन कैँ जनैत छी, आ जाबत धरि ओ सभ अपन पाप आ अपन पूर्वजक पाप कैँ स्वीकार नहि कऽ लेत ता धरि ओ सभ आज्ञाकारी नहि होयत।
22 एकर बाद ओ सभ हमरा दिस सभ सोझतापूर्वक आ समस्त हृदय आ समस्त (अपन) प्राण सँ हमरा दिस घुरताह, आ हम हुनका सभक हृदयक अग्रचर्म आ हुनकर वंशक हृदयक अग्रचर्मक खतना करब, आ हम हुनका सभ मे एकटा पवित्र आत्माक निर्माण करब, आ हम हुनका सभ कैँ शुद्ध करब जाहि सँ ओ सभ ओहि दिन सँ अनन्त काल धरि हमरा सँ नहि भटकि सकथि।
23 हुनका सभक प्राण हमरा आ हमर सभ आज्ञा सँ चिपकल रहत, आ ओ सभ हमर आज्ञा कैँ पूरा करत, आ हम हुनका सभक पिता बनब आ ओ सभ हमर संतान बनत।
24 ओ सभ जीवित परमेश् वरक सन् तान कहल जायत, आ हरेक स् वर्गदूत आ सभ आत् मा जनत, हँ, ओ सभ जनत जे ई सभ हमर संतान छथि, आ हम हुनकर सभक पिता छी जे हम हुनका सभक सोझ आ धार्मिकता मे छी, आ हम हुनका सभ सँ प्रेम करैत छी।
25 अहाँ ई सभ बात अपना लेल लिखू जे हम अहाँ कैँ एहि पहाड़ पर, पहिल आ अंतिम, जे दिनक सभ विभाजन मे धर्म-नियम आ गवाही मे आ सप्ताह आ जुबली मे अनन्त काल धरि होयत, जाबत धरि हम हुनका सभक संग अनन्त काल धरि नहि उतरब।'
26 ओ उपस्थित स् वर्गदूत कैँ कहलथिन, "सृष्टिक प्रारंभ सँ मूसाक लेल लिखू जाबत धरि हमर पवित्र स्थान हुनका सभक बीच अनन्त काल धरि नहि बनत।"
27 प्रभु सभक नजरि मे प्रगट हेताह आ सभ जनत जे हम इस्राएलक परमेश् वर आ याकूबक सभ संतानक पिता छी आ सियोन पहाड़ पर अनन्त काल धरि राजा छी। सियोन आ यरूशलेम पवित्र होयत।'
28 इस्राएलक शिविरक आगाँ जे सन्निहारक स् वर्गदूत छल, से वर्षक विभाजन -सृष्टिक समय सँ- धर्म-नियम आ जुबली सप्ताहक गवाही, व्यक्तिगत वर्षक अनुसार, जुबलीक समस्त संख्याक अनुसार [एक-एक वर्षक अनुसार], [नव] सृष्टिक दिन सँ जखन आकाश आ पृथ्वी नवीकरण होयत हुनकऽ सब सृष्टि स्वर्ग के शक्ति के अनुसार, आरू पृथ्वी के सब सृष्टि के अनुसार, जब तक कि यरूशलेम में सिय्योन पहाड़ पर प्रभु के पवित्र स्थान नै बनतै, आरू सब प्रकाशक के नवीनीकरण नै होय जैतै, जेकरा सें इस्राएल के सब चुनलऽ लोगऽ के चंगाई आरो शांति आरू आशीर्वाद के लेलऽ आशीष के लेलऽ नै होतै, आरो ई तरह सें होय जाय।

अध्याय 2

1 ओहि परमेश् वरक स् वर्गदूत प्रभुक वचनक अनुसार मूसा कैँ कहलथिन, "सृष्टिक पूरा इतिहास लिखू, जे कोना छह दिन मे प्रभु परमेश् वर अपन सभ काज आ सभटा सृष्टि कैँ पूरा कयलनि, आ सातम दिन विश्राम-दिन कैँ मनौलनि आ सभ युग धरि एकरा पवित्र कयलनि, आ एकरा अपन सभ काजक लेल चिन्हक रूप मे नियुक्त कयलनि।
2 किएक तँ ओ पहिल दिन ऊपर अछि आकाश, पृथ् वी आ पानि आ सभ आत् मा जे हुनका समक्ष सेवा करैत अछि -सन्निध्यक स् वर्गदूत, पवित्रताक स् वर्गदूत, आ हवाक आत् माक स् वर्गदूत [आगि आ स् वर्गदूत] आ मेघक आत् माक स् वर्गदूत, आ अन्हारक, बर्फ आ ओला आ ठंढाक आत् माक स् वर्गदूत आ स् वर्गदूत सभ कैँ सृष्टि कयलनि आवाज आ गरज आ बिजली के, आ ठंढा आ गर्मी के आत्मा के स्वर्गदूत के, आ जाड़ के आ वसंत के आ शरद के आ गर्मी के आ ओकर सब प्राणी के जे आकाश आ पृथ्वी पर छै, (ओ बनौलनि) रसातल आ अन्हार, सांझिक <आ राति>, आ इजोत, भोर आ दिन, जे ओ अपन हृदय के ज्ञान में तैयार केने छथि|
3 तखन हम सभ हुनकर काज देखलहुँ आ हुनकर प्रशंसा केलहुँ आ हुनकर सभ काजक कारणेँ हुनका सामने प्रशंसा केलहुँ। कारण ओ पहिल दिन सात टा पैघ काज के सृजन केलनि।
4 दोसर दिन ओ पानिक बीच मे आकाश बनौलनि, आ ओहि दिन पानि बँटि गेल -आधा ऊपर चलि गेल आ आधा आकाशक नीचाँ नीचाँ (जे छल) बीच मे समस्त पृथ्वीक ऊपर गेल। आ ई एकमात्र काज (भगवान) छल जे दोसर दिन सृजित भेल।
5 तेसर दिन ओ पानि कैँ आज्ञा देलथिन जे पूरा धरती पर सँ पानि एक ठाम आबि जाय आ शुष्क भूमि कैँ प्रकट हो।
6 पानि हुनकर आज्ञानुसार एना केलक आ ओ सभ पृथ् वी पर सँ एहि आकाशक बाहर एक ठाम आबि गेल आ शुष्क भूमि प्रकट भऽ गेल।
7 आ ओहि दिन ओ हुनका सभक लेल सभ समुद्र कैँ अपन अलग-अलग एकत्रित स्थानक अनुसार, आ सभ नदी, आ पहाड़ मे आ समस्त पृथ्वी पर पानिक जमावड़ा, आ सभ झील, आ पृथ्वीक समस्त ओस, आ बीया जे बोओल जाइत अछि, आ सभटा अंकुरित वस्तु, आ फलदार गाछ, आ जंगलक गाछ, आ अदनक बगीचा, अदन मे आ सभटा बनौलनि अपन तरहक बाद पौधा।
8 ई चारि टा पैघ काज परमेश् वर तेसर दिन बनौलनि। आ चारिम दिन सूर्य आ चन्द्रमा आ तारा के सृष्टि क आकाश के आकाश में राखि देलखिन जे समस्त पृथ्वी पर इजोत देत आ दिन आ राति पर शासन करत आ इजोत के अन्हार स अलग करत।
9 परमेश् वर सूरज कैँ पृथ् वी पर दिन, विश्राम-दिन, महिना-भोज, पाबनि, वर्ष, वर्षक विश्राम-दिन, जयंती आ वर्षक सभ ऋतुक लेल एकटा पैघ चिन्ह बनबाक लेल निर्धारित कयलनि।
10 ओ इजोत कैँ अन्हार सँ अलग करैत अछि आ समृद्धिक लेल, जाहि सँ पृथ् वी पर जे किछु अंकुर उगैत अछि आ उगैत अछि, से सभ किछु फलित भऽ सकय।
11 ई तीनू प्रकार ओ चारिम दिन बनौलनि। आ पाँचम दिन ओ पानिक गहींर मे पैघ-पैघ समुद्री राक्षस सभक निर्माण केलनि, कारण ई सभ पहिल मांसक वस्तु छल जे हुनकर हाथ सँ बनल छल, माछ आ पानि मे चलय बला सभ किछु, आ उड़य बला सभ किछु, चिड़ै-चुनमुनी आ ओकर सभ तरहक।
12 सूर्य हुनका सभक ऊपर उठि गेल जे ओ सभ समृद्ध होथि, आ पृथ् वी पर जे किछु छल, पृथ् वी सँ निकलय बला सभ किछु, फलदार गाछ आ सभ मांस सँ ऊपर।
13 एहि तीनू प्रकार कैँ ओ पाँचम दिन सृष्टि कयलनि। आ छठम दिन ओ पृथ्वीक सभ पशु, आ सभ पशु, आ पृथ्वी पर चलयवला सभ किछु कैँ सृष्टि कयलनि|
14 एहि सभक बाद ओ मनुख कैँ सृष्टि कयलनि, एक स्त्री-पुरुष ओकरा सभ कैँ सृजित कयलनि, आ ओकरा पृथ्वी पर, समुद्र मे, आ उड़य बला सभ पर, जानवर आ पशु पर, आ पृथ्वी पर चलय

बला सभ पर, आ समस्त धरती पर, आ एहि सभ पर प्रभुत्व देलनि।
15 एहि चारि प्रकार कैँ ओ छठम दिन बनौलनि। आ कुल मिला कए दू-बीस तरहक छल।
16 छठम दिन ओ अपन सभ काज पूरा कयलनि - आकाश आ पृथ् वी पर, समुद्र आ अथाह मे, इजोत आ अन्हार मे आ सभ किछु मे जे किछु अछि।
17 ओ हमरा सभ कैँ विश्राम-दिन कैँ एकटा पैघ चिन् ह देलनि जे हम सभ छह दिन काज करी, मुदा सातम दिन सभ काज सँ विश्राम-दिन कैँ मानब।
18 आ समस्त स् वर्गदूत आ पवित्रताक सभ स् वर्गदूत, ई दूनू पैघ वर्ग -ओ हमरा सभ कैँ स् वर्ग आ पृथ् वी पर हुनका संग विश्रामक दिन मनाबय लेल आज्ञा देने छथि।
19 ओ हमरा सभ कैँ कहलनि: ‘देखू, हम सभ जाति मे सँ एकटा प्रजा कैँ अपना लेल अलग करब, आ ई सभ विश्राम-दिन कैँ मनौताह, आ हम हुनका सभ कैँ अपन लोकक रूप मे अपना लेल पवित्र करब, आ हुनका सभ कैँ आशीर्वाद देब। जेना हम विश्राम-दिन कैँ पवित्र कएने छी आ अपना लेल पवित्र करैत छी, तहिना हम हुनका सभ कैँ आशीर्वाद देबनि, आ ओ सभ हमर लोक होयत आ हम हुनकर सभक परमेश् वर बनब।
20 हम जे किछु देखलहुँ ताहि मे सँ याकूबक वंशज कैँ चुनि कऽ हुनका अपन जेठ बेटाक रूप मे लिखि कऽ हुनका अपना लेल अनन्त काल धरि पवित्र कऽ देलहुँ। हम हुनका सभ कैँ विश्राम-दिन सिखा देबनि, जाहि सँ ओ सभ विश्राम-दिन कैँ सभ काज सँ मना कऽ सकथि।'
21 आ एहि तरहेँ ओ ओहि मे एकटा एहन चिन्ह बनौलनि जकर अनुसार ओ सभ सातम दिन हमरा सभक संग विश्राम-दिन मनाबय, खाए-पीबय लेल, आ ओकरा आशीर्वाद देबाक लेल जे सभ किछु कैँ ओहिना आशीष आ पवित्र कयलनि जेना ओ सभ जाति सँ बेसी एकटा विशिष्ट लोक कैँ अपना लेल आशीष देलनि आ पवित्र कयलनि, आ ओ सभ हमरा सभक संग मिलिकय विश्राम-दिन मनाबय।
22 ओ अपन आज्ञा कैँ भरि दिन अपन समक्ष स्वीकार्य मधुर गंधक रूप मे चढ़ा देलनि|..
23 आदम सँ लऽ कऽ याकूब धरि दू-बीस टा मनुख-जातिक मुखिया छल आ सातम दिन धरि दू-बीस तरहक काज कयल गेल। ई धन्य आ पवित्र अछि; आ पूर्वक सेहो धन्य आ पवित्र अछि। आ ई एकटा ओहि एकटाक संग पवित्रता आ आशीर्वादक लेल सेवा करैत अछि।
24 आ एहि (याकूब आ हुनकर वंशज) कैँ ई अनुमति देल गेलनि जे ओ सभ सदिखन पहिल गवाही आ धर्म-नियमक धन्य आ पवित्र लोक रहथि, ठीक ओहिना जेना ओ सातम दिन विश्राम-दिन कैँ पवित्र आ आशीर्वाद देने छलाह।
25 ओ छह दिन मे स् वर्ग आ पृथ् वी आ सभ किछु बनौलनि आ परमेश् वर अपन सभ काजक लेल सातम दिन कैँ पवित्र कयलनि। तेँ ओ एकर दिस सँ आज्ञा देलनि जे, जे कियो एहि पर कोनो काज करत, से मरि जायत, आ जे ओकरा अशुद्ध करत से अवश्य मरत।
26 एहि लेल अहाँ इस्राएलक सन् तान सभ कैँ एहि लेल आज्ञा दैत छी जे एहि दिन कैँ पवित्र राखय आ एहि पर कोनो काज नहि करय आ एकरा अशुद्ध नहि करय, जेना कि ई दिन सभ सँ बेसी पवित्र अछि।
27 जे कियो एकरा अपवित्र करत से मरत आ जे कियो एहि पर कोनो काज करत से अनन्त काल धरि मरत, जाहि सँ इस्राएलक सन् तान सभ अपन-अपन पीढ़ी-दर-पीढ़ी एहि दिन कैँ मनाबय आ एहि देश सँ जड़ि सँ नहि उखाड़ि सकय। कारण, ई पवित्र दिन आ धन्य दिन अछि।
28 जे कियो विश्राम-दिन कैँ पालन करैत अछि आ अपन सभ काज सँ विश्राम-दिन कैँ पालन करैत अछि, से हमरा सभ जकाँ सभ दिन पवित्र आ धन्य होयत।
29 इस्राएलक सन् तान सभ कैँ एहि दिनक धर्म-नियमक घोषणा करू आ कहू जे ओ सभ ओहि दिन विश्राम-दिन कैँ पालन करथि आ ओकरा सभ कैँ अपन मोनक भ्रष्टाचार मे नहि छोड़ि देथिन। (आ) जे एहि पर कोनो एहन काज करब जे अयोग्य हो, ओहि पर अपन मनपसंद करब, आ ओहि पर कोनो खाद्य वा पीबाक लेल कोनो वस्तु नहि तैयार करबाक, आ (जे ई वैध नहि अछि) पानि खींचब, वा ओहि पर अपन फाटक सँ कोनो एहन बोझ आनब वा बाहर निकालब, जे ओ सभ छठम दिन अपन आवास मे अपना लेल नहि तैयार केने छलाह, वैध नहि अछि।
30 ओहि दिन ओ सभ घर-घर नहि आनत आ ने बाहर निकालत। किएक तँ ओ दिन जयंतीक कोनो जुबली दिनसँ बेसी पवित्र आ धन्य अछि। एहि पर हम सभ स् वर्ग मे विश्राम-दिन मनाबैत छलहुँ, ताहि सँ पहिने जे पृथ् वी पर विश्राम-दिन मनाबय के बात कोनो मनुख कैँ नहि बुझा देलक।
31 सभ वस्तुक सृष्टिकर्ता एकरा आशीष देलनि, मुदा ओ सभ जाति आ जाति कैँ ओहि दिनक विश्राम-दिन मनाबय लेल पवित्र नहि कयलनि, बल् कि असगर इस्राएल कैँ पवित्र कयलनि।
32 सभ वस्तुक सृष्टिकर्ता एहि दिन कैँ आशीर्वाद देलनि जे ओ सभ दिन सँ बेसी आशीर्वाद आ पवित्रता आ महिमा लेल बनौने छलाह।
33 ई धर्म-नियम आ गवाही इस्राएलक सन् तान सभ कैँ अपन-अपन पीढ़ी धरि अनन्त काल धरि व्यवस्थाक रूप मे देल गेल छल।

अध्याय 3

1 दोसर सप्ताहक छह दिन मे हम सभ परमेश् वरक वचनक अनुसार आदम लग सभटा पशु-पक्षी, सभटा पशु-पक्षी, सभ चिड़ै-चुनमुनी आ पृथ्वी पर चलयवला सभ किछु आ पानि मे चलयवला सभ किछु अपन-अपन प्रकारक अनुसार आ अपन-अपन प्रकारक अनुसार आदम लग अनलहुँ। दोसर दिन मवेशी; तेसर दिन चिड़ै सभ; चारिम दिन पृथ्वी पर जे किछु चलैत अछि। आ जे पाँचम दिन पानि मे चलैत अछि।
2 आदम हुनका सभक नाम अपन-अपन नाम सँ रखलनि आ जेना हुनका सभ कैँ बजौलनि, तहिना हुनका सभक नाम सेहो रखलनि।
3 एहि पाँच दिन मे आदम पृथ् वी परक सभ तरहक नर-मारी सभ कैँ देखलनि, मुदा ओ असगर रहलाह आ हुनका लेल कोनो सहायक नहि भेटलनि।
4 प्रभु हमरा सभ कैँ कहलथिन, ‘ई नीक नहि जे आदमी असगर रहय।
5 हमरा सभक परमेश् वर परमेश् वर हुनका पर गहींर नींद छोड़ि देलनि आ ओ सुति गेलाह आ ओ स् त्रीक लेल अपन पसली सभक बीच सँ एकटा पसली लऽ लेलनि, आ ई पसली हुनकर

पसली सभक बीच सँ स् त्रीक उत्पत्ति छल आ ओकर बदला मे मांसक निर्माण कयलनि आ ओहि स्त्री केँ बनौलनि।
6 ओ आदम केँ नींद सँ जगौलनि आ जागला पर छठम दिन उठलाह, आ ओ ओकरा अपना लग अनलनि, आ ओ ओकरा चिन्हलनि आ कहलथिन: 'ई आब हमर हड्डीक हड्डी आ हमर मांसक मांस अछि; ओ [हमर] पत्नी कहल जायत। किएक तँ ओ पतिकसँ छीन लेल गेल छलीह।'
7 तेँ पुरुष-पत्नी एक रहत आ तेँ पुरुष अपन बाप-माए केँ छोड़ि कऽ अपन पत्नी सँ चिपकल रहत आ दुनू एक शरीर भऽ जायत।
8 पहिल सप्ताह मे आदम आ पसली -ओकर पत्नीक सृजन भेलाह, दोसर सप्ताह मे ओ ओकरा देखौलथिन, आ एहि कारणेँ ई आज्ञा देल गेल जे ओ सभ अपन अशुद्धता मे सात दिन आ स्त्री केँ दू बेर सात दिन धरि राखू।
9 आदम ओहि देश मे चालीस दिन पूरा भेलाक बाद हम सभ ओकरा अदन बगीचा मे लऽ गेलियैक जे ओ ओकरा खेती करथि आ ओकरा राखि सकथि, मुदा अस्सीम दिन ओकर पत्नी केँ अनलनि आ तकर बाद ओ अदन बगीचा मे प्रवेश कयलनि।
10 एहि कारणेँ स्वर्गीय पाटी सभ पर प्रसव करनिहारक विषय मे ई आज्ञा लिखल अछि जे, 'जँ ओ नर केँ जन्म दैत अछि तँ ओ दिनक पहिल सप्ताहक अनुसार सात दिन अपन अशुद्धता मे रहत, आ तेतीस दिन धरि ओ अपन शुद्धिकरणक खून मे रहत, आ ओ कोनो पवित्र वस्तु केँ नहि छुओत आ ने पवित्र स्थान मे प्रवेश करत, जाबत धरि ओ ई दिन पूरा नहि कऽ लेत आज्ञा देल गेल) पुरुष बच्चाक मामला मे।
11 मुदा मादा बच्चाक स्थिति मे ओ अपन अशुद्धता मे पहिल दू सप्ताहक अनुसार दू सप्ताह दिन आ छियासठि दिन धरि अपन शुद्धिकरणक खून मे रहत, आ सभ अस्सी दिन मे रहत।'
12 ई अस्सी दिन पूरा भेला पर हम सभ ओकरा अदन बगीचा मे अनलहुँ, किएक तँ ओ पृथ् वी सँ पवित्र अछि आ ओहि मे रोपल सभ गाछ पवित्र अछि।
13 तेँ ओहि दिनक नियम निर्धारित कयल गेल छल जे जा धरि नर वा मादा संतान पूरा नहि भऽ जायत ता धरि ओ कोनो पवित्र वस्तु केँ स्पर्श नहि करथि आ ने पवित्र स्थान मे प्रवेश करथि।
14 ई धर्म-नियम आ गवाही इस्राएलक लेल लिखल गेल अछि, जाहि सँ ओ सभ दिन भरि एकर पालन करथि।
15 पहिल महोत्सवक पहिल सप्ताह मे आदम आ हुनकर पत्नी सात वर्ष धरि अदन बगीचा मे खेती-बाड़ी मे काज करैत रहलाह आ हम सभ हुनका काज देलियनि आ हम सभ हुनका आदेश देलियनि जे ओ सभ काज जोतबाक लेल उपयुक्त हो।
16 ओ गाछी मे जोतैत छलाह, आ नंगटे छलाह, नहि जनैत छलाह, आ लाज नहि करैत छलाह, आ गाछी केँ चिड़ै-चुनमुनी आ पशु-पक्षी सँ बचाबैत छलाह, आ ओकर फल जमा करैत छलाह आ खाइत छलाह, आ अवशेष केँ अपना आ अपन पत्नीक लेल एक कात राखि देलनि [आ जे किछु राखल गेल छल से एक कात राखि देलनि]।
17 ओहि सात वर्षक पूरा भेलाक बाद, जे ओ ओतय पूरा केने छलाह, ठीक सात वर्ष, [8 बजे] आ दोसर मास मे, सत्रहम दिन (माहक) मे साँप आबि कऽ ओहि महिला लग आबि गेलाह आ साँप ओहि महिला केँ कहलथिन, 'की परमेश् वर अहाँ केँ ई आज्ञा देने छथि जे, 'अहाँ सभ गाछीक हरेक गाछ नहि खाउ?"
18 ओ ओकरा कहलथिन, 'बागक गाछक सभटा फल मे सँ परमेश् वर हमरा सभ केँ कहने छथि जे, 'खाउ। मुदा बगीचाक बीच मे जे गाछक फल अछि, ताहि मे सँ परमेश् वर हमरा सभ केँ कहने छथि जे, "ओकर फल नहि खायब आ ने ओकरा छूबब, कहीं मरि नहि जायब।"
19 साँप ओहि स् त्री केँ कहलथिन, 'अहाँ सभ अवश्य मरब, किएक तँ परमेश् वर जनैत छथि जे जाहि दिन अहाँ सभ एकर फल खाएब, तखन अहाँ सभक आँखि खुजि जायत आ अहाँ सभ देवता जकाँ भऽ जायब आ नीक-बेजाय केँ बुझब।
20 ओ स् त्री ओहि गाछ केँ देखि कऽ जे ओ गाछ नीक आ आँखि मे नीक लगैत अछि आ ओकर फल भोजनक लेल नीक अछि, आ ओ गाछ लऽ कऽ खा गेलीह।
21 जखन ओ अपन लाज केँ अंजीरक पत्ता सँ झाँपि लेलनि, तखन ओ आदम केँ ओहि लाज केँ दऽ देलथिन आ ओ भोजन कयलनि, तखन हुनकर आँखि खुजि गेलनि आ ओ देखलनि जे ओ नंगटे छथि।
22 ओ अंजीरक पत्ता लऽ कऽ सियलनि आ अपना लेल एकटा एप्रन बनौलनि आ ,अपन लाज झाँपि लेलनि।
23 परमेश् वर साँप केँ श्राप देलनि आ ओकरा पर अनन्त काल धरि क्रोधित रहलाह। . .
24 यीशु ओहि स् त्री पर क्रोधित भऽ गेलाह, किएक तँ ओ साँपक आवाज सुनि कऽ खा गेलीह। आ ओ ओकरा कहलथिन: 'हम तोहर दुख आ तोहर पीड़ा केँ बहुत बढ़ा देबौक, दुख मे तोहर संतान पैदा करब, आ तोहर वापसी तोहर पति लग होयत, आ ओ तोहर शासन करत।'
25 आदम केँ सेहो कहलथिन, ' अहाँ अपन पत्नीक आवाज सुनलहुँ आ ओहि गाछक फल खा गेलहुँ जकर फल हम अहाँ केँ नहि खायबाक आज्ञा देलियैक, तेँ अहाँक लेल जमीन केँ शापित होयत ओहि पृथ्वी पर जतय सँ अहाँ लऽ गेल छलहुँ। कारण, अहाँ पृथ्वी छी, आ पृथ्वी पर घुरि जायब।'
26 ओ हुनका सभक लेल चमड़ाक वस्त्र बनौलनि आ ओकरा सभ केँ कपड़ा पहिरा देलनि आ अदन बगीचा सँ पठा देलनि।
27 जाहि दिन आदम बगीचा सँ निकलल छलाह, ओहि दिन ओ अपन लाज केँ झाँपने छलाह, भोरे-भोर सूर्योदय केर संग एकटा चढ़ावा, लोबान, गल्बनम आ स्तम्भ आ मसाला आ सुगन्धक रूप मे चढ़ौलनि।
28 ओहि दिन सभ जानवर, पशु, चिड़ै-चुनमुनी, जे किछु चलैत अछि, आ जे किछु चलैत अछि, ओकर मुँह बंद भ' गेल छल, जाहि सँ ओ सभ आब बाजि नहि सकैत छल, किएक तँ सभ एक-दोसर सँ एक ठोर आ एक जीह सँ गप्प क' रहल छल।
29 ओ अदन बगीचा सँ अदन बगीचा मे जे किछु छल, सभ मांस पठौलनि, आ सभ मांस अपन प्रकारक अनुसार आ अपन प्रकारक अनुसार ओहि स्थान सभ मे छिड़िया गेल छल जे ओकरा सभक लेल बनाओल गेल छल।
30 ओ असगरे आदम केँ अपन लाज केँ झाँपबाक साधन देलनि, सभ जानवर आ पशु-पक्षी।
31 एहि कारणेँ स् वर्गीय पाटी सभ पर ई नियम अछि जे धर्म-नियमक न् याय केँ जानय बला सभ लोकक विषय मे ई नियम अछि जे ओ सभ अपन लाज केँ झाँपथि आ अपना केँ ओहिना नहि उजागर करथि जेना गैर-यहूदी सभ अपना केँ उजागर करैत छथि।
32 चारिम मासक अमावस्या मे आदम आ ओकर पत्नी अदन बगीचा सँ निकलि गेलाह आ ओ सभ अपन सृष्टि देश मे एल्दा देश मे रहि गेलाह।

33 आदम अपन पत्नीक नाम हव्वा रखलनि।
34 पहिल जुबली [8 बजे] तक हुनका सभक कोनो बेटा नहि छलनि आ तकर बाद ओ हुनका चिन्हलनि।
35 ओ अदन बगीचा मे जेना निर्देश देल गेल छल, तेना जमीन पर खेती केलनि।

अध्याय 4

1 तेसर सप्ताह मे दोसर जयंती मे [64-70 AM] ओ कैन केँ जन्म देलनि, आ चारिम मे [71-77 AM] ओ हाबिल केँ जन्म देलनि, आ पाँचम [78-84 AM] मे ओ अपन बेटी Âwân केँ जन्म देलनि।
2 तेसर महोत्सवक पहिल (वर्ष) मे [99-105 AM] कैन हाबिल केँ मारि देलनि, कारण (परमेश् वर) हाबिलक बलिदान केँ स्वीकार कयलनि, आ कैनक बलिदान केँ स्वीकार नहि कयलनि।
3 ओ ओकरा खेत मे मारि देलथिन, आ ओकर खून जमीन सँ स्वर्ग दिस चिचिया उठल।
4 परमेश् वर कैन केँ हाबिलक कारणेँ डाँटि देलथिन, किएक तँ ओ कैन केँ मारि देलनि, आ अपन भायक खूनक कारणेँ ओकरा पृथ् वी पर भगोड़ा बना देलनि आ पृथ् वी पर ओकरा श्राप देलनि।
5 आ एहि कारणेँ स् वर्गीय पाटी सभ पर लिखल अछि जे, 'ओ शापित अछि ,जे अपन पड़ोसी केँ धोखाधड़ी सँ मारि दैत अछि, आ जे सभ देखनि आ सुनने अछि, से कहय जे, 'एना हो। आ जे आदमी देखलक आ घोषणा नहि केलकै, ओकरा दोसर जकाँ अभिशप्त होअय।'
6 एहि कारणेँ हम सभ जखन अपन प्रभु परमेश् वरक समक्ष अबैत छी तँ ओहि सभ पापक घोषणा करैत छी जे स् वर्ग आ पृथ् वी पर, इजोत आ अन् हार मे आ सभ ठाम कयल गेल अछि।
7 आदम आ ओकर पत्नी चारि सप्ताह धरि हाबिल केर शोक करैत रहलाह, [99-127 AM] आ पाँचम सप्ताहक चारिम वर्ष मे [130 बजे] ओ सभ आनन्दित भ’ गेलाह, आ आदम हुनकर पत्नी केँ फेर सँ चिन्हलनि, आ हुनका एकटा बेटा भेलनि आ ओ हुनकर नाम सेठ रखलनि। कारण ओ कहलनि जे, परमेश् वर हमरा सभक लेल हाबिलक बदला पृथ् वी पर दोसर वंशज ठाढ़ कयलनि अछि। कारण कैन ओकरा मारि देलकैक।'
8 छठम सप्ताह मे [134-40 AM] हुनकर बेटी अज़ूरा भेलनि।
9 कैन अपन बहिन केँ अपन पत्नी बना लेलक आ चारिम जयंतीक समापन मे ओ हनोक केँ जन्म देलक। [190-196 AM] आ पाँचम जयंती के पहिल सप्ताह के पहिल साल में [197 AM] पृथ्वी पर घर बनल, आ कैन एकटा शहर बनौलनि, आ ओकर नाम अपन पुत्र हनोक के नाम पर रखलनि।
10 आदम अपन स् त्री हव्वा केँ चिन्हलनि आ हुनका नौ पुत्र भेलनि।
11 पाँचम जयंतीक पाँचम सप्ताह मे सेत अपन बहिन केँ अज़ूरा केँ अपन पत्नी बना लेलनि, आ चारिम (छठम सप्ताहक वर्ष मे) [235 बजे] ओ हुनका एनोस केँ जन्म देलनि।
12 ओ पृथ् वी पर प्रभुक नाम पुकारय लगलाह।
13 सातम जयंती मे तेसर सप्ताह मे [309-15 AM] एनोस अपन बहिन नोआम केँ अपन पत्नी बना लेलनि आ पाँचम सप्ताहक तेसर वर्ष मे हुनका एकटा बेटा भेलनि आ हुनकर नाम केनान रखलनि।
14 आठम जयंतीक अंत मे [325, 386-3992 AM] केनन अपन बहिन केँ अपन पत्नी बना लेलनि, आ नवम जयंती मे, एहि सप्ताहक तेसर वर्षक पहिल सप्ताह मे, [395 AM] हुनका एकटा बेटा भेलनि आ ओ हुनकर नाम महालालेल रखलनि।
15 दसम जुबलीक दोसर सप्ताह मे महलालेल अपन पिताक भाइक बेटी बरकीएलक बेटी दीना केँ पत्नी मे ल’ लेलनि आ छठम वर्ष मे तेसर सप्ताह मे हुनका एकटा बेटा भेलनि आ ओ हुनकर नाम यारेद रखलनि, कारण हुनकर समय मे प्रभुक स् वर्गदूत पृथ्वी पर उतरैत छलाह, जे सभ मनुष् यक सन्तान सभ केँ शिक्षा देबाक लेल आ पृथ् वी पर न् याय आ सत् यता करबाक लेल पहरेदारक नाम राखल गेल अछि।
16 एगारहम जयन्ती मे यारेद अपन पत्नीक संग विवाह कयलनि, आ ओकर नाम बरका छलनि, जे अपन पिताक भाइक बेटी रसूजालक बेटी छलीह, एहि जयंतीक चारिम सप्ताह मे, [522 बजे] आ हुनका पाँचम सप्ताह मे, जयंतीक चारिम वर्ष मे एकटा बेटा भेलनि, आ ओ हुनकर नाम रखलनि हनोक।
17 पृथ्वी पर जन्मल लोक मे ओ पहिल लोक छलाह जे लेखन आ ज्ञान आ बुद्धि सीखलनि आ स् वर्गक चिन्ह सभ केँ अपन मासक क्रमक अनुसार एकटा पुस्तक मे लिखि देलनि, जाहि सँ मनुष्य अपन अलग-अलग मासक क्रमक अनुसार वर्षक ऋतु सभ केँ जानि सकय।
18 ओ सभसँ पहिने एकटा गवाही लिखलनि आ ओ पृथ् वीक पीढ़ी-दर-पीढ़ी मे मनुष् य-पुत्र सभ केँ गवाही देलनि, आ जुबलीक सप्ताह सभक गवाही देलनि, आ हुनका सभ केँ वर्षक दिनक बारे मे बता देलनि, आ महीना सभ केँ क्रमबद्ध कयलनि आ वर्ष सभक विश्राम-दिन सभ केँ सुनौलनि जेना हम सभ हुनका सभ केँ जनौने रही।
19 ओ अपन नींदक दर्शन मे जे किछु छल आ की होयत, से देखलनि, जेना मनुष् यक सन् तान सभक संग न् यायक दिन धरि होयत। ओ सभ किछु देखि कऽ बुझि गेलाह आ अपन गवाही लिखि कऽ मनुष् यक सभ सन् तान आ अपन पीढ़ीक लेल एहि गवाही केँ पृथ् वी पर राखि देलनि।
20 बारहम जुबली [582-88] मे सातम सप्ताह मे ओ अपना लेल एकटा पत्नीक संग विवाह कयलनि, आ ओकर नाम एडना छलनि, जे हुनकर पिताक भाइक बेटी दानेलक बेटी छलीह, आ एहि सप्ताह मे छठम वर्ष मे हुनका एकटा बेटा भेलनि आ ओ हुनकर नाम मथुसेला रखलनि।
21 एहि छह वर्षक जयंती पर ओ परमेश् वरक स् वर्गदूत सभक संग रहलाह आ ओ सभ पृथ् वी आ स् वर्ग मे जे किछु अछि, सूर्यक राज् य देखौलनि आ ओ सभ किछु लिखि देलनि।
22 ओ पहरेदार सभ केँ गवाही देलथिन जे मनुष् यक बेटी सभक संग पाप कयलनि। कारण, ई सभ मनुष् यक बेटी सभक संग एकजुट भऽ कऽ अशुद्ध भऽ गेल छल आ हनोक सभ गोटेक विरुद्ध गवाही देलक।
23 हुनका मनुष् यक सन् तान सभक बीच सँ लऽ गेलाह आ हम सभ हुनका अदन बगीचा मे महिमा आ आदरपूर्वक लऽ गेलियनि, आ देखू ओतऽ ओ संसारक दण्ड आ न् याय आ मनुष् यक सन् तान सभक सभटा दुष् टता लिखैत छथि।
24 एकर कारणेँ (परमेश् वर) जलप्रलयक पानि पूरा अदन देश पर अनलनि। किएक तँ ओतहि ओ चिन् हक रूप मे राखल गेल छल आ ओ मनुष् यक समस्त संतानक विरुद्ध गवाही देथिन जे ओ दंडक दिन धरि पीढ़ी-दर-पीढ़ी सभक सभ काज केँ सुनाबथि।

25 ओ पवित्र स्थानक धूप, (एतय धरि) पहाड़ पर प्रभुक समक्ष स्वीकार्य मधुर मसाला जरा देलनि।
26 किएक तँ प्रभुक पृथ् वी पर चारिटा स् थान अछि, अदन बगीचा आ पूरबक पहाड़, आ ई पहाड़, जाहि पर अहाँ आइ छी, सिनै पर्वत आ सियोन पहाड़ (जे नव सृष्टि मे पृथ् वीक पवित्रताक लेल पवित्र कयल जायत। एकरऽ द्वारा पृथ्वी दुनिया केरऽ सब (अपनऽ) अपराध आरू ओकरऽ अशुद्धता सं पवित्र होय जैतै ।
27 चौदहम जुबली [652 AM] मे मथुसेल तेसर सप्ताह मे, एहि सप्ताहक पहिल वर्ष मे, अपन पिताक भाइक बेटी अग्रियलक बेटी एडना केँ विवाह कयलनि आ हुनका एकटा बेटा भेलनि आ हुनकर नाम लमेक रखलनि।
28 तेसर सप्ताह मे पन्द्रहम जुबली मे लामेक एकटा पत्नीक संग विवाह कयलनि, आ ओकर नाम बेतेनोस छलनि, जे अपन पिताक भाइक बेटी बरकीएलक बेटी छलीह, आ एहि सप्ताह मे हुनका एकटा बेटा भेलनि आ ओ हुनकर नाम नूह रखलनि, ई कहैत जे, 'ई हमरा हमर संकट आ हमर सभ काज आ ओहि जमीनक लेल सान्त्वना देत।
29 उन्नीसम जुबलीक समापन मे, छठम वर्षक सातम सप्ताह मे आदम मरि गेलाह आ हुनकर सभ पुत्र हुनका अपन सृष्टिक देश मे दफना देलनि, आ ओ सभ पहिने पृथ्वी पर दफनाओल गेलाह।
30 एक हजार वर्षक सत्तरि वर्षक कमी छलनि। कारण एक हजार वर्ष आकाशक गवाही मे एक दिन जकाँ अछि आ तेँ ज्ञानक गाछक विषय मे लिखल गेल छल जे 'जहिया अहाँ सभ ओकर फल खाबऽ तखन मरब।' एहि कारणेँ ओ एहि दिनक वर्ष पूरा नहि केलनि; कारण, ओहि समय मे ओ मरि गेलाह।
31 एहि महोत्सवक समापन मे कैन केँ ओही वर्ष मे हुनका बाद मारल गेलनि। कारण, ओकर घर ओकरा पर खसि पड़लैक आ ओ ओकर घरक बीच मे मरि गेलैक आ ओकर पाथर सँ मारल गेलैक। कारण, ओ हाबिल केँ पाथर सँ मारि देने छल, आ धार्मिक न् याय मे पाथर सँ मारल गेल छल।
32 एहि कारणेँ ई बात स् वर्गीय पाटी सभ पर लिखल गेल छल जे, जाहि वाद्ययंत्र सँ मनुष् य अपन पड़ोसी केँ ओहि वाद्ययंत्र सँ मारैत अछि, ओकरा मारल जायत। जेना ओ ओकरा घायल केलकै, तहिना ओ सभ ओकरा संग व्यवहार करत।'
33 पच्चीसम [1205 बजे] जयन्ती मे नूह एकटा पत्नीक संग विवाह कयलनि, आ ओकर नाम छलनि 'एम्जारा, जे हुनकर पिताक भाइक बेटी छलनि, जे पहिल वर्ष मे पाँचम सप्ताह मे [1207 AM] छलनि एएम] ओकरा हाम के जन्म देलकै, आ पहिल साल छठम सप्ताह मे [1212 एएम] ओकरा याफेत के जन्म देलकै।

अध्याय 5

1 जखन मनुष् यक संतान सभ पृथ् वी पर बढ़य लागल आ हुनका सभक लेल बेटी सभक जन्म भेलनि तखन परमेश् वरक स् वर्गदूत सभ हुनका सभ केँ एहि महोत्सवक एक वर्ष मे देखलनि जे ओ सभ देखबा मे सुन्दर छल। ओ सभ जिनका सभ केँ चुनलनि, तकरा सभ सँ पत्नी लऽ लेलनि आ हुनका सभ केँ पुत्रक जन्म देलनि आ ओ सभ दिग्गज छलाह।
2 आ पृथ्वी पर अराजकता बढ़ि गेल आ सभ मांस ओकर बाट केँ बिगाड़ि देलक, जेना मनुक्ख आ पशु-पक्षी, जानवर आ चिड़ै-चुनमुनी आ पृथ्वी पर चलय बला सभ किछु -सब अपन बाट आदेश केँ भ्रष्ट क' देलक, आ एक-दोसर केँ खाय लागल, आ पृथ्वी पर अराजकता बढ़ि गेल आ सभ मनुक्खक विचारक प्रत्येक कल्पना एहि तरहेँ निरन्तर दुष्ट रहल।
3 परमेश् वर पृथ् वी दिस तकलनि आ देखलनि जे ओ पृथ् वी भ्रष्ट भऽ गेल अछि, आ सभ प्राणी ओकर क्रम केँ नष्ट कऽ देने छल, आ पृथ् वी पर जे सभ छल, ओकर नजरि मे सभ तरहक दुष् ट कऽ देलक।
4 ओ कहलनि जे, ओ पृथ् वी पर जे मनुष् यक आ सभ मांस बनौने छथि, तकरा नष्ट कऽ देथिन।
5 मुदा नूह केँ परमेश् वरक नजरि मे अनुग्रह भेटलनि।
6 आ जाहि स् वर्गदूत सभ केँ ओ पृथ् वी पर पठौने छलाह, हुनका सभक विरुद्ध ओ बहुत क्रोधित छलाह, आ हुनका सभ केँ अपन समस्त प्रभुत्व सँ जड़ि सँ उखाड़बाक आज्ञा देलनि, आ ओ हमरा सभ केँ आज्ञा देलनि जे हुनका सभ केँ पृथ्वीक गहींर मे बान्हि दियौक, आ देखू, ओ सभ हुनका सभक बीच मे बान्हल छथि, आ अलग-अलग (रहल गेल) छथि।
7 हुनका सभक पुत्र सभक विरुद्ध हुनकर मुँह सँ एकटा आज्ञा निकललनि जे हुनका सभ केँ तलवार सँ मारि देल जाय आ स् वर्गक नीचाँ सँ हटा देल जाय।
8 ओ कहलनि जे, 'हमर आत् मा सदिखन मनुष् य पर नहि रहत। कारण, ओहो सभ मांस अछि आ ओकर सभक दिन एक सय बीस वर्ष होयत।'
9 ओ हुनका सभक बीच मे अपन तलवार पठौलनि जे एक-एकटा अपन पड़ोसी केँ मारि देथिन, आ ओ सभ एक-दोसर केँ ताबत धरि मारय लगलाह जाबत धरि ओ सभ तलवार सँ नहि खसि पड़लाह आ पृथ्वी सँ नष्ट नहि भ' गेलाह।
10 ओकर सभक पूर्वज (ओकर सभक विनाशक) गवाह छलाह, आ तकर बाद ओ सभ पृथ् वीक गहींर मे अनन् त काल धरि बान्हल रहलाह, जाबत धरि महान दण्डक दिन नहि होयत, जखन प्रभुक समक्ष अपन बाट आ अपन काज केँ बिगाड़य बला सभ लोक पर न् याय कयल जायत।
11 ओ सभ केँ अपन-अपन ठाम सँ नष्ट कऽ देलनि, आ ओहि मे सँ एको गोटे नहि बचलनि, जकरा ओ सभ दुष्टताक अनुसार न्याय नहि कयलनि।
12 ओ अपन सभ काजक लेल एकटा नव आ धार्मिक स्वभाव बनौलनि, जाहि सँ ओ सभ अपन समस्त स्वभाव मे अनन्त काल धरि पाप नहि करथि, बल् कि सभ अपन-अपन प्रकार मे सदिखन धर्मी रहथि।
13 सभक न् याय स् वर्गीय पाटी सभ पर धार्मिकता मे निर्धारित आ लिखल गेल अछि -एतय तक कि (न्याय) जे सभ ओहि बाट सँ हटि जाइत छथि जे हुनका सभ केँ चलबाक लेल निर्धारित कयल गेल अछि। जँ ओ सभ ओहि मे नहि चलैत छथि तँ सभ प्राणी आ सभ तरहक लेल न्याय लिखल गेल अछि।
14 स् वर्ग मे, पृथ् वी पर, इजोत मे वा अन् हार मे, सीओल मे वा गहींर मे, आ अन् हार मे (जकर न् याय नहि कयल जाइत अछि) किछुओ नहि अछि। आ ओकर सभक सभ निर्णय निर्धारित आ लिखल आ उत्कीर्ण अछि।
15 ओ सभ किछुक विषय मे न्याय करताह,महान केँ अपन महानताक अनुसार, छोट केँ अपन छोटताक अनुसार, आ प्रत्येक केँ अपन-अपन तरीकाक अनुसार।
16 ओ एहन व्यक्ति नहि छथि जे (ककरो व्यक्तिक) परवाह करताह, आ ने ओ एहन छथि जे वरदान प्राप्त करताह, जँ ओ

कहैत छथि जे ओ प्रत्येक पर न्याय करताह, जँ कियो पृथ् वी पर जे किछु अछि, तँ ओ वरदान वा व्यक्ति (ककरो व्यक्ति) कैँ नहि मानत, आ ने अपन हाथ सँ किछु स्वीकार करत, किएक तँ ओ एकटा धर्मी न्यायाधीश छथि।
17 इस्राएलक सन् तान सभक विषय मे लिखल अछि आ निर्धारित कयल गेल अछि जे, "जँ ओ सभ धार्मिकता मे हुनका दिस घुरैत छथि तँ ओ हुनका सभक सभ पाप क्षमा करताह आ हुनका सभक सभ पाप क्षमा करताह।"
18 धर्मशास्त्र मे लिखल अछि आ कहल गेल अछि जे ओ सभ साल मे एक बेर जे सभ अपन सभ अपराध सँ मुक्त भऽ जाइत अछि, तकरा सभ पर दया करताह।
19 जखन कि जलप्रलय सँ पहिने जे सभ अपन बाट आ अपन विचार कैँ बिगाड़ि देलक, तकरा सभक व्यक्ति कैँ मात्र नूह कैँ छोड़ि ककरो स्वीकार नहि कयल गेल। कारण, ओकर व्यक्ति ओकर पुत्र सभक लेल स्वीकार कयल गेल छलैक, जकरा (परमेश् वर) ओकर कारणेँ जलप्रलयक पानि सँ बचा लेलक। किएक तँ ओकर हृदय अपन सभ बाट मे धर्मी छल, जेना ओकरा लेल आज्ञा देल गेल छलैक।
20 परमेश् वर कहलथिन जे ओ पृथ् वी पर जे किछु छल, मनुख-जाति, पशु-पक्षी आ आकाशक चिड़ै-चुनमुनी आ पृथ् वी पर चलयवला सभ कैँ नष्ट कऽ देथिन। ओ नूह कैँ आज्ञा देलथिन जे ओ हुनका लेल एकटा जहाज बनाउ, जाहि सँ ओ अपना कैँ जलप्रलयक पानि सँ बचा सकय।
21 नूह सभ तरहेँ जहाज बनौलनि जेना ओ हुनका आज्ञा देने छलाह, वर्षक सत्ताइसम जुबली मे, पाँचम वर्षक पाँचम सप्ताह मे (पहिल मासक अमावस्या मे)। [1307 पूर्वाह्न]।
22 ओकर छठम (1308 AM] मे दोसर मासक अमावस्या मे सोलहम मास धरि प्रवेश कयलनि। हम सभ जे किछु हुनका लग अनलहुँ से सभ जहाज मे प्रवेश कयलनि आ सत्रहम साँझ मे प्रभु ओकरा बाहर सँ बंद कऽ देलनि।
23 परमेश् वर स् वर्गक सातटा बाढ़ि-द्वार खोललनि, आ पैघ गहींर मे फव्वारा सभक मुँह खोललनि।
24 बाढ़ि-द्वार सभ चालीस दिन आ चालीस राति धरि स् वर्ग सँ पानि बहाए लागल, आ गहींर मे पानि सेहो बहय लागल, जाबत धरि पूरा संसार पानि सँ भरल नहि भऽ गेल।
25 पृथ्वी पर पानि बढ़ि गेल, पनरह हाथ सभ ऊँच पहाड़ सँ ऊपर उठि गेल, जहाज पृथ्वी सँ ऊपर उठि गेल, आ पानि पर चलि गेल।
26 पृथ्वी पर पाँच मास -एक सय पचास दिन धरि पानि प्रबल रहल।
27 जहाज जा कऽ अररातक एकटा पहाड़ लुबरक चोटी पर आबि गेल।
28 अमावस्या मे चारिम मास मे पैघ गहींर मे फव्वारा सभ बंद भऽ गेल आ स्वर्गक बाढ़ि-द्वार सभ कैँ रोकल गेल। सातम मासक अमावस्या मे पृथ् वीक खाई सभक सभ मुँह खुजि गेल आ पानि नीचाँक गहींर मे उतरय लागल।
29 दसम मासक अमावस्या पर पहाड़क चोटी देखबा मे अबैत छल आ पहिल मासक अमावस्या मे पृथ्वी देखबा मे आबि गेल।
30 सातम वर्षक पाँचम सप्ताह मे पृथ्वीक ऊपर सँ पानि गायब भऽ गेल आ दोसर मासक सत्रहम दिन पृथ्वी सुखा गेल।
31 ओकर सत्ताइस दिन सन्दूक खोललनि आ ओहि मे सँ पशु-पक्षी, पशु-पक्षी, चिड़ै-चुनमुनी आ सभ चलैत-फिरैत वस्तु पठौलनि।

अध्याय 6

1 तेसर मासक अमावस्या मे ओ जहाज सँ निकलि ओहि पहाड़ पर वेदी बनौलनि।
2 ओ पृथ् वीक लेल प्रायश्चित कयलनि आ एकटा बछड़ा लऽ कऽ ओकर खून सँ पृथ् वीक सभ अपराधक प्रायश्चित कयलनि। किएक तँ ओहि पर जे किछु छल से सभ किछु नष्ट भऽ गेल छल, सिवाय नूहक संग जहाज मे बैसल लोक सभ।
3 ओकर चर्बी वेदी पर राखि ओ एकटा बैल, एकटा बकरी, एकटा भेड़ आ एकटा बछड़ा, एकटा नून, एकटा कछुआ-कबूतर आ एकटा कबूतरक बच्चा लऽ कऽ वेदी पर होमबलि राखि देलक आ ओहि पर तेल मिलाओल बलिदान ढारि देलक आ सभ किछु पर मदिरा छिड़कि कऽ लोबान छिड़कि कऽ एकटा नीक स्वाद देलक उठू, प्रभुक समक्ष स्वीकार्य।
4 परमेश् वर ओहि सुगन्धक गंध सुनि कऽ हुनका संग एकटा वाचा कयलनि जे आब पृथ् वी कैँ नष्ट करबाक लेल बाढ़ि नहि आओत। जे पृथ्वीक सभ दिन बीज-समय आ फसल कटाई कहियो नहि रुकय। जाड़ आ गर्मी, आ गर्मी आ जाड़, आ दिन-राति अपन क्रम नहि बदलबाक चाही, आ ने सदाक लेल रुकि जाय।
5 'अहाँ सभ, पृथ् वी पर बढ़ू आ बढ़ू, आ ओहि पर बेसी भ' जाउ आ ओकरा पर आशीर्वाद बनू। अहाँक भय आ अहाँक भय हम पृथ्वी आ समुद्र मे जे किछु अछि ताहि मे प्रेरित करब।
6 देखू, हम अहाँ सभ कैँ सभटा पशु, सभ पाँखिबला वस्तु, पृथ् वी पर चलयवला सभ किछु, पानि मे माछ आ सभ किछु भोजनक लेल दऽ देलहुँ अछि। हरियर जड़ी-बूटी जकाँ, हम अहाँ सभ कैँ सभ किछु खाय लेल दऽ देने छी।
7 मुदा ओकर प्राण आ खूनक संग मांस नहि खायब। किएक तँ सभ मनुखक प्राण खून मे अछि, जाहि सँ अहाँ सभक जीवनक खून नहि माँगि जाय।" हर आदमी के हाथ स, हर (पशु) के हाथ स हम मनुष्य के खून के मांग करब।
8 जे केओ मनुष् यक द्वारा मनुखक खून बहबैत अछि, ओकर खून बहल जायत, किएक तँ ओ परमेश् वरक प्रतिरूप मे मनुष् य बनौलनि।
9 अहाँ सभ, बढ़ू आ पृथ् वी पर बढ़ू।'
10 नूह आ ओकर पुत्र सभ कसमे खा लेलक जे ओ सभ कोनो खून मे जे खून अछि से नहि खाएब, आ ओ एहि मास मे पृथ् वीक सभ पीढ़ी मे प्रभु परमेश् वरक समक्ष सदाक लेल वाचा कयलनि।
11 एहि कारणेँ ओ अहाँ कैँ कहलथिन जे अहाँ एहि मास मे इस्राएलक सन्तान सभक संग शपथ ग्रहण कऽ कऽ पहाड़ पर एकटा वाचा करू आ हुनका सभ पर खून छिड़कि दियौक, कारण ओहि वाचाक सभ बातक कारणेँ जे प्रभु हुनका सभक संग अनन्त काल धरि कयलनि।
12 अहाँ सभक विषय मे ई गवाही लिखल गेल अछि जे अहाँ सभ एहि बात कैँ निरंतर पालन करू, जाहि सँ पृथ्वीक भरि दिन मे अहाँ सभ कोनो दिन पशु-पक्षी वा चिड़ै-चुनमुनी वा मवेशीक खून नहि खायब आ जे आदमी पृथ्वीक भरि दिन मे पशु वा पशु वा

चिड़ै-चुनमुनीक खून खायत, ओ आ ओकर वंशज देश सँ जड़ि सँ उखाड़ि देल जायत।
"
14 एहि व्यवस्थाक लेल दिनक कोनो सीमा नहि अछि, किएक तँ ई अनन्त काल धरि अछि। ओ सभ अपन-अपन पीढ़ी-दर-पीढ़ी एकरा पालन करत, जाहि सँ वेदीक समक्ष अहाँ सभक लेल खून सँ विनती करैत रहय। प्रतिदिन आ भोर-साँझक समय मे ओ सभ अहाँ सभक दिस सँ सदिखन प्रभुक समक्ष क्षमा मँगताह जाहि सँ ओ सभ एकरा राखि सकथि आ जड़ि सँ नहि उखाड़ि सकथि।
15 ओ नूह आ हुनकर पुत्र सभ कैँ एकटा संकेत देलनि जे फेर सँ पृथ्वी पर जलप्रलय नहि आबय।
16 ओ अपन धनुष मेघ मे राखि अनन् त वाचाक चिन् हक रूप मे राखि देलनि जे पृथ्वी पर फेर सँ जल-प्रलय नहि आबि जाय जे पृथ्वी पर भरि दिन ओकरा नष्ट कऽ देत।
17 एहि कारणेँ स् वर्गीय पाटी सभ पर ई नियम आ लिखल अछि जे ओ सभ साल मे एक बेर एहि मास मे सप्ताहक पाबनि मनाबथि, जाहि सँ ओ सभ साल मे वाचा कैँ नवीकरण करथि।
18 ई पूरा पावनि सृष्टिक दिन सँ नूहक दिन धरि स्वर्ग मे मनाओल गेल छल -छब्बीस जुबली आ पाँच सप्ताह वर्ष [1309-1659 AM]। आ खून खाइत छथि।
19 अब्राहम एकरा पालन करैत रहलाह, आ इसहाक आ याकूब आ हुनकर सन्तान सभ अहाँ सभक दिन धरि एकरा पालन करैत रहलाह, आ अहाँक समय मे इस्राएलक सन्तान सभ एकरा बिसरि गेल जाबत धरि अहाँ सभ एहि पहाड़ पर नव रूप सँ मनाओल नहि गेलहुँ।
20 अहाँ इस्राएलक सन् तान सभ कैँ आज्ञा दऽ दियौक जे ओ सभ एहि पाबनि कैँ अपन सभ पीढ़ी मे ई पाबनि मनाबथि, जाहि सँ हुनका सभक आज्ञा होयत।
21 किएक तँ ई सप्ताहक पाबनि आ पहिल फलक पाबनि अछि, ई भोज दू तरहक आ दोहरी प्रकृतिक अछि।
22 हम पहिल धर्म-नियमक पोथी मे लिखने छी जे अहाँ एकरा अपन समय मे, साल मे एक दिन मनाबी, आ हम अहाँ कैँ एकर बलिदानक बारे मे बुझा देलहुँ जाहि सँ इस्राएलक सन्तान सभ एहि मास मे अपन-अपन पीढ़ी मे एकरा मनाबथि, प्रत्येक वर्ष मे एक दिन।
23 पहिल मासक अमावस्या, चारिम मासक अमावस्या, सातम मासक अमावस्या आ दसम मासक अमावस्या पर स्मरणक दिन आ वर्षक चारि विभाजन मे ऋतुक दिन होइत अछि। ई सब लिखल गेल अछि आ सदिखन गवाही के रूप मे नियुक्त कयल गेल अछि|
24 नूह ओकरा सभ कैँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी सभक लेल भोजक रूप मे अपना लेल निर्धारित कयलनि, जाहि सँ ओ सभ हुनका लेल स्मारक बनि गेलाह।
25 पहिल मासक अमावस्या मे हुनका अपना लेल एकटा जहाज बनेबाक लेल कहल गेलनि, आ ओहि दिन पृथ्वी सुखा गेलनि आ ओ जहाज खोलि कऽ पृथ्वी कैँ देखलनि।
26 चारिम मासक अमावस्या मे नीचाँक अथाह गहींर मे मुँह बन्न भऽ गेल। सातम मासक अमावस्या मे पृथ् वीक खाई सभक सभ मुँह खुजि गेल आ पानि ओहि मे उतरय लागल।
27 दसम मासक अमावस्या पर पहाड़क चोटी देखल गेल आ नूह प्रसन्न भेल।
28 एहि कारणेँ ओ सभ ओकरा सभ कैँ सदाक लेल स्मरणीय भोजक रूप मे अपना लेल निर्धारित कयलनि आ एहि तरहेँ ओ सभ नियुक्त कयल गेल छथि।
29 ओ सभ ओकरा सभ कैँ स् वर्गीय पाटी सभ पर राखि देलक, जाहि मे तेरह सप्ताहक समय छल। एक सँ दोसर (पास) अपन स्मारक, पहिल सँ दोसर, आ दोसर सँ तेसर, आ तेसर सँ चारिम धरि|
30 आज्ञाक सभ दिन दू-पचास सप्ताहक दिन होयत आ (ई सभ साल भरि पूरा कऽ देत।" एहि तरहें एकरा स्वर्गीय पाटी पर उत्कीर्ण आ नियुक्ति कयल गेल अछि|
31 एक वर्ष वा साल दर साल (एहि आज्ञाक) कोनो उपेक्षा नहि होइत अछि।
32 अहाँ इस्राएलक सन्तान सभ कैँ आज्ञा दियौक जे ओ सभ एहि हिसाब सँ वर्षक पालन करथि- तीन सय चौंसठ दिन, आ (ई सभ) एकटा पूरा वर्षक गठन करत, आ ओ सभ एकर समय कैँ ओकर दिन आ ओकर भोज सँ नहि भंग करत। कारण, हुनका सभक गवाही अनुसार सभ किछु हुनका सभ मे खसि पड़तनि, आ ओ सभ कोनो दिन छोड़ि नहि देताह आ ने कोनो भोज मे परेशानी करताह।
33 मुदा जँ ओ सभ उपेक्षा करत आ हुनकर आज्ञाक अनुसार ओकर पालन नहि करत, तखन ओ सभ अपन सभ ऋतु कैँ भंग कऽ देत आ वर्ष सभ एहि (क्रम) सँ हटा देत, [आ ओ सभ ऋतु सभ कैँ भंग कऽ देत आ वर्ष सभ कैँ भगा देल जायत] आ ओ सभ अपन नियम सभक उपेक्षा करत।
34 इस्राएलक सभ सन् तान बिसरि जायत आ वर्षक बाट नहि पाओत, आ अमावस्या, ऋतु आ विश्राम-दिन कैँ बिसरि जायत आ वर्षक सभ क्रमक अनुसार गलत भऽ जायत।
35 हम जनैत छी आ आब सँ हम अहाँ कैँ ई बात कहब, आ ई हमर योजना मे नहि अछि। कारण, हमरा सँ पहिने लिखल पुस्तक (झूठ) आ स् वर्गीय पाटी सभ पर दिनक विभाजन निर्धारित कयल गेल अछि, जाहि सँ ओ सभ वाचाक पाबनि कैँ बिसरि नहि जाय आ अपन गलती आ अज्ञानताक बाद गैर-यहूदी सभक भोजक अनुसार नहि चलत।
36 किएक तँ एहन लोक हेताह जे निश्चित रूपसँ चन्द्रमाक अवलोकन करताह -कोना (ई) ऋतु सभकैँ परेशान करैत अछि आ साल दर साल दस दिन बेसी जल्दी आबि जाइत अछि।
37 एहि कारणेँ हुनका सभ पर एहन वर्ष आओत जखन ओ सभ (क्रम) कैँ भंग करत, आ एकटा घृणित (दिन) कैँ गवाही देबाक दिन बना देत, आ एकटा अशुद्ध दिन कैँ पाबनिक दिन बना देत, आ ओ सभ सभ दिन, पवित्र दिन कैँ अशुद्ध आ अशुद्ध दिन कैँ पवित्र दिन सँ, भ्रमित करत। किएक तँ ओ सभ महिना आ विश्राम-दिन आ पाबनि आ जुबलीक विषय मे गलत भ' जेताह।
38 एहि लेल हम अहाँ कैँ आज्ञा दैत छी आ गवाही दैत छी जे अहाँ हुनका सभक गवाही देब। कारण, तोहर मृत्युक बाद तोहर संतान सभ ओकरा सभ कैँ परेशान करत, जाहि सँ ओ सभ साल कैँ मात्र तीन सय चौंसठि दिन नहि बनाओत, आ एहि कारणेँ ओ सभ अमावस्या, ऋतु आ विश्राम-दिन आ पाबनि-तिहारक विषय मे गलत भ' जेताह, आ ओ सभ तरह-तरह केर खून खायत।

अध्याय 7

1 ओकर पहिल वर्ष [1317 AM] मे सातम सप्ताह मे, एहि जयंती मे, नूह ओहि पहाड़ पर बेल लगौलनि, जाहि पहाड़ पर जहाज टिकल छल, जकर नाम छल लुबर, अरारात पर्वत मे सँ एक छल, आ ओ सभ चारिम वर्ष [1320 बजे] फल देलक आ ओ ओकर फलक पहरा देलक आ सातम मास मे एहि वर्ष मे ओकरा जमा कयलक।
2 ओहि मे सँ मदिरा बना कऽ एकटा बर्तन मे राखि पाँचम वर्ष [1321 बजे] पहिल मासक अमावस्या दिस पहिल दिन धरि राखि देलनि।
3 ओ एहि भोजक दिन हर्षोल्लास सँ मनबैत छलाह आ प्रभुक लेल होमबलि चढ़ौलनि, एक-एकटा बैल आ एकटा मेढ़ा, आ सातटा भेँड़ा, एक-एकटा सालक आ एक-एकटा बकरी, जाहि सँ ओ अपना आ अपन पुत्र सभक प्रायश्चित करथि।
4 ओ पहिने बछड़ा कें तैयार कयलनि आ ओकर किछु खून ओहि वेदी पर जे मांस बनौने छलाह, ओहि मांस पर राखि देलनि, आ सभटा चर्बी ओहि वेदी पर राखि देलनि जतय ओ होमबलि दैत छलाह, बैल, मेढ़ा आ भेड़ कें, आ ओकर सभटा मांस वेदी पर राखि देलनि।
5 ओ हुनका सभक सभ बलिदान तेल मे मिला कऽ ओहि पर राखि देलनि आ तकर बाद वेदी पर पहिने जे आगि बनौने छलाह ताहि पर मदिरा छिड़कि देलनि आ वेदी पर धूप राखि अपन परमेश् वर परमेश् वरक सोझाँ स्वीकार्य गंध कें चढ़ा देलनि।
6 ओ आ अपन सन् तान सभ खुशी सँ एहि मदिरा मे आनन्दित भऽ कऽ पीबि गेलाह।
7 साँझ भऽ गेलै आ ओ अपन डेरा मे गेलाह आ नशा मे धुत्त भऽ ओ सुति गेलाह आ सुतैत काल अपन डेरा मे उघार भ' गेलाह।
8 हाम अपन पिता नूह कें नंगटे देखि बाहर निकलि कऽ बाहर अपन दुनू भाय कें कहलथिन।
9 शेम अपन वस्त्र लऽ कऽ उठलाह, ओ आ याफेत, ओ सभ ओहि वस्त्र कें कान्ह पर राखि पाछू घुमि गेलाह आ अपन पिताक लाज कें झाँपि देलनि आ मुँह पाछू भ' गेलनि।
10 तखन नूह नींद सँ जागि गेलाह आ हुनकर छोटका बेटा हुनका संग जे किछु केने छलनि से बुझि गेलाह, आ ओ अपन बेटा कें गारि पढ़ैत कहलथिन: 'कनान कें शापित हो। ओ अपन भाइ सभक गुलाम दास बनत।'
11 ओ शेम कें आशीष दऽ कऽ कहलथिन, 'शेमक परमेश् वर परमेश् वर कें धन्य होनि आ कनान हुनकर सेवक होयत।
12 परमेश् वर याफेत कें पैघ करताह, आ परमेश् वर शेमक निवास मे रहताह, आ कनान हुनकर सेवक बनताह।'
13 हाम कें बुझल छलनि जे हुनकर पिता अपन छोटका बेटा कें गारि देने छथि, आ हुनका एहि बात सँ नाराजगी भेलनि जे ओ अपन बेटा कें गारि देलनि। ओ अपन पिता सँ अलग भऽ गेलाह, हुनका संग हुनकर पुत्र सभ, कुश, मिस्राइम आ पुत आ कनान।
14 ओ अपना लेल एकटा नगर बनौलनि आ ओकर नाम अपन पत्नी नेएलातमाउक रखलनि।
15 याफेत ई देखि कऽ अपन भाय सँ ईर्ष्या करऽ लगलाह आ ओहो अपना लेल एकटा नगर बनौलनि आ ओकर नाम अपन पत्नीक नाम पर रखलनि।
16 शेम अपन पिता नूहक संग रहि गेलाह आ ओ पहाड़ पर अपन पिताक समीप एकटा नगर बनौलनि आ ओहो ओकर नाम अपन पत्नी सेदेकेतेलेबाबक नाम पर रखलनि।
17 ई तीनू नगर लुबर पर्वतक लग मे अछि। सेदेकेतेलेबाब अपन पूर्व दिस पहाड़क सामने; आ दक्षिण मे ना'एलतमाउक। पश्चिम दिस 'अदातन'एसेस।
18 शेमक पुत्र ई सभ छथि : एलाम, अशूर आ अर्पचशद -ई (पुत्र) जलप्रलयक दू वर्षक बाद जन्म लेलनि- आ लुद आ अराम।
19 याफेतक पुत्र गोमेर, मागोग, मदै, यावन, तुबल, मेशेक आ तिरास।
20 अड़इसम जुबली मे [1324-1372 AM] नूह अपन पुत्र सभक पुत्र सभ कें ओहि नियम आ आज्ञा आ सभ न्यायक आज्ञा देबय लगलाह जे ओ जनैत छलाह, आ ओ अपन पुत्र सभ कें धार्मिकताक पालन करबाक लेल, आ अपन शरीरक लाज कें झाँपबाक लेल, आ अपन सृष्टिकर्ता कें आशीर्वाद देबाक लेल, आ पिता-माए कें आदर करबाक लेल, आ अपन पड़ोसी सँ प्रेम करबाक लेल आग्रह कयलनि व्यभिचार आ अशुद्धि आ सभ अधर्म सँ हुनका सभक प्राण कें बचाउ।
21 एहि तीनू बातक कारणेँ पृथ् वी पर जलप्रलय आबि गेल, अर्थात् ओहि व्यभिचारक कारणेँ, जाहि मे पहरेदार सभ अपन नियमक विरोध मे मनुष् यक बेटी सभक पाछाँ वेश्यावृत्ति कयलनि आ ओ सभ जे किछु चुनलनि, ताहि मे सँ अपना कें स् त्री लऽ लेलनि।
22 हुनका सभक पुत्र नफीदीम भेलनि, आ सभ एक-दोसर कें खा गेलाह, आ दिग्गज सभ नाफिल कें मारि देलक, आ नाफिल सभ एल्जो कें, एल्जो मनुक्ख कें आ एक-दोसर कें मारि देलक।
23 सभ कियो अधलाह काज करबाक लेल अपना कें बेचि लेलक आ बहुत खून बहाबय लेल अपना कें बेचि देलक।
24 एकर बाद ओ सभ पशु आ चिड़ै-चुनमुनी आ पृथ् वी पर चलैत-चलैत सभ लोकक विरुद्ध पाप कयलक आ पृथ् वी पर बहुत खून बहल गेल आ मनुष् य सभक सभ कल्पना आ इच्छा निरंतर व्यर्थ आ अधलाहक कल्पना करैत रहल।
25 प्रभु पृथ् वी पर सँ सभ किछु नष्ट कऽ देलनि। हुनका लोकनिक काजक दुष्टताक कारणेँ आ पृथ्वीक बीच मे जे खून बहौने छलाह ताहि कारणेँ ओ सभ किछु नष्ट क' देलनि।
26 'हमरा सभ, हम आ अहाँ, हमर पुत्र सभ, आ जे किछु हमरा सभक संग जहाज मे प्रवेश कयलनि, से सभ किछु रहि गेलहुँ, आ देखू, हम अहाँक सभ काज हमरा सोझाँ देखैत छी जे अहाँ सभ धार्मिकता मे नहि चलैत छी, किएक तँ अहाँ सभ विनाशक बाट मे चलय लगलहुँ, आ अहाँ सभ एक-दोसर सँ अलग भ' रहल छी, आ एक-दोसर सँ ईर्ष्या करैत छी, आ (एना होइत अछि) जे अहाँ सभ अपन भाय सभक संग मेल-मिलाप नहि करैत छी।
27 हम देखैत छी, आ देखैत छी जे राक्षस सभ अहाँ सभक आ अहाँक संतान सभक विरुद्ध (अपन) बहकाव शुरू कऽ देलक अछि आ आब हमरा अहाँ सभक दिस सँ डर अछि जे हमर मृत्युक बाद अहाँ सभ मनुष्यक खून पृथ्वी पर बहा देब आ अहाँ सभ सेहो पृथ् वी पर सँ नष्ट भऽ जायब।
28 जे केओ मनुष् यक खून बहबैत अछि आ जे केओ कोनो मांसक खून खाइत अछि, से सभ पृथ् वी पर नष्ट भऽ जायत।
29 आ ने केओ खून खाएब आ पृथ् वी पर मनुष् यक खून बहाओत आ ने ओकरा लेल स् वर्गक नीचाँ रहय बला कोनो बीया वा वंशज नहि बचत। कारण, ओ सभ सीओल मे जायत, आ दोषी ठहरबाक स्थान पर उतरत, आ गहींर मे अन्हार मे ओ सभ एकटा हिंसक मृत्यु सँ दूर भ' जायत।

30 अहाँ सभ ओहि सभ खूनक खून मे सँ कोनो खून नहि देखल जायत, जाहि दिन अहाँ सभ कोनो जानवर वा पशु वा पृथ्वी पर जे किछु उड़ैत अछि, तकरा मारि देब आ पृथ् वी पर जे किछु बहल गेल अछि ओकरा झाँपि कऽ अहाँ सभ अपन प्राणक लेल नीक काज करब।
31 अहाँ सभ खून सँ भोजन करयवला जकाँ नहि बनब, बल् कि अपना कें सावधान रहब जे अहाँ सभक सामने केओ खून नहि खाय।
32 आ प्राणी कें मांसक संग नहि खाय दियौक, जाहि सँ अहाँक खून, जे अहाँक प्राण अछि, पृथ् वी पर बहा देनिहार कोनो मांसक हाथ सँ नहि माँगय।
33 पृथ्वी पर जे खून बहल गेल अछि, ताहि सँ शुद्ध नहि होयत। कारण, (केवल) जे ओकरा बहौलक ओकर खून सँ पृथ्वी अपन सभ पीढ़ी मे शुद्ध होयत।
34 आब, हमर बच्चा सभ, सुनू, न्याय आ धार्मिकता करू जाहि सँ अहाँ सभ पूरा पृथ् वी पर धार्मिकता मे रोपने होयब, आ अहाँक महिमा हमर परमेश् वरक समक्ष ऊपर उठि गेल, जे हमरा जलप्रलयक पानि सँ बचा लेलनि।
35 आ देखू, अहाँ सभ जा कऽ अपना लेल नगर बनाबह आ ओहि मे पृथ्वी पर जे सभ पौधा अछि आ ताहू मे सभ फलदार गाछ रोपब।
36 तीन वर्ष धरि जे किछु खाएल जायत ओकर फल नहि जुटाओल जायत, आ चारिम वर्ष मे ओकर फल पवित्र मानल जायत [आओर ओ सभ पहिल फल कें चढ़ाओत], जे परमात्मा परमेश् वरक समक्ष स्वीकार्य होयत, जे स् वर्ग आ पृथ् वी आ सभ वस्तुक सृजन कयलनि। मदिरा आ तेल (जेना) पहिल फल मे सँ पहिल फल प्रभुक वेदी पर प्रचुर मात्रा मे चढ़ाबथि, जे ओकरा ग्रहण करैत छथि, आ जे किछु बचल अछि से प्रभुक घरक सेवक सभ ओहि वेदीक समक्ष भोजन करथि जे (ओकरा ग्रहण करैत छथि)।
37 पाँचम वर्ष मे अहाँ सभ ओकरा छोड़ि दियौक जाहि सँ अहाँ सभ ओकरा धार्मिक आ सोझता मे छोड़ि दियौक आ अहाँ सभ धर्मी भऽ जायब आ जे किछु रोपब से सभ फलित होयत।
38 अहाँ सभक पिताक पिता हनोक एहि तरहेँ अपन पुत्र मथुसेल आ हुनकर पुत्र मथुसेला लमेक कें आज्ञा देलनि आ लामेक हमरा ओहि सभ बातक आज्ञा देलनि जे हुनकर पूर्वज हुनका देलनि।
39 हमर बेटा सभ, हमहूँ अहाँ सभ कें आज्ञा देब, जेना हनोक अपन पुत्र कें पहिल जुबली मे आज्ञा देने छलाह।

अध्याय 8

1 उनइसम जुबली मे पहिल सप्ताह मे [1373 AM] ओकर शुरुआत मे अर्पचशाद एकटा पत्नीक संग भेलाह आ ओकर नाम रसुएजा छलनि, जे एलामक बेटी सुसानक बेटी छलीह आ एहि सप्ताह मे तेसर वर्ष मे हुनका एकटा बेटा भेलनि, [1375 AM] आ ओ हुनकर नाम कैनाम रखलनि।
2 बेटा पैघ भेल आ ओकर पिता ओकरा लिखब सिखाबैत छलैक आ ओ अपना लेल एकटा एहन स्थान ताकय लेल गेल जतय ओ अपना लेल एकटा शहर हड़पि सकय।
3 हुनका एकटा एहन लेख भेटलनि जे पहिने (पीढ़ी) चट्टान पर उकेरने छल, आ ओहि पर जे किछु छल से पढ़लनि, आ ओकरा लिपिबद्ध कयलनि आ ओकर कारणेँ पाप कयलनि। कारण ओहि मे चौकीदार लोकनिक शिक्षा छल जकर अनुसार ओ लोकनि स्वर्गक सभ राशि मे सूर्य आ चन्द्रमा आ तारा सभक शगुन कें पालन करैत छलाह |
4 ओ ओकरा लिखि कऽ ओकरा बारे मे किछु नहि बाजल। किएक तँ ओ एहि विषय मे नूह सँ गप्प करबा मे डरैत छल, जाहि सँ ओ ओकरा पर क्रोधित नहि भ' जाय।
5 तीसम जुबली मे दोसर सप्ताह मे पहिल वर्ष मे ओ अपन पत्नीक संग विवाह कयलनि आ ओकर नाम मेल्का छलनि जे याफेतक पुत्र मदैक बेटी छलीह आ चारिम वर्ष मे हुनका एकटा बेटा भेलनि आ हुनकर नाम शेला रखलनि। कारण ओ कहलनि जे, 'सत्ते हम पठाओल गेल छी।'
6 [आ चारिम वर्ष मे हुनकर जन्म भेलनि], आ शेला पैघ भ' क' अपन पत्नीक संग विवाह कयलनि, आ ओकर नाम मुआक छलनि, जे हुनकर पिताक भाइ केसेदक बेटी छलीह, जे एक-तीसम जुबली मे, पाँचम सप्ताह मे, ओकर पहिल वर्ष [1499 AM] मे छल।
7 ओकर पाँचम वर्ष [1503 AM] मे हुनका एकटा बेटा भेलनि, आ ओ हुनकर नाम एबर रखलनि, आ ओ अपना लेल एकटा पत्नी ल' लेलनि, आ हुनकर नाम छलनि 'अजूराद, जे नेब्रोदक बेटी छलीह, बत्तीसम जयंती मे, सातम सप्ताह मे, तेसर वर्ष मे। [1564 पूर्वाह्न]।
8 ओकर छठम वर्ष [1567 AM] मे हुनका बेटा भेलनि आ ओ हुनकर नाम पेलेग रखलनि। कारण, जखन हुनकर जन्म भेल छलनि, तखने नूहक संतान सभ पृथ् वी कें आपस मे बाँटि रहल छलाह।
9 ओ सभ गुप्त रूप सँ अपना मे बाँटि कऽ नूह कें कहलथिन।
10 तेतीसम महोत्सवक प्रारंभ मे ओ सभ पृथ् वी कें तीन भाग मे बाँटि देलक, कारण सेम आ हाम आ याफेत, प्रत्येकक उत्तराधिकारक अनुसार, पहिल सप्ताह मे पहिल वर्ष मे, जखन हमरा सभ मे सँ एक गोटे पठाओल गेल छल, हुनका सभक संग छल।
11 ओ सभ अपन पुत्र सभ कें बजौलनि आ ओ सभ अपन बच्चा सभ हुनका लग आबि गेलाह आ पृथ् वी कें ओहि चिट्ठी मे बाँटि देलनि, जकरा अपन तीनू बेटा कें अपना कब्जा मे लेबाक छलनि, आ ओ सभ हाथ बढ़ौलनि आ अपन पिता नूहक कोरा मे सँ लिखल लेखन निकालि लेलनि।
12 आ लेखन पर शेमक भाग्यक रूप मे धरतीक मध्य भाग निकलल जे ओ अनन्त काल धरि अपना आ अपन पुत्र सभक लेल उत्तराधिकारक रूप मे लेताह, राफा पर्वत श्रृंखलाक बीच सँ, टीना नदी सँ पानिक मुहाना सँ, आ ओकर भाग एहि नदीक बीच सँ पश्चिम दिस जाइत अछि, आ ओ पानि धरि पसरल अछि खाई, जकरा सँ ई नदी बाहर निकलि अपन पानि मेअत समुद्र मे ढारि दैत अछि आ ई नदी महान समुद्र मे बहैत अछि | उत्तर दिस जे किछु अछि से याफेतक अछि आ दक्षिण दिस जे किछु अछि से शेमक अछि।
13 ओ करसो धरि पसरल रहैत अछि, ई ओहि जीहक कोरा मे अछि जे दक्षिण दिस तकैत अछि।
14 ओकर भाग महान समुद्रक कात मे पसरल अछि आ सोझ रेखा मे ताबत धरि पसरल अछि जाबत धरि ओ दक्षिण दिस देखय बला जीहक पश्चिम मे नहि पहुँचि जाइत अछि, कारण एहि समुद्रक नाम मिस्र सागरक जीह राखल गेल अछि।

15 एतय सँ दक्षिण दिस घुमि कऽ (अपन) पानिक कात मे महान समुद्रक मुहाना दिस घुमैत अछि, आ पश्चिम दिस अफ्रा धरि पसरल अछि, आ गिहोन नदीक पानि धरि पसरल रहैत अछि, आ गिहोनक पानि सँ दक्षिण दिस एहि नदीक कात धरि।
16 ई पूब दिस पसरल अछि, जाबत धरि ओ अदन बगीचा धरि नहि पहुँचैत अछि, ओकर दक्षिण दिस, [दक्षिण दिस] आ पूरा अदन देशक पूरब आ समस्त पूरब दिस सँ, ई पूब दिस घुमैत अछि आ आगू बढ़ैत अछि जाबत धरि राफा नामक पहाड़क पूब दिस नहि पहुँचैत अछि आ टीना नदीक मुहानाक कात धरि उतरैत अछि।
17 ई भाग शेम आ ओकर पुत्र सभक लेल चिट्ठी सँ निकलल जे ओ सभ ओकरा सभ केँ अनन्त काल धरि अपन पीठ मे राखि लेत।
18 नूह एहि बात पर आनन्दित भेलाह जे ई भाग शेम आ हुनकर पुत्र सभक लेल आबि गेलनि आ ओ सभ बात मोन पाड़ि गेलाह जे ओ अपन मुँह सँ भविष्यवाणी कयल गेल छलाह। कारण, ओ कहने छलाह: 'शेमक परमेश् वर प्रभु केँ धन्य होथि आ प्रभु शेमक निवास मे रहथि।'
19 ओ जनैत छलाह जे अदन बगीचा पवित्र स्थानक पवित्र स्थान अछि, आ प्रभुक निवास स्थान अछि, आ सिनै पहाड़ मरुभूमिक केंद्र अछि, आ सियोन पर्वत -पृथ्वीक नाभिक केंद्र अछि: ई तीनू एक दोसराक मुँह पर पवित्र स्थानक रूप मे बनाओल गेल अछि।
20 ओ परमेश् वरक परमेश् वर केँ आशीष कयलनि, जे प्रभुक वचन हुनका मुँह मे राखि देलनि आ प्रभु केँ सदाक लेल।
21 ओ जनैत छलाह जे शेम आ हुनकर पुत्र सभ केँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी धरि एकटा धन्य भाग आ आशीर्वाद भेटल अछि -पूरी अदन भूमि आ पूरा लाल सागरक देश, आ पूरा पूरब आ भारतक देश, आ लाल सागर आ ओकर पहाड़ पर, आ समस्त बाशान भूमि, आ समस्त लेबनान भूमि आ कफ्तुर द्वीप, आ समस्त सनीर आ 'अमाना, आरू उत्तर में अशूर के पहाड़, आरो एलाम, अशूर, बाबेल, सुसान आरू माएदाई के सब भूमि, आरो समुद्र के पार के सब क्षेत्र, जे उत्तर में अशूर के पहाड़ के पार छै, एक धन्य आरू विशाल भूमि, आरू ओकरा में जे कुछ छै, वू बहुत अच्छा छै।'
22 किएक तँ हाम दोसर भाग निकलल, गिहोनसँ आगू दक्षिण दिस बगीचाक दहिना कात, आ दक्षिण दिस पसरल अछि आ आगि केर सभ पहाड़ धरि पसरल अछि, आ पश्चिम दिस अटेल समुद्र धरि पसरल अछि आ पश्चिम दिस ताबत धरि पसरल अछि जाबत धरि ओ माउक समुद्र धरि नहि पहुँचैत अछि -जे (समुद्र) मे जे किछु नष्ट नहि भेल अछि, तकरा उतरि जाइत अछि।
23 ई उत्तर दिस बढ़ि गदीरक सीमा धरि जाइत अछि आ समुद्रक पानिक तट धरि बढ़ैत अछि जाबत धरि गिहोन नदीक लग नहि पहुँचैत अछि आ गिहोन नदीक कात मे जा धरि अदन बगीचाक दहिना कात नहि पहुँचि जाइत अछि।
24 ई ओ देश अछि जे हामक लेल ओहि भागक रूप मे आयल छल जाहि पर ओ अपना आ अपन पुत्र सभक लेल अनन्त काल धरि रहबाक छल।
25 किएक तँ याफेत टीना नदीक ओहि पार ओकर पानिक बहावक उत्तर दिस तेसर भाग निकलल आ ई उत्तर-पूर्व दिस पूरा गोग क्षेत्र आ ओकर पूबक समस्त देश धरि पसरल अछि।
26 आ ई उत्तर दिस उत्तर दिस पसरल अछि, आ उत्तर दिस क्‍ेल्टक पहाड़ धरि, आ माउक समुद्र दिस पसरल अछि, आ गदीरक पूब दिस समुद्रक पानिक क्षेत्र धरि जाइत अछि।
27 आ ई ताबत धरि पसरल रहैत अछि जाबत धरि फाराक पश्चिम दिस नहि पहुँचि जाइत अछि आ अफेराग दिस घुरि जाइत अछि, आ पूब दिस मेअत समुद्रक पानि धरि पसरैत अछि।
28 आ ई उत्तर-पूर्व दिशा मे टीना नदीक क्षेत्र धरि पसरल अछि जाबत धरि ई अपन पानिक सीमाक नजदीक राफा पहाड़ दिस नहि पहुँचि जाइत अछि आ उत्तर दिस गोल भ' जाइत अछि।
29 ई ओ देश अछि जे याफेत आ ओकर पुत्र सभक लेल अपन उत्तराधिकारक भागक रूप मे आयल छल जे ओ अपना आ अपन पुत्र सभक लेल, हुनका सभक पीढ़ी-दर-पीढ़ी सभक लेल अनन्त काल धरि अपन सम्पत्ति मे राखि लेताह। पाँच टा पैघ द्वीप, आ उत्तर मे एकटा पैघ भूमि।
30 मुदा ठंढा अछि, आ हामक देश गरम अछि, आ शेमक देश ने गरम अछि आ ने ठंढा, बल् कि ओ ठंढा आ गर्मीक मिश्रित अछि।

अध्याय 9

1 हाम अपन पुत्र सभक बीच बँटि गेल आ पहिल भाग पूब दिस कुश आ पश्चिम दिस मिस्राइम आ पश्चिम मे पुत आ पश्चिम दिस समुद्र मे कनान दिस बढ़ल।
2 शेम सेहो अपन पुत्र सभक बीच बाँटि लेलक आ पहिल भाग हाम आ ओकर पुत्र सभक लेल दग्रिस नदीक पूब दिस बढ़ल जाबत धरि ओ पूब दिस नहि पहुँचि गेल, पूरा भारतक समस्त देश आ ओकर तट पर लाल सागर, आ देदानक पानि, मेबरी आ एलाक समस्त पहाड़, आ सूसानक समस्त भूमि आ फरनाकक कात मे जे किछु अछि, लाल सागर आ टीना नदी धरि।
3 अशूरक दोसर भाग अश्शूर, नीनवे आ शिनार आ भारतक सीमा धरि निकलल आ ओ नदीक चढ़ैत अछि आ चारू कात अछि।
4 आरपचशाद तेसर भाग, यूफ्रेटिस नदीक पूरब मे कल्दी प्रदेशक समस्त देश, लाल सागरक सीमा मे आ समुद्रक जीभक समीप मरुभूमिक समस्त पानि, जे मिस्र दिस तकैत अछि, समस्त लेबनान आ सनीर आ अमाना देश यूफ्रेटिसक सीमा धरि।
5 अरामक लेल चारिम भाग निकलल, जे मेसोपोटामियाक समस्त देश छल, जे दग्रिस आ फरातक बीच मेसोपोटामियाक उत्तर मे अश्शूर पर्वत आ अररा देशक सीमा धरि छल।
6 लुदक लेल पाँचम भाग, अशूरक पहाड़ आ ओकर सभक सभटा, जाबत धरि ओ महान सागर धरि नहि पहुँचि गेल आ ओकर भाय अशूरक पूब दिस पहुँचि गेल।
7 याफेत सेहो अपन उत्तराधिकारक देश अपन पुत्र सभक बीच बाँटि लेलनि।
8 पहिल भाग पूब दिस गोमेरक लेल उत्तर दिस सँ टीना नदी धरि निकलल। उत्तर मे मागोगक लेल उत्तरक सभटा भीतरक भाग निकलल जाबत धरि ओ मीअत समुद्र धरि नहि पहुँचि गेल।
9 मदाई अपन दुनू भाइक पश्चिम सँ द्वीप सभ आ द्वीप सभक तट धरि अपन भागक रूप मे आबि गेलाह।
10 जवानक लेल चारिम भाग हर द्वीप आ लुदक सीमा दिसक द्वीप सभ सँ निकलल।
11 तुबलक लेल जीहक बीच मे पाँचम भाग निकलल जे लुद भागक सीमा दिस दोसर जीह धरि, दोसर जीह सँ आगूक क्षेत्र मे तेसर जीह धरि पहुँचल।

12 मेशेक छठम भाग, तेसर भाषाक ओहि पारक समस्त क्षेत्र, जाबत धरि ओ गादीरक पूब दिस नहि पहुँचैत अछि, बाहर निकलल।
13 तिरसक लेल सातम भाग समुद्रक बीच मे चारि टा पैघ द्वीप निकलल जे हामक भाग धरि पहुँचल अछि [आ कमतुरी द्वीप सभ अर्पचशादक पुत्र सभक लेल चिट्ठी सँ बाहर निकलल जे ओकर उत्तराधिकार बनि गेल।
14 एहि तरहेँ नूहक पुत्र सभ अपन पिता नूहक समक्ष अपन पुत्र सभक संग बँटि गेलाह आ ओ सभ गोटे केँ शपथ सँ बान्हि देलनि, जे कियो ओहि भाग केँ हड़पबाक प्रयास कयलनि जे हुनकर भाग्य सँ नहि पड़ल छलनि।
15 ओ सभ कहलथिन, 'एना हो। तहिना ' हुनका सभक आ हुनका सभक पुत्र सभक लेल सदाक लेल अपन पीढ़ी-दर-पीढ़ी धरि न्यायक दिन धरि, जाहि पर प्रभु परमेश् वर हुनका सभक दोषक सभटा अशुद्ध दुष्टताक लेल तलवार आ आगि सँ न्याय करताह, जाहि सँ ओ सभ पृथ्वी केँ अपराध आ अशुद्धता आ व्यभिचार आ पाप सँ भरि देने छथि|

अध्याय 10

1 एहि जयन्तीक तेसर सप्ताह मे अशुद्ध दुष् टात् मा सभ नूहक सन् तान सभक सन् तान सभ केँ भटकाबय लागल आ ओकरा सभ केँ भटकाबय लागल।
2 नूहक पुत्र सभ अपन पिता नूह लग आबि कऽ हुनका ओहि दुष् टात् मा सभक विषय मे कहलथिन जे हुनकर पुत्र सभक पुत्र सभ केँ आन्हर कऽ कऽ मारि रहल छल।
3 ओ अपन परमेश् वर परमेश् वरक समक्ष प्रार्थना कयलनि आ कहलथिन, 'सब शरीरक आत् माक परमेश् वर, जे हमरा पर दया कयलनि। ओ हमरा आ हमर पुत्र सभ केँ जलप्रलयक पानि सँ बचा लेलक, आ हमरा ओहिना नाश नहि कयलक जेना अहाँ विनाशक पुत्र सभ केँ नहि पहुँचा देलहुँ। कारण, तोहर कृपा हमरा पर बहुत भेल अछि, आ हमर प्राण पर तोहर दया बहुत भेल अछि। हमर पुत्र सभ पर अहाँक कृपा उठय, आ दुष्टात्मा हुनका सभ पर राज नहि करय। कहीं ओ सभ ओकरा सभ केँ धरती सँ नष्ट नहि कऽ देत।
4 मुदा अहाँ हमरा आ हमर पुत्र सभ केँ आशीर्वाद दिअ, जाहि सँ हम सभ बढ़ब आ बढ़ब आ पृथ्वी केँ भरब।
5 अहाँ जनैत छी जे हमर समय मे अहाँक पहरेदार, एहि आत् मा सभक पूर्वज, कोना काज करैत छल, आ जँ ई जीव सभ जीवित अछि, ओकरा सभ केँ जेल मे राखि दियौक आ ओकरा सभ केँ दण्डक स्थान पर पकड़ि दियौक, आ ओ सभ अहाँक सेवक, हमर परमेश् वरक पुत्र सभ पर विनाश नहि आनय। कारण, ई सभ घातक अछि, आ विनाश करबाक लेल बनाओल गेल अछि।
6 ओ सभ जीवित लोकक आत् मा पर राज नहि करथि। कारण, अहाँ असगरे हुनका सभ पर प्रभुत्व राखि सकैत छी। आ आब सँ आ अनन्त काल धरि धर्मात्माक पुत्र सभ पर हुनका सभक अधिकार नहि हो।'
7 हमरा सभक परमेश् वर प्रभु हमरा सभ केँ सभ केँ बान्हि देबाक आज्ञा देलनि।
8 आ आत्मा सभक मुखिया मस्तेमा आबि कऽ बजलाह: 'प्रभु, सृष्टिकर्ता, हुनका सभ मे सँ किछु गोटे हमरा सोझाँ रहथि, आ ओ सभ हमर आवाज केँ सुनथि आ जे किछु हम हुनका सभ केँ कहब से करथि। किएक तँ जँ किछु हमरा लेल नहि छोड़ल जायत तँ हम मनुष् य-पुत्र पर अपन इच्छाक शक्ति नहि पूरा कऽ सकब। कारण, ई सभ हमर न्यायक समक्ष भ्रष्ट आ भटकबाक लेल अछि, किएक तँ मनुष् य-पुत्रक दुष् टता बहुत पैघ अछि।'
9 ओ कहलनि, "ओहि मे सँ दसम भाग हुनका सामने रहय, आ नौ भाग दोषी ठहरबाक स्थान पर उतरय।'
10 हमरा सभ मे सँ एक गोटे केँ ओ आज्ञा देलनि जे हम सभ नूह केँ हुनकर सभटा दवाई सिखाबी। कारण, ओ जनैत छलाह जे ओ सभ सोझता मे नहि चलत आ ने धार्मिकता मे झगड़ा करत।
11 हम सभ हुनकर सभ वचनक अनुसार काज केलहुँ, सभटा दुष्ट दुष्ट केँ हम सभ निन्दाक स्थान पर बान्हि देलियैक आ ओकर दसम भाग छोड़ि देलियैक जाहि सँ ओ सभ पृथ् वी पर शैतानक अधीन भऽ जाय।
12 हम सभ नूह केँ ओकर सभक रोगक सभटा औषधि आ ओकर सभक बहकावा सभक बात बुझेलियनि जे ओ ओकरा सभ केँ कोना पृथ् वी पर जड़ी-बूटी सँ ठीक कऽ सकैत छथि।
13 नूह सभ बात केँ एकटा किताब मे लिखि देलनि जेना हम सभ हुनका सभ तरहक दवाईक विषय मे निर्देश देलियैक। एहि तरहेँ दुष्टात्मा सभ नूहक पुत्र सभ केँ (आहत) करबा सँ बाधित कयल गेल|
14 ओ अपन जे किछु लिखने छलाह से सभ अपन जेठ पुत्र शेम केँ दऽ देलथिन। किएक तँ ओ हुनका सँ अपन सभ पुत्र सँ बेसी प्रेम करैत छलाह।
15 नूह अपन पूर्वज सभक संग सुति गेलाह आ अरारात देशक लुबर पर्वत पर दफना देल गेलाह।
16 ओ अपन जीवन मे नौ सय पचास वर्ष, उन्नैस जयंती आ दू सप्ताह पाँच वर्ष पूरा केलनि। [1659 पूर्वाह्न]।
17 पृथ् वी पर अपन जीवन मे ओ हनोक केँ छोड़ि मनुष् यक सन् तान सभ सँ नीक भऽ गेलाह, कारण ओ धार्मिकताक कारणेँ जे ओ सिद्ध छलाह। किएक तँ हनोकक पद संसारक पीढ़ी-दर-पीढ़ी सभ केँ गवाही देबाक लेल नियुक्त कयल गेल छल, जाहि सँ ओ न् यायक दिन धरि पीढ़ी-दर-पीढ़ी सभक सभ काज केँ सुनबैत रहथि।
18 तीन-तीसम जुबली मे दोसर सप्ताहक पहिल वर्ष मे पेलेग एकटा पत्नीक संग भेलाह, जकर नाम सिनारक बेटी लोमना छलनि आ एहि सप्ताहक चारिम वर्ष मे हुनका एकटा बेटा भेलनि आ ओ हुनकर नाम रेउ रखलनि। कारण ओ कहलनि: 'देखू, शिनार देश मे अपना लेल नगर आ बुर्ज बनेबाक दुष्ट उद्देश्य सँ मनुष्यक संतान दुष्ट भ' गेल अछि।'
19 ओ सभ अरारात देश सँ पूब दिस शिनार दिस विदा भेलाह। कारण, हुनकर समय मे ओ सभ नगर आ बुर्ज बनौलनि, ई कहैत जे, 'जाउ, हम सभ एहि सँ स् वर्ग मे चढ़ब।'
20 ओ सभ निर्माण करऽ लगलाह आ चारिम सप्ताह मे आगि सँ ईंट बनौलनि, आ ईंट सभ ओकरा सभ केँ पाथरक काज करैत छल, आ जाहि माटि सँ ओकरा सभ केँ सीमेंट कयलनि से डामर छल जे समुद्र सँ निकलैत अछि आ शिनार देश मे पानिक फव्वारा सँ निकलैत अछि।
21 ओ सभ एकरा बनौलनि, तेतालीस वर्ष [1645-1688 AM] बनबैत रहलाह। एकर चौड़ाई २०३ ईंट छल, आ ऊँचाई (एकटा ईंटाक) एकटाक तेसर छल; एकर ऊँचाई ५४३३ हाथ आ २ हथेली छल, आ (एकटा देबालक विस्तार छल) तेरह स्टेड (आ आन तीस स्टेड) ।

22 हमर सभक परमेश् वर प्रभु हमरा सभ कैँ कहलथिन, "देखू, ओ सभ एकहि प्रजा अछि, आ (ई) ओ सभ करब शुरू करैत अछि, आ आब ओकरा सभ सँ किछु नहि रोकल जायत। जाउ, जाउ, नीचाँ जाउ आ हुनका लोकनिक भाषा कैँ भ्रमित करू, जाहि सँ ओ सभ एक-दोसरक बाजब नहि बुझथि, आ ओ सभ शहर-जाति मे तितर-बितर भ' जाय, आ एकटा उद्देश्य आब न्यायक दिन धरि हुनका सभक संग नहि रहत।'
23 प्रभु उतरलाह आ हम सभ हुनका संग ओहि नगर आ बुर्ज कैँ देखबाक लेल उतरि गेलहुँ जे मनुष् यक सन् तान सभ बनौने छल।
24 ओ हुनका सभक भाषा कैँ भ्रमित कऽ देलथिन, आ ओ सभ एक-दोसरक बाजब नहि बुझि सकलाह आ तखन ओ सभ नगर आ बुर्जक निर्माण करब छोड़ि देलनि।
25 एहि कारणेँ पूरा शिनार देश बाबेल कहल जाइत अछि, किएक तँ परमेश् वर मनुष् यक सन् तान सभक सभ भाषा कैँ भ्रमित कयलनि आ ओतऽ सँ ओ सभ अपन-अपन नगर सभ मे तितर-बितर भऽ गेलाह।
26 परमेश् वर ओहि बुर्ज पर प्रचंड हवा पठौलनि आ ओकरा पृथ्वी पर उखाड़ि देलनि, आ देखू जे ओ शिनार देश मे अशूर आ बाबुलक बीच मे छल, आ ओ सभ एकर नाम 'उखाड़' रखलनि।
27 पहिल वर्षक चारिम सप्ताह मे चारिम वर्षक प्रारंभ मे ओ सभ शिनार देश सँ तितर-बितर भऽ गेलाह।
28 हाम आ ओकर बेटा सभ ओहि देश मे चलि गेलाह, जाहि देश मे ओ रहबाक छल, जे ओ दक्षिणक देश मे अपन हिस्साक रूप मे प्राप्त क' लेलनि।
29 कनान मिस्र नदी धरि लेबनान देश बहुत नीक देखलनि, आ ओ अपन उत्तराधिकारक देश मे नहि गेलाह जे समुद्रक पश्चिम मे (अर्थात) समुद्रक सीमा मे छल, आ ओ लेबनान देश मे, यरदन नदीक सीमा सँ पूब आ पश्चिम दिस आ समुद्रक सीमा सँ रहैत रहलाह।
30 ओकर पिता हाम आ ओकर भाय कुश आ मिज्राइम ओकरा कहलथिन, 'अहाँ एहन देश मे बसल छी जे अहाँक नहि अछि आ जे हमरा सभक हाथ मे चिट्ठी नहि पड़ल अछि। कारण जँ अहाँ एना करब तँ अहाँ आ अहाँक बेटा सभ ओहि देश मे खसि पड़ब आ विद्रोहक कारणेँ अभिशप्त भऽ जायब। किएक तँ विद्रोहक कारणेँ अहाँ सभ बसि गेलहुँ आ विद्रोहक कारणेँ अहाँक संतान सभ खसि पड़त आ अहाँ सभ सदाक लेल जड़ि सँ उखाड़ि देल जायब।"
31 शेमक निवास मे नहि रहू। कारण, सेम आ हुनकर पुत्र सभक भाग्य सँ ई बात भेलनि।
32 अहाँ शापित छी आ नूहक सभ पुत्र सँ परे शापित होयब, जाहि शाप सँ हम सभ पवित्र न्यायाधीश आ अपन पिता नूहक समक्ष शपथ सँ अपना कैँ बान्हि लेलहुँ।'
33 मुदा ओ हुनका सभक बात नहि सुनौलनि आ आइ धरि ओ अपन पुत्र सभ संग लबनान देश मे हमत सँ मिस्र प्रवेश धरि रहलाह।
34 एहि कारणेँ ओहि देशक नाम कनान राखल गेल अछि।
35 याफेत आ ओकर पुत्र सभ समुद्र दिस जा कऽ अपन भागक देश मे रहि गेलाह, आ मदै समुद्रक भूमि देखलनि आ ओकरा नीक नहि लागलनि, आ ओ अपन पत्नीक भाय हाम आ अशूर आ अर्पचशाद सँ (भाग) माँगि लेलनि आ ओ आइ धरि अपन पत्नीक भाइक लग मेडिया देश मे रहलाह।
36 ओ अपन निवास स्थान आ अपन पुत्र सभक निवास स्थान कैँ मीडिया रखलनि, जकर नाम हुनका सभक पिता मदैक नाम पर राखि देलनि।

अध्याय 11

1 पैंतीसम जुबली मे तेसर सप्ताह मे ओकर पहिल वर्ष [1681 AM] मे रेउ एकटा पत्नीक संग भेलाह, आ ओकर नाम छल 'Ôrâ, जे केसेदक पुत्र 'Ûr'क बेटी छलीह, आ हुनका एकटा बेटा भेलनि, आ ओ एहि जयंती मे एहि सप्ताहक सातम वर्ष मे हुनकर नाम सेरोह रखलनि। [1687 पूर्वाह्न]।
2 नूहक पुत्र सभ एक-दोसर पर युद्ध करय लगलाह, बंदी बनाबय लगलाह आ एक-दोसर कैँ मारय लगलाह, आ पृथ् वी पर मनुष्यक खून बहाबय लगलाह, खून खाय लगलाह, आ मजबूत नगर, देबाल, बुर्ज, आ व्यक्ति सभ (जाति सँ ऊपर अपना कैँ ऊँच करय लगलाह, आ राज्यक आरंभक स्थापना करय लगलाह, आ लोकक विरुद्ध लोक, आ राष्ट्र कैँ जाति, आ नगरक विरुद्ध युद्ध करय लगलाह शहर के खिलाफ, आ सब (शुरुआत) बुराई करय लागल, आ हथियार प्राप्त करय लागल, आ अपन बेटा के युद्ध सिखाबय लागल, आ ओ सब शहर पर कब्जा करय लागल, आ स्त्री-पुरुष दास बेचय लागल।
3 केसेदक पुत्र ओर् कल्दीक आरा नगर बनौलनि आ ओकर नाम अपन नाम आ पिताक नाम पर रखलनि। ओ सभ अपना लेल पिघलल मूर्ति बनौलनि, आ ओ सभ प्रत्येक मूर्तिक पूजा करैत छलाह, जे पिघलल मूर्ति अपना लेल बनौने छलाह, आ ओ सभ उकेरल मूर्ति आ अशुद्ध अनुकरण बनाबय लगलाह, आ घातक आत्मा सभ (ओकरा सभ कैँ) अपराध आ अशुद्धता करबा मे सहायता आ बहकाबैत छल।
4 राजकुमार मस्टेमा ई सभ काज करबाक लेल पूरा मेहनति केलनि आ ओ आन आत् मा सभ कैँ पठौलनि, जे हुनकर हाथ मे राखल गेल छलनि, जे सभ तरहक अन्याय आ पाप आ सभ तरहक उल्लंघन करबाक लेल, भ्रष्ट आ विनाश करबाक लेल, आ पृथ्वी पर खून बहाबय लेल।
5 एहि कारणेँ ओ सेरोहक नाम सेरुग रखलनि, किएक तँ सभ कियो सभ तरहक पाप आ अपराध करबाक लेल घुमि गेलाह।
6 ओ पैघ भेलाह आ अपन पत्नीक मायक पिताक समीप कल्दीक उर मे रहि गेलाह आ मूर्तिक पूजा करैत छलाह आ छत्तीसम जयंती मे, ओकर पहिल वर्ष मे, पाँचम सप्ताह मे, [1744 AM] पत्नीक संग विवाह कयलनि आ हुनकर नाम मेल्का छलनि, जे हुनकर पिताक बेटी काबेरक बेटी छलीह भाई।
7 एहि सप्ताहक पहिल वर्ष मे ओ हुनका नाहोर कैँ जन्म देलनि आ ओ बढ़ि कऽ कल्दीक उर मे रहि गेलाह आ हुनकर पिता हुनका स् वर्गक संकेतक अनुसार कसदी सभक विषय मे भविख आ शुभकामना सिखाओलनि।
8 छठम सप्ताह मे सत्तीसम जयंती मे, ओकर पहिल वर्ष मे, [1800 बजे] ओ अपन पत्नीक संग विवाह कयलनि, आ ओकर नाम छलनि 'इजास्का, जे कसदीक नेस्तागक बेटी छलीह।
9 एहि सप्ताहक सातम वर्ष मे ओ ओकरा तेरा कैँ जन्म देलनि। [1806 पूर्वाह्न]।
10 राजकुमार मस्टेमा काग आ चिड़ै सभ कैँ पठौलनि जे ओहि देश मे बोओल बीया कैँ खा जाय, जाहि सँ देश कैँ नष्ट कयल जाय

आ मनुष्यक बच्चा सभक श्रम लूटय। बीआमे जोतबासँ पहिने काग सभ जमीनक सतहसँ (ओकरा) तोड़ि लेलक।
11 एहि कारणेँ ओ हुनकर नाम तेराह रखलनि, किएक तँ काग आ चिड़ै सभ ओकरा सभ कैँ अभाव मे बदलि देलक आ ओकर बीया कैँ खा गेल।
12 चिड़ै सभक कारणेँ वर्ष सभ बंजर होबय लागल आ ओ सभ गाछक सभटा फल गाछ सभ कैँ खा गेल।
13 एहि उनतीसम जयंती मे, पहिल वर्षक दोसर सप्ताह मे, [1870 AM] तेरा एकटा पत्नीक संग विवाह कयलनि, आ ओकर नाम छलनि 'एदना, जे अब्रामक बेटी छलीह, जे हुनकर पिताक बहिनक बेटी छलीह। आ एहि सप्ताहक सातम वर्ष [1876 AM] मे हुनका एकटा बेटा भेलनि, आ ओ हुनकर नाम अब्राम रखलनि, अपन मायक पिताक नाम सँ।
14 किएक तँ बेटीक पुत्रक गर्भधारणसँ पहिने ओ मरि गेल छलाह।
15 ओ बच्चा पृथ्वीक गलती बुझय लागल जे उकेरल मूर्ति आ अशुद्धताक बाद सभ भटकल छल, आ ओकर पिता ओकरा लिखब सिखाबैत छल, आ ओ दू सप्ताहक वर्षक छल, [1890 AM] आ ओ अपन पिता सँ अलग भ' गेल, जाहि सँ ओ ओकरा संग मूर्तिक पूजा नहि करय।
16 ओ सभ वस्तुक सृष्टिकर्ता सँ प्रार्थना करय लगलाह जे ओ हुनका मनुष् यक संतानक गलती सँ बचाबथि आ अशुद्धता आ नीचताक बाद हुनकर भाग त्रुटि मे नहि पड़य।
17 ओहि देश पर बीया बोयबाक समय आबि गेल, आ सभ गोटे एक संग अपन बीया कैँ काग सँ बचाबय लेल निकलि गेलाह, आ अब्राम जे लोक सभ गेल छल, हुनका सभक संग विदा भेलाह आ ओ बच्चा चौदह वर्षक छल।
18 कागक मेघ बीया कैँ खाय लेल आयल, आ अब्राम ओकरा सभ कैँ जमीन पर बैसबा सँ पहिने ओकरा सभ सँ भेंट करय लेल दौड़ल, आ ओ सभ बीया कैँ खायबाक लेल जमीन पर बैसबा सँ पहिने ओकरा सभ कैँ चिचिया उठल आ कहलक, 'अहाँ नहि उतरू, जाहि ठाम सँ अहाँ सभ आयल छी, ओहि ठाम घुरि जाउ।' आ ओ सभ पाछू घुमि गेल।
19 ओहि दिन ओ कागक मेघ सभ कैँ सत्तरि बेर पाछू घुमा देलथिन आ अब्राम जतऽ देश मे छलाह, ओहि मेघ सभ मे सँ एकोटा नहि बसल।
20तखन पूरा देश मे हुनका संग रहनिहार सभ हुनका चिचियाइत देखलनि, आ सभ काग पाछू घुमि गेलाह, आ पूरा कल्दी देश मे हुनकर नाम पैघ भ' गेलनि।
21 एहि साल सभ लोक सभ हुनका लग आबि गेलाह जे बोवाई करय चाहैत छल, आ ओ हुनका सभक संग गेलाह जाबत धरि बोवाईक समय समाप्त नहि भ' गेल।
22 पाँचम सप्ताहक पहिल वर्ष मे [1891 AM] अब्राम बैल लेल औजार बनेनिहार सभ कैँ, लकड़ी मे कारीगर कैँ सिखा देलनि, आ ओ सभ जमीन सँ ऊपर, हल केर फ्रेम दिस मुँह क' क' एकटा बर्तन बनौलनि, जाहि सँ बीया ओकरा पर राखल जा सकय, आ बीया ओहि सँ खसि पड़ल, हरक हिस्सा पर खसि पड़ल आ धरती मे नुका गेल, आ आब ओ सभ एहि सँ डरैत नहि रहल काग।
23 एहि तरहेँ ओ सभ हल केर सभ चौखट पर जमीनक ऊपर (पात्र) बनबैत छलाह आ अब्रामक आज्ञानुसार पूरा जमीन पर बोनि आ जोतैत छलाह, आ आब ओ सभ चिड़ै सभ सँ नहि डेराइत छलाह।

अध्याय 12

1 छठम सप्ताह मे सातम वर्ष मे अब्राम अपन पिता तेरा कैँ कहलथिन, 'पिता!
2 ओ कहलथिन, "देखू, हम एतय छी, हमर बेटा।" ओ कहलथिन।
'अहाँ जे मूर्ति सभक पूजा करैत छी, ताहि सँ हमरा सभ कैँ केहन सहायता आ लाभ अछि।'
आ जकरा सोझाँ अहाँ प्रणाम करैत छी?
3 किएक तँ हुनका सभ मे कोनो आत् मा नहि अछि।
कारण, ओ सभ गूंगा रूप अछि, आ हृदयक भ्रामक अछि।
हुनका सभक पूजा नहि करू:
4 स् वर्गक परमेश् वरक आराधना करू।
जे धरती पर बरखा आ ओस उतारैत अछि
आ पृथ्वी पर सब किछु करैत अछि,
आ अपन वचन सँ सब किछु सृष्टि केने छथि,
आ सभ जीवन हुनक चेहराक सोझाँ सँ अछि।
5 अहाँ सभ किएक एहन चीजक आराधना करैत छी जकरा मे कोनो आत् मा नहि अछि?
किएक तँ ओ सभ (पुरुषक) हाथक काज थिक,
आ अहाँ सभ अपन कान्ह पर धारण करैत छी।
आ अहाँ सभ कैँ हुनका सभक कोनो सहायता नहि अछि।
मुदा बनबै वाला के लेल ई सब बहुत लाज के कारण छै।
आ हुनका सभक आराधना करनिहार सभक हृदयक भ्रामकता।
हुनका सभक पूजा नहि करू।'
6 ओकर पिता ओकरा कहलथिन, "हे बौआ, हमहूँ ई बात जनैत छी, मुदा जे लोक हमरा ओकरा सभक समक्ष सेवा करौलक अछि, ओकरा हम की करब?"
7 जँ हम ओकरा सभ कैँ सत् य कहब तँ ओ सभ हमरा मारि देत। कारण, हुनका सभक आत्मा हुनका सभक आराधना आ आदर करबाक लेल हुनका सभ सँ चिपकल रहैत छनि।
8 बौआ, चुप रहू, कहीं ओ सभ तोरा नहि मारि देत।' ई बात ओ अपन दुनू भाइ कैँ कहलथिन आ ओ सभ हुनका पर तमसा गेलाह आ ओ चुप भ' गेलाह।
9 चालीसम जुबली मे दोसर सप्ताह मे सातम वर्ष मे अब्राम अपन पत्नीक संग विवाह कयलनि आ ओकर नाम सराय छलनि, जे हुनकर पिताक बेटी छलीह आ ओ हुनकर पत्नी बनि गेलीह।
10 ओकर भाइ हारन तेसर सप्ताहक तेसर वर्ष [1928 AM] मे पत्नीक संग विवाह कयलनि आ एहि सप्ताहक सातम वर्ष [1932 AM] मे हुनका एकटा बेटा भेलनि आ ओ हुनकर नाम लूत रखलनि।
11 तखन ओकर भाय नाहोर एकटा स् त्री विवाह कयलनि।
12 अब्रामक जीवनक साठम वर्ष अर्थात् चारिम सप्ताह मे चारिम वर्ष मे अब्राम राति मे उठि मूर्ति सभक घर जरा देलनि आ घर मे जे किछु छल से जरा देलनि आ ककरो नहि बुझल छलनि।
13 ओ सभ राति मे उठि कऽ अपन देवता सभ कैँ आगि मे सँ बचाबय चाहैत छल।
14 हारान हुनका सभ कैँ बचाबऽ मे जल्दबाजी कयलनि, मुदा आगि हुनका पर भड़कि उठलनि आ ओ आगि मे जरि गेलाह आ

ओ अपन पिता तेरह सँ पहिने कल्दीक उर मे मरि गेलाह आ ओ सभ हुनका कल्दीक उर मे गाड़ि देलनि।
15 तेरा अपन पुत्र सभ संग कल्दीक उर सँ लेबनान आ कनान देश मे जेबाक लेल निकललाह, आ ओ हारान देश मे रहलाह आ अब्राम अपन पिता तेराक संग हारान मे दू सप्ताह धरि रहलाह।
16 छठम सप्ताह मे, ओकर पाँचम वर्ष मे, [1951 AM] अब्राम सातम मासक अमावस्या पर राति भरि उठि क' बैसल रहथि, साँझ सँ भोर धरि तारा सभक अवलोकन करबाक लेल, जाहि सँ ई देखबाक लेल जे वर्षाक संबंध मे सालक चरित्र केहन होयत, आ बैसल-बैसल ओ असगर रहलाह।
17 हुनकर हृदय मे एकटा बात आबि गेलनि आ ओ कहलनि जे, तारा आ चान आ सूर्यक सभ चिन्ह सभ प्रभुक हाथ मे अछि। हम (ओकरा सभ) किएक खोजैत छी?
18 जँ चाहैत छथि तँ भोर-साँझ बरखा करबैत छथि।
आ जँ चाहै छथि तँ रोकैत छथि।
आ सभ किछु ओकर हाथ मे छैक।'
19 ओहि राति ओ प्रार्थना कऽ कऽ कहलथिन।
'हमर भगवान, परमात्मा परमात्मा, तू असगरे हमर भगवान छी,
आ तोरा आ तोहर प्रभुत्व हम चुनने छी।
आ अहाँ सब किछु के सृष्टि केने छी।
आ सभ किछु जे अहाँक हाथक काज अछि।
20 हमरा ओहि दुष्टात्मा सभक हाथ सँ बचाउ, जे मनुष् यक मनक विचार पर प्रभुत्व रखैत अछि।
आ हमर परमेश् वर, हमरा अहाँ सँ भटकय नहि दिअ।
आ अहाँ हमरा आ हमर वंश केँ सदा-सदा लेल स्थिर करू
जे आबसँ आ सदाक लेल भटकब नहि।'
21 ओ कहलथिन, 'की हम कल्दी सभक उर मे घुरब जे हमर मुँह तकैत अछि जाहि सँ हम हुनका सभ लग घुरि सकब, की हम एतहि एहि ठाम रहब? तोहर सोझाँक सही बाट तोहर सेवक हाथ मे ओकरा समृद्धि दियौक जाहि सँ ओ (ओकरा) पूरा करय आ हम अपन हृदयक छल मे नहि चलय, हे हमर भगवान।'
22 ओ बाजब आ प्रार्थना समाप्त कयलनि, आ देखू, हमरा द्वारा प्रभुक वचन हुनका लग पठाओल गेलनि जे, 'अहाँ अपन देश, अपन परिजन सँ आ अपन पिताक घर सँ ओहि देश मे उठू, जे हम अहाँ केँ देखा देब, आ हम अहाँ केँ एकटा पैघ आ असंख्य राष्ट्र बना देब।"
23 हम अहाँ केँ आशीर्वाद देब
आ हम तोहर नाम केँ पैघ बना देब।
आ अहाँ पृथ् वी पर धन्य होयब।
आ तोरा मे पृथ्वीक सभ कुल धन्य होयत।
जे तोरा आशीष देत ओकरा सभ केँ हम आशीष देब।
आ जे अहाँ केँ गारि पढ़ैत अछि, तकरा सभ केँ गारि दिअ।
24 हम तोहर आ तोहर बेटा, तोहर बेटाक बेटा आ तोहर समस्त वंशक लेल परमेश् वर बनब।
25 परमेश् वर परमेश् वर कहलथिन, 'ओकर मुँह आ कान खोलू, जाहि सँ ओ अपन मुँह सँ सुनथि आ ओहि भाषा सँ बाजथि। किएक तँ ई सभ मनुष् यक सन् तानक मुँह सँ समाप्त भऽ गेल छल, जहिया सँ (बाबेलक) उखाड़ि देल गेल छल।
26 हम हुनकर मुँह, हुनकर कान आ ठोर खोलि कऽ हुनका सँ सृष्टिक भाषा मे हिब्रू मे गप्प करय लगलहुँ।
27 ओ अपन पूर्वजक किताब सभ लऽ लेलनि, आ ई सभ हिब्रू मे लिखल गेल छल, आ ओकरा सभ केँ लिपिबद्ध कयलनि, आ आब सँ ओकर अध्ययन करय लगलाह, आ हम हुनका ओहि बात सभ केँ बुझा देलियनि जे ओ नहि बुझि सकलाह, आ ओ बरसातक छह मास मे ओकर अध्ययन कयलनि।
28 छठम सप्ताहक सातम वर्ष [1953 AM] मे ओ अपन पिता सँ बात कयलनि आ हुनका सूचित कयलनि जे ओ हारान सँ निकलि कनान देश मे जेताह, ओकरा देखय लेल आ हुनका लग घुरि जेताह।
29 ओकर पिता तेराह ओकरा कहलथिन। चैन सँ जाउ : १.
सनातन भगवान तोहर बाट सोझ करथि।
आ प्रभु अहाँक संग [(रह) आ] अहाँ केँ सभटा अधलाह सँ बचाउ।
आ तोरा देखनिहारक समक्ष अनुग्रह, दया आ अनुग्रह प्रदान करू।
आ मनुष् यक संतान मे सँ कियो अहाँक हानि करबाक अधिकार अहाँ पर नहि राखय।
चैन सँ जाउ।
30 जँ अहाँ अपन आँखि मे रहबाक लेल कोनो एहन देश देखैत छी जाहि मे रहब, तखन उठि कऽ हमरा अपना लग लऽ जाउ आ लूत केँ अपना संग ल' जाउ, जे अहाँक भाय हारानक पुत्र केँ अपन बेटाक रूप मे अछि।
31 तोहर भाय नाहोर ताबत धरि हमरा संग चलि जाउ जाबत धरि अहाँ शान्तिपूर्वक नहि घुरब, आ हम सभ अहाँ सभक संग एक संग चलि जायब।'

अध्याय 13

1 अब्राम हारान सँ विदा भेलाह आ अपन पत्नी सारा आ अपन भाय हारानक पुत्र लूत केँ लऽ कऽ कनान देश मे आबि गेलाह आ ओ अशूर मे आबि शेकेम गेलाह आ एकटा ऊँच ओढ़क गाछक लग मे रहि गेलाह।
2 ओ देखलनि जे हमथक प्रवेश द्वार सँ ल' क' ऊँच ओव गाछ धरि देश बहुत नीक छल।
3 प्रभु हुनका कहलथिन, 'हम ई देश अहाँ आ अहाँक वंशज केँ देब।'
4 ओतऽ ओ एकटा वेदी बनौलनि आ ओहि पर प्रगट भेल प्रभु केँ होमबलि चढ़ौलनि।
5 ओतऽ सँ पहाड़ पर चलि गेलाह। . . पश्चिम दिस बेथेल आ पूब दिस ऐ, आ ओतहि अपन डेरा ठाढ़ कयलनि।
6 ओ देखलक आ देखलक जे ओ देश बहुत चौड़ा आ नीक छल, आ ओहि पर सभ किछु उगैत छल -बेल आ अंजीर आ अनार, ओक आ इलेक्स, टेरेबिन्थ आ तेल गाछ, देवदार आ सरू आ खजूरक गाछ, आ खेतक सभटा गाछ, आ पहाड़ पर पानि छल।
7 ओ परमेश् वर केँ आशीष देलनि जे हुनका कल्दीक उर सँ बाहर निकालि कऽ एहि देश मे अनलनि।
8 पहिल वर्ष मे, सातम सप्ताह मे, पहिल मासक अमावस्या पर, 1954 AM] एहि पहाड़ पर एकटा वेदी बनौलनि, आ प्रभुक नाम पुकारलनि: 'अहाँ, अनन्त परमेश् वर, हमर परमेश् वर छी।'
9 ओ वेदी पर प्रभुक लेल होमबलि चढ़ौलनि जाहि सँ ओ हुनका संग रहथि आ जीवन भरि हुनका नहि छोड़थि।
10 ओतऽ सँ हटि कऽ दक्षिण दिस गेलाह, आ ओ हेब्रोन पहुँचलाह आ ओहि समय मे हेब्रोन बनल छल, आ ओतहि दू वर्ष

धरि रहलाह, आ ओ (ओतय सँ) दक्षिणक देश मे गेलाह, बेआलोथ, आ ओहि देश मे अकाल पड़ि गेल।
11 अब्राम सप्ताहक तेसर वर्ष मे मिस्र गेलाह, आ हुनकर पत्नी हुनका सँ फाटि गेला सँ पाँच साल पहिने मिस्र मे रहलाह।
12 ओहि समय मे मिस्र मे तनैस बनल छल- हेब्रोनक सात वर्षक बाद।
13 जखन फारो अब्रामक पत्नी सारा कैँ पकड़ि लेलनि तखन परमेश् वर अब्रामक स् त्री सरायक कारणेँ फारो आ हुनकर घर मे बहुत पैघ विपत्ति सँ पीड़ित कयलनि।
14 अब्राम भेँड़ा, मवेशी, गदहा, घोड़ा, ऊँट, दास, दासी आ चानी आ सोनाक सम्पत्तिक कारणेँ बहुत गौरवशाली छलाह। आ लूत सेहो अपन भाइक बेटा, धनिक छल।
15 फिरौन अब्रामक पत्नी सारा कैँ वापस दऽ देलथिन आ ओ हुनका मिस्र देश सँ बाहर पठा देलथिन आ ओ ओहि स्थान दिस विदा भेलाह जतय ओ शुरू मे अपन डेरा ठाढ़ केने छलाह, वेदीक स्थान पर, पूब मे ऐ आ पश्चिम मे बेथेल, आ ओ अपन परमेश् वर परमेश् वर कैँ आशीष देलनि जे हुनका शान्तिपूर्वक वापस अनने छलाह।
16 एकतालीसम जुबली मे पहिल सप्ताहक तेसर वर्ष मे [1963 AM] ओ एहि स्थान पर घुरि गेलाह आ ओहि पर होमबलि चढ़ौलनि, आ प्रभुक नाम पुकारैत कहलथिन, 'अहाँ परम परम परमेश् वर, हमर परमेश् वर युग-युग धरि छी।
17 एहि सप्ताहक चारिम वर्ष मे लूत हुनका सँ अलग भऽ गेलाह आ लूत सदोम मे रहि गेलाह आ सदोमक लोक सभ बहुत पापी छलाह।
18 हुनका मोन मे दुख भेलनि जे हुनकर भाइक बेटा हुनका सँ अलग भऽ गेलनि। किएक तँ हुनका कोनो संतान नहि छलनि।
19 ओहि साल जखन लूत कैँ बंदी बनाओल गेल छल, तखन एहि सप्ताहक चारिम वर्ष मे जखन लूत कैँ बंदी बनाओल गेल छल, तखन प्रभु अब्राम कैँ कहलथिन, 'जतय अहाँ रहैत छी, ओहि ठाम सँ उत्तर आ दक्षिण दिस, पश्चिम आ पूब दिस आँखि उठाउ।
20 अहाँ जे देश देखैत छी से हम अहाँ आ अहाँक वंशज कैँ अनन्त काल धरि दऽ देब आ अहाँक वंशज कैँ समुद्रक बालु जकाँ बना देब।
21 उठू, ओहि देशक लम्बाई आ चौड़ाई मे चलू आ सभ किछु देखू। कारण, हम तोहर वंशज कैँ देब।' अब्राम हेब्रोन जा कऽ ओतहि रहि गेलाह।
22 एहि वर्ष एलामक राजा कदोर्लाओमेर, शिनारक राजा अम्राफेल, सेलासरक राजा अरियोक आ जाति-जातिक राजा तेर्गल आबि गमोराक राजा कैँ मारि देलनि, आ सदोमक राजा भागि गेलाह आ बहुतो गोटे खारा सागरक कात मे सिद्दिम घाटी मे घाव सँ खसि पड़लाह।
23 ओ सभ सदोम आ आदम आ जबबोइम कैँ बंदी बना लेलक आ अब्रामक भायक पुत्र लूत कैँ आ ओकर सभटा सम् पत्ति कैँ बंदी बना लेलक आ ओ सभ दान दिस चलि गेल।
24 एक गोटे भागि गेल छल आ अब्राम कैँ कहलकनि जे हुनकर भाइक बेटा कैँ बंदी बना लेल गेल अछि आ (अब्राम) अपन घरक नोकर सभ कैँ हथियारबंद कऽ देने अछि। . .
25 के . . . . अब्राम आ ओकर वंशक लेल पहिल फलक दसम भाग प्रभु कैँ देलक, आ प्रभु एकरा सदाक लेल एकटा नियमक रूप मे निर्धारित कयलनि जे ओ सभ ओकरा सभक समक्ष सेवा करयवला पुरोहित सभ कैँ देथिन, जाहि सँ ओ सभ एकरा सदाक लेल अपन कब्जा मे राखथि।
26 एहि व्यवस्थाक कोनो सीमा नहि अछि। किएक तँ ओ सभ पीढ़ी-दर-पीढ़ी लेल ई निर्धारित कयलनि अछि जे ओ सभ बीया आ मदिरा आ तेल आ मवेशी आ भेड़क दसम भाग प्रभु कैँ दऽ देत।
27 ओ अपन पुरोहित सभ कैँ अपन समक्ष आनन्द सँ भोजन आ पीबाक लेल देलनि।
28 सदोमक राजा हुनका लग आबि हुनका समक्ष प्रणाम कयलनि आ कहलथिन, 'हे हमर प्रभु अब्राम, जे प्राणी अहाँ बचा लेने छी से हमरा सभ कैँ दिअ, मुदा लूट-पाट अहाँक हो।'
29 अब्राम हुनका कहलथिन, 'हम अपन हाथ परमात्मा परमेश् वर दिस बढ़बैत छी जे हम अहाँक कोनो सूत सँ ल' क' जूताक कुंडी धरि नहि ल' सकब जाहि सँ अहाँ ई नहि कहब जे, 'हम अब्राम कैँ धनिक बना देलहुँ। छोड़ू, जे युवक सभ खा गेल अछि, आ हमरा संग गेल पुरुषक हिस्सा -अनेर, एस्कोल, आ ममरे। ई सभ अपन हिस्सा लऽ लेत।'

अध्याय 14

1 एहि सभक बाद एहि सप्ताहक चारिम वर्ष मे तेसर मासक अमावस्या मे परमेश् वरक वचन सपना मे अब्राम कैँ आयल जे, 'अब्राम, डेराउ नहि। हम तोहर रक्षक छी, आ तोहर इनाम अत्यधिक होयत।'
2 ओ कहलनि: 'प्रभु, प्रभु, अहाँ हमरा की देब, जखन कि हम एतय सँ निस्संतान जा रहल छी, आ हमर दासीक पुत्र मासेकक पुत्र दम्मासेक एलीएजर अछि, ओ हमर उत्तराधिकारी हेताह, आ अहाँ हमरा कोनो बीया नहि देलहुँ।'
3 ओ हुनका कहलथिन, 'ई (पुरुष) अहाँक उत्तराधिकारी नहि होयत, बल् कि अहाँक आंत सँ निकलत। ओ तोहर उत्तराधिकारी हेताह।'
4 ओ ओकरा बाहर निकालि कऽ कहलथिन, 'जँ अहाँ तारा सभक गिनती करबा मे सक्षम छी तँ स् वर्ग दिस देखू आ तारा सभक गिनती करू।'
5 ओ स् वर्ग दिस तकलक आ तारा सभ कैँ देखलक। आ ओ हुनका कहलथिन, 'तोहर वंशज सेहो एहने होयत।'
6 ओ प्रभु पर विश् वास कयलनि आ ई हुनका धार्मिक मानल गेलनि।
7 ओ हुनका कहलथिन, 'हम प्रभु छी जे अहाँ कैँ कदीय प्रदेशक उर सँ बाहर अनने छी जे अहाँ कैँ कनान लोकक देश सदाक लेल दऽ देब। हम अहाँक आ अहाँक बादक वंशजक लेल परमेश् वर बनब।'
8 ओ कहलथिन, 'प्रभु, प्रभु, हम कोना बुझब जे हम (एकर) उत्तराधिकारी बनब?'
9 ओ हुनका कहलथिन, 'हमरा लेल तीन वर्षक बछड़ा, तीन वर्षक बकरी, तीन वर्षक भेड़, कछुआ आ कबूतर ल' जाउ।'
10 मासक बीच मे ई सभटा लऽ कऽ ओ हेब्रोनक समीप मम्रेक ओप मे रहि गेलाह।
11 ओतय ओ एकटा वेदी बनौलनि आ एहि सभ कैँ बलिदान कयलनि। ओ ओकरा सभक खून वेदी पर ढारि देलथिन आ ओकरा सभ कैँ बीच मे बाँटि देलथिन आ एक-दोसराक सोझाँ राखि देलथिन। मुदा चिड़ै सभ बँटवारा नहि केलक।

12 चिड़ै सभ ओहि टुकड़ी सभ पर उतरि गेल आ अब्राम ओकरा सभ कैँ भगा देलक आ चिड़ै सभ कैँ ओकरा सभ कैँ छूबय नहि देलक।
13 सूर्यास्त भेला पर अब्राम पर एकटा आनन्दक भाव आबि गेलनि आ देखू ! हुनका पर बहुत अन्हारक भयावहता आबि गेलनि, आ अब्राम कैँ कहल गेलनि: 'निश्चित रूप सँ जानि लिअ जे अहाँक वंशज ओहि देश मे परदेशी होयत (अर्थात) हुनका सभक नहि, आ ओ सभ ओकरा सभ कैँ दास मे राखि देत आ ओकरा सभ कैँ चारि सय वर्ष धरि कष्ट देत।'
14 जाहि जाति कैँ ओ सभ गुलाम बनि जायत, तकरा हम न्याय करब, आ तकर बाद ओ सभ बहुत सम्पत्ति लऽ कऽ ओतय सँ निकलत।
15 अहाँ शान्तिपूर्वक अपन पूर्वज लग जाउ आ नीक बुढ़ारी मे दफन भऽ जायब।
16 मुदा चारिम पीढ़ी मे ओ सभ एतय घुरि कऽ आबि जेताह। किएक तँ अमोरी सभक अधर्म एखन धरि पूरा नहि भेल अछि।'
17 ओ नींद सँ जागि गेलाह आ सूर्यास्त भऽ गेलाह। आ ज्वाला लागल, आ देखू ! एकटा भट्ठी धुँआ उड़ि रहल छल, आ टुकड़ा-टुकड़ाक बीच सँ आगि के लौ गुजरि रहल छल।
18 ओहि दिन परमेश् वर अब्रामक संग एकटा वाचा कयलनि जे, 'हम ई देश मिस्रक नदी सँ ल' क' पैघ नदी धरि, यूफ्रेटिस नदी, केनी, केनिजी, कदमोनी, फरीज, रेफाइम, फकोरी, हिवी, अमोरी, कनानी, गिर्गासी आ आर यबूसी लोकनि।
19 दिन बीतैत गेल आ अब्राम ओहि टुकड़ी-टुकड़ा, चिड़ै-चुनमुनी, फल-बलि, पेयबलि, पेयबलि आ आगि ओकरा सभ कैँ भस्म क' देलक।
20 ओहि दिन हम सभ अब्रामक संग एकटा वाचा केलहुँ, जेना एहि मास मे हम सभ नूह सँ वाचा केने रही। आ अब्राम अपना लेल पाबनि आ संस्कार कैँ सदाक लेल नवीकरण कयलनि।
21 अब्राम हर्षित भऽ कऽ ई सभ बात अपन स् त्री सराय कैँ बता देलथिन। ओकरा विश्वास छलैक जे ओकरा बीया भेटतैक, मुदा ओ बच्चा नहि छोड़लकै।
22 सराय अपन पति अब्राम कैँ सलाह देलथिन आ कहलथिन, 'हमर मिस्रक दासी हाजर लग जाउ।
23 अब्राम अपन पत्नी सरायक आवाज सुनि कऽ कहलथिन, "एना करू।" सराय मिस्रवासी अपन दासी हाजर कैँ लऽ कऽ अपन पति अब्राम कैँ अपन पत्नी बनेबाक लेल दऽ देलथिन।
24 ओ हुनका लग गेलाह आ ओ गर्भवती भऽ हुनका एकटा बेटाक जन्म देलनि आ एहि सप्ताहक पाँचम वर्ष [1965 AM] मे हुनकर नाम इस्माइल रखलनि। आ अब्रामक जीवनक ई छियासीम वर्ष छल।

अध्याय 15

1 एहि जयन्तीक चारिम सप्ताहक पाँचम वर्ष [1979 AM] तेसर मास मे, मासक मध्य मे अब्राम अनाजक फसलक पहिल फलक पर्व मनौलनि।
2 ओ वेदी पर नव बलि, उपजक पहिल फल, प्रभुक लेल एकटा बछड़ा आ एकटा बकरी आ एकटा भेड़ कैँ वेदी पर होमबलि मे चढ़ौलनि। ओकरा सभक फल-बलि आ ओकर पेयबलि ओ लोबानक संग वेदी पर चढ़ौलनि।
3 परमेश् वर अब्राम कैँ प्रगट भऽ कहलथिन, 'हम सर्वशक्तिमान परमेश् वर छी। हमरा सामने अपना कैँ अनुमोदन करू आ सिद्ध बनू।
4 हम अपना आ अहाँक बीच अपन वाचा करब, आ अहाँ कैँ बहुत बढ़ा देब।'
5 अब्राम मुँह पर खसि पड़लाह आ परमेश् वर हुनका सँ गप्प कऽ कऽ कहलथिन।
6 'देखू, हमर नियम अहाँक संग अछि।
आ अहाँ बहुत रास जाति के पिता बनब।
7 आब अहाँक नाम अब्राम नहि होयत।
मुदा आब सँ अनन्त काल धरि अहाँक नाम अब्राहम रहत।
कारण, हम अहाँ कैँ बहुत रास जाति केर पिता बनौने छी।
8 हम अहाँ कैँ बहुत पैघ बना देब।
हम तोरा जाति-जाति बना देब।
तोरा सँ राजा सभ निकलत।
9 हम अपन वाचा हमरा आ अहाँक आ अहाँक बादक वंशज सभक बीच, हुनका सभक पीढ़ी-दर-पीढ़ी मे, अनन्त वाचा लेल स्थापित करब, जाहि सँ हम अहाँक आ अहाँक बादक वंशजक लेल परमेश् वर बनि सकब।
10 <हम अहाँ आ अहाँक बादक वंशज कैँ> ओहि देश कैँ देब जाहि मे अहाँ प्रवासी छलहुँ, कनान देश, जाहि सँ अहाँ ओकरा सभ कैँ अनन्त काल धरि अपन कब्जा मे राखब आ हम हुनका सभक परमेश् वर बनब।'
11 परमेश् वर अब्राहम कैँ कहलथिन, 'आ अहाँ आ अहाँक बादक वंशज हमर वाचाक पालन करू।
12 अहाँ सभ आठम दिन ओहि बच्चाक खतना करब, अहाँ सभ अपन पीढ़ी-दर-पीढ़ी सभ पुरुष, जे घर मे जन्मल अछि, वा जकरा अहाँ सभ कोनो परदेशी सँ पाइ सँ कीनने छी, जकरा अहाँ सभ अहाँ सभक वंशक नहि अछि।
13 जे अहाँक घर मे जन्म लेत से खतना अवश्य कयल जायत आ जकरा अहाँ पाइ सँ कीनने छी तकरा खतना कयल जायत आ हमर वाचा अहाँ सभक शरीर मे अनन्त नियमक लेल होयत।
14 जे अखतना भेल पुरुष आठम दिन अपन अग्रचर्मक मांस मे खतना नहि कयल गेल अछि, से ओ प्राणी अपन प्रजा मे सँ काटि देल जायत, कारण ओ हमर वाचा तोड़ि देलक।'
15 परमेश् वर अब्राहम कैँ कहलथिन, 'तोहर पत्नी सरायक नाम आब सारा नहि होयत, बल् कि ओकर नाम सारा होयत।
16 हम ओकरा आशीर्वाद देब आ ओकरा द्वारा अहाँ कैँ एकटा बेटा देब, आ ओकरा आशीर्वाद देब, आ ओ राष्ट्र बनि जायत आ ओकरा सँ जाति-जातिक राजा निकलत।'
17 अब्राहम मुँह पर खसि पड़लाह आ हर्षित भऽ गेलाह आ मोन मे कहलथिन, 'की सय वर्षक पुत्रक जन्म होयत आ की नब्बे वर्षक सारा कैँ प्रसव होयत?"
18 अब्राहम परमेश् वर कैँ कहलथिन, 'अहाँक समक्ष इस्माइल जीवित रहथि।"
19 परमेश् वर कहलथिन, 'हँ, आ सारा सेहो अहाँ कैँ एकटा पुत्र पैदा करत, आ अहाँ हुनकर नाम इसहाक राखब, आ हम हुनका संग अपन वाचा, अनन्त वाचा आ हुनकर बादक वंशजक लेल स्थापित करब।
20 हम तोहर इश्माएलक बात सुनने छी, आ देखू, हम ओकरा आशीर्वाद देब, ओकरा पैघ बना देब आ ओकरा बहुत बढ़ा देब,

आ ओ बारहटा राजकुमार पैदा करत आ हम ओकरा एकटा पैघ जाति बना देब।

21 मुदा हम एहि दिन मे आगामी वर्ष मे इसहाक सँ अपन वाचा स्थापित करब, जकरा सारा अहाँ कैँ जन्म देतीह।'

22 ओ हुनका सँ गप्प करब छोड़ि देलनि आ परमेश् वर अब्राहम सँ चलि गेलाह।

23 अब्राहम परमेश् वरक कहलानुसार कयलनि आ अपन पुत्र इस्माइल कैँ आ अपन घर मे जनमल सभ कैँ आ अपन पाइ सँ कीनने सभ पुरुष कैँ अपना घर मे लऽ गेलाह आ अपन अग्रचर्मक मांसक खतना कयलनि।

24 ओही दिन अब्राहम आ हुनकर घरक सभ लोक, <आ घर मे जन्मल लोक सभक खतना भेलाह, आ ओहि सभ लोकक खतना कयल गेलनि जे ओ परदेशीक संतान सभ सँ पाइ सँ कीनने छलाह, हुनका संग खतना कयल गेलनि।

25 ई व्यवस्था सभ पीढ़ीक लेल अछि, आ आठ दिन मे सँ एक दिनक खतना नहि होइत अछि। कारण, ई एकटा अनन्त नियम अछि, जे स्वर्गीय पाटी सभ पर निर्धारित आ लिखल गेल अछि।

26 जे केओ जन्म लेत, जकरा आठम दिन अग्रचर्मक खतना नहि होइत छैक, से ओहि वाचाक संतानक नहि अछि जे परमेश् वर अब्राहमक संग कयलनि, बल् कि विनाशक संतानक अछि। आ ने ओकरा पर कोनो संकेत अछि जे ओ प्रभुक छथि, बल् कि (ओकर नियति अछि) जे ओ पृथ्वी सँ नष्ट भ' क' मारल जाय, आ पृथ्वी सँ जड़ि सँ उखाड़ि देल जायत, कारण ओ हमरा सभक परमेश् वर परमेश् वरक वाचा कैँ तोड़ि देलक।

27 किएक तँ सन्निहारक सभ स् वर्गदूत आ पवित्रताक सभ स् वर्गदूत अपन सृष्टिक दिनसँ एना सृजित भेल छथि आ सन्निहारक स् वर्गदूत आ पवित्रीकरणक स् वर्गदूत सभक समक्ष ओ इस्राएल कैँ पवित्र कयलनि जाहि सँ ओ सभ हुनका संग आ हुनकर पवित्र स् वर्गदूत सभक संग रहथि।

28 अहाँ इस्राएलक सन् तान सभ कैँ आज्ञा दियौक आ ओकरा सभ कैँ एहि वाचाक चिन्ह कैँ अपन पीढ़ी-दर-पीढ़ी अनन्त नियमक रूप मे पालन करय दियौक, आ ओ सभ एहि देश सँ जड़ि सँ नहि उखाड़ि जेताह।

29 किएक तँ ई आज्ञा एकटा वाचाक लेल निर्धारित अछि जे ओ सभ इस्राएलक समस्त लोकक बीच सदाक लेल एकर पालन करथि।

30 इस्माइल आ ओकर पुत्र सभ आ ओकर भाय सभ आ एसाव कैँ परमेश् वर हुनका लग नहि पहुँचा देलथिन आ ओ हुनका सभ कैँ एहि लेल नहि चुनलनि जे ओ सभ अब्राहमक संतान छथि, कारण ओ हुनका सभ कैँ चिन्हैत छलाह, बल् कि ओ इस्राएल कैँ अपन प्रजा बनबाक लेल चुनलनि।

31 ओ एकरा पवित्र कयलनि आ मनुष् यक सभ सन् तान मे सँ एकरा जमा कयलनि। कारण, बहुत रास जाति आ बहुत रास लोक अछि, आ सभ हुनकर अछि, आ सभ पर ओ आत् मा कैँ अधिकार मे राखि देने छथि जे हुनका सभ कैँ अपना सँ भटाबय।

32 मुदा इस्राएल पर ओ कोनो स् वर्गदूत वा आत् माक नियुक्ति नहि केलनि, किएक तँ ओ असगरे हुनका सभक शासक छथि, आ ओ हुनका सभ कैँ सुरक्षित रखताह आ अपन स् वर्गदूत आ अपन आत् मा सभक हाथ सँ, आ अपन समस्त शक्ति सभक हाथ सँ हुनका सभक माँग करताह जाहि सँ ओ हुनका सभ कैँ सुरक्षित राखथि आ हुनका सभ कैँ आशीर्वाद देथिन, आ ओ सभ हुनकर सभक भ' सकथि आ आब सँ ओ सभ हुनका सभक भ' सकथि।

33 आब हम अहाँ कैँ घोषणा करैत छी जे इस्राएलक सन्तान सभ एहि नियमक पालन नहि करत आ एहि समस्त नियमक अनुसार अपन पुत्र सभक खतना नहि करत। कारण, खतनाक शरीर मे ओ सभ अपन पुत्रक एहि खतना कैँ छोड़ि देत, आ सभ बेलियारक पुत्र, अपन पुत्र कैँ जेना जन्म भेल छल, खतना नहि क' क' छोड़ि देत।

34 परमेश् वरक द्वारा इस्राएलक सन् तान सभ पर बहुत क्रोध होयत। किएक तँ ओ सभ हुनकर वाचा छोड़ि हुनकर वचन सँ विमुख भऽ गेल छथि, आ प्रशंसित आ निन्दा करैत छथि, जाबत धरि ओ सभ एहि व्यवस्थाक नियमक पालन नहि करैत छथि। किएक तँ ओ सभ अपन अंग-अंग सभक संग गैर-यहूदी सभ जकाँ व्यवहार कयलनि, जाहि सँ ओ सभ ओहि देश सँ हटि कऽ जड़ि सँ उखाड़ि देल जाय। आ आब हुनका सभक लेल क्षमा आ क्षमा नहि होयत [जाहि सँ क्षमा आ क्षमा होयत] एहि अनन्त गलतीक सभ पापक लेल।

अध्याय 16

1 चारिम मासक अमावस्या मे हम सभ अब्राहम कैँ मम्रेक ओक मे प्रगट भेलहुँ आ हुनका सँ गप्प केलहुँ आ हुनका ई घोषणा कयल जे हुनकर पत्नी सारा हुनका एकटा बेटा देथिन।

2 सारा हँसलीह, किएक तँ ओ ई सुनि कऽ जे हम सभ अब्राहम सँ ई बात कहलहुँ आ हम सभ हुनका सलाह देलियनि, आ ओ भयभीत भऽ गेलीह आ एहि बातक कारणेँ हँसला सँ इनकार कयलनि।

3 हम सभ ओकरा पुत्रक नाम कहलियनि, जेना ओकर नाम स् वर्गीय पाटी सभ मे लिखल अछि आ लिखल अछि (अर्थात इसहाक।

4 जखन हम सभ निर्धारित समय पर हुनका लग घुरि गेलहुँ तँ ओ पुत्रक गर्भवती भऽ गेल रहितथि।

5 एहि मास मे प्रभु सदोम, अमोरा, जबबोइम आ यरदन नदीक समस्त क्षेत्र पर अपन न् याय पूरा कयलनि आ ओकरा सभ कैँ आगि आ गंधक सँ जरा देलनि आ आइ धरि ओकरा सभ कैँ नष्ट कऽ देलनि, जेना कि हम अहाँ कैँ हुनकर सभक सभ काज कैँ बता देलहुँ जे ओ सभ बहुत दुष्ट आ पापी छथि, आ ओ सभ अपना कैँ अशुद्ध करैत छथि आ अपन शरीर मे व्यभिचार करैत छथि पृथ्वी पर अशुद्धता।

6 तहिना परमेश् वर सदोमक न् याय जकाँ सदोमक अशुद्धताक अनुसार ओहि ठाम पर न् याय करताह।

7 मुदा हम सभ लूत कैँ बचा लेलहुँ। किएक तँ परमेश् वर अब्राहम कैँ मोन पाड़ि कऽ ओकरा उखाड़ि फेकबाक बीच सँ बाहर पठा देलथिन।

8 ओ आ हुनकर बेटी सभ पृथ् वी पर एहन पाप कयलनि जे आदमक समय सँ हुनकर समय धरि पृथ् वी पर नहि छल। किएक तँ ओ आदमी अपन बेटी सभक संग पड़ल छल।

9 हुनकर समस्त वंशक विषय मे स् वर्गीय पाटी सभ पर आज्ञा आ उकेरल गेल छल जे ओकरा सभ कैँ हटा कऽ ओकरा सभ कैँ जड़ि सँ उखाड़ि कऽ उखाड़ि देल जाय आ सदोमक न् याय जकाँ ओकरा सभ पर न्याय कयल जाय आ दोषी ठहरबाक दिन पृथ् वी पर कोनो वंशज नहि छोड़ल जाय।

10 एहि मास मे अब्राहम हेब्रोन सँ चलि गेलाह आ कादेश आ शूरक बीच गेरार पहाड़ मे रहि गेलाह।
11 पाँचम मासक मध्य मे ओ ओतय सँ हटि कऽ शपथक इनार मे रहि गेलाह।
12 छठम मासक मध्य मे परमेश् वर सारा सँ भेंट कयलनि आ हुनका संग जेना कहने छलाह तेना कयलनि आ ओ गर्भवती भऽ गेलीह।
13 तेसर मास मे आ ओहि मासक मध्य मे, जाहि समय मे प्रभु अब्राहम सँ बात केने छलाह, ओहि समय मे फसलक पहिल फलक पाबनि मे इसहाकक जन्म भेलनि।
14 अब्राहम आठम दिन अपन पुत्रक खतना कयलनि।
15 चारिम सप्ताहक छठम वर्ष मे हम सभ अब्राहम लग, शपथक इनार लग पहुँचलहुँ, आ हम सभ हुनका लग प्रकट भेलहुँ [जहिना हम सभ सारा केँ कहने रही जे हम सभ हुनका लग घुरि जाइ, तखन ओ एकटा पुत्रक गर्भवती भऽ जेतीह।
16 सातम मास मे हम सभ घुरलहुँ आ अपना सभ सँ पहिने सारा केँ गर्भवती भेटलीह] आ हम सभ हुनका आशीर्वाद देलियनि, आ हुनका विषय मे जे किछु नियम कयल गेल छल, तकरा सभ बात हुनका सूचित कऽ देलियनि जे जाबत धरि हुनका छह टा आओर बेटा नहि होयत ता धरि ओ नहि मरि जेताह आ मरबा सँ पहिने हुनका सभ केँ देखि लेताह। मुदा (जे) इसहाक मे ओकर नाम आ वंशज राखल जाय।
17 हुनकर पुत्र सभक सभ वंशज गैर-यहूदी होथि आ गैर-यहूदी सभक संग गणना कयल जाय। मुदा इसहाकक पुत्र सभ मे सँ केओ पवित्र वंशज बनि जायत आ गैर-यहूदी मे नहि गिनल जायत।
18 किएक तँ ओ परमेश् वरक भाग बनि जेताह आ हुनकर सभ वंशज परमेश् वरक कब्जा मे आबि गेल छलनि, जाहि सँ ई सभ जाति सँ ऊपर प्रभुक लेल एकटा प्रजा बनत आ ई एकटा राज्य आ पुरोहित आ पवित्र जाति बनि जाय।
19 हम सभ जा कऽ सारा केँ जे किछु कहलियैक से सभ बात सुना देलियैक आ दुनू गोटे बहुत हर्षित भऽ गेलाह।
20 ओतऽ ओ परमेश् वरक लेल एकटा वेदी बनौलनि जे हुनका बँचौने छलाह आ जे हुनका अपन प्रवासक देश मे आनन्दित कऽ रहल छलाह, आ एहि मास मे सात दिन धरि ओहि वेदीक समीप जे वेदी ओ शपथक इनार मे बनौने छलाह।
21 एहि पावनि मे ओ अपना आ अपन नोकर सभक लेल बूथ बनौलनि, आ ओ सभ पहिने पृथ्वी पर तम्बूक पर्व मनौलनि।
22 एहि सात दिन मे ओ प्रत्येक दिन परमेश् वरक लेल होमबलि, दू टा बैल, दूटा मेढ़ा, सातटा भेँड़ा आ एकटा बकरी, पापबलि मे आनि दैत छलाह, जाहि सँ ओ अपना आ अपन वंशक प्रायश्चित करथि।
23 धन्यवादक बलिदानक रूप मे सातटा मेढ़क, सातटा बछड़ा, सातटा भेँड़ा आ सातटा बकरी, आ ओकर फल बलि आ पेयबलि। ओ ओकर सभ चर्बी वेदी पर जरा देलथिन, जे मधुर गंधक लेल प्रभुक लेल चुनल गेल बलिदान छल।
24 भोर-साँझ ओ सुगन्धित पदार्थ, लोबान आ गल्बनम, ढेर, नार्ड, गंधक, मसाला आ वेशभूषा जराबैत छलाह। एहि सभ सातटा केँ ओ कुचलल, समान भाग मे (आ) शुद्ध मे मिला क' चढ़ौलनि।
25 ओ सात दिन मे ई भोज मनौलनि, आ अपन घर मे रहनिहार सभ लोक सभ मोन सँ आ प्राण सँ आनन्दित भऽ गेलाह आ हुनका संग कोनो परदेशी नहि छल आ ने कोनो अखतना केने छल।
26 ओ अपन सृष्टिकर्ता केँ आशीष देलनि जे हुनका अपन पीढ़ी मे सृष्टि केने छलाह, कारण ओ हुनका अपन प्रसन्नताक अनुसार सृष्टि केने छलाह। कारण, ओ जनैत छलाह आ बुझैत छलाह जे हुनका सँ अनन्त पीढ़ीक लेल धार्मिकताक पौधा उत्पन्न होयत, आ हुनका सँ एकटा पवित्र बीया उत्पन्न होयत, जाहि सँ ई ओहि तरहक भ' जायत जे सभ किछु बनौने छथि।
27 ओ आशीर्वाद देलनि आ आनन्दित भेलाह आ एहि पाबनि केँ प्रभुक पाबनि नाम देलनि, जे परमात्मा परमेश् वरक स्वीकार्य आनन्द छल।
28 हम सभ हुनका आ हुनका बादक समस्त वंशज केँ पृथ् वीक सभ पीढ़ी मे हुनका सदाक लेल आशीर्वाद देलियनि, किएक तँ ओ स् वर्गीय पाटी सभक गवाही अनुसार एहि पावनि केँ अपन समय मे मनाबैत छलाह।
29 एहि कारणेँ इस्राएलक विषय मे स् वर्गीय पाटी सभ पर ई निर्धारित कयल गेल अछि जे ओ सभ सातम मास मे सात दिन धरि हर्षोल्लास सँ तम्बूक पाबनि मनाओत, जे प्रभुक समक्ष स्वीकार्य होयत - ई नियम अछि जे हुनका सभक पीढ़ी-दर-पीढ़ी सभ प्रति वर्ष सदाक लेल अछि।
30 एहि लेल दिनक कोनो सीमा नहि अछि। कारण, इस्राएलक विषय मे सदिखन ई निर्धारित अछि जे ओ सभ एकरा मनाबथि आ बूथ मे रहथि आ माथ पर माला चढ़ाबथि आ धार मे सँ पातदार डारि आ विलो ल' लेथि।
31 अब्राहम ताड़क गाछक डारि आ नीक गाछक फल लऽ कऽ सभ दिन भोरे-भोर सात बेर ओहि डारि सभक संग वेदीक चारूकात घुमि कऽ हर्ष मे सभ किछुक लेल अपन परमेश् वरक स्तुति आ धन्यवाद दैत छलाह।

अध्याय 17

1 पाँचम सप्ताहक पहिल वर्ष मे इसहाक केँ दुध छुड़ाओल गेलनि, [1982 AM] आ अब्राहम तेसर मास मे, जाहि दिन हुनकर पुत्र इसहाक दुध छुड़ाओल गेल छलनि, ओहि दिन एकटा पैघ भोज कयलनि।
2 मिस्रवासी हाजरक पुत्र इस्माइल हुनका जगह पर हुनकर पिता अब्राहमक सामने छल आ अब्राहम अपन पुत्र सभ केँ देखि कऽ निस्संतान नहि मरि गेलाक कारणेँ आनन्दित भऽ परमेश् वर केँ आशीष देलनि।
3 जखन लूत ओकरा सँ विरक्त भेलाह, ताहि दिन ओ ओकरा जे बात कहने छलाह, से मोन पाड़लनि, आ ओ आनन्दित भ' गेलाह, किएक त' प्रभु हुनका पृथ्वी पर बीया देने छलाह जे ओ पृथ्वीक उत्तराधिकारी बनौने छलाह, आ ओ अपन समस्त मुँह सँ सभ वस्तुक सृष्टिकर्ता केँ आशीर्वाद देलनि।
4 सारा इस्माइल केँ खेलाइत आ नाचैत देखलनि, आ अब्राहम केँ बहुत हर्षित होइत देखलनि, तखन ओ इस्माइल सँ ईर्ष्या कयलनि आ अब्राहम केँ कहलथिन, 'ई दासी आ ओकर बेटा केँ बाहर निकालि दियौक। कारण, एहि दासीक बेटा हमर बेटा इसहाकक संग उत्तराधिकारी नहि होयत।'
5 अब्राहमक नजरि मे अपन दासी आ बेटाक कारणेँ ई बात कठिन छल जे ओ ओकरा सभ केँ ओकरा सभ केँ भगा देलक।

6 परमेश् वर अब्राहम केँ कहलथिन, 'बच्चा आ दासीक कारणेँ तोहर नजरि मे कष्ट नहि होउ। सारा जे किछु कहने छथि, ताहि मे हुनकर बात सुनू आ ओकरा सभ केँ पूरा करू। किएक तँ इसहाक मे अहाँक नाम आ वंशज कहल जायत।"
7 मुदा एहि दासीक बेटा केँ हम ओकरा एकटा पैघ जाति बना देब, किएक तँ ओ अहाँक वंशजक अछि।'
8 अब्राहम भोरे-भोर उठि कऽ रोटी आ पानि क बूटी लऽ कऽ हागर आ बच्चाक कान्ह पर राखि कऽ ओकरा विदा कऽ देलथिन।
9 ओ विदा भऽ गेलीह आ बेर-शेबाक जंगल मे भटकलीह, आ ओहि मे राखल पानि खतम भ' गेल छल, आ बच्चा पियासल छल, आ आगू नहि बढ़ि सकल छल आ खसि पड़ल छल।
10 ओकर माय ओकरा लऽ कऽ एकटा जैतूनक गाछक नीचाँ फेकि देलकैक आ ओकरा सामने धनुषक दूर बैसा देलकैक। कारण, ओ बजलीह, 'हमरा अपन बच्चाक मृत्यु नहि देखय दिअ' आ बैसल ओ कानय लगलीह।
11 पवित्र लोक मे सँ एक परमेश् वरक स् वर्गदूत हुनका कहलथिन, "हागर, अहाँ किएक कानैत छी? उठू, बच्चा केँ लऽ कऽ ओकरा हाथ मे पकड़ि लिअ। किएक तँ परमेश् वर अहाँक आवाज सुनलनि आ बच्चा केँ देखलनि।'
12 ओ आँखि खोलि कऽ पानिक इनार देखि गेलीह आ जा कऽ ओ अपन डिब्बा मे पानि भरि कऽ अपन बच्चा केँ पीबय लगलीह आ उठि कऽ पारन मरुभूमि दिस विदा भेलीह।
13 ओ बच्चा बढ़ि कऽ धनुर्धर बनि गेल आ परमेश् वर ओकरा संग रहलाह आ ओकर माय ओकरा मिस्रक बेटी सभक बीच सँ एकटा स् त्री लऽ लेलक।
14 ओ हुनका एकटा बेटाक जन्म देलथिन आ ओ हुनकर नाम नबियोत रखलनि। कारण, ओ बजलीह, 'जखन हम हुनका पुकारलहुँ तखन प्रभु हमरा लग छलाह।'
15 सातम सप्ताह मे, पहिल वर्ष मे, [2003 बजे] एहि जयंतीक पहिल मास मे, एहि मासक बारह तारीख मे, स् वर्ग मे अब्राहमक विषय मे आवाज आयल जे ओ जे किछु कहलथिन ताहि मे विश्वासी छलाह आ प्रभु सँ प्रेम करैत छलाह आ हर कष्ट मे ओ विश्वासी छलाह।
16 तखन राजकुमार मस्टेमा परमेश् वरक समक्ष आबि कऽ कहलथिन, 'देखू, अब्राहम अपन पुत्र इसहाक सँ प्रेम करैत छथि आ सभ सँ बेसी हुनका पर आनन्दित होइत छथि। ओकरा वेदी पर होमबलि के रूप मे चढ़ाबय के आज्ञा दियौक, आ अहाँ देखब जे ओ ई आज्ञा पूरा करत कि नहि, आ अहाँ बुझब जे ओ ओहि सभ काज मे विश्वासी अछि जे अहाँ ओकरा परखैत छी।
17 प्रभु जानि गेल छलाह जे अब्राहम अपन सभ दुख मे विश् वास रखैत छथि। कारण, ओ ओकरा अपन देश आ अकाल मे परीक्षा देने छल, आ राजा सभक धन सँ ओकरा परखने छल, आ ओकर पत्नीक माध्यमे ओकरा फेर सँ परीक्षा देने छलैक, जखन ओ (ओकरा सँ) फाटि गेल छलैक आ खतना सँ। ओ इस्माइल आ ओकर दासी हाजर द्वारा ओकर परीक्षा केने छल, जखन ओ ओकरा सभ केँ विदा क' देलक।
18 ओ जे किछु परखने छलाह, ताहि मे ओ विश् वासपूर्ण पाओल गेलाह, आ हुनकर प्राण अधीर नहि छलनि आ काज करबा मे देरी नहि कयलनि। किएक तँ ओ विश् वासपूर्ण आ प्रभुक प्रेमी छलाह।

अध्याय 18

1 परमेश् वर हुनका कहलथिन, 'अब्राहम, अब्राहम'। ओ कहलथिन, "देखू, हम (एतय) छी।'
2 ओ कहलनि, "अपन प्रिय पुत्र, जकरा सँ अहाँ प्रेम करैत छी, इसहाक केँ ल' जाउ, आ ऊँच देश मे जाउ, आ ओकरा ओहि पहाड़ मे सँ एकटा पहाड़ पर चढ़ाउ, जकरा हम अहाँ केँ देखा देब।'
3 ओ भोरे भोरे उठि कऽ अपन गदहा पर काठी बान्हि कऽ अपन दुनू युवक आ अपन पुत्र इसहाक केँ लऽ कऽ होमबलि के लकड़ी काटि कऽ तेसर दिन ओहि स्थान पर गेलाह आ ओ ओहि स्थान केँ दूर सँ देखलनि।
4 ओ पानिक इनार लग पहुँचलाह आ अपन युवक सभ केँ कहलथिन, 'अहाँ सभ एतय गदहाक संग रहू, आ हम आ लड़का (ओतय) चलि जायब, आ जखन हम सभ पूजा करब तखन फेर अहाँ सभ लग आबि जायब।'
5 ओ होमबलि के लकड़ी लऽ कऽ अपन पुत्र इसहाक पर राखि देलथिन आ हाथ मे आगि आ छूरी लऽ कऽ दुनू गोटे एक संग ओहि ठाम चलि गेलाह।
6 इसहाक अपन पिता केँ कहलथिन, "पिता।" ओ बजलाह, 'हम एतऽ छी, हमर बेटा।' ओ हुनका कहलथिन, 'देखू आगि, चाकू आ लकड़ी। मुदा होमबलि लेल बरद कतय अछि, पिता?'
7 ओ कहलथिन, 'हे बौआ, परमेश् वर होमबलि लेल भेँड़ाक इंतजाम करताह।' ओ परमेश् वरक पहाड़क स् थान लग आबि गेलाह।
8 ओ एकटा वेदी बनौलनि आ वेदी पर लकड़ी राखि अपन पुत्र इसहाक केँ बान्हि कऽ वेदी पर राखल लकड़ी पर राखि देलनि आ अपन पुत्र इसहाक केँ मारबाक लेल छूरी लऽ कऽ हाथ बढ़ौलनि।
9 हम हुनका आगू, आ राजकुमार मस्टेमाक समक्ष ठाढ़ भ' गेलहुँ, आ प्रभु कहलथिन, 'ओकरा ओहि लड़का पर हाथ नहि राखबाक आज्ञा नहि दियौक, आ ने ओकरा संग किछु करबाक लेल, कारण हम ई देखा देने छी जे ओ प्रभु सँ डेराइत अछि।'
10 हम स् वर्ग सँ हुनका बजा कऽ कहलियनि, 'अब्राहम, अब्राहम। ओ आतंकित भऽ बजलाह: 'देखू, (एतय) हम छी।'
11 हम हुनका कहलियनि, 'ओहि लड़का पर हाथ नहि राखू आ ने ओकरा संग किछु करू। किएक तँ आब हम ई देखा देने छी जे अहाँ प्रभुक भय मानैत छी, आ अपन पुत्र, अहाँक जेठ पुत्र केँ हमरा सँ नहि रोकलहुँ।'
12 राजकुमार मस्टेमा लज्जित भऽ गेलाह। अब्राहम आँखि उठा कऽ देखलक आ देखलक जे एकटा मेढ़ा पकड़ल गेल अछि | . . अपन सींग पकड़ि कऽ अब्राहम जा कऽ मेढ़ा लऽ कऽ अपन पुत्रक बदला मे होमबलि चढ़ौलनि।
13 अब्राहम ओहि स्थान केँ 'प्रभु देखलनि' कहलनि, जाहि सँ ई कहल जाइत अछि जे प्रभु जे पहाड़ देखलनि, से अछि सियोन पहाड़।
14 प्रभु अब्राहम केँ दोसर बेर स् वर्ग सँ अपन नाम सँ बजौलनि, जखन ओ हमरा सभ केँ प्रभुक नाम सँ हुनका सँ गप्प करबाक लेल प्रकट कयलनि।
15 ओ कहलनि: 'हम अपना द्वारा शपथ खा लेने छी, प्रभु कहैत छथि, कारण अहाँ ई काज केलहुँ, आ अहाँक पुत्र, अहाँक प्रिय पुत्र केँ हमरा सँ नहि रोकलहुँ, जे हम अहाँ केँ आशीर्वाद देब, आ

बढ़ैत-बढ़ैत हम अहाँक वंश केँ बढ़ा देब।" स्वर्गक तारा जकाँ, आ समुद्रक कात मे बालु जकाँ। अहाँक वंशज अपन शत्रु सभक नगर सभक उत्तराधिकारी बनत।
16 अहाँक वंशज मे पृथ् वीक सभ जाति धन्य होयत। कारण, अहाँ हमर आवाज मानलहुँ, आ हम सभ केँ ई देखा देलहुँ जे अहाँ हमरा जे किछु कहलहुँ, ताहि मे अहाँ हमरा प्रति वफादार छी।'
17 अब्राहम अपन युवक सभ लग गेलाह आ ओ सभ उठि कऽ बेर-शेबा गेलाह आ अब्राहम शपथक इनार लग रहि गेलाह।
18 ओ एहि पावनि केँ प्रति वर्ष सात दिन हर्षक संग मनाबैत छलाह आ जाहि सात दिन मे ओ शान्तिपूर्वक घुरि कऽ अबैत छलाह, ताहि अनुसारेँ एकरा प्रभुक पाबनि कहैत छलाह।
19 एहि तरहेँ इस्राएल आ ओकर वंशजक विषय मे स् वर्गीय पाटी सभ पर लिखल गेल अछि आ लिखल अछि जे ओ सभ एहि पावनि केँ सात दिन धरि पाबनिक आनन्द सँ मनाबथि।

अध्याय 19

1 बयालीसम जुबली मे पहिल सप्ताहक पहिल वर्ष मे अब्राहम घुरि कऽ हेब्रोन अर्थात किरयात अरबा मे दू सप्ताहक समक्ष रहि गेलाह।
2 एहि महोत्सवक तेसर सप्ताहक पहिल वर्ष मे साराक जीवनक दिन पूरा भ' गेलनि आ ओ हेब्रोन मे मरि गेलीह।
3 अब्राहम ओकरा पर शोक मना कऽ ओकरा गाड़य लेल गेलाह, आ हम सभ हुनका परखैत छलहुँ जे हुनकर आत् मा धैर्य रखैत अछि आ मुँहक बात पर ओ क्रोधित नहि अछि कि नहि। एहि मे ओ धैर्यवान पाओल गेलाह, आ कोनो परेशानी नहि भेलाह।
4 ओ धैर्यक संग हेतक सन् तान सभ सँ गप्प-सप्प कयलनि जे ओ सभ हुनका अपन मृत् यु केँ दफन करबाक लेल एकटा स्थान दऽ देथिन।
5 परमेश् वर हुनका सभ देखनिहार सभक समक्ष हुनका पर कृपा कयलनि आ ओ हेतक पुत्र सभ सँ नम्रतापूर्वक विनती कयलनि आ ओ सभ हुनका चारि सय चानीक बदला मे ममरे अर्थात हेब्रोनक समक्ष दुगुना गुफाक देश दऽ देलनि।
6 ओ सभ हुनका सँ विनती करैत कहलथिन, "हम सभ अहाँ केँ बेकार मे दऽ देब। मुदा ओ बेकार मे हुनका सभक हाथ सँ नहि लेबय चाहैत छलाह, कारण ओ ओहि स्थानक दाम, पाइ पूरा देलनि, आ दू बेर हुनका सभक सोझाँ प्रणाम कयलनि, आ तकर बाद ओ अपन मृतक केँ दोहरी गुफा मे गाड़ि देलनि।
7 साराक जीवनक सभ दिन एक सय सत्ताईस वर्ष अर्थात् दू जयंती आ चारि सप्ताह आ एक वर्ष छल।
8 ई दसम परीक्षा अछि जाहि मे अब्राहम केँ परीक्षा भेलनि आ ओ विश् वासपूर्ण आ आत् मा मे धैर्यवान पाओल गेलाह।
9 ओ एहि देश मे जे अफवाह छल, ताहि विषय मे एकोटा शब्द नहि कहलनि जे परमेश् वर कहने छलाह जे ओ ओकरा आ ओकर बादक वंशज केँ देथिन, आ ओतहि अपन मृत् यु केँ गाड़बाक लेल एकटा जगह माँगि लेलनि। किएक तँ ओ विश् वासपूर्ण पाओल गेलाह आ परमेश् वरक मित्रक रूप मे स् वर्गीय पाटी सभ पर लिखल गेलाह।
10 ओकर चारिम वर्ष मे ओ अपन पुत्र इसहाकक लेल एकटा स् त्री विवाह कयलनि आ ओकर नाम रेबेका [2020 AM] [अब्राहमक भाय नाहोरक पुत्र बथुएलक बेटी] छलनि, जे लाबानक बहिन आ बेथुएलक बेटी छलीह। बेथुएल मेल्काक पुत्र छल, जे अब्राहमक भाय नाहोरक पत्नी छल।
11 अब्राहम अपन घरक नोकर सभक बेटी सभ मे सँ तेसर स् त्री केँ विवाह कयलनि, जकर नाम केतुरा छलनि, कारण सारा सँ पहिने हागर मरि गेल छलीह। दू सप्ताह मे ओ हुनका सिम्राम, योक्शान, मेदान, मिद्यान, इशबक आ शुआह नामक छहटा पुत्रक जन्म देलथिन।
12 छठम सप्ताह मे दोसर वर्ष मे रिबेका केँ इसहाक सँ दूटा पुत्र याकूब आ एसाव भेलनि।
13 आ [2046 AM] याकूब एकटा चिकना आ सोझ आदमी छलाह, आ एसाव उग्र, खेतक आ रोमांटिक आदमी छलाह, आ याकूब डेरा मे रहैत छलाह।
14 युवक सभ बढ़ि गेल आ याकूब लिखब सीख गेल। मुदा एसाव नहि सीखलनि, किएक तँ ओ खेतक लोक आ शिकारी छलाह, युद्ध सीखैत छलाह आ हुनकर सभटा काज उग्र छलनि।
15 अब्राहम याकूब सँ प्रेम करैत छलाह, मुदा इसहाक एसाव सँ प्रेम करैत छलाह।
16 अब्राहम एसावक काज देखि कऽ बुझि गेलाह जे याकूब मे हुनकर नाम आ वंशज राखल जायत। आ ओ रिबेका केँ बजा कऽ याकूबक विषय मे आज्ञा देलक, कारण ओ जनैत छल जे ओहो (ओहो) याकूब सँ एसाव सँ बहुत बेसी प्रेम करैत अछि।
17 ओ ओकरा कहलथिन, "हे बेटी, हमर बेटा याकूब पर नजरि राखू, किएक तँ ओ हमर स्थान पर पृथ् वी पर रहताह, आ मनुष् यक सन् तानक बीच आशीर्वादक रूप मे आ शेमक समस्त वंशक महिमा लेल।
18 हम जनैत छी जे परमेश् वर हुनका पृथ् वी पर रहय बला सभ जाति सँ बेसी अपना लेल अपन सम् पत्तिक लेल चुनताह।
19 हमर बेटा इसहाक याकूब सँ बेसी एसाव सँ प्रेम करैत अछि, मुदा हम देखैत छी जे अहाँ याकूब सँ सत् य प्रेम करैत छी।
20 ओकरा पर अपन दया आओर बढ़ाउ, आ प्रेम मे ओकरा पर नजरि राखू। कारण, ओ हमरा सभक लेल पृथ् वी पर आब सँ पृथ् वीक सभ पीढ़ी धरि आशीष बनताह।
21 तोहर हाथ मजगूत होउ, आ तोहर मोन अपन पुत्र याकूब पर आनन्दित होउ। हम हुनका सँ अपन सभ पुत्र सँ बहुत बेसी प्रेम केने छी। ओ अनन्त काल धरि धन्य होयत, आ ओकर संतान समस्त पृथ्वी केँ भरि देत।
22 जँ केओ पृथ्वीक बालु केँ गिन सकैत अछि तँ ओकर संतान सेहो गिनल जायत।
23 प्रभु हमरा आ हमर वंशज केँ जतेक आशीर्वाद देलनि अछि, से सभ दिन याकूब आ हुनकर वंशजक रहत।
24 हुनकर वंशज मे हमर नाम आ हमर पूर्वज शेम, नोआब, हनोक, महलालेल, एनोस, सेत आ आदमक नाम आशीष भेटत।
25 ई सभ आकाशक नींव रखबाक काज करत, आ पृथ् वी केँ मजबूत करबाक काज करत, आ आकाश मे जे सभ ज्योतिष अछि तकरा नवीकरण करत।
26 ओ याकूब केँ अपन माय रेबेकाक नजरि मे बजा कऽ चुम्मा लेलक आ आशीर्वाद देलक आ कहलक।
27 'याकूब, हमर प्रिय पुत्र, जिनका सँ हमर प्राण प्रेम करैत अछि, परमेश् वर अहाँ केँ आकाशक ऊपर सँ आशीर्वाद देथिन, आ अहाँ केँ ओ सभ आशीर्वाद देथिन, जाहि सँ ओ आदम, हनोक, नूह आ शेम केँ आशीर्वाद देलनि। आ जे सभ बात ओ हमरा कहलनि, आ जे सभ बात ओ हमरा देबाक प्रतिज्ञा केने छलाह, से

पृथ्वी सँ ऊपर स्वर्गक दिनक अनुसार अहाँ आ अहाँक वंश सँ अनन्त काल धरि चिपकल रहथि।
28 मस्तेमाक आत् मा अहाँ पर आ अहाँक वंश पर राज नहि करत जे अहाँ कैँ प्रभु सँ भटका देत, जे आब सँ अहाँक परमेश् वर छथि।
29 प्रभु परमेश् वर अहाँक आ अहाँ जेठ पुत्र आ लोक सभक लेल सदिखन पिता बनथि।
30 बौआ, शान्तिपूर्वक जाउ।' दुनू गोटे अब्राहम सँ एक संग विदा भेलाह।
31 रिबेका एसाव सँ बेसी याकूब सँ अपन पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ प्रेम कयलनि। मुदा इसहाक याकूब सँ बेसी एसाव सँ प्रेम करैत छल।

अध्याय 20

1 बयालीसम जुबली मे सातम सप्ताहक पहिल वर्ष मे अब्राहम इस्माइल [2052 (2045?) AM] आ हुनकर बारह पुत्र, इसहाक आ हुनकर दुनू पुत्र, आ केतुराक छह पुत्र आ हुनकर पुत्र कैँ बजौलनि।
2 ओ हुनका सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे प्रभुक बाट कैँ पालन करथि। एहि तरहेँ ओ सभ धार्मिकताक काज करथि आ एक-एकटा अपन पड़ोसी सँ प्रेम करथि आ सभ लोकक बीच एहि तरहेँ काज करथि। कि ओ सभ एक-एकटा अपना सभक संबंध मे एना चलथि जे पृथ् वी पर न्याय आ धार्मिकता करथि।
3 ओ सभ अपन पुत्र सभक खतना करथिन, जेना ओ हुनका सभक संग केने छलाह, आ ओहि सभ बाट सभक दहिना वा बामा दिस नहि भटकि जाय जे प्रभु हमरा सभ कैँ आज्ञा देने छलाह। आ एहि लेल जे हम सभ व्यभिचार आ अशुद्धता सँ अपना कैँ सुरक्षित राखी, [आ अपना सभक बीच सँ सभ व्यभिचार आ अशुद्धता कैँ त्याग करी।"
4 जँ अहाँ सभक बीच कोनो स् त्री वा दासी व्यभिचार करैत अछि तँ ओकरा आगि मे जरा दियौक आ ओकरा संग अपन नजरि आ हृदयक अनुसार व्यभिचार नहि करय। ओ सभ कनानक बेटी सभ मे सँ स् त्रीगण नहि करथि। किएक तँ कनानक वंश ओहि देशसँ उखाड़ि कऽ हटि जायत।
5 ओ हुनका सभ कैँ दिग्गज सभक न् याय आ सदोमियन सभक न् यायक विषय मे कहलथिन जे कोना हुनका सभक दुष् टताक कारणेँ हुनका सभक न् याय कयल गेल छलनि आ ओ सभ अपन व्यभिचार, अशुद्धता आ व्यभिचारक कारणेँ एक-दोसराक भ्रष्टताक कारणेँ मरि गेलाह।
6 'आ सभ व्यभिचार आ अशुद्धता सँ, आ पापक सभ प्रदूषण सँ अपना कैँ बचाउ, कहीं अहाँ सभ हमरा सभक नाम कैँ अभिशाप नहि बनाबी, आ अपन पूरा जीवन कैँ सिसकी नहि बनाबी, आ अपन सभ पुत्र कैँ तलवार सँ नष्ट नहि कयल जाय, आ अहाँ सभ सदोम जकाँ अभिशप्त भऽ जायब, आ अपन सभ शेष लोक कैँ अमोराक बेटा जकाँ।
7 हे हमर पुत्र सभ, हम अहाँ सभ सँ विनती करैत छी जे, स् वर्गक परमेश् वर सँ प्रेम करू, आ हुनकर सभ आज्ञाक पालन करू। आ हुनका सभक मूर्ति आ अशुद्धताक अनुसरण नहि करू।
8 अपना लेल पिघलल वा उकेरल देवता नहि बनाउ। कारण, ओ सभ व्यर्थ अछि, आ ओकरा सभ मे कोनो आत्मा नहि अछि। कारण, ई सभ (मनुष्यक) हाथक काज थिक, आ जे सभ एहि पर भरोसा करैत अछि, सभ किछु पर भरोसा नहि करैत अछि।
9 हुनका सभक सेवा नहि करू, आ ने हुनकर आराधना करू, बल् कि अहाँ सभ परम परमेश् वरक सेवा करू आ हुनकर आराधना करू, आ हुनकर चेहरा पर सदिखन आशा करू, आ हुनका सामने सोझ आ धार्मिकताक काज करू, जाहि सँ ओ अहाँ सभ मे प्रसन्नता करथि आ अहाँ सभ पर अपन दया प्रदान करथि, आ अहाँ सभ पर भोर-साँझ बरखा करथि, आ अहाँ सभक सभ काज कैँ आशीर्वाद दिअ जे अहाँ सभ धरती पर केने छी, आ अहाँ सभ कैँ आशीर्वाद दिअ रोटी आ पानि, आ अपन कोखक फल आ अपन देशक फल, आ अपन माल-जाल आ अपन भेड़क झुंड कैँ आशीर्वाद दिअ।"
10 अहाँ सभ पृथ् वी पर आशीर्वादक रूप मे रहब, आ पृथ् वीक सभ जाति अहाँ सभक इच्छा करत, आ अहाँ सभक पुत्र सभ कैँ हमर नाम सँ आशीर्वाद देब, जाहि सँ ओहो सभ हमरा जकाँ आशीर्वादित होथि।
11 ओ इस्माइल आ हुनकर पुत्र सभ आ केतुराक पुत्र सभ कैँ दान देलनि आ हुनका सभ कैँ अपन पुत्र इसहाक सँ विदा कऽ देलनि आ सभ किछु अपन पुत्र इसहाक कैँ दऽ देलनि।
12 इस्माइल आ ओकर पुत्र सभ आ केतुरा आ ओकर पुत्र सभ एक संग जा कऽ पारन सँ बाबुलक प्रवेश धरि ओहि समस्त देश मे रहलाह जे पूरब दिस मरुभूमि दिस छल।
13 ओ सभ एक-दोसर मे घुलमिल गेल आ ओकर सभक नाम अरब आ इश्माएल राखल गेल।

अध्याय 21

1 एहि महोत्सवक सातम सप्ताहक छठम वर्ष मे अब्राहम अपन पुत्र इसहाक कैँ बजौलनि आ [2057 (2050?) AM] हुनका आज्ञा देलथिन, 'हम बूढ़ भ' गेल छी, आ अपन मृत्युक दिन नहि जनैत छी आ अपन दिन सँ भरल छी।"
2 देखू, हम एक सय पचहत्तरि वर्षक छी, आ अपन जीवनक सभ दिन मे हम प्रभुक स्मरण करैत रहलहुँ, आ हुनकर इच्छा पूरा करबाक आ हुनकर सभ बाट मे सोझ चलबाक लेल अपन पूरा मोन सँ प्रयास केलहुँ।
3 हमर प्राण मूर्ति सभ सँ घृणा करैत अछि, <हम ओकर सेवा करनिहार सभ कैँ तिरस्कृत कयलहुँ, आ हम अपन हृदय आ आत् मा दऽ देलियैक> जाहि सँ हम जे हमरा सृष्टि केनिहारक इच्छा पूरा करब।
4 किएक तँ ओ जीवित परमेश् वर छथि, आ ओ पवित्र आ विश् वासयोग् य छथि, आ ओ सभ सँ परे धार्मिक छथि, आ हुनका लग (मनुखक) व्यक्ति कैँ स्वीकार नहि आ वरदान कैँ स्वीकार नहि कयलनि अछि। कारण, परमेश् वर धर्मी छथि, आ जे सभ हुनकर आज्ञाक उल्लंघन करैत छथि आ हुनकर वाचा कैँ तिरस्कार करैत छथि, तकरा सभ पर न् याय करैत छथि।
5 हमर बेटा, अहाँ हुनकर आज्ञा आ नियम आ हुनकर न्यायक पालन करू, आ घृणित काज आ उकेरल मूर्ति आ पिघलल मूर्तिक अनुसरण नहि करू।
6 जानवर वा मवेशी आ स् वर्ग मे उड़ैत कोनो चिड़ै सभक खून नहि खाउ।
7 जँ अहाँ कोनो शिकार कैँ स्वीकार्य शांति बलिदानक रूप मे मारि दैत छी तँ ओकरा मारि दियौक आ ओकर खून वेदी पर

उझलि दियौक आ वेदी पर बलिदानक समस्त चर्बी कैं महीन आटा आ तेल मे मिलाओल मांसबलि, ओकर पेयबलि के संग - सबटा एक संग होमबलि के वेदी पर चढ़ाउ। प्रभुक समक्ष मधुर गंध अछि।
8 अहाँ धन्यवादक बलिदानक चर्बी वेदी पर जे आगि अछि, पेट पर जे चर्बी अछि, आ भीतर आ दुनू गुर्दा पर जे चर्बी अछि, आ ओहि मे जे चर्बी अछि, आ कमर आ यकृत पर जे चर्बी अछि, तकरा अहाँ गुर्दाक संग हटा देब।
9 ई सभटा परमेश् वरक समक्ष ग्रहणशील मधुर गंधक रूप मे, ओकर अन्नबलि आ पेयबलि के संग, मधुर गंधक रूप मे, प्रभुक लेल बलिदानक रोटी मे चढ़ाउ।
10 ओहि दिन आ दोसर दिन ओकर भोजन करू आ दोसर दिन जाबत धरि ओकरा खायल नहि जायत ता धरि ओकरा पर सूर्यास्त नहि होउ आ तेसर दिनक लेल किछु नहि बचय। किएक तँ ई स्वीकार्य नहि अछि [किएक तँ ई अनुमोदन नहि अछि] आ आब एकरा नहि खाओल जाय, आ जे कियो एकर भोजन करत से सभ अपना पर पाप आनि देत। कारण, हमरा एहि तरहेँ ई बात हमर पूर्वजक पुस्तक मे, हनोकक वचन मे आ नूहक वचन मे लिखल भेटल अछि।
11 अहाँ अपन सभ बलिदान पर नून बिखेरब, आ प्रभुक समक्ष अहाँक सभ बलिदान मे वाचाक नूनक कमी नहि होअय।
12 बलिदानक लकड़ीक विषय मे सावधान रहू जे एहि सभक अतिरिक्त वेदीक लेल (अन्य) लकड़ी नहि आनब: सरू, खाड़ी, बादाम, देवदार, पाइन, देवदार, सविन, अंजीर, जैतून, गंधक, लॉरेल, एस्पालेथस।
13 एहि तरहक लकड़ी मे सँ बलिदानक नीचाँ वेदी पर पड़ल, जकर रूप-रंगक परीक्षण कयल गेल अछि, आ ओहि पर कोनो फाटल वा अन्हार लकड़ी नहि राखू, (मुदा) कठोर आ साफ, बिना दोषक, एकटा ध्वनि आ नव बढ़ब। आ (ओतय) पुरान लकड़ी नहि बिछाउ, [किएक त' ओकर सुगंध खतम भ' गेल छैक] किएक त' आब पहिने जकाँ ओहि मे सुगंध नहि छैक।
14 एहि तरहक लकड़ीक अतिरिक्त आन कोनो लकड़ी नहि अछि जे अहाँ (वेदी पर राखब, किएक तँ सुगन्ध तितर-बितर भऽ गेल अछि आ ओकर सुगन्धक गंध स्वर्ग धरि नहि जाइत अछि।
15 हे बौआ, एहि आज्ञाक पालन करू आ ओकरा पालन करू, जाहि सँ अहाँ अपन सभ काज मे सोझ रहब।
16 आ सभ समय अपन शरीर मे शुद्ध रहू, आ वेदी पर चढ़ा देबाक लेल नजदीक आबय सँ पहिने पानि सँ धोउ, आ वेदी लग पहुँचबा सँ पहिने हाथ-पैर धोउ। जखन बलिदान समाप्त भऽ जायब तखन फेर हाथ-पैर धोउ।
17 अहाँ सभ पर आ ने अहाँ सभक कपड़ा पर कोनो खून नहि देखाउ। हे बेटा, खून सँ सावधान रहू, बहुत सावधान रहू। ओकरा धूरासँ झाँपि दियौक।
18 कोनो खून नहि खाउ, किएक तँ ओ प्राणी अछि। कोनो खून नहि खाउ जे किछु।
" कारण, जे खून बहल जाइत छैक, से पृथ्वी कैं पाप करबाक कारण बनैत छैक, आ पृथ् वी मनुष् यक खून सँ शुद्ध नहि भऽ सकैत अछि, सिवाय मनुखक खून बहौनिहारक खूनक।
20 मनुष् यक खूनक बदला मे कोनो उपहार वा वरदान नहि लिअ, खूनक बदला खून, जाहि सँ अहाँ परमेश् वर परमेश् वर परमेश् वरक समक्ष ग्रहण कयल जाय। कारण, ओ नीक लोकक रक्षा छथि, आ अहाँ सभ अधलाह सँ बचाओल जाउ आ अहाँ कैं हर तरहक मृत्यु सँ बचाबय।
21 हे बेटा, हम देखैत छी जे मनुष् यक सन् तानक सभ काज पाप आ दुष् टता अछि, आ ओकर सभ काज अशुद्धि आ घृणित आ प्रदूषण अछि, आ ओकरा सभक संग कोनो धार्मिकता नहि अछि।
22 सावधान रहू, कहीं अहाँ हुनका सभक बाट पर नहि चलब आ हुनका सभक बाट पर नहि चलब आ परमात्मा परमेश् वरक समक्ष मृत्युक पाप नहि करब। नहि तऽ ओ अहाँ सँ अपन मुँह नुका लेताह, आ अहाँ कैं अहाँक अपराधक हाथ मे वापस दऽ देताह, आ अहाँ कैं देश सँ जड़ि कऽ निकालि देताह, आ अहाँक संतान सेहो तहिना स्वर्गक नीचाँ सँ, आ अहाँक नाम आ अहाँक वंशज समस्त धरती सँ नाश भऽ जायत।
23 हुनका सभक सभ काज आ सभटा अशुद्धता सँ मुड़ि कऽ परम परमेश् वरक नियमक पालन करू आ हुनकर इच् छा पूरा करू आ सभ काज मे सोझ रहू।
24 ओ अहाँक सभ काज मे अहाँ कैं आशीर्वाद देताह, आ अहाँ सँ पूरा पृथ्वी मे, पृथ्वीक सभ पीढ़ी मे धार्मिकताक पौधा ठाढ़ करताह, आ हमर नाम आ अहाँक नाम स्वर्गक नीचाँ सदाक लेल नहि बिसरल जायत।
25 हे हमर बेटा शान्तिसँ जाउ। परमात्मा परमेश् वर, हमर परमेश् वर आ अहाँक परमेश् वर, अहाँ कैं अपन इच्छा पूरा करबाक लेल बल देथिन, आ अहाँक समस्त वंश आ अहाँक वंशक अवशेष कैं पीढ़ी-दर-पीढ़ी लेल, सभ धार्मिक आशीर्वादक संग सदाक लेल आशीर्वाद देथिन, जाहि सँ अहाँ समस्त पृथ्वी पर आशीर्वाद बनि जायब।'
26 ओ खुशी-खुशी हुनका लग सँ बाहर निकलि गेलाह।

अध्याय 22

1 चौवालीसम जुबली मे पहिल सप्ताह मे, दोसर वर्ष मे, जाहि साल अब्राहमक मृत्यु भेल छल, तखन इसहाक आ इस्माइल शपथक इनार सँ सप्ताहक पाबनि -अर्थात फसलक पहिल फलक पर्व- मनाबऽ लेल अयलाह, आ अब्राहम अपन पिता अब्राहम लग आनन्दित भ' गेलाह, कारण हुनकर दुनू बेटा आबि गेल छलाह।
2 इसहाक कैं बेर-शेबा मे बहुत रास सम्पत्ति छलैक, आ इसहाक कैं अपन सम्पत्ति देखय आ अपन पिता लग घुरबाक आदति छलैक।
3 ओहि समय मे इस्माइल अपन पिता कैं देखय लेल अयलाह आ दुनू गोटे एक ठाम आबि गेलाह आ इसहाक होमबलि मे बलि चढ़ा कऽ अपन पिताक वेदी पर चढ़ौलनि जे ओ हेब्रोन मे बनौने छलाह।
4 ओ धन्यवाद बलि चढ़ौलनि आ अपन भाय इस्माइलक समक्ष आनन्दक भोज कयलनि, आ रिबेका नव अनाज सँ नव-नव केक बनौलनि आ ओकरा सभ कैं अपन पुत्र याकूब कैं देलथिन जे ओ सभ देशक पहिल फल सँ अपन पिता अब्राहम कैं लऽ जाथि, जाहि सँ ओ मरबा सँ पहिने सभ किछुक सृष्टिकर्ता कैं खा कऽ आशीष दऽ सकथि।
5 इसहाक सेहो याकूबक हाथ सँ अब्राहम कैं एकटा उत्तम धन्यवादक बलि पठौलनि जे ओ खा-पीबथि।
6 ओ खाइत-पीबैत परमेश् वरक आशीष देलनि, जे स् वर्ग आ पृथ् वी कैं बनौलनि, जे पृथ् वीक सभटा मोट-मोट चीज बनौलनि

आ मनुष् यक सन् तान कैँ दऽ देलनि, जाहि सँ ओ सभ खा-पीब आ अपन सृष्टिकर्ता कैँ आशीष दऽ सकथि।
7 'आब हम तोरा धन्यवाद दैत छी, हमर परमेश् वर, किएक तँ अहाँ हमरा आइ देखि देलहुँ।
8 आइ धरि जे किछु अहाँ हमरा आ हमर बच्चा सभ कैँ देलहुँ, ताहि मे प्रतिद्वंदीक तलवार हमरा पर विजय नहि पाबि सकल अछि।
9 हमर परमेश् वर, अहाँक दया आ अहाँक शान्ति अहाँक सेवक आ हुनकर पुत्र सभक वंशज पर रहय, जाहि सँ ओ सभ अहाँक लेल एकटा चुनल जाति आ पृथ्वीक सभ जाति मे सँ उत्तराधिकार बनि जाय।'
10 ओ याकूब कैँ बजा कऽ कहलथिन: 'हमर बेटा याकूब, सभक परमेश् वर अहाँ कैँ आशीर्वाद देथिन आ अहाँ कैँ धार्मिकता आ अपन इच्छा कैँ पूरा करबाक लेल बल देथिन, आ ओ अहाँ आ अहाँक वंशज कैँ चुनथि जाहि सँ अहाँ सभ हुनकर इच्छाक अनुसार हुनकर उत्तराधिकारक लेल सदिखन लोक बनि सकब।"
11 अहाँ हमर पुत्र याकूब, हमरा लग आबि कऽ चुम्मा लिअ।' ओ हुनका लग आबि कऽ चुम्मा लेलनि आ कहलनि, 'हमर पुत्र याकूब, आ परमेश् वरक सभ पुत्र सभ कैँ, सभ युग धरि धन्य होथि। आ तोहर किछु बेटा सभ कैँ ओ समस्त पृथ्वीक बीच मे पवित्र क' सकैत छथि। जाति तोहर सेवा करऽ, आ सभ जाति तोहर वंशक समक्ष प्रणाम करय।
12 मनुष् यक समक्ष बलवान रहू, आ सेतक समस्त वंश पर अधिकार राखू। तखन तोहर बाट आ तोहर बेटा सभक बाट धार्मिक ठहराओल जायत, जाहि सँ ओ सभ पवित्र जाति बनि जायत।
13 परमेश् वर परमेश् वर अहाँ कैँ ओ सभ आशीर्वाद देथिन, जाहि सँ ओ हमरा आशीर्वाद देलनि आ जाहि सँ ओ नूह आ आदम कैँ आशीर्वाद देलनि। ओ सभ अहाँक वंशक पवित्र माथ पर पीढ़ी-दर-पीढ़ी सदाक लेल आराम करथि।
14 ओ अहाँ कैँ सभ अधर्म आ अशुद्धता सँ शुद्ध करथि, जाहि सँ अहाँक सभ अपराध क्षमा कयल जाय। जे अहाँ अज्ञानतापूर्वक कएने छी। आ ओ तोरा मजबूत करथि, आ आशीर्वाद देथिन। आ अहाँ समस्त पृथ्वीक उत्तराधिकारी भ' सकैत छी।
15 ओ अहाँ सभक संग अपन वाचा कैँ नव करथि। ताकि अहाँ हुनका लेल सभ युग-युग धरि हुनकर उत्तराधिकारक लेल एकटा जाति बनि जाउ, आ ओ अहाँक आ अहाँक वंशक लेल पृथ् वीक सभ दिन मे सत्य आ धार्मिकता मे परमेश् वर बनि जायब।
16 हमर पुत्र याकूब, हमर बात मोन राखू, आ अपन पिता अब्राहमक आज्ञाक पालन करू, जाति-जाति सँ अलग रहू, आ ओकरा सभक संग भोजन नहि करू, आ ओकर सभक काजक अनुसार नहि करू आ ओकर संगी नहि बनू। कारण, ओकर सभक काज अशुद्ध अछि, आ ओकर सभक सभ बाट गंदगी आ घृणित आ अशुद्धता अछि।
17 ओ सभ मृत् युक बलि चढ़बैत छथि, आ दुष् टात् मा सभक आराधना करैत छथि, आ कबरक उपर भोजन करैत छथि, आ हुनकर सभ काज व्यर्थ आ शून्य अछि।
18 हुनका सभक मोन नहि छनि जे बुझि सकथि, आ आँखि नहि देखैत छथि जे हुनकर काज की होइत छनि, आ कोना ओ सभ एकटा लकड़ीक टुकड़ी कैँ ई कहैत गलती करैत छथि जे, 'अहाँ हमर परमेश् वर छी,' आ एकटा पाथर कैँ: 'अहाँ हमर प्रभु छी आ अहाँ हमर उद्धारकर्ता छी।' [आ हुनका लोकनिक कोनो हृदय नहि छनि।]
19 हमर पुत्र याकूब, अहाँ कैँ, परमात्मा परमेश् वर अहाँक सहायता करथि, आ स् वर्गक परमेश् वर अहाँ कैँ आशीर्वाद देथिन, आ अहाँ कैँ हुनका सभक अशुद्धता आ हुनका सभक सभटा गलती सँ दूर करू।
20 हे हमर पुत्र याकूब, कनानक बेटी सभक कोनो संतान मे सँ स् त्री विवाह करबा सँ सावधान रहू। कारण, ओकर सभ बीया धरती सँ उखाड़ि कऽ निकालल जेबाक अछि।
21 किएक तँ हामक अपराधक कारणेँ कनान गलती केलक, आ ओकर सभ वंशज पृथ् वी पर सँ आ ओकर सभ शेष भाग सँ नष्ट भऽ जायत, आ ओकरा सँ निकलल केओ न् यायक दिन मे उद्धार नहि करत।
22 आ सभ मूर्तिक उपासक आ अशुद्ध लोकक लेल
(क) जीवित लोकक देश मे हुनका सभक लेल कोनो आशा नहि रहतनि;
(ख) पृथ् वी पर हुनका सभक स्मरण नहि होयत।
(ग) किएक तँ ओ सभ पाताल मे उतरत।
(घ) ओ सभ निन्दाक स्थान पर चलि जेताह।
जेना सदोमक सन् तान सभ कैँ पृथ् वी पर सँ हटा देल गेल छल, तहिना मूर्तिक पूजा करयवला सभ कैँ हँटा देल जायत।
23 हे हमर पुत्र याकूब, नहि डेराउ, हे अब्राहमक पुत्र, हतब नहि होउ, परमेश् वर अहाँ कैँ विनाश सँ बचाबथि, आ सभ भ्रष्ट बाट सँ अहाँ कैँ उद्धार करथि।
24 ई घर हम अपना लेल बनौने छी जाहि सँ हम एहि पर अपन नाम पृथ् वी पर राखि सकब। ई अहाँ आ अहाँक वंशज कैँ अनन्त काल धरि देल गेल अछि। कारण, अहाँ हमर घर बना देब आ परमेश् वरक समक्ष हमर नाम कैँ सदाक लेल स्थापित करब।'
25 ओ हुनका आज्ञा देब आ आशीर्वाद देब छोड़ि देलनि।
26 दुनू गोटे एक बिछाओन पर पड़ि गेलाह आ याकूब अपन पिताक पिता अब्राहमक कोरा मे सुति गेलाह आ ओ हुनका सात बेर चुम्मा लेलनि आ हुनकर स्नेह आ हृदय हुनका पर आनन्दित भ' गेलनि।
27 ओ हुनका पूरा मोन सँ आशीर्वाद देलनि आ कहलथिन, 'परम परमेश् वर, सभक परमेश् वर आ सभक सृष्टिकर्ता, जे हमरा कल्दीक उर सँ बाहर अनलनि जाहि सँ ओ हमरा ई देश सदाक लेल दऽ दऽ सकथि, आ हम एकटा पवित्र बीज स्थापित कऽ सकब-धन्य परमेश् वर सदा-सदा लेल।'
28 ओ याकूब कैँ आशीर्वाद दैत कहलथिन, 'हमर बेटा, जकरा पर हम अपन पूरा हृदय आ स्नेह सँ आनन्दित छी, अहाँक कृपा आ अहाँक दया हुनका पर आ हुनकर वंश पर सदिखन बनल रहय।
29 आब सँ अनन्त काल धरि ओकरा छोड़ि नहि दियौक आ ने ओकरा शून्य करू, आ ओकरा आ ओकर वंश पर अहाँक नजरि खुजि जाय, जाहि सँ अहाँ ओकरा सुरक्षित राखब, आ आशीर्वाद देब, आ ओकरा अपन उत्तराधिकारक लेल एकटा राष्ट्रक रूप मे पवित्र करब।
30 आब सँ अनन्त काल धरि अपन सभ आशीर्वाद सँ ओकरा आशीर्वाद दियौक आ पृथ् वीक सभ पीढ़ी धरि ओकरा आ ओकर वंशक संग अपन वाचा आ अपन कृपाक नवीकरण करू।'

अध्याय 23

1 ओ याकूबक दू टा आँगुर अपन आँखि पर राखि देवता सभक परमेश् वरक आशीष देलनि आ ओ अपन मुँह झाँपि कS पएर पसारि अनन्त काल धरि सुति गेलाह आ अपन पूर्वज सभक संग जमा भS गेलाह।
2 एहि सभ बातक बादो याकूब हुनका कोरा मे पड़ल छलाह आ हुनका ई नहि बुझल छलनि जे हुनकर पिताक पिता अब्राहम मरि गेल छथि।
3 याकूब नींद सँ जागि गेलाह आ देखलनि जे अब्राहम बर्फ जकाँ ठंढा भ' गेल छलाह आ ओ कहलनि जे, 'पिता, पिता'। मुदा बजनिहार कियो नहि छल, आ ओ बुझि गेल जे ओ मरि गेल अछि।
4 ओ अपन कोरा सँ उठि कS दौड़ि कS अपन माय रेबेका केँ कहलथिन। रिबेका राति मे इसहाक लग गेलीह आ हुनका कहलथिन। ओ सभ एक संग गेलाह, याकूब हुनका सभक संग, हुनका हाथ मे एकटा दीप छलनि, आ भीतर गेला पर ओ सभ अब्राहम केँ मरल पड़ल देखलनि।
5 इसहाक अपन पिताक मुँह पर खसि पड़ल आ कानि कS चुम्मा लेलक।
6 अब्राहमक घर मे ई आवाज सुनबा मे आयल आ हुनकर पुत्र इस्माइल उठि कS अपन पिता अब्राहम लग गेलाह आ हुनकर पिता अब्राहम आ अब्राहमक समस्त घराना पर कानय लगलाह।
7 हुनकर पुत्र इसहाक आ इस्माइल हुनका अपन पत्नी सारा लग दुगुना गुफा मे गाड़ि देलथिन आ ओ सभ हुनका लेल चालीस दिन धरि कानैत रहलाह, हुनकर घरक सभ पुरुष, इसहाक आ इस्माइल, अपन सभ बेटा आ केतुराक सभ पुत्र सभ अपन-अपन स्थान पर। अब्राहमक लेल कानबाक दिन समाप्त भ' गेल।
8 ओ तीन जुबली आ चारि सप्ताहक वर्ष, एक सय पचहत्तरि वर्ष जीवित रहलाह आ बूढ़ आ दिन भरि भरि जीवनक दिन पूरा कयलनि।
9 पूर्वज सभक जीवनक दिन उन्नैस जयंती छलनि। आ जलप्रलय के बाद ओ सभ उन्नीस जुबली सँ कम होबय लागल, आ जुबली मे कम होबय लागल, आ जल्दी बूढ़ होबय लागल, आ अब्राहम केँ छोड़ि, अनेक तरहक क्लेश आ अपन मार्गक दुष्टताक कारणेँ अपन दिन सँ भरल रहय लागल।
10 अब्राहम प्रभुक समक्ष अपन सभ काज मे सिद्ध छलाह आ जीवन भरि धार्मिकता मे प्रसन्न छलाह। आ देखू, ओ अपन जीवन मे चारि जयंती पूरा नहि केलनि, जखन ओ दुष्टताक कारणेँ बूढ़ भ' गेल छलाह आ अपन दिन सँ भरल छलाह।
11 आ जे सभ पीढ़ी एहि समय सँ महान न्यायक दिन धरि उठत, ओ सभ पीढ़ी जल्दी बूढ़ भ' जायत, ताहि सँ पहिने जे ओ दू टा जुबली पूरा करत, आ ओकर ज्ञान ओकरा सभ केँ बुढ़ापा केर कारणेँ छोड़ि देतैक भूमि ओकर सभटा ज्ञान समाप्त भ' जायत।]
12 ओहि दिन मे जँ केओ डेढ़ वर्षक जुबली जीबैत अछि तँ ओकरा बारे मे कहत जे, 'ओ बहुत दिन जीवित अछि, आ ओकर जीवनक अधिकांश भाग पीड़ा आ शोक आ क्लेश अछि, आ शान्ति नहि अछि।
13 कारण, विपत्ति पर विपत्ति, घाव पर घाव, आ कष्ट पर कष्ट, अशुभ समाचार पर अधलाह समाचार, आ बीमारी पर बीमारी, आ एहि तरहक सभ अधलाह न्याय, एक-दोसराक संग बीमारी आ उखाड़ि पड़ब, आ बर्फ आ ठंढा आ बर्फ, आ बोखार, आ ठंढा, आ कष्ट, आ अकाल, आ मृत्यु, आ तलवार, आ बंदी, आ सभ किछु तरह-तरह के विपत्ति आ पीड़ा।'
14 ई सभ एकटा अधलाह पीढ़ी पर आओत जे पृथ् वी पर उल्लंघन करैत अछि।
15 तखन ओ सभ कहताह: 'पूर्वज सभक दिन बहुतो (सम) छल, हजार वर्ष धरि, आ नीक छल। मुदा देखू, हमरा सभक जीवनक दिन, जँ केओ बहुतो जीबि लेने अछि तS तीन सौ वर्ष दस वर्ष आ जँ ओ बलवान अछि तँ चारि दर्जन वर्ष आ ओ सभ दुष्ट, आ एहि दुष्ट पीढ़ीक दिन मे कोनो शांति नहि।'
16 ओहि पीढ़ी मे पुत्र सभ अपन पिता आ अपन बुजुर्ग सभ केँ पाप आ अधर्मक बात, आ अपन मुँहक वचन आ पैघ-पैघ दुष्कर्मक दोषी ठहराओत, आ प्रभु द्वारा हुनका सभक बीच जे वाचा कयल गेल छल, तकरा छोड़बाक विषय मे, जे ओ सभ हुनकर सभ आज्ञा आ नियम आ हुनकर सभ नियमक पालन आ पालन करथि, बिना कोनो दहिना हाथ वा बामा हाथ दिस नहि गेलाह।
17 किएक तँ सभ अधलाह काज केने अछि, आ सभ मुँह अधर्म बजैत अछि आ ओकर सभ काज अशुद्धि आ घृणित अछि, आ ओकर सभ बाट अशुद्धि, अशुद्धि आ विनाश अछि।
18 देखू, पृथ् वी ओकर सभ काजक कारणेँ नष्ट भS जायत, आ ने बेल केर बीया नहि होयत आ ने तेल। कारण, ओकर सभक काज एकदम अविश्वास अछि, आ सभ एक संग मनुखक सन् तानक कारणेँ, पशु-पक्षी, चिड़ै-चुनमुनी आ समुद्रक सभ माछ, एक संग नाश भS जायत।
19 धर्म-नियम आ वाचाक कारणेँ ओ सभ एक-दोसरसँ झगड़ा करत। किएक तँ ओ सभ आज्ञा, वाचा, भोज, मास, विश्राम-दिन, जुबली आ सभ न्याय केँ बिसरि गेल अछि।
20 ओ सभ धनुष आ> तलवार लS कS ठाढ़ भS जायत आ ओकरा सभ केँ बाट मे घुमाबS लेल युद्ध कयल जायत। मुदा जाबत धरि पृथ् वी पर एक-दोसर खून नहि बहा जायत ता धरि ओ सभ घुरि कS नहि आओत।
21 जे सभ बचल अछि से सभ अपन दुष्टता सँ धार्मिकताक बाट पर नहि घुरि जायत, बल् कि सभ छल-प्रपंच आ धन-दौलत मे अपना केँ ऊपर उठा लेत, जाहि सँ ओ सभ प्रत्येक अपन पड़ोसीक सभ किछु ल' लेत, आ ओ सभ महान नामक नाम राखत, मुदा सत्य मे नहि आ धार्मिकता मे नहि, आ पवित्र स्थानक पवित्र स्थान केँ अपन अशुद्धता आ अपन प्रदूषणक भ्रष्टता सँ अशुद्ध करत।
22 एहि पीढ़ीक काज सभ केँ प्रभुक दिस सँ बहुत पैघ दंड होयत, आ ओ ओकरा सभ केँ तलवार आ न्याय आ बंदी मे सौंपताह आ लूटि कS खा गेलाह।
23 ओ हुनका सभक विरुद्ध गैर-यहूदी सभक पापी सभ केँ जगौताह, जिनका सभ मे ने दया आ ने करुणा छनि, आ जे ककरो, ने बूढ़ आ ने जवान, आ ने ककरो व्यक्तिक आदर करत, किएक तँ ओ सभ मनुष् यक सभ सन् तान सँ बेसी दुष्ट आ अधलाह काज करबा मे बलवान छथि। ओ सभ इस्राएल पर हिंसा आ याकूबक विरुद्ध अपराध करत, आ पृथ् वी पर बहुत खून बहल जायत, आ ने कियो जमा करत आ ने गाड़य।
24 ओहि दिन मे ओ सभ जोर-जोर सँ चिचियाओत, आ बजाओत आ प्रार्थना करत जे ओ सभ पापी, गैर-यहूदी सभक हाथ सँ उद्धार पाबि सकय। मुदा ककरो उद्धार नहि भेटतैक।

25 बच्चा सभक माथ धूसर केश सँ उज्जर होयत, आ तीन सप्ताहक बच्चा एक सय वर्षक आदमी जकाँ बूढ़ देखा जायत, आ ओकर कद क्लेश आ अत्याचार सँ नष्ट भ' जायत।
26 ओहि दिन मे बच्चा सभ धर्म-नियमक अध्ययन करय लागत, आज्ञा सभक खोज करय लागत आ धार्मिकताक बाट पर वापस आबय लागत।
27 ओहि मनुष् यक संतान सभक बीच दिन बढ़य लागत आ बढ़य लागत जाबत धरि ओकर दिन एक हजार वर्षक नजदीक नहि आबि जायत। आ (पहिने) सँ बेसी वर्ष धरि दिनक संख्या छल |
28 आ ने कोनो वृद्ध आ ने केओ जे अपन दिनसँ <नहि> संतुष्ट होयत, किएक तँ सभ बच्चा आ जवान जकाँ होयत।
29 ओ सभ अपन सभ दिन पूरा होयत आ शान्ति आ आनन्द मे रहत, आ ने शैतान आ ने कोनो दुष्ट विनाशक होयत। कारण, हुनका सभक सभ दिन आशीर्वाद आ चंगाईक दिन होयत।
30 ओहि समय परमेश् वर अपन सेवक सभ कें ठीक करताह, आ ओ सभ उठि कऽ बहुत शान्ति देखि लेताह आ अपन विरोधी सभ कें भगा देताह। धर्मी लोकनि देखताह आ धन्य रहताह, आ अनन्त काल धरि आनन्द सँ आनन्दित रहताह, आ अपन सभटा न्याय आ सभटा श्राप अपन शत्रु सभ पर देखताह।
31 ओकर सभक हड्डी पृथ्वी पर आराम करत, आ ओकर सभक आत् मा बहुत आनन्दित होयत, आ ओ सभ ई जानि लेत जे ई प्रभु छथि जे न्याय करैत छथि, आ सैकड़ों आ हजारों लोक आ हुनका सँ प्रेम करयवला सभ पर दया करैत छथि
32 हे मूसा, अहाँ ई बात सभ लिखू। कारण, ओ सभ एहि तरहेँ लिखल गेल अछि, आ ओ सभ स्वर्गीय पाटी सभ पर लिखैत अछि जे पीढ़ी-दर-पीढ़ी सभक लेल गवाही अछि।

अध्याय 24

1 अब्राहमक मृत्युक बाद प्रभु हुनकर पुत्र इसहाक कें आशीर्वाद देलनि आ ओ हेब्रोन सँ उठि कऽ एहि महोत्सवक तेसर सप्ताहक पहिल वर्ष मे सात वर्ष धरि दर्शनक इनार मे रहि गेलाह।
2 चारिम सप्ताहक पहिल वर्ष मे अब्राहमक समय मे भेल पहिल अकालक अतिरिक्त ओहि देश मे अकाल पड़ि गेल।
3 याकूब मसूरक पोट पीबैत छलाह आ एसाव खेत सँ भूखल आबि गेलाह। ओ अपन भाय याकूब कें कहलथिन, 'हमरा एहि लाल पोट मे सँ द' दिअ।' आ याकूब हुनका कहलथिन, 'हमरा अपन [प्राइमोजेनिचर, ई] जन्मसिद्ध अधिकार बेचि दिअ आ हम अहाँ कें रोटी देब, आ संगहि एहि मसूरक पोटेज मे सँ किछु।'
4 एसाव मोन मे कहलथिन, 'हम मरि जायब। हमरा कोन लाभक ई जन्मसिद्ध अधिकार अछि?
5 'ओ याकूब कें कहलथिन, 'हम अहाँ कें दऽ दैत छी।' याकूब कहलथिन, 'आइ हमरा शपथ खाउ,' आ ओ हुनका शपथ लेलनि।
6 याकूब अपन भाय एसाव कें रोटी आ घैल देलथिन, जाबत धरि ओ तृप्त नहि भ' जाइत छलाह ता धरि भोजन करैत छलाह, आ एसाव अपन ज्येष्ठ अधिकार कें तिरस्कृत कयलनि। एहि कारणेँ एसावक नाम एदोम राखल गेलनि, कारण याकूब हुनका अपन ज्येष्ठ अधिकारक लेल देल गेल लाल घैल छलनि।
7 याकूब बड़का बनि गेलाह आ एसाव अपन गरिमा सँ उतारल गेलाह।
8 देश पर अकाल पड़ि गेल आ इसहाक एहि सप्ताहक दोसर वर्ष मे मिस्र देश मे उतरि गेलाह आ पलिस्तीक राजा लग गेरार, अबीमेलेक गेलाह।
9 परमेश् वर हुनका प्रगट भऽ कहलथिन, 'मिस्र मे नहि जाउ। जाहि देश मे हम अहाँ कें कहब, ओहि देश मे रहू आ एहि देश मे प्रवास करू, आ हम अहाँक संग रहब आ अहाँ कें आशीर्वाद देब।"
10 हम अहाँ आ अहाँक वंशज कें ई समस्त देश देब, आ हम अपन शपथ कें सिद्ध करब जे हम अहाँक पिता अब्राहम कें शपथ देने छलहुँ, आ अहाँक वंशज कें स्वर्गक तारा जकाँ बढ़ा देब आ अहाँक वंशज कें ई पूरा देश देब।"
11 अहाँक वंशज मे पृथ् वीक सभ जाति धन्य होयत, किएक तँ अहाँक पिता हमर आज्ञा आ हमर आज्ञा, हमर नियम, हमर नियम आ हमर वाचा कें पालन कयलनि। आ आब हमर आवाज मानू आ एहि देश मे रहू।'
12 ओ तीन सप्ताह धरि गेलर मे रहलाह।
13 अबीमेलेक हुनका बारे मे [2080-2101 AM] आ हुनकर सभ किछुक विषय मे आज्ञा देलनि जे, 'जे केओ ओकरा छूओत वा ओकर कोनो वस्तु कें अवश्य मरत।'
14 इसहाक पलिस्ती सभ मे बलवान भऽ गेल आ ओकरा बहुत रास सम्पत्ति, बैल-भेड़, ऊँट-गदहा आ एकटा पैघ घर-परिवार भेटलैक।
15 ओ पलिस्ती सभक देश मे बोइला कऽ कऽ सौ गुना बोनि आनि लेलक आ इसहाक बहुत पैघ भऽ गेल आ पलिस्ती सभ ओकरा सँ ईर्ष्या केलक।
16 अब्राहमक जीवन मे अब्राहमक सेवक सभ जे सभ इनार खोदने छलाह, तकरा पलिस्ती सभ अब्राहमक मृत्युक बाद ओकरा सभ कें रोकि कऽ माटि सँ भरि देने छल।
17 अबीमेलेक इसहाक कें कहलथिन, 'हमरा सभ सँ जाउ, किएक तँ अहाँ हमरा सभ सँ बहुत बेसी पराक्रमी छी' आ सातम सप्ताहक पहिल वर्ष मे इसहाक ओतय सँ विदा भ' गेलाह आ गेरारक घाटी मे प्रवास कयलनि।
18 ओ सभ फेर ओहि जलक इनार सभ कें खोदलक जे ओकर पिता अब्राहमक नोकर सभ खोदने छल आ जकरा पलिस्ती सभ हुनकर पिता अब्राहमक मृत्युक बाद बंद कऽ देने छल आ ओ सभ ओकर सभक नाम ओहिना रखलक जेना ओकर पिता अब्राहम ओकरा सभक नाम रखने छल।
19 इसहाकक नोकर सभ घाटी मे इनार खोदलक आ जीवित पानि भेटल आ गेरारक चरबाह सभ इसहाकक चरबाह सभ सँ झगड़ा कऽ कऽ कहलक जे, 'पानि हमरा सभक अछि'। आ इसहाक इनारक नाम 'विकृतता' रखलनि, कारण ओ सभ हमरा सभक संग विकृत भ' गेल छलाह।
20 ओ सभ दोसर इनार खोदलक आ ओहि लेल सेहो झगड़ा केलक आ ओ ओकर नाम 'शत्रुता' रखलक। ओतऽ सँ उठि कऽ ओ सभ एकटा आओर इनार खोदलक, आ ताहि लेल ओ सभ झगड़ा नहि केलक, आ ओकर नाम 'कोठरी' रखलक, आ इसहाक कहलक: 'आब प्रभु हमरा सभक लेल जगह बना देलनि, आ हम सभ ओहि देश मे बढ़ि गेलहुँ।'
21 चौवालीसम जुबली मे पहिल सप्ताहक पहिल वर्ष मे ओतहि सँ शपथक इनार दिस चलि गेलाह।
22 ओहि राति, पहिल मासक अमावस्या मे प्रभु हुनका प्रगट भऽ कहलथिन, 'हम अहाँक पिता अब्राहमक परमेश् वर छी। डरब

नहि, कारण हम अहाँक संग छी, आ आशीर्वाद देब आ अहाँक वंशज केँ पृथ्वीक बालु जकाँ बढ़ा देब, हमर सेवक अब्राहमक लेल।'
23 ओतऽ ओतऽ एकटा वेदी बनौलनि जे पहिने हुनकर पिता अब्राहम बनौने छलाह आ प्रभुक नाम पुकारलनि आ अपन पिता अब्राहमक परमेश् वर केँ बलि चढ़ौलनि।
24 ओ सभ इनार खोदला पर ओकरा सभ केँ जीवित पानि भेटल।
25 इसहाकक नोकर सभ एकटा आओर इनार खोदला पर पानि नहि भेटल, आ ओ सभ जा कऽ इसहाक केँ कहलक जे ओकरा सभ केँ पानि नहि भेटल अछि, तखन इसहाक कहलथिन: 'हम आइ पलिस्ती सभ केँ शपथ लेने छी आ ई बात हमरा सभ केँ बताओल गेल अछि।"
26 ओ ओहि स्थानक नाम शपथक इनार रखलनि। किएक तँ ओतहि ओ अबीमेलेक आ अपन मित्र अहुज्जत आ ओकर सेनाक फिकोल केँ शपथ लेने छलाह।
27 इसहाक ओहि दिन बुझि गेलाह जे ओ हुनका सभक संग मेल-मिलाप करबाक शपथ लेने छथि।
28 इसहाक ओहि दिन पलिस्ती सभ केँ श्राप दैत कहलथिन, 'पलिस्ती सभ केँ सभ जाति मे सँ क्रोध आ क्रोधक दिन धरि शापित कयल जाय। परमेश् वर हुनका सभ केँ उपहास आ अभिशाप आ पापी गैर-यहूदी सभक हाथ मे आ कित्तीम सभक हाथ मे क्रोध आ क्रोधक विषय बनाबथि।
29 जे केओ शत्रु आ कित्तीमक तलवार सँ बचि जायत, से धर्मी जाति स् वर्गक नीचाँ सँ न्याय मे जड़ि सँ उखाड़ि लेत। कारण, ओ सभ पृथ् वी पर अपन-अपन पीढ़ी-दर-पीढ़ी हमर संतान सभक शत्रु आ शत्रु रहत।
30 हुनका सभक लेल कोनो शेष नहि छोड़ल जायत आ ने केओ न् यायक क्रोधक दिन उद्धार पाओत। कारण, विनाश आ जड़ि सँ उखाड़ब आ पृथ्वी सँ निकालब पलिस्ती सभक पूरा वंश (आरक्षित) अछि, आ आब एहि कफ्तोरी सभक लेल पृथ्वी पर कोनो नाम वा कोनो बीज नहि बचल रहत।
31 जँ ओ स् वर्ग मे चढ़त, ओतहि सँ नीचाँ उतारल जायत, आ पृथ् वी पर अपना केँ मजबूत बनाओत, ओतहि सँ घीचि लेल जायत, आ जँ ओ जाति सभक बीच नुका जायत, मुदा ओतहि सँ ओकरा उखाड़ि देल जायत। जँ ओ सीओल मे उतरत, मुदा ओतहि सेहो ओकर दण्ड बहुत पैघ होयत, आ ओतहु ओकरा शान्ति नहि भेटतैक।
32 जँ ओ बंदी मे चलि जायत तँ ओकर जान चाहनिहार सभक हाथ सँ बाट मे ओकरा मारि देतैक, आ ने ओकर लेल नाम आ ने बीया पूरा पृथ्वी पर छोड़ल जायत। कारण, ओ अनन्त शाप मे चलि जेताह।'
33 एहि तरहेँ स् वर्गीय पाटी सभ पर हुनका विषय मे लिखल आ उकेरल अछि जे न्यायक दिन हुनका संग कयल जाय, जाहि सँ ओ पृथ्वी सँ जड़ि सँ उखाड़ि देल जाय।

अध्याय 25

1 एहि सप्ताहक दोसर वर्ष मे एहि महोत्सव मे रिबेका अपन बेटा याकूब केँ बजौलनि आ कहलथिन, 'हमर बेटा, अहाँ केँ कनानक बेटी मे सँ पत्नी नहि बनाउ, जेना अहाँक भाइ एसाव, जे हुनका कनानक बेटी मे सँ दूटा पत्नी लऽ लेलनि, आ ओ सभ अपन सभटा अशुद्ध कर्म सँ हमर प्राण केँ कटु क' देलनि व्यभिचार आ काम-वासना, आ ओकरा सभक संग कोनो धार्मिकता नहि, किएक तँ (ओकर सभक काज) दुष्ट अछि।
2 हम, हमर बेटा, अहाँ सँ बहुत प्रेम करैत छी, आ हमर हृदय आ स्नेह अहाँ केँ दिनक प्रत्येक घड़ी आ राति मे प्रहरन पर आशीष दैत छी।
3 आब, हमर बौआ, हमर आवाज सुनू, आ अपन मायक इच्छा पूरा करू, आ एहि देशक बेटी सभक पत्नी नहि, बल् कि मात्र हमर पिताक घर आ हमर पिताक परिजन मे सँ पत्नी बनाउ। अहाँ हमर पिताक घरक पत्नी बना लेब, आ परमेश् वर अहाँ केँ आशीर्वाद देथिन, आ अहाँक संतान सभ धर्मी पीढ़ी आ पवित्र वंश बनत।'
4 तखन याकूब अपन माय रिबेका सँ कहलथिन आ कहलथिन, 'देखू, माँ, हम नौ सप्ताहक भ' गेल छी, आ ने हम कोनो स्त्री केँ जनैत छी आ ने हम हाथ लगौने छी, आ ने ककरो संग सगाई केने छी, आ ने कनानक बेटी सभक पत्नी बनेबाक विचार तक केने छी।
5 हे माँ, हमरा सभक पिता अब्राहमक वचन मोन पड़ैत अछि, किएक तँ ओ हमरा आज्ञा देलनि जे कनानक बेटी सभ मे सँ कोनो पत्नी नहि, बल् कि हमर पिताक घरक वंश आ हमर परिजन मे सँ एकटा पत्नी लऽ ली।
6 हम पहिने सुनने छी जे तोहर भाय लाबान सँ बेटी सभ भेल अछि आ हम ओकरा सभ मे सँ पत्नी धारण करबाक लेल अपन मोन राखि देने छी।
7 एहि कारणेँ हम अपन जीवन भरि पाप करबा सँ वा अपन सभ बाट मे भ्रष्ट नहि होयबा सँ अपन आत् मा मे अपना केँ सुरक्षित रखने छी। कारण, काम-वासना आ व्यभिचारक संबंध मे हमर पिता अब्राहम हमरा बहुत आज्ञा देलनि।
8 आ, ओ हमरा जतेक आज्ञा देने छथि, तकर बादो, एहि दू-बीस साल धरि हमर भाइ हमरा संग झगड़ा क' रहल छथि, आ हमरा सँ बेर-बेर गप्प करैत कहैत छथि: 'हमर भाइ, हमर दुनू पत्नी मे सँ एकटा बहिन केँ विवाह करू'; मुदा हम जेना ओ केने छथि तेना करबा स मना क दैत छी।
9 हे माँ, हम अहाँक सोझाँ कसम खाइत छी जे हम जीवन भरि कनानक वंशजक बेटी सभ मे सँ पत्नी नहि लेब, आ हमर भाय जकाँ दुष्ट काज नहि करब।
10 हे माँ, नहि डेराउ। निश्चिंत रहू जे हम अहाँक इच्छा पूरा करब आ सोझ मे चलब, आ अपन बाट अनन्त काल धरि नहि बिगाड़ब।'
11 तखन ओ स् वर्ग दिस मुँह उठा कऽ हाथक आँगुर बढ़ा कऽ मुँह खोलि कऽ परमेश् वर परमेश् वर केँ आशीष देलथिन, जे स् वर्ग आ पृथ् वी केँ सृष्टि केने छथि आ हुनका धन्यवाद आ स्तुति कयलनि।
12 ओ बजलीह: 'प्रभु परमेश् वरक धन्य होअय, आ हुनकर पवित्र नाम सदा-सदा लेल आशीर्वादित रहय, जे हमरा याकूब केँ शुद्ध पुत्र आ पवित्र बीजक रूप मे देलनि। कारण, ओ तोहर अछि, आ ओकर संतान सदिखन आ सभ पीढ़ी धरि अनन्त काल धरि अहाँक रहत।
13 हे प्रभु, हुनका आशीर्वाद दिअ, आ हमरा मुँह मे धार्मिकताक आशीष दऽ दिअ, जाहि सँ हम हुनका आशीर्वाद दऽ सकब।'

14 ओहि समय जखन धार्मिकताक आत् मा हुनका मुँह मे उतरि गेलनि तखन ओ याकूबक माथ पर अपन दुनू हाथ राखि बजलीह।
15 अहाँ धन्य छी, धर्मक प्रभु आ युग-युगक परमेश् वर, आ ओ अहाँ कैँ मनुष् यक सभ पीढ़ी सँ आगू आशीर्वाद देथिन। ओ अहाँ कैँ, हमर बेटा, धर्मक बाट देथिन, आ अहाँक वंश कैँ धार्मिकता प्रकट करथि।
16 अहाँक जीवन काल मे ओ अहाँक पुत्र सभ कैँ बहुतो बनाबथि, आ सालक मासक संख्याक अनुसार ओ सभ उठथि। आ स्वर्गक तारा सँ आगू हुनका लोकनिक पुत्र अनेक आ पैघ होथि, आ हुनकर संख्या समुद्रक बालु सँ बेसी होथि।
17 ओ ओकरा सभ कैँ ई नीक भूमि देथिन -जेना ओ कहने छलाह जे ओ एकरा अब्राहम आ हुनकर बादक वंशज कैँ सदिखन देथिन- आ ओ सभ एकरा सदाक लेल सम्पत्ति मे राखथि।
18 हमर बेटा, हम अहाँक जीवन मे धन्य संतान देखब (जन्म) आ अहाँक सभ वंशज एकटा धन्य आ पवित्र बीज हो।
19 आ जेना अहाँ अपन मायक जीवन मे ओकर आत्मा कैँ ताजा केने छी, तहिना जे अहाँ कैँ जन्म देलक ओकर कोख अहाँ कैँ एहि तरहेँ आशीर्वाद दैत अछि, [हमर स्नेह] आ हमर स्तन अहाँ कैँ आशीर्वाद दैत अछि आ हमर मुँह आ जीह अहाँक बहुत प्रशंसा करैत अछि।
20 पृथ् वी पर बढ़ि कऽ पसरि जाउ, आ तोहर संतान स् वर्ग आ पृथ् वीक आनन्द मे अनन् त काल धरि सिद्ध रहय। आ तोहर संतान आनन्दित हो, आ शान्तिक महान दिन ओकरा शान्ति हो।
21 अहाँक नाम आ अहाँक संतान सभ युग धरि टिकय, आ परमात्मा परमेश् वर हुनका सभक परमेश् वर बनथि, आ धार्मिकताक परमेश् वर हुनका सभक संग रहथि, आ हुनका सभक द्वारा हुनकर पवित्र स्थान सभ युग धरि बनल रहथि।
22 जे अहाँ कैँ आशीर्वाद दैत अछि, से धन्य होउ, आ जे सभ मांस अहाँ कैँ झूठ गारि दैत अछि, से शापित हो।'
23 ओ हुनका चुम्मा लेलनि आ कहलथिन। 'संसारक प्रभु तोरा प्रेम करथि जेना तोहर मायक हृदय आ ओकर स्नेह तोरा मे आनन्दित हो आ तोरा आशीर्वाद देथि ।' आ आशीर्वाद देब छोड़ि देलनि।

अध्याय 26

1 एहि सप्ताहक सातम वर्ष मे इसहाक अपन जेठ पुत्र एसाव कैँ बजा कऽ कहलथिन, 'हम बेटा, हम बूढ़ छी, आ देखू, हमर आँखि देखबा मे मंद भ' गेल अछि, आ हम अपन मृत्युक दिन नहि जनैत छी।
2 आ आब अपन शिकारक शस्त्र अपन कटहर आ धनुष लऽ कऽ खेत दिस जाउ, आ हमरा (हिरनक मांस) शिकार करू आ पकड़ि लिअ, हमर बेटा, आ हमरा लेल स्वादिष्ट मांस बनाउ, जे हमर आत्मा कैँ नीक लगैत छैक, आ हमरा लग आनि दियौक जे हम खा सकब, आ हमर प्राणी मरबासँ पहिने अहाँकैँ आशीर्वाद देथि।'
3 मुदा रिबेका इसहाक कैँ एसाव सँ गप्प करैत सुनलनि।
4 एसाव भोरे-भोर खेत मे शिकार आ पकड़ि कऽ अपन पिता लग घर अनबाक लेल निकलि गेलाह।
5 रेबेका अपन पुत्र याकूब कैँ बजा कऽ कहलथिन, 'देखू, हम सुनलहुँ जे तोहर पिता इसहाक तोहर भाइ एसाव सँ कहैत छलाह जे, "हमर शिकार करू, आ हमरा लेल स्वादिष्ट भोजन बनाउ आ हमरा लग ओ भोजन आनि दिअ।"
6 हम मरबासँ पहिने प्रभुक समक्ष अहाँकैँ खा सकैत छी आ आशीर्वाद दऽ सकैत छी।" आ आब, हमर बेटा, हमर आज्ञाक बात मानू: अपन भेँड़ा लग जाउ आ हमरा लेल दूटा नीक बकरीक बच्चा आनि दिअ, आ हम ओकरा सभकैँ अहाँक पिताक लेल स्वादिष्ट भोजन बना देब, जेना ओ प्रेम करैत छथि, आ अहाँ अपन पिता लग आनि देब जे ओ मरबासँ पहिने प्रभुक समक्ष अहाँकैँ खा कऽ आशीर्वाद देब आशीर्वादित भ' सकैत अछि।'
7 याकूब अपन माय रेबेका कैँ कहलथिन, 'माँ, हम कोनो एहन चीज नहि रोकब जे हमर पिता खाइत होथि आ जे हुनका नीक लागय, मात्र हमरा डर अछि जे माँ, जे ओ हमर आवाज चिन्हत आ हमरा छूबय चाहत।
8 अहाँ जनैत छी जे हम चिकना छी, आ हमर भाइ एसाव रोम-रोमक अछि, आ हम हुनकर आँखिक सोझाँ एकटा दुष्कर्मी बनि कऽ देखाएब आ एहन काज करब जे ओ हमरा नहि आज्ञा देने छलाह, आ ओ हमरा पर क्रोधित भऽ जेताह आ हम अपना पर शाप आनि देब, आ आशीर्वाद नहि।'
9 हुनकर माय रेबेका हुनका कहलथिन, 'हे बौआ, अहाँक अभिशाप हमरा पर रहू, मात्र हमर आवाज मानू।'
10 याकूब अपन माय रिबेकाक बात मानैत गेलाह आ बकरी सभक दू टा नीक आ मोटका बकरी कैँ आनि कऽ अपन माय लग अनलनि आ हुनकर माय ओकरा सभ कैँ ~स्वादक मांस~ बनौलनि जेना हुनका नीक लगैत छलनि।
11 रिबेका अपन जेठ बेटा एसावक नीक बरखा कैँ ल' लेलनि जे हुनका संग घर मे छल आ अपन छोटका बेटा याकूब कैँ कपड़ा पहिरा देलनि आ बछड़ा सभक चमड़ा हुनकर हाथ पर आ हुनकर गरदनिक उघार भाग पर लगा देलनि।
12 ओ भोजन आ रोटी जे ओ तैयार केने छलीह से अपन पुत्र याकूबक हाथ मे दऽ देलथिन।
13 याकूब अपन पिता लग जा कऽ कहलथिन, 'हम तोहर बेटा छी, जेना तोहर कहलियैक तेना हम केलहुँ।
14 इसहाक अपन पुत्र कैँ कहलथिन, 'हे बौआ, अहाँ कैँ एतेक जल्दी कोना भेटल?
15 'याकूब कहलथिन, 'किएक तँ <प्रभु> अहाँक परमेश् वर हमरा खोजि देलनि।'
16 इसहाक हुनका कहलथिन, "हे हमर बेटा, अहाँ हमर पुत्र एसाव छी वा नहि, अहाँ लग आबि जाउ।'
17 याकूब अपन पिता इसहाक लग गेलाह आ हुनका देखि कहलथिन, "आवाज याकूबक आवाज अछि, मुदा हाथ एसावक हाथ अछि।"
18 ओ हुनका नहि बुझलनि, किएक तँ स् वर्ग सँ हुनकर बोधक शक्ति कैँ दूर करबाक समय छलनि आ इसहाक नहि बुझलनि, किएक तँ हुनकर हाथ हुनकर भाय एसाव जकाँ रोम-रोमदार छलनि, जाहि सँ ओ हुनका आशीर्वाद देलनि।
19 ओ कहलथिन, 'की अहाँ हमर पुत्र एसाव छी? ' आ ओ कहलनि: 'हम अहाँक बेटा छी': आ ओ कहलनि, 'हमर लग आनू जे हम जे किछु पकड़ने छी, ओहि मे सँ हम खा सकब, हमर प्राणी अहाँ कैँ आशीर्वाद देथि।'

20 ओ हुनका लग आबि गेलाह आ ओ भोजन कऽ लेलनि आ मदिरा आनि कऽ पीबि गेलाह।

21 ओकर पिता इसहाक ओकरा कहलथिन, 'हे बेटा, लग आबि कऽ हमरा चुम्मा लिअ।

22 ओ लग आबि कऽ चुम्मा लेलक। आ ओ अपन वस्त्रक गंध सुनि लेलक, आ आशीर्वाद देलक आ कहलक: 'देखू, हमर बेटाक गंध ओहि <पूर्ण> खेतक गंध जकाँ अछि जकरा प्रभु आशीर्वाद देने छथि।'

23 परमेश् वर अहाँ कैँ स् वर्गक ओस आ पृथ् वीक ओस आ प्रचुर मात्रा मे धान्य आ तेल देथिन।

24 अपन भाइ सभक प्रभु बनू, आ अहाँक मायक पुत्र सभ अहाँक समक्ष प्रणाम करथि। आ ओ सभ आशीर्वाद भेटय जाहि सँ प्रभु हमरा आशीर्वाद देलनि आ हमर पिता अब्राहम कैँ आशीर्वाद देलनि। अहाँ आ अहाँक वंशज कैँ अनन्त काल धरि बाँटल जाउ, जे अहाँ कैँ गारि दैत अछि, से शापित होअय, आ जे अहाँ कैँ आशीर्वाद दैत अछि, से धन्य हो।'

25 जहिना इसहाक अपन पुत्र याकूब कैँ आशीर्वाद देब समाप्त कयलनि आ याकूब अपन पिता इसहाक सँ बाहर निकलि गेलाह तखन ओ अपना कैँ नुका लेलनि आ हुनकर भाय एसाव अपन शिकार सँ भीतर आबि गेलाह।

26 ओ सुगंधित मांस सेहो बनौलनि आ अपन पिता लग अनलनि आ पिता कैँ कहलथिन, 'हमर पिता उठि कऽ हमर हिरनक मांस खाउ जाहि सँ अहाँक प्राण हमरा आशीर्वाद देथि।'

27 हुनकर पिता इसहाक हुनका कहलथिन, 'अहाँ के छी? 'ओ ओकरा कहलथिन, 'हम तोहर पहिल पुत्र छी, तोहर बेटा एसाव।'

28 इसहाक बहुत आश्चर्यचकित भऽ कहलथिन, 'ओ के अछि जे शिकार कए पकड़ि कऽ हमरा लग अनने अछि आ हम अहाँक एबासँ पहिने सभटा खा गेल छी आ ओकरा आशीर्वाद देने छी।

29 एसाव जखन अपन पिता इसहाकक बात सुनलनि तखन ओ अत्यधिक आ कटु चिचियाहटि सँ चिचिया उठलनि आ अपन पिता कैँ कहलथिन, "हे पिता, हमरा सेहो आशीर्वाद दिअ।"

30 ओ ओकरा कहलथिन, 'तोहर भाय छल-कपट कऽ कऽ आबि गेल अछि आ तोहर आशीर्वाद छीन लेलक।' आ ओ कहलनि: 'आब हमरा बुझल अछि जे हुनकर नाम याकूब किएक राखल गेल अछि, देखू, ओ हमरा दू बेर बदलि लेलनि, हमर जन्म-अधिकार छीनि लेलनि, आ आब हमर आशीर्वाद छीन लेलनि।'

31 ओ कहलथिन, 'की अहाँ हमरा लेल कोनो आशीर्वाद नहि राखने छी, पिताजी? इसहाक उत्तर देलथिन आ एसाव कैँ कहलथिन, 'देखू, हम ओकरा तोहर मालिक बना देलहुँ, आ ओकर सभ भाय कैँ हम ओकरा नोकरक रूप मे द' देलहुँ, आ प्रचुर मात्रा मे धान्य, मदिरा आ तेल सँ ओकरा मजबूत केलहुँ।

32 एसाव अपन पिता इसहाक कैँ कहलथिन, 'हे पिता, अहाँ कैँ एकटा आशीर्वाद मात्र अछि? हमरा आशीर्वाद दिअ, (एतय धरि) हमरा सेहो, पिता: '

33 तखन एसाव आवाज उठा कऽ कानि रहलाह। इसहाक उत्तर देलथिन, 'देखू, पृथ्वीक ओस सँ दूर अहाँक निवास होयत, आ ऊपर सँ आकाशक ओस सँ दूर।

34 अहाँ अपन तलवार सँ जीवित रहब, आ अपन भाइक सेवा करब। जखन अहाँ पैघ भ' जायब, आ ओकर जुआ अपन गरदनि सँ हिला देब, तखन अहाँ मृत्युक लेल पूर्ण पाप करब, आ अहाँक संतान स्वर्गक नीचाँ सँ उखाड़ि देल जायत।'

35 एसाव याकूब कैँ ओहि आशीर्वादक कारणेँ धमकी दैत रहलाह, जाहि सँ हुनकर पिता हुनका आशीर्वाद देने छलाह, आ ओ मन मे कहलनि, 'हमर पिताक शोकक दिन आब आबि जाय, जाहि सँ हम अपन भाय याकूब कैँ मारि सकब।'

अध्याय 27

1 हुनकर जेठ पुत्र एसावक बात सपना मे रिबेका कैँ कहल गेलनि आ रिबेका अपन छोटका बेटा याकूब कैँ बजाबय लेल पठौलनि।

2 ओ ओकरा कहलथिन, 'देखू, तोहर भाय एसाव तोहर प्रतिशोध लेत जे तोरा मारि देत।"

3 आब, हमर बौआ, हमर बात मानू आ उठू आ अहाँ हमर भाय लाबान लग हारान मे भागि जाउ आ किछु दिन हुनका संग रहू जाबत धरि अहाँक भाइक क्रोध नहि हटि जायत आ ओ अहाँ सँ अपन क्रोध नहि हटि जायत आ अहाँक सभ काज बिसरि जाउ। तखन हम अहाँ कैँ ओतय सँ पठा कऽ आनब।'

4 याकूब कहलथिन, 'हमरा डर नहि अछि। जँ ओ हमरा मारय चाहैत अछि तऽ हम ओकरा मारि देब।'

5 मुदा ओ हुनका कहलथिन, 'हमरा एक दिन मे अपन दुनू बेटा सँ वंचित नहि होमय दिअ।'

6 याकूब अपन माय रेबेका कैँ कहलथिन, 'देखू, अहाँ जनैत छी जे हमर पिता बूढ़ भ' गेल छथि, आ नहि देखैत छथि, कारण हुनकर आँखि नीरस छनि, आ जँ हम हुनका छोड़ि देबनि त' हुनकर नजरि मे ई बुराई होयत, किएक त' हम हुनका छोड़ि अहाँ सँ दूर भ' जाइत छी, आ हमर पिता क्रोधित भ' जेताह आ हमरा गारि पढ़ताह। हम नहि जायब; जखन ओ हमरा पठौताह तखन हम मात्र जायब।'

7 रेबेका याकूब कैँ कहलथिन, 'हम भीतर जा कऽ हुनका सँ गप्प करब, आ ओ अहाँ कैँ विदा कऽ देत।"

8 रेबेका भीतर जा कऽ इसहाक कैँ कहलथिन, 'हम हेतक दुनू बेटीक कारणेँ अपन जान सँ घृणा करैत छी, जिनका एसाव हुनका पत्नी बना लेने छथि। आ जँ याकूब एहि तरहक देशक बेटी सभ मे सँ पत्नी लऽ लेताह तँ हम आगू कोन काज लेल जीबैत छी, किएक तँ कनानक बेटी सभ दुष्ट अछि।'

9 इसहाक याकूब कैँ बजा कऽ आशीर्वाद देलथिन आ हुनका सलाह देलथिन आ कहलथिन: 'कनानक कोनो बेटीक पत्नी नहि बनाउ।

10 उठि कऽ मेसोपोटामिया, अपन मायक पिता बतुएलक घर मे जाउ, आ ओतय सँ अपन मायक भाय लाबानक बेटी सभ मे सँ एकटा पत्नी ल' लिअ।

11 आ सर्वशक्तिमान परमेश् वर अहाँ कैँ आशीर्वाद देथिन आ अहाँ कैँ बढ़ाबथि आ बढ़ाबथि जाहि सँ अहाँ जाति-जाति सभक संगत बनि जायब आ अहाँ कैँ हमर पिता अब्राहमक आशीर्वाद देथिन, अहाँ कैँ आ अहाँक बादक वंशज कैँ, जाहि सँ अहाँ अपन प्रवासक देश आ परमेश् वर अब्राहम कैँ देल गेल समस्त देशक उत्तराधिकारी भऽ सकब।

12 इसहाक याकूब कैँ विदा कऽ मेसोपोटामिया गेलाह, जाहि मे याकूबक माय रिबेकाक भाय बेथुएलक पुत्र लाबान गेलाह।

13 याकूब मेसोपोटामिया जेबाक लेल उठलाक बाद रिबकाक आत् मा हुनकर पुत्रक बाद दुखी भऽ गेलनि आ ओ कानय लगलीह।

14 इसहाक रिबेका केँ कहलथिन, 'हमर बहिन, हमर बेटा याकूबक कारणेँ नहि कानब। किएक तँ ओ शान्तिपूर्वक चलैत अछि आ शान्तिपूर्वक घुरि कऽ आओत।"
15 परमेश् वर परमेश् वर हुनका सभटा दुष् टता सँ बचाओत आ हुनका संग रहताह। कारण, ओ ओकरा भरि दिन नहि छोड़त।
16 हम जनैत छी जे जाबत धरि ओ हमरा सभ लग शान्तिपूर्वक नहि आओत आ हम सभ हुनका शान्तिपूर्वक नहि देखब, ताबत धरि हुनकर बाट सभ काज मे सफल होयत।
17 हे हमर बहिन, ओकरा कारणेँ नहि डेराउ, किएक तँ ओ सोझ बाट पर चलैत अछि आ ओ सिद्ध आदमी अछि। कानब नहि।'
18 इसहाक रिबेका केँ ओकर पुत्र याकूबक कारणेँ सान्त्वना देलक आ ओकरा आशीर्वाद देलक।
19 चौवालीसम जुबली मे दोसर सप्ताहक पहिल वर्ष मे याकूब शपथक इनार सँ हारान जेबाक लेल गेलाह आ एहि सप्ताहक पहिल मासक अमावस्या मे पहाड़ पर लूज अर्थात् बेथेल पहुँचलाह, [2115 AM] आ साँझ मे ओहि स्थान पर पहुँचलाह आ ओहि राति बाट सँ सड़कक पश्चिम दिस घुमि गेलाह। किएक तँ सूर्यास्त भऽ गेल छल।
20 ओ ओहि ठामक एकटा पाथर लऽ कऽ गाछक नीचाँ <अपन माथ पर> राखि देलनि आ ओ असगरे यात्रा करैत छलाह आ सुति गेलाह।
21 ओहि राति ओ सपना देखलनि जे पृथ् वी पर एकटा सीढ़ी ठाढ़ छल आ ओकर चोटी स् वर्ग धरि पहुँचि गेल छल, आ देखू, प्रभुक स् वर्गदूत सभ ओहि पर चढ़ि कऽ उतरि गेलाह।
22 ओ याकूब सँ कहलथिन, 'हम अब्राहमक परमेश् वर, अहाँक पिता आ इसहाकक परमेश् वर छी। जाहि देश मे अहाँ सुतल छी, हम अहाँ केँ आ अहाँक बादक वंशज केँ देब।"
23 तोहर संतान पृथ् वीक धूरा जकाँ होयत आ पश्चिम आ पूब, उत्तर आ दक्षिण दिस बढ़ब आ अहाँ आ अहाँक वंश मे जाति-जातिक सभ कुल धन्य होयत।
24 देखू, हम अहाँक संग रहब आ अहाँ जतय जायब, अहाँ केँ राखब आ अहाँ केँ शान्तिपूर्वक एहि देश मे फेर सँ आनि देब। कारण, जाबत धरि हम अहाँ केँ जे किछु कहने रही, ताबत धरि अहाँ केँ नहि छोड़ब।'
25 याकूब नींद सँ जागि कऽ कहलथिन, 'सत्ते ई स्थान प्रभुक घर थिक, आ हम ई नहि जनैत छलहुँ।' ओ डरि कऽ बजलाह: 'ई स्थान भयावह अछि जे परमेश् वरक घर छोड़ि आन नहि अछि, आ ई स् वर्गक द्वार थिक।'
26 याकूब भोरे-भोर उठि कऽ जे पाथर अपन माथक नीचाँ राखि देने छलाह, तकरा लऽ कऽ चिन् हक रूप मे खंभा बना देलनि आ ओकर उपरका भाग मे तेल ढारि देलनि। ओहि स्थानक नाम बेथेल रखलनि। मुदा ओहि ठामक नाम पहिने लूज छल।
27 याकूब प्रभुक प्रति व्रत कयलनि जे, 'जँ प्रभु हमरा संग रहताह आ हमरा एहि बाट पर राखताह, आ हमरा भोजन करबाक लेल रोटी आ पहिरबाक लेल वस्त्र देथिन, जाहि सँ हम शान्तिपूर्वक अपन पिताक घर मे आबि जायब, तखन प्रभु हमर परमेश् वर हेताह, आ ई पाथर जे हम एहि ठाम चिन् हक रूप मे खंभाक रूप मे ठाढ़ कएने छी, से प्रभुक घर होयत आ जे किछु अहाँ देब हमरा, हम दसम अहाँकेँ दऽ देब, हमर परमेश् वर।'

अध्याय 28

1 ओ अपन यात्रा पर निकलि गेलाह आ पूरब देश मे रिबेकाक भाय लाबान लग पहुँचलाह आ हुनका संग रहलाह आ एक सप्ताह अपन बेटी राहेलक लेल हुनकर सेवा कयलनि।
2 तेसर सप्ताहक पहिल वर्ष [2122 AM] मे ओ हुनका कहलथिन: 'हमरा हमर पत्नी दिअ, जकरा लेल हम अहाँक सेवा सात वर्ष केने छी '; लाबान याकूब केँ कहलथिन, 'हम अहाँ केँ अहाँक पत्नी दऽ देब।"
3 लाबान भोज कयलनि आ अपन पैघ बेटी लीआ केँ लऽ कऽ याकूब केँ पत्नी बना देलथिन आ अपन दासी जिल्पा केँ दासी बना देलथिन। याकूब केँ ई नहि बुझल छलनि, किएक तँ ओ सोचैत छलाह जे ओ राहेल छथि।
4 ओ हुनका लग गेलाह आ देखलहुँ जे ओ लीआ छलीह। याकूब लाबान पर क्रोधित भ' क' कहलथिन, 'अहाँ हमरा संग एहन व्यवहार किएक केलहुँ? की हम अहाँक सेवा राहेलक लेल नहि केलहुँ आ लीआक लेल नहि? अहाँ हमरा पर किएक अन्याय केलहुँ?
5 अपन बेटी केँ लऽ जाउ, हम चलि जायब। कारण, अहाँ हमरा संग अधलाह केलहुँ।' किएक तँ याकूब लीआसँ बेसी राहेलसँ प्रेम करैत छलाह। कारण, लीआक आँखि कमजोर छल, मुदा ओकर रूप बहुत सुन्दर छल। मुदा राहेल के आँखि सुन्दर आ सुन्दर आ बहुत सुन्दर रूप छलैक।
6 लाबान याकूब केँ कहलथिन, 'हमरा सभक देश मे एहन नहि होइत छैक जे छोटका केँ पैघ सँ पहिने द' देल जाय।' आ ई करब ठीक नहि; कारण, स् वर्गीय पाटी सभ मे एहि तरहेँ ई निर्धारित आ लिखल अछि जे कियो अपन छोटकी बेटी केँ पैघ सँ पहिने नहि देबाक चाही। मुदा जेठका, पहिने एकटा आ ओकर बाद छोटका दैत अछि -आ जे आदमी एहन करैत अछि, ओकरा पर स् वर्ग मे दोषी ठहराबैत अछि, आ कियो ई काज करयवला धर्मी नहि अछि, कारण ई काज प्रभुक सोझाँ अधलाह अछि।
7 अहाँ इस्राएलक सन् तान सभ केँ ई आज्ञा दऽ दियौक जे ओ सभ ई काज नहि करऽ। बड़काकेँ देबासँ पहिने छोटकाकेँ ने लऽ कऽ दऽ दियौक, किएक तँ ई बहुत दुष्ट अछि।
8 लाबान याकूब केँ कहलथिन, 'एहि परबक सात दिन बीति जाउ, आ हम अहाँ केँ राहेल देब, जाहि सँ अहाँ हमरा सात साल आओर सेवा क' सकब, जाहि सँ अहाँ हमर भेँड़ा सभ केँ ओहिना चरा सकब जेना पहिने सप्ताह मे केने रही।"
9 जाहि दिन लीआक पाबनि सात दिन बीति गेल छल, तखन लाबान याकूब केँ राहेल देलथिन जाहि सँ ओ सात वर्ष आओर सेवा करथि, आ जिल्पाक बहिन बिल्हा राहेल केँ दासी बना देलथिन।
10 ओ राहेलक लेल आरो सात वर्षक सेवा केलनि, किएक तँ लीआ हुनका बेकार मे देल गेल छलनि।
11 परमेश् वर लीआक गर्भ खोललनि आ ओ गर्भवती भऽ याकूब केँ एकटा पुत्रक जन्म देलनि आ तेसर सप्ताहक पहिल वर्ष मे नवम मासक चौदहम दिन हुनकर नाम रूबेन रखलनि। [2122 पूर्वाह्न]।
12 मुदा राहेलक गर्भ बन्न भऽ गेल छल, किएक तँ परमेश् वर देखलनि जे लीआ सँ घृणा कयल गेल आ राहेल सँ प्रेम कयल गेल।
13 फेर याकूब लीआ लग गेलाह आ ओ गर्भवती भऽ गेलाह आ याकूबक दोसर बेटा भेलनि आ दसम मासक एकैसम दिन आ

एहि सप्ताहक तेसर वर्ष मे याकूब हुनकर नाम शिमोन रखलनि। [2124 पूर्वाह्न]।
14 फेर याकूब लीआ लग गेलाह आ ओ गर्भवती भऽ हुनका तेसर बेटा भेलनि आ एहि सप्ताहक छठम वर्षक पहिल मासक अमावस्या मे हुनकर नाम लेवी रखलनि। [2127 पूर्वाह्न]।
15 फेर याकूब हुनका लग गेलाह आ ओ गर्भवती भऽ हुनका चारिम बेटा भेलनि आ चारिम सप्ताहक पहिल वर्ष मे तेसर मासक पन्द्रहम दिन हुनकर नाम यहूदा रखलनि। [2129 पूर्वाह्न]।
16 एहि सभ बातक कारणेँ राहेल लीआ सँ ईर्ष्या केलक, कारण ओ बच्चा नहि छोड़लक, आ ओ याकूब केँ कहलक: 'हमरा संतान दिअ'। आ याकूब कहलथिन, 'की हम तोहर कोखक फल अहाँ सँ रोकने छी? की हम तोरा छोड़ि देलहुँ?'
17 जखन राहेल देखलक जे लीआ केँ याकूब, रूबेन, शिमोन, लेवी आ यहूदा केँ चारिटा बेटा भेलनि, तखन ओ हुनका कहलथिन, 'हमर दासी बिल्हा लग जाउ, तखन ओ गर्भवती भ' जेतीह आ हमरा लेल एकटा बेटा पैदा करतीह।" (आ ओ (ओकरा) अपन दासी बिल्हा केँ पत्नी मे द' देलथिन)।
18 ओ हुनका लग गेलाह आ ओ गर्भवती भऽ हुनका एकटा बेटा भेलनि आ तेसर सप्ताहक छठम वर्ष मे छठम मासक नवम दिन हुनकर नाम दान रखलनि। [2127 पूर्वाह्न]।
19 याकूब फेर दोसर बेर बिल्हा लग गेलाह, आ ओ गर्भवती भ' गेलीह आ याकूब केँ एकटा आओर बेटा भेलनि, आ राहेल चारिम सप्ताहक दोसर वर्ष मे सातम मासक पाँचम दिन हुनकर नाम नप्तली रखलनि। [2130 पूर्वाह्न]।
20 लिआ जखन देखि जे ओ बाँझ भ' गेल अछि आ बच्चा नहि छोड़लक तखन ओकरा राहेल सँ ईर्ष्या भेलैक, आ ओ अपन दासी जिल्पा केँ सेहो याकूब केँ पत्नी बना देलक, आ ओ गर्भवती भ' गेल आ एकटा बेटाक जन्म लेलक, आ लीआ चारिम सप्ताहक तेसर वर्ष मे आठम मासक बारह तारीख केँ ओकर नाम गाद रखलक। [2131 पूर्वाह्न]।
21 ओ फेर हुनका लग गेलाह आ ओ गर्भवती भऽ हुनका दोसर बेटा भेलनि आ चारिम सप्ताहक पाँचम वर्ष मे एगारहम मासक दोसर दिन लीआ हुनकर नाम आशेर रखलनि। [2133 पूर्वाह्न]।
22 याकूब लीआ लग गेलाह, आ ओ गर्भवती भऽ एकटा बेटाक जन्म देलनि, आ चारिम सप्ताहक चारिम वर्ष मे पाँचम मासक चारिम दिन,[2132 AM] हुनकर नाम इसाकर रखलनि।
23 याकूब फेर हुनका लग गेलाह आ ओ गर्भवती भेलीह आ दू टा बच्चा, एकटा बेटा आ एकटा बेटीक जन्म देलनि, आ चारिम सप्ताहक छठम वर्ष मे सातम मासक सातम मास मे बेटाक नाम जबुलोन आ बेटीक नाम दीना रखलनि। [2134 पूर्वाह्न]।
24 प्रभु राहेल पर कृपा कयलनि आ हुनकर गर्भ खोललनि आ ओ गर्भवती भऽ एकटा बेटाक जन्म देलनि आ एहि चारिम सप्ताहक छठम वर्ष मे चारिम मासक अमावस्या मे हुनकर नाम यूसुफ रखलनि। [2134 पूर्वाह्न]।
25 यूसुफक जन्मक दिन मे याकूब लाबान केँ कहलथिन, 'हमरा हमर पत्नी आ बेटा सभ दिअ, आ हमरा अपन पिता इसहाक लग जाउ आ हमरा घर बनाबय दिअ। कारण जे वर्ष हम तोहर दुनू बेटीक लेल तोहर सेवा केलहुँ से पूरा कऽ लेलहुँ आ हम अपन पिताक घर चलि जायब।'
26 लाबान याकूब केँ कहलथिन, 'अपन मजदूरी लेल हमरा संग रहू, हमर भेँड़ा केँ फेर सँ चराउ आ अपन मजदूरी लऽ लिअ।"
27 ओ सभ एक दोसरा सँ सहमत भेलाह जे ओ ओकरा अपन मजदूरी मे ओ मेमना आ बच्चा सभक मजदूरी देथिन जे जन्म सँ कारी आ धब्बादार आ उज्जर भेल छल, (ई सभ) ओकर मजदूरी हेबाक चाही।
28 सभ भेँड़ा सभ धब्बादार, धब्बादार आ कारी रंगक, विभिन्न प्रकारक चिन्हित मेमना सभ केँ फेर सँ अनलक, आ सभटा भेँड़ा सभ याकूबक छल आ जे सभ नहि छल से लाबानक छल।
29 याकूबक सम्पत्ति बहुत बढ़ि गेलनि आ हुनका लग बैल, भेड़, गदहा आ ऊँट, दास आ दासी-दासी छलनि।
30 लाबान आ ओकर पुत्र सभ याकूब सँ ईर्ष्या केलक आ लाबान ओकरा सँ अपन भेँड़ा वापस कऽ लेलक आ ओ दुष् ट नीयत सँ ओकरा देखैत रहल।

अध्याय 29

1 जखन राहेल यूसुफ केँ जन्म लेलनि तखन लाबान अपन भेँड़ा काटि कऽ गेलाह। किएक तँ ओ सभ हुनकासँ तीन दिनक यात्रा दूर छल।
2 याकूब देखलक जे लाबान अपन भेँड़ा काटय जा रहल अछि, तखन याकूब लीआ आ राहेल केँ बजा कऽ हुनका सभ सँ नीक जकाँ कहलथिन जे ओ सभ हुनका संग कनान देश मे आबि जाथि।
3 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन जे कोना ओ सपना मे सभ किछु देखलनि, एतेक तक कि ओ सभ बात जे ओ हुनका सँ कहने छलाह जे ओ अपन पिताक घर घुरि जाथि, आ ओ सभ कहलथिन, 'अहाँ जतय जायब, हम सभ अहाँ सभक संग जायब।'
4 याकूब अपन पिता इसहाक आ अपन पिता अब्राहमक परमेश् वर केँ आशीष देलनि, आ ओ उठि कऽ अपन स् त्रीगण आ सन् तान सभ पर सवार भऽ गेलाह आ अपन सभ सम् पत्ति लऽ कऽ नदी पार कऽ गेलाह आ गिलाद देश मे आबि गेलाह आ याकूब लाबान सँ अपन मंशा नुका कऽ नहि कहलथिन।
5 चारिम सप्ताहक सातम वर्ष मे याकूब पहिल मास मे एकइसम मास मे गिलिआद दिस घुमि गेलाह। [2135 AM] लाबान हुनका पाछाँ-पाछाँ चलल आ तेसर मास मे तेरहम मास मे गिलाद पहाड़ मे याकूब केँ पछाड़ि लेलक।
6 परमेश् वर हुनका याकूब केँ चोट नहि पहुँचाबऽ देलनि। किएक तँ ओ राति मे सपना मे प्रकट भेलाह। लाबान याकूब सँ बात कयलक।
7 ओहि दिनक पन्द्रहम दिन याकूब लाबान आ हुनका संग आयल सभ गोटेक लेल भोज केलनि, आ याकूब ओहि दिन लाबान केँ आ लाबान केँ याकूब केँ सेहो शपथ लेलनि जे कियो कोनो दुष्ट उद्देश्य सँ गिलिआद पहाड़ केँ दोसर दिस नहि पार करत।
8 ओतऽ ओ गवाहक लेल ढेर लगा देलथिन। तेँ ओहि स्थानक नाम एहि ढेरक नाम पर कहल जाइत अछि : 'साक्षीक ढेर'।
9 मुदा पहिने ओ सभ गिलिआदक देश केँ रेफाइमक देश कहैत छल। कारण, ओ रेफाइमक देश छल, आ रेफाइम सभ (ओतहि) एहन दिग्गज सभक जन्म भेल छल, जकर ऊँचाई दस, नौ, आठ सँ सात हाथ धरि छल।
10 अम्मोनक लोकक देश सँ ल' क' हरमोन पर्वत धरि हुनका लोकनिक निवास स्थान छलनि आ हुनका लोकनिक राज्यक आसन छल कर्नैम, अष्टरोत, एद्रेई, मिसुर आ बिओन।

11 प्रभु हुनका सभक काजक दुष् टताक कारणेँ हुनका सभ केँ नष्ट कऽ देलनि। किएक तँ ओ सभ बहुत घातक छल, आ अमोरी सभ ओकरा सभक बदला मे दुष्ट आ पापी रहि गेल छल, आ आइ एहन कोनो लोक नहि अछि जे ओकर सभ पाप केँ पूर्ण रूप सँ पूरा कऽ लेने हो, आ आब ओकरा सभ केँ पृथ्वी पर जीवनक लंबाई नहि अछि।
12 याकूब लाबान केँ विदा भऽ गेलाह आ ओ पूर्वी देश मेसोपोटामिया मे विदा भेलाह आ याकूब गिलिआद देश मे घुरि गेलाह।
13 ओ नवम मासक एगारहम मासक याबोक नदीक पार कऽ गेलाह। ओहि दिन हुनकर भाय एसाव हुनका लग आबि गेलाह आ हुनका सँ मेल मिलाप भऽ गेलाह आ हुनका सँ सेइर देश मे विदा भऽ गेलाह, मुदा याकूब डेरा मे रहि गेलाह।
14 एहि महोत्सव मे पाँचम सप्ताहक पहिल वर्ष मे ओ यरदन नदी पार कऽ यरदन नदीक ओहि पार रहि गेलाह आ ढेरक समुद्र सँ बेतशान, दोथान आ अक्राबीम जंगल धरि अपन भेँड़ा सभ केँ चरबैत रहलाह।
15 ओ अपन पिता इसहाक केँ अपन सभ सम्पत्ति, वस्त्र, भोजन, मांस, पेय, दूध, मक्खन, पनीर आ घाटी मे किछु खजूर पठौलनि।
16 अपन माय रेबेका केँ सेहो साल मे चारि बेर, मासक बीच, जोत-खोज आ फसल काटबाक बीच, आ शरद आ बरखाक बीच आ जाड़-वसंतक बीच, अब्राहमक बुर्ज धरि।
17 इसहाक शपथक इनार सँ घुरि कऽ अपन पिता अब्राहमक बुर्ज पर चढ़ि गेल छलाह आ ओतऽ अपन पुत्र एसाव सँ अलग रहैत छलाह।
18 जाहि दिन याकूब मेसोपोटामिया गेलाह, तखन एसाव इस्माइलक बेटी महलत केँ अपन पत्नीक संग विवाह कयलनि, आ ओ अपन पिता आ अपन स् त्री सभक सभ भेँड़ा केँ जमा कऽ लेलनि आ सेइर पहाड़ पर चलि गेलाह आ अपन पिता इसहाक केँ असगरे शपथक इनार मे छोड़ि गेलाह।
19 इसहाक शपथक इनार सँ चढ़ि कऽ हेब्रोन पहाड़ पर अपन पिता अब्राहमक बुर्ज मे रहि गेलाह।
20 ओतहि याकूब अपन पिता आ माय केँ जे किछु पठबैत छलाह, तकरा सभ केँ समय-समय पर पठबैत छलाह, आ ओ सभ याकूब केँ पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ आशीर्वाद दैत छलाह।

अध्याय 30

1 छठम सप्ताहक पहिल वर्ष मे ओ चारिम मास मे शान्तिपूर्वक शेकेमक पूरब मे सलेम चलि गेलाह।
2 ओतहि ओ सभ याकूबक बेटी दीना केँ ओहि देशक राजकुमार हिवी हामोरक पुत्र शेकेमक घर मे लऽ गेलाह आ ओ ओकरा संग सुति कऽ ओकरा अशुद्ध कऽ देलक आ ओ बारह वर्षक बच्ची छल।
3 ओ अपन पिता आ ओकर भाय सभ सँ विनती कयलनि जे ओ हुनका पत्नीक रूप मे दऽ देल जाय। याकूब आ ओकर पुत्र सभ शेकेमक लोक सभक कारणेँ क्रोधित भऽ गेलाह। किएक तँ ओ सभ अपन बहिन दीना केँ अशुद्ध कऽ देने छल आ ओ सभ ओकरा सभ सँ अधलाह बात कऽ कऽ ओकरा सभक संग धोखा कऽ कऽ बहका देलक।
4 शिमोन आ लेवी अप्रत्याशित रूपेँ शेकेम मे आबि कऽ शेकेमक सभ लोक पर न्याय कयलनि आ ओहि मे भेटल सभ लोक केँ मारि देलनि आ एको गोटे केँ ओहि मे नहि बचलनि।
5 आ एहि तरहेँ आब सँ फेर ई नहि होउ जे इस्राएलक बेटी केँ अशुद्ध कयल जाय। कारण, स् वर्ग मे हुनका सभक विरुद्ध न्याय निर्धारित कयल गेल अछि जे ओ सभ शेकेमी लोक सभ केँ तलवार सँ नष्ट कऽ देथिन, किएक तँ ओ सभ इस्राएल मे लाज केने छलाह।
6 परमेश् वर हुनका सभ केँ याकूबक पुत्र सभक हाथ मे सौंपि देलथिन जाहि सँ ओ सभ तलवार सँ हुनका सभ केँ सफाया कऽ कऽ हुनका सभ पर न् याय करथि आ इस्राएल मे फेर एहन नहि हो जे इस्राएलक कुमारि कन्या केँ अशुद्ध कयल जाय।
7 जँ इस्राएल मे कोनो एहन पुरुष अछि जे अपन बेटी वा अपन बहिन केँ गैर-यहूदी सभक वंश मे सँ एक आदमी केँ दऽ देबय चाहैत अछि तँ ओ अवश्य मरि जायत आ ओ सभ ओकरा पाथर सँ मारि देतैक। किएक तँ ओ इस्राएल मे लाज केने छथि। ओ सभ ओहि स् त्री केँ आगि मे जरा देत, किएक तँ ओ अपन पिताक घरक नाम केँ अपमानित कऽ लेने अछि आ ओ इस्राएल सँ जड़ि सँ उखाड़ि देल जायत।
8 पृथ् वीक सभ दिन मे इस्राएल मे कोनो व्यभिचारी आ अशुद्धता नहि भेटय। कारण, इस्राएल परमेश् वरक लेल पवित्र अछि, आ जे केओ (ओकरा) अशुद्ध केने अछि, से मरि जायत।
9 किएक तँ इस्राएलक समस्त वंशक विषय मे स् वर्गीय पाटी सभ मे एहि तरहेँ निर्धारित आ लिखल गेल अछि, जे (ओकरा) अशुद्ध करत से मरि जायत आ पाथर सँ मारल जायत।
10 एहि व्यवस्थाक कोनो दिनक सीमा नहि अछि आ ने कोनो क्षमा आ ने कोनो प्रायश्चित, मुदा जे आदमी अपन बेटी केँ अशुद्ध कयने अछि, ओकरा समस्त इस्राएलक बीच मे उखाड़ि देल जायत, किएक तँ ओ अपन वंशज मे सँ किछु मोलोक केँ दऽ देलक आ ओकरा अशुद्ध करबाक लेल अधर्मक काज कयलक।
11 हे मूसा, अहाँ इस्राएलक सन् तान सभ केँ आज्ञा दऽ कऽ ओकरा सभ केँ आग्रह करू जे ओ सभ अपन बेटी सभ केँ गैर-यहूदी सभ केँ नहि दऽ दियौक आ गैर-यहूदी सभक कोनो बेटी केँ अपन बेटाक लेल नहि लेथि, किएक तँ ई प्रभुक समक्ष घृणित अछि।
12 एहि लेल हम अहाँक लेल व्यवस्थाक वचन मे लिखने छी जे शेकेमी लोकक सभटा काज जे ओ सभ दीना पर कयलनि आ याकूबक पुत्र सभ कोना कहलनि जे, 'हम सभ अपन बेटी केँ खतना नहि कयल गेल आदमी केँ नहि देब। कारण, ई हमरा सभक लेल अपमान छल।'
13 इस्राएल, जीवित लोक आ गैर-यहूदी सभक बेटी सभक लेल ई अपमानजनक अछि। कारण, ई इस्राएलक लेल अशुद्ध आ घृणित अछि।
14 जँ इस्राएल एहि अशुद्धता सँ मुक्त नहि होयत जँ ओकरा गैर-यहूदी सभक बेटी मे सँ कोनो स् त्री होअय वा ओ अपन कोनो बेटी केँ कोनो गैर-यहूदी मे सँ कोनो पुरुष केँ दऽ देने हो।
15 कारण, विपत्ति पर विपत्ति आ शाप पर शाप होयत, आ सभ न्याय आ विपत्ति आ अभिशाप हुनका पर आओत व्यक्ति।
16 कोनो व्यक्तिक आदर नहि होयत [आओर व्यक्तिक कोनो विचार नहि] आ ने हुनका हाथ सँ फल, बलिदान आ होमबलि आ चर्बी, आ ने मधुर सुगंधक सुगंध ग्रहण कयल जायत जाहि सँ ओकरा स्वीकार कयल जा सकय।

17 एहि कारणेँ हम अहाँ केँ ई आज्ञा देने छी जे, 'इस्राएल केँ एहि गवाही केँ गवाही दिअ, देखू जे शेकेमी आ ओकर पुत्र सभ केहन रहलाह, कोना हुनका सभ केँ याकूबक दूटा पुत्रक हाथ मे सौंपल गेलनि, आ ओ सभ हुनका सभ केँ यातना मे मारि देलनि, आ ई हुनका सभ केँ धार्मिकताक रूप मे मानल गेलनि, आ ई हुनका सभ केँ धार्मिकताक लेल लिखल गेल अछि।
18 लेवीक वंशज केँ पुरोहितक काज आ लेवीक लेल चुनल गेल, जाहि सँ ओ सभ हमरा सभ जकाँ प्रभुक समक्ष सदिखन सेवा करथि आ लेवी आ हुनकर पुत्र सभ केँ सदाक लेल आशीर्वाद भेटय। कारण, ओ इस्राएलक विरुद्ध उठल सभ लोक पर धार्मिकता आ न्याय आ प्रतिशोध करबाक लेल उत्सुक छलाह।
19 एहि तरहेँ ओ सभ स् वर्गीय पाटी सभ पर हुनकर अनुग्रहक गवाही जकाँ सभक परमेश् वरक समक्ष आशीष आ धार्मिकता लिखैत छथि।
20 हम सभ ओहि धार्मिकताक स्मरण करैत छी जे मनुष् य अपन जीवन मे, वर्षक सभ समय मे पूरा कयलनि। हजार पीढ़ी धरि ओ सभ एकरा लिखि लेताह, आ ई हुनका आ हुनकर बादक वंशज मे आबि जायत, आ स्वर्गीय पाटी पर हुनका मित्र आ धर्मी लोकक रूप मे लिखल गेल अछि।
21 ई सभ विवरण हम अहाँक लेल लिखने छी आ आज्ञा देने छी जे इस्राएलक सन्तान सभ केँ ई कहब जे ओ सभ पाप नहि करथि आ ने नियमक उल्लंघन करथि आ ने हुनका सभक लेल निर्धारित वाचा केँ तोड़थि, (मुदा) ओ सभ एकरा पूरा करथि आ मित्रक रूप मे दर्ज कयल जाय।
22 मुदा जँ ओ सभ अपराध करैत छथि आ सभ तरहेँ अशुद्धता करैत छथि तँ स् वर्गीय पाटी सभ पर हुनका सभ केँ विरोधक रूप मे लिखल जायत आ जीवनक पुस्तक मे सँ ओ सभ नष्ट भऽ जेताह, आ पृथ् वी सँ जड़ि सँ उखाड़ि कऽ उखाड़ि कऽ वला सभक किताब मे लिखल जायत।
23 जाहि दिन याकूबक पुत्र सभ शेकेम केँ मारलनि, तखन स् वर्ग मे हुनका सभक पक्ष मे एकटा पत्र लिखल गेल छल जे ओ सभ पापी सभक संग धार्मिकता आ सद्भाव आ प्रतिशोधक काज कयलनि आ ई आशीषक लेल लिखल गेल छल।
24 ओ सभ अपन बहिन दीना केँ शेकेम घर सँ बाहर निकालि कऽ शेकेम मे जे किछु छल, ओकर सभटा भेँड़ा, ओकर बैल आ ओकर गदहा, ओकर सभटा सम्पत्ति आ ओकर सभटा भेँड़ा केँ बंदी बना लेलक।
25 ओ हुनका सभ केँ डाँटैत रहलाह, किएक तँ ओ सभ नगर केँ तलवार सँ मारि देलकनि, किएक तँ ओ एहि देश मे रहनिहार लोक सभ, कनान आ फरीजीक लोक सभ सँ डरैत छलाह।
26 शेकेमक चारूकातक समस्त नगर सभ पर परमेश् वरक भय भऽ गेलनि। किएक तँ ओकरा सभ पर आतंक आबि गेल छलैक।

अध्याय 31

1 मासक अमावस्या पर याकूब अपन घरक सभ लोक सभ सँ बात कयलनि। कहैत: 'अपना केँ शुद्ध करू आ अपन वस्त्र बदलू, आ हम सभ उठि कऽ बेथेल चढ़ि जाउ, जतय हम हुनका प्रति प्रण केने रही, जहिया हम अपन भाय एसावक मुँह सँ भागि गेल रही, कारण ओ हमरा संग रहलाह आ हमरा शान्तिपूर्वक एहि देश मे अनलनि, आ अहाँ सभ ओहि विदेशी देवता सभ केँ दूर कऽ दिअ जे अहाँ सभक बीच चाप छथि।'
2 ओ सभ परदेशी देवता सभ आ कान मे जे किछु छल आ गरदनि मे छल आ ओहि मूर्ति सभ केँ छोड़ि देलक जे राहेल अपन पिता लाबान सँ चोरा लेलक जे ओ पूरा तरहेँ याकूब केँ देलक। ओ ओकरा सभ केँ जरा कऽ तोड़ि-टुटि कऽ ओकरा सभ केँ नष्ट कऽ देलक आ ओकरा सभ केँ शेकेम देश मे एकटा ओक गाछक नीचाँ नुका कऽ राखि देलक।
3 ओ सातम मासक अमावस्या मे बेथेल चलि गेलाह। ओ अपन सुतल जगह पर एकटा वेदी बनौलनि आ ओतहि एकटा खंभा ठाढ़ कयलनि आ अपन पिता इसहाक केँ खबरि पठौलनि जे ओ अपन बलिदान मे आ अपन माय रिबेका लग आबि जाय।
4 इसहाक कहलथिन, 'हमर बेटा याकूब केँ आब' दिअ, आ हम मरबा सँ पहिने ओकरा देखब।'
5 याकूब अपन पिता इसहाक आ माय रिबेका लग अपन पिता अब्राहमक घर गेलाह आ अपन दूटा बेटा लेवी आ यहूदा केँ ल' गेलाह आ अपन पिता इसहाक आ माय रिबेका लग आबि गेलाह।
6 रिबेका याकूब केँ चुम्मा लेबय आ गला लगाबय लेल बुर्ज सँ आगू बढ़लीह। कारण, 'देखू, तोहर बेटा याकूब आबि गेल अछि', तखन ओकर आत् मा जीवित भ' गेल छलैक। आ ओ ओकरा चुम्मा लेलक।
7 हुनकर दुनू बेटा केँ देखलनि आ हुनका सभ केँ चिन्हलनि आ कहलथिन, 'हमर बेटा, ई अहाँक बेटा अछि? आ ओ हुनका सभ केँ गला लगा कऽ चुम्मा लेलनि आ आशीर्वाद दैत कहलथिन: 'अहाँ सभ मे अब्राहमक वंशज यशस्वी होयत, आ अहाँ सभ पृथ्वी पर आशीर्वाद साबित होयब।'
8 याकूब अपन पिता इसहाक लग ओहि कोठली मे गेलाह, जतय ओ पड़ल छलाह, आ हुनकर दुनू बेटा हुनका संग छल, आ ओ अपन पिताक हाथ पकड़ि लेलनि आ झुकि क' हुनका चुम्मा लेलनि आ इसहाक अपन पुत्र याकूबक गरदनि सँ चिपकल रहि गेलाह आ हुनकर गरदनि पर कानय लगलाह।
9 अन्हार इसहाकक आँखि सँ चलि गेल आ याकूबक दुनू पुत्र लेवी आ यहूदा केँ देखलनि आ कहलथिन, 'हमर बेटा, ई अहाँक बेटा अछि? कारण, ओ सभ अहाँ जकाँ छथि।'
10 ओ हुनका कहलथिन जे ओ सभ सत्ते हुनकर बेटा छथि, 'आ अहाँ सत्ते देखलहुँ जे ओ सभ सत्ते हमर पुत्र छथि'।
11 ओ सभ हुनका लग आबि गेलाह आ ओ घुमि कऽ हुनका सभ केँ चुम्मा लेलनि आ दुनू गोटे केँ गला लगा लेलनि।
12 हुनका मुँह मे भविष्यवाणीक आत् मा आबि गेलनि आ ओ लेवी केँ अपन दहिना हाथ सँ पकड़ि लेलनि आ यहूदा केँ बामा हाथ सँ पकड़ि लेलनि।
13 ओ पहिने लेवी दिस घुमि कऽ पहिने हुनका आशीर्वाद देबऽ लगलाह आ हुनका कहलथिन, "सब युगक प्रभु, सभ युगक प्रभु अहाँ आ अहाँक बच्चा सभ केँ सभ युग मे आशीर्वाद देथिन।"
14 आ प्रभु अहाँ आ अहाँक वंशज केँ महानता आ पैघ महिमा प्रदान करथि आ अहाँ आ अहाँक वंशज केँ, समस्त शरीरक बीच सँ, हुनका लग पहुँचाबथि जे हुनकर पवित्र स्थान मे उपस्थितिक स्वर्गदूत आ पवित्र लोकक रूप मे सेवा करथि। (तहिना) जेना ओ सभ, तोहर पुत्र सभक वंश महिमा आ महानता आ पवित्रताक लेल होयत, आ ओ सभ युग धरि ओकरा सभ केँ महान बनाबथि।
15 ओ सभ याकूबक सन्तानक सभ वंशक न्यायाधीश आ मुखिया आ मुखिया होयत। ओ सभ प्रभुक वचन धार्मिकता मे बाजत, आ ओकर सभ न्याय केँ धार्मिकता मे न्याय करत। ओ सभ याकूब केँ हमर बाट आ इस्राएल केँ हमर बाट सुनाओत। प्रभुक आशीर्वाद

हुनका लोकनिक मुँह मे देल जायत प्रियतमक सभ बीज केँ आशीर्वाद देबाक लेल।
16 तोहर माय तोहर नाम लेवी रखने छथि, आ न्यायपूर्वक तोहर नाम रखने छथि। अहाँ प्रभुक संग जुड़ब आ याकूबक सभ पुत्रक संगी बनब। हुनकर टेबुल अहाँक हो, आ अहाँ आ अहाँक बेटा सभ ओहि मे सँ खाउ। अहाँक टेबुल सभ पीढ़ी धरि भरल रहय, आ अहाँक भोजन सभ युग धरि क्षीण नहि हो।
17 जे सभ अहाँ सँ घृणा करैत अछि से अहाँक सोझाँ खसि पड़य, आ अहाँक सभ विरोधी केँ जड़ि सँ उखाड़ि कऽ नष्ट भऽ जाय। जे तोरा आशीर्वाद दैत छौ, ओकरा धन्य होउ, आ जे कोनो जाति तोरा गारि पढ़ै छै, ओकरा शापित हो।'
18 ओ यहूदा केँ कहलथिन, 'प्रभु तोरा सामर्थ् य आ सामर्थ् य देथिन जे अहाँ सँ घृणा करयवला सभ केँ रौदब। अहाँ आ अहाँक एकटा पुत्र याकूबक पुत्र सभ पर एकटा राजकुमार बनब। तोहर नाम आ तोहर बेटा सभक नाम आगू बढ़ि कऽ हर भूमि आ क्षेत्र मे घुमि जाय। तखन गैर-यहूदी सभ अहाँक सोझाँ डरत, आ सभ जाति काँपि जायत।
19 अहाँ मे याकूबक सहायता होयत, आ अहाँ मे इस्राएलक उद्धार भेटत।
20 जखन अहाँ अपन धार्मिकताक आदरक सिंहासन पर बैसब तखन प्रिय पुत्र सभक वंशजक लेल बहुत शान्ति होयत। धन्य होउ जे तोरा आशीर्वाद दैत अछि, आ जे सभ अहाँ सँ घृणा करैत अछि आ अहाँ केँ प्रताड़ित करैत अछि आ अहाँ केँ श्राप दैत अछि, से सभ जड़ि सँ उखाड़ि कऽ पृथ्वी सँ नष्ट भऽ जायत आ अभिशप्त होयत।'
21 ओ घुमि कऽ फेर चुम्मा लेलक आ गला लगा लेलक आ बहुत आनन्दित भऽ गेल। किएक तँ ओ अपन पुत्र याकूबक पुत्र सभ केँ सत् य मे देखने छलाह।
22 ओ अपन पएरक बीच सँ बाहर निकलि कऽ खसि पड़लाह आ हुनका प्रणाम कयलनि आ ओहि राति हुनका सभ केँ आशीर्वाद देलनि आ ओहि राति अपन पिता इसहाकक संग ओतहि विश्राम कयलनि।
23 ओ याकूबक दुनू पुत्र केँ एकटा दहिना कात आ दोसर बामा कात सुता देलनि, आ ई बात हुनका धार्मिक मानल गेलनि।
24 याकूब राति मे अपन पिता केँ सभ किछु बतौलनि जे कोना प्रभु हुनका पर बहुत दया कयलनि, आ कोना ओ अपन सभ बाट मे सफल भेलाह आ हुनका सभटा अधलाह सँ बचा लेलनि।
25 इसहाक अपन पिता अब्राहमक परमेश् वर केँ आशीष देलनि, जे अपन सेवक इसहाकक पुत्र सभ सँ अपन दया आ धार्मिकता केँ नहि हटा देलनि।
26 भोरे याकूब अपन पिता इसहाक केँ ओहि व्रत केँ कहलथिन जे ओ प्रभुक प्रति प्रतिज्ञा केने छलाह आ ओ दर्शन जे ओ देखने छलाह, आ ओ एकटा वेदी बनौने छथि, आ सभ किछु तैयार अछि जे ओ प्रण के अनुसार प्रभुक समक्ष बलि चढ़ाओल जायत, आ ओ हुनका गदहा पर बैसाब' लेल आयल छथि।
27 इसहाक अपन पुत्र याकूब केँ कहलथिन, 'हम अहाँक संग नहि जा सकैत छी। किएक तँ हम बूढ़ छी आ बाट सहन नहि कऽ सकैत छी। किएक तँ आइ हम एक सय पैंसठ वर्षक छी। आब हम यात्रा करबा मे सक्षम नहि छी; अपन माय केँ (गदहा पर) बैसा दियौक आ ओकरा अपन संग चलय दियौक।
28 हे बेटा, हम जनैत छी जे अहाँ हमरा कारणेँ आयल छी, आ आइ आशीर्वाद भेटय जाहि दिन अहाँ हमरा जीवित देखलहुँ, आ हमहूँ अहाँ केँ देखलहुँ, हमर बेटा।
29 अहाँ जे व्रत केने छी, तकरा सम्पन्न भऽ कऽ पूरा कऽ सकैत छी। आ अपन व्रत केँ टालि नहि दियौक। कारण, व्रतक विषय मे अहाँ केँ हिसाब-किताब कयल जायत। आब जल्दी-जल्दी एकरा पूरा करू, आ ओ प्रसन्न होथि जे सभ किछु बनौने छथि, जिनका सँ अहाँ व्रत केने छी।'
30 ओ रिबेका केँ कहलथिन, 'अपन पुत्र याकूबक संग जाउ'। रिबेका अपन पुत्र याकूबक संग आ दबोरा हुनका संग गेलीह।
31 याकूब केँ ओ प्रार्थना मोन पड़लनि जे हुनकर पिता हुनका आ हुनकर दुनू पुत्र लेवी आ यहूदा केँ आशीर्वाद देने छलाह आ ओ आनन्दित भऽ अपन पूर्वज अब्राहम आ इसहाकक परमेश् वर केँ आशीर्वाद देलनि।
32 ओ कहलथिन, 'आब हम बुझि गेल छी जे हमरा आ हमर पुत्र सभ केँ सेहो सभक परमेश् वरक समक्ष अनन्त आशा अछि'। आ एहि तरहेँ दुनूक विषय मे एकरा निर्धारित कयल गेल अछि; ओ सभ एकरा स् वर्गीय पाटी सभ पर अनन्त गवाही के रूप मे लिखैत छथि जे इसहाक हुनका सभ केँ कोना आशीष देलनि।

अध्याय 32

1 ओहि राति ओ बेथेल मे रहि गेलाह आ लेवी सपना मे देखलनि जे ओ सभ हुनका परमात्मा परमेश् वरक पुरोहित बना कऽ हुनका आ हुनकर पुत्र सभ केँ सदाक लेल बनौने छथि। ओ नींद सँ जागि कऽ प्रभु केँ आशीर्वाद देलनि।
2 एहि मासक चौदहम दिन याकूब भोरे-भोर उठलाह आ अपना संग आयल सभ लोकक दसम भाग, मनुख आ पशु, सोना आ हर बर्तन आ वस्त्र दुनू मे सँ दसम भाग देलनि।
3 ओहि समय मे राहेल अपन पुत्र बिन्यामीन सँ गर्भवती भऽ गेलीह। याकूब हुनका सँ ऊपर सँ अपन पुत्र सभक गणना कयलनि आ लेवी प्रभुक भाग मे खसि पड़लाह आ हुनकर पिता हुनका पुरोहितक वस्त्र पहिरि कऽ हुनकर हाथ भरि देलनि।
4 एहि मासक पन्द्रहम दिन ओ वेदी पर मवेशी मे सँ चौदह टा बैल, अट्ठाईस मेढ़, उनचालीस भेँड़ा, सात मेमना आ एकैस टा बकरीक बच्चा बलि वेदी पर होमबलि मे आनि देलनि, जे परमेश् वरक समक्ष मधुर सुगन्धक लेल नीक लागल।
5 ई हुनकर बलिदान छल, जे ओ प्रतिज्ञा केने छलाह जे ओ दसम भाग देबाक प्रतिज्ञा केने छलाह, हुनका सभक फल-बलि आ पेय-बलिदानक संग।
6 जखन आगि ओकरा भस्म कऽ गेल तँ आगि पर आगि पर धूप जरा देलनि आ धन्यवादक बलि मे दूटा बैल आ चारि मेढ़ आ चारिटा भेँड़ा, चारिटा बकरी, दूटा सालक भेँड़ा आ दूटा बकरी। आ एहि तरहेँ ओ सात दिन धरि प्रतिदिन करैत छलाह।
7 ओ आ ओकर सभ पुत्र आ ओकर आदमी सात दिन धरि ओतहि हर्षोल्लास सँ (ई) खा रहल छल आ प्रभु केँ आशीर्वाद आ धन्यवाद दैत छल, जे हुनका अपन समस्त क्लेश सँ मुक्त क' देलनि आ हुनकर व्रत देलनि।
8 ओ सभ शुद्ध पशु सभक दसम भाग दऽ कऽ होमबलि चढ़ौलनि, मुदा अशुद्ध पशु सभ केँ ओ अपन पुत्र लेवी केँ (नहि) देलथिन आ ओहि आदमी सभक सभ प्राणी हुनका दऽ देलथिन।

9 लेवी अपन दस भाय सँ बेसी अपन पिता याकूबक समक्ष बेथेल मे पुरोहितक काज कयलनि आ ओतऽ याकूब पुरोहित छलाह आ याकूब अपन व्रत देलनि।
10 एहि कारणेँ ई नियमक रूप मे स् वर्गीय पाटी सभ पर एकटा नियमक रूप मे निर्धारित कयल गेल अछि जे दसम भाग केँ फेर सँ दसम भाग केँ प्रभुक समक्ष साल दर साल खाओल जायत, जाहि ठाम हुनकर नाम रहबाक लेल चुनल गेल अछि, आ एहि व्यवस्थाक लेल दिनक कोनो सीमा नहि अछि।
11 ई नियम एहि लेल लिखल गेल अछि जे, जाहि ठाम परमेश् वरक सामने दोसर दसमांश खेबा मे ई साल-दर-साल पूरा होयत, जाहि ठाम ई चुनल गेल अछि, आ एहि वर्ष सँ अगिला साल धरि एहि सँ किछुओ नहि रहत।
12 किएक तँ ओकर वर्ष मे बीया सालक बीया जमा करबाक दिन धरि खायल जायत, आ मदिरा शराबक दिन धरि आ तेल ओकर समयक दिन धरि खायल जायत।
13 ओहि मे सँ जे किछु बचल अछि आ बूढ़ भऽ गेल अछि, ओकरा दूषित मानल जाय।
14 एहि तरहेँ ओ सभ एक संग पवित्र स्थान मे एकरा खाय, आ एकरा बूढ़ नहि होमय देथिन।
15 बैल-भेड़क सभ दसम भाग प्रभुक लेल पवित्र होयत आ हुनकर पुरोहित सभक होयत, जे ओ सभ साल-वर्ष हुनका सामने खायत। कारण, स्वर्गीय पाटी पर दसम भागक संबंध मे एहि तरहेँ एकरा निर्धारित आ उकेरल गेल अछि |
16 दोसर राति एहि मासक बाइसम दिन याकूब संकल्प लेलनि जे ओहि स्थान केँ बनाओल जाय आ आँगन केँ देबाल सँ घेरब आ ओकरा पवित्र कयल जाय आ ओकरा अनन्त काल धरि पवित्र कयल जाय, अपना आ ओकर बादक अपन बच्चा सभक लेल।
17 परमेश् वर राति मे हुनका लग प्रकट भऽ हुनका आशीर्वाद देलथिन आ कहलथिन, 'तोहर नाम याकूब नहि राखल जायत, बल् कि ओ सभ तोहर नाम इस्राएल राखत।'
18 ओ फेर हुनका कहलथिन, 'हम प्रभु छी जे आकाश आ पृथ्वीक रचना केने छी, आ हम अहाँ केँ बहुत बढ़ा देब आ अहाँ केँ बहुत बढ़ा देब, आ राजा सभ अहाँ सँ बाहर निकलताह, आ ओ सभ जतय-जतय मनुष् य-पुत्रक पएर दबाओल गेल अछि, ओतय न्याय करताह।
19 हम अहाँक वंशज केँ स्वर्गक नीचाँक समस्त पृथ्वी दऽ देब, आ ओ सभ अपन इच्छाक अनुसार सभ जाति सभक न्याय करत, आ तकर बाद ओ सभ समस्त पृथ्वी पर कब्जा कऽ लेत आ ओकरा सदाक लेल उत्तराधिकारी पाबि लेत।'
20 ओ हुनका सँ गप्प समाप्त कऽ कऽ हुनका लग सँ चलि गेलाह। याकूब ताबत धरि तकलनि जाबत धरि ओ स् वर्ग मे नहि चढ़ि गेलाह।
21 ओ राति मे एकटा दर्शन मे देखलनि, आ देखलनि जे एकटा स् वर्गदूत हाथ मे सात टा पाटी ल' क' स्वर्ग सँ उतरि गेलाह आ ओ सभ याकूब केँ द' देलनि आ ओ सभ ओहि मे लिखल सभ बात केँ बुझि गेलाह जे हुनका आ हुनकर पुत्र सभक संग युग-युग मे घटित होयत।
22 ओ पाटी पर लिखल सभटा बात हुनका देखा कऽ कहलथिन, 'एहि स्थान केँ नहि बनाउ आ एकरा अनन्त पवित्र स्थान नहि बनाउ आ एतय नहि रहू। कारण ई स्थान नहि अछि। अपन पिता अब्राहमक घर जाउ आ अपन पिताक मृत्युक दिन धरि अपन पिता इसहाकक संग रहू।
23 मिस्र मे अहाँ शान्तिपूर्वक मरि जायब आ एहि देश मे अहाँ केँ अब्राहम आ इसहाकक संग अपन पूर्वजक कब्र मे आदरपूर्वक दफनाओल जायत।
24 नहि डेराउ, किएक तँ अहाँ जेना देखलहुँ आ पढ़लहुँ, तेना ई सभ एना होयत। आ सभ किछु ओहिना लिखू जेना देखलहुँ आ पढ़लहुँ।'
25 याकूब कहलथिन, 'प्रभु, हम जे किछु पढ़लहुँ आ देखलहुँ से कोना मोन पाड़ब? 'ओ हुनका कहलथिन, 'हम अहाँक स्मरण मे सभ किछु राखब।'
26 ओ हुनका लग सँ ऊपर चलि गेलाह आ नींद सँ जागि गेलाह आ जे किछु पढ़लनि आ देखलनि से मोन पाड़लनि आ जे किछु पढ़लनि आ देखलनि से सभ बात लिखि लेलनि।
27 ओतऽ ओतऽ एकटा आओर दिन मनौलनि, आ ओहि पर पहिने जे किछु बलिदान कयलनि, ताहि अनुसारेँ बलिदान कयलनि, आ एकर नाम 'जोड़' रखलनि, किएक तँ ई दिन जोड़ल गेल छल आ पूर्वक दिन केँ ओ 'भोज' कहलनि।
28 एहि तरहेँ ई प्रगट भेल जे ई हेबाक चाही आ ई स् वर्गीय पाटी सभ पर लिखल अछि, तेँ हुनका ई प्रगट कयल गेलनि जे ओ एकरा मनाबथि आ पाबनिक सात दिन मे एकरा जोड़ि देथिन।
29 एकर नाम 'जोड़' राखल गेल, किएक तँ सालक दिनक संख्याक अनुसार पाबनि-तिहारक दिनक बीच एकरा दर्ज कयल जाइत छल।
30 एहि मासक तेइसम दिन राति मे दबोरा रेबेकाक नर्सक मृत्यु भ' गेलनि आ ओ सभ हुनका शहरक नीचाँ नदीक ओक गाछक नीचा गाड़ि देलनि आ ओ एहि स्थानक नाम 'दबोराक नदी' आ ओक केँ 'दबोराक शोकक ओक' रखलनि।
31 रिबेका जा कऽ अपन पिता इसहाक लग अपन घर घुरि गेलीह, आ याकूब हुनका हाथ मे मेढ़क आ भेँड़ा आ बकरी पठौलनि जे ओ अपन पिताक लेल जेना भोजन चाहैत छलाह।
32 ओ अपन मायक पाछाँ-पाछाँ चलैत गेलाह जाबत धरि ओ कब्रातन देश नहि पहुँचलाह आ ओतहि रहि गेलाह।
33 राहेल राति मे एकटा बेटाक जन्म देलनि आ ओकर नाम 'हमर दुखक बेटा' रखलनि। कारण, ओकरा जन्म देबा मे कष्ट भेलैक, मुदा ओकर पिता ओकर नाम बेंजामिन रखलकै, आठम मासक एगारहम दिन, एहि जयंतीक छठम सप्ताहक पहिल दिन। [2143 पूर्वाह्न]।
34 राहेल ओतहि मरि गेलीह आ हुनका एफ्रात देश मे दफना देल गेलनि, जे बेतलेहेम अछि, आ याकूब राहेलक कब्र पर हुनकर कब्रक ऊपर सड़क पर एकटा खंभा बनौलनि।

अध्याय 33

1 याकूब जा कऽ मगदलाद्राएफक दक्षिण मे रहि गेलाह। दसम मासक अमावस्या मे ओ अपन पिता इसहाक आ हुनकर पत्नी लीआ लग गेलाह।
2 तखन रूबेन राहेलक दासी बिलहा केँ देखलनि जे हुनकर पिताक उपपत्नी छलनि, जे गुप्त स्थान पर पानि मे नहा रहल छलीह।
3 ओ राति मे नुका गेलाह आ बिल्हा [राति मे] बिलहाक घर मे प्रवेश कयलनि, तखन ओ हुनका अपन घर मे एकटा पलंग पर असगरे सुतल देखलनि।

4 ओ ओकरा संग पड़ल रहि गेल आ देखलक जे रूबेन ओकरा संग ओछाओन पर पड़ल छल, आ ओ अपन आवरणक सीमा खोलि ओकरा पकड़ि लेलक आ चिचिया उठल आ पता चलल जे ओ रूबेन अछि।
5 ओ हुनका कारणेँ लजा गेलीह आ हुनका सँ हाथ छोड़ि देलनि आ ओ भागि गेलाह।
6 ओ एहि बातक कारणेँ बहुत विलाप कयलनि आ ई बात ककरो नहि कहलथिन।
7 जखन याकूब घुरि कऽ हुनका तकलनि तँ ओ हुनका कहलथिन, 'हम अहाँक लेल शुद्ध नहि छी, किएक तँ हम अहाँक लेल अशुद्ध भऽ गेल छी। कारण, रूबेन हमरा अशुद्ध कएने छथि, राति मे हमरा संग सुतल छलाह, आ हम सुतल छलहुँ, ताबत धरि नहि बुझलनि जाबत धरि ओ हमर वस्त्र खोलि हमरा संग सुति नहि गेलाह।'
8 याकूब रूबेन पर बहुत क्रोधित भऽ गेलाह, किएक तँ ओ बिलहाक संग सुतल छलाह, किएक तँ ओ अपन पिताक वस्त्र उघार केने छलाह।
9 याकूब फेर हुनका लग नहि गेलाह किएक तँ रूबेन हुनका अशुद्ध कएने छलाह। जे केओ अपन पिताक वस्त्र उघार करैत अछि, ओकर काज बहुत दुष्ट अछि, किएक तँ ओ प्रभुक समक्ष घृणित अछि।
10 एहि कारणेँ स् वर्गीय पाटी सभ पर लिखल अछि आ निर्धारित अछि जे पुरुष अपन पिताक पत्नीक संग नहि सुतबाक चाही आ अपन पिताक वस्त्र नहि खोलबाक चाही, किएक तँ ई अशुद्ध अछि।
11 हमरा सभक परमेश् वरक समक्ष कोनो अशुद्ध नहि होयत, जाहि जाति केँ ओ अपना लेल चुनने छथि।
12 फेर दोसर बेर लिखल गेल अछि जे, 'जे अपन पिताक पत्नीक संग लेटैत अछि, ओकरा शापित कयल जाय, किएक तँ ओ अपन पिताक लाज केँ उजागर कऽ लेने अछि'। प्रभुक सभ पवित्र लोक कहलथिन, 'एना हो; तहिना हो।'
13 हे मूसा, अहाँ इस्राएलक लोक सभ केँ ई आज्ञा दियौक जे ओ सभ एहि वचनक पालन करथि। कारण, एहि मे मृत्युक सजाय (निहित) होइत छैक; आ ई अशुद्ध अछि, आ जे आदमी ई काज केने अछि ओकर प्रायश्चित करबाक लेल अनन्त काल धरि कोनो प्रायश्चित नहि अछि, बल् कि ओकरा मारल जाय आ मारल जाय, आ पाथर सँ पाथर मारल जाय आ हमरा सभक परमेश् वरक लोक सभक बीच सँ उखाड़ि देल जाय।
14 इस्राएल मे जे केओ एहन काज करैत अछि ओकरा पृथ्वी पर एको दिन जीवित रहबाक अनुमति नहि छैक, कारण ओ घृणित आ अशुद्ध अछि।
15 ओ सभ ई नहि कहथि जे, रूबेन केँ अपन पिताक उपपत्नीक संग सुतलाक बाद हुनका जीवन आ क्षमा भेटलनि, आ हुनका सेहो पति रहितो, आ हुनकर पति याकूब, हुनकर पिता एखनो जीवित छलाह।
16 किएक तँ ताबत धरि सभक लेल नियम आ न्याय आ धर्म-नियमक पूर्णता मे प्रगट नहि भेल छल, बल् कि तोहर समय मे (प्रगट भेल अछि) जेना कि ऋतू आ दिनक नियम आ अनन्त पीढ़ीक लेल अनन्त नियमक रूप मे प्रगट भेल छल।
17 एहि धर्म-नियमक लेल दिनक समापन नहि होइत छैक आ प्रायश्चित नहि, मुदा दुनू गोटे केँ जाति मे जड़ि सँ उखाड़ि देल जेबाक चाही।
18 अहाँ, मूसा, इस्राएलक लेल लिखू, जाहि सँ ओ सभ एहि बातक पालन करथि आ एहि बात सभक अनुसार काज करथि आ मृत्युक पाप नहि करथि। कारण, हमरा सभक परमेश् वर प्रभु न्यायाधीश छथि, जे व्यक्तिक आदर नहि करैत छथि आ वरदान नहि स्वीकार करैत छथि।
19 ओ सभ एहि वाचाक बात सभ केँ कहि दियौक, जाहि सँ ओ सभ सुनथि आ पालन करथि आ ओकरा सभक प्रति सावधान रहथि, आ एहि देश सँ नष्ट नहि भऽ कऽ जड़ि नहि निकालि सकथि। किएक तँ हमरा सभक परमेश् वरक समक्ष पृथ् वी पर अशुद्धता, घृणित काज आ अशुद्धता आ अशुद्धता अछि।
20 ओ सभ पृथ् वी पर जे व्यभिचार करैत छथि, ताहि सँ पैघ पाप नहि अछि। कारण, इस्राएल अपन परमेश् वरक लेल पवित्र जाति अछि, आ उत्तराधिकारक जाति अछि, आ पुरोहित आ राजकीय जाति अछि आ (अपन) सम्पत्तिक लेल। पवित्र राष्ट्रक बीच एहन अशुद्धता नहि देखायत।
21 एहि छठम सप्ताहक तेसर वर्ष मे याकूब आ ओकर सभ पुत्र अब्राहमक घर मे अपन पिता इसहाक आ माय रेबेकाक लग मे रहि गेलाह।
22 याकूबक पुत्र सभक नाम ई छल- जेठका पुत्र रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकर, जबबूलोन, जे लीआक पुत्र छल। आ राहेलक पुत्र यूसुफ आ बिन्यामीन। बिल्हा के बेटा दान आ नफ्ताली। आ जिल्पाक पुत्र गाद आ आशेर। आ याकूबक एकमात्र बेटी लीआक बेटी दीना।
23 ओ सभ आबि कऽ इसहाक आ रिबेकाक समक्ष प्रणाम कयलनि आ हुनका सभ केँ देखि याकूब आ हुनकर सभ पुत्र केँ आशीर्वाद देलनि आ इसहाक बहुत आनन्दित भऽ गेलाह, किएक तँ ओ अपन छोटका पुत्र याकूबक पुत्र सभ केँ देखलनि आ हुनका सभ केँ आशीर्वाद देलनि।

अध्याय 34

1 एहि चौवालीसम जुबलीक एहि सप्ताहक छठम वर्ष मे याकूब अपन पुत्र सभ केँ अपन भेँड़ा चराबऽ लेल पठौलनि आ अपन नौकर सभ केँ हुनका सभक संग शेकेमक चारागाह मे पठौलनि।
2 अमोरीक सातटा राजा हुनका सभक विरुद्ध जमा भ' गेलाह, गाछक नीचाँ नुका कऽ हुनका सभ केँ मारि देबाक लेल आ हुनकर सभक माल-जाल केँ शिकार बनाबय लेल।
3 याकूब, लेवी, यहूदा आ यूसुफ अपन पिता इसहाकक संग घर मे छलाह। कारण, ओकर आत् मा दुखी छल, आ ओ सभ ओकरा छोड़ि नहि सकल, आ बिन्यामीन सभसँ छोट छल आ एहि कारणेँ ओकर पिताक संग रहि गेल।
4 तफू के राजा आ अरेसा के राजा, सेरागन के राजा, सेलो के राजा, गास के राजा, बेथोरोन के राजा, माअनिसाकिर के राजा, आ कनान देश के जंगल में रहय वाला सब लोक आबि गेलैथ।
5 ओ सभ याकूब केँ ई बात सुनौलनि जे, 'देखू, अमोरी सभक राजा सभ अहाँक पुत्र सभ केँ घेरने छथि आ हुनकर सभक भेँड़ा सभ केँ लूटने छथि।"
6 ओ अपन तीनू पुत्र आ अपन पिताक सभ नोकर आ अपन नोकर सभक संग अपन घर सँ उठि गेलाह आ तलवार लऽ कऽ छह हजार आदमीक संग हुनका सभक विरुद्ध विदा भेलाह।
7 ओ ओकरा सभ केँ शेकेमक चारागाह मे मारि देलक, आ भागल लोक सभक पीछा कयलक, आ ओ ओकरा सभ केँ

तलवारक धार सँ मारि देलक, आ ओ 'अरेसा आ तफू आ सरेगन आ सेलो आ 'अमानिसाकिर आ गा[गा]' केँ मारि देलक, आ ओ अपन झुंड केँ बरामद क' लेलक।
8 ओ हुनका सभ पर विजयी भऽ हुनका सभ पर कर लगा देलथिन जे ओ सभ हुनका सभ केँ कर देथिन, जे हुनका सभक देशक पाँचटा फल छल, आ ओ रोबेल आ तमनातरेसक निर्माण कयलनि।
9 ओ शान्तिपूर्वक घुरि कऽ हुनका सभक संग मेल-मिलाप कयलनि आ ओ सभ हुनकर सेवक बनि गेलाह, जाबत धरि ओ आ हुनकर पुत्र सभ मिस्र मे नहि गेलाह।
10 एहि सप्ताहक सातम वर्ष मे [2149 बजे] ओ यूसुफ केँ अपन घर सँ शेकेम देश मे अपन भाय सभक भलाईक विषय मे जानय लेल पठौलनि, आ हुनका सभ केँ दोथान देश मे भेटलनि।
11 ओ सभ ओकरा संग धोखा कऽ कऽ ओकरा मारबाक साजिश रचलक, मुदा विचार बदलि ओकरा इश्माएलक व्यापारी सभक हाथ मे बेचि देलक आ ओकरा मिस्र मे उतारि देलक आ ओकरा एलेव नगरक पुरोहित फिरौनक नपुंसक पोतीफर केँ बेचि देलक।
12 याकूबक बेटा सभ एकटा बछड़ा केँ मारि कऽ यूसुफक वस्त्र केँ खून मे डुबा देलक आ सातम मासक दसम दिन अपन पिता याकूब केँ पठा देलक।
13 ओहि राति भरि ओ शोक करैत रहलाह, किएक तँ ओ सभ साँझ मे ओकरा लग अनने छलाह, आ ओ अपन मृत्युक शोक सँ बोखार भ' गेलाह, आ ओ कहलनि जे, 'एकटा दुष्ट जानवर यूसुफ केँ खा गेल अछि'। ओहि दिन हुनकर घरक सभ सदस्य [ओहि दिन हुनका संग शोक करैत छल, आ ओ सभ] ओहि दिन हुनका संग शोक आ शोक करैत छल।
14 हुनकर बेटा आ बेटी हुनका सान्त्वना देबय लेल उठलाह, मुदा ओ अपन बेटाक लेल सान्त्वना देबऽ सँ मना कऽ देलनि।
15 ओहि दिन बिलहा सुनलनि जे यूसुफक नाश भऽ गेलनि आ ओ हुनका शोक करैत मरि गेलीह आ ओ कफ्रातेफ मे रहैत छलीह आ हुनकर बेटी दीना सेहो यूसुफक नाश भेला पर मरि गेलीह।
16 एक मास मे ई तीनू शोक इस्राएल पर आबि गेल। ओ सभ बिल्हा केँ राहेलक कब्रक सामने गाड़ि देलक आ दीना केँ सेहो। ओकर बेटी, ओ सभ ओतहि गाड़ि देलक।
17 ओ एक साल यूसुफक शोक करैत रहलाह, मुदा ओ नहि रुकलनि, किएक तँ ओ कहलनि जे, 'हमरा अपन बेटाक शोक मना कऽ कब्र पर उतरय दिअ'।
18 एहि कारणेँ इस्राएलक सन्तान सभ केँ ई निर्धारित कयल गेल अछि जे ओ सभ सातम मासक दसम दिन -जहि दिन हुनका यूसुफक लेल कानय बला समाचार हुनकर पिता याकूब लग आयल छल- ताहि दिन अपना केँ कष्ट देथिन जे ओ सभ सातम मासक दसम दिन, साल मे एक बेर, अपन पापक लेल एकटा बकरीक बच्चाक संग अपना लेल प्रायश्चित करथि। कारण, ओ सभ अपन पिताक पुत्र यूसुफक प्रति स्नेह केँ दुखी कएने छलाह।
19 ई दिन निर्धारित कयल गेल अछि जे ओ सभ अपन पाप, अपन सभ अपराध आ सभ गलतीक कारणेँ एहि पर दुखी होथि, जाहि सँ ओ सभ साल मे एक बेर ओहि दिन अपना केँ शुद्ध कऽ सकथि।
20 यूसुफक नाश भेला पर याकूबक पुत्र सभ अपन स् त्रीगणक संग विवाह कयलनि। रूबेन के पत्नी के नाम 'अदा' छै; आ शिमोनक पत्नीक नाम 'अदल्बाआ अछि, जे कनानी छल। लेवी के पत्नी के नाम मेलका छै, जे अराम के बेटी में से छै, जे तेरा के बेटा के वंश में छै। यहूदाक पत्नीक नाम बेतसुएल, जे कनानी छल। इस्साकर के पत्नी के नाम हिजाका छेलै, आरो जबलुन के पत्नी के नाम निईमान छेलै। आ दानक पत्नीक नाम 'एग्ला'। आ नफ्तालीक पत्नी मेसोपोटामियाक रसु'उक नाम। आ गादक पत्नीक नाम मका। आ आशेरक पत्नीक नाम 'इजोना; यूसुफक पत्नीक नाम मिस्रक असेनथ छलनि। आ बेंजामिनक पत्नीक नाम 'इजासाका।'
21 शिमोन पश्चाताप कऽ मेसोपोटामिया सँ दोसर पत्नी केँ अपन भाय बना लेलक।

अध्याय 35

1 पैंतालीसम जयंतीक पहिल सप्ताहक पहिल वर्ष मे रेबेका अपन बेटा याकूब केँ बजा कऽ हुनका अपन पिता आ भाइक विषय मे आज्ञा देलथिन जे ओ जीवन भरि हुनका सभक आदर करथि।
2 याकूब कहलथिन, 'हम सभ किछु ओहिना करब जेना अहाँ हमरा आज्ञा देने छी। कारण, ई बात हमरा लेल आदर आ महानता आ प्रभुक समक्ष धार्मिकता होयत, जाहि सँ हम हुनका सभक आदर करी।"
3 आ अहाँ सेहो, माँ, हमर जन्मक समय सँ आइ धरि, हमर सभटा काज आ हमर हृदय मे जे किछु अछि, से जनैत छी जे हम सदिखन सभक विषय मे नीक सोचैत छी।
4 हम ई काज कोना नहि करब जे अहाँ हमरा आज्ञा देने छी जे हम अपन पिता आ अपन भाइक आदर करी।
5 माँ, हमरा कहू जे अहाँ हमरा मे कोन विकृति देखलहुँ आ हम ओकरा सँ मुँह घुमा लेब, आ हमरा पर दया होयत।'
6 ओ हुनका कहलथिन, 'हे हमर बेटा, हम अहाँ मे अपन भरि दिन मे कोनो विकृत काज नहि देखलहुँ, मुदा (मात्र) सोझ काज नहि देखलहुँ। आ तैयो हम अहाँ केँ सत् य कहब, हमर बेटा, हम एहि साल मरि जायब, आ एहि साल हम अपन जीवन मे नहि बचि सकब। कारण, हम अपन मृत्युक दिन सपना मे देखलहुँ जे हम एक सय पचपन वर्ष सँ आगू नहि जीबब।
7 याकूब अपन मायक बात सुनि हँसलाह। किएक तँ ओकर माय ओकरा कहने छलैक जे ओ मरब। ओ अपन सामर्थ्यक अधिकार मे हुनका सोझाँ बैसल छलीह, आ अपन सामर्थ्य मे कमजोर नहि छलीह। किएक तँ ओ भीतर-बाहर जा कऽ देखैत छलीह, आ हुनकर दाँत मजगूत भ' गेल छलनि, आ जीवन भरि हुनका कोनो बीमारी नहि छूबि सकल छलनि।
8 याकूब हुनका कहलथिन, 'माँ, हम धन्य छी, जँ हमर दिन अहाँक जीवनक दिन लग आबि जायत, आ हमर शक्ति अहाँक शक्तिक रूप मे हमरा संग एहि तरहेँ रहत, आ अहाँ नहि मरब, किएक तँ अहाँ अपन मृत्युक विषय मे हमरा संग बेकार मजाक कऽ रहल छी।'
9 ओ इसहाक लग जा कऽ कहलथिन, 'हम अहाँ सँ एकटा निहोरा करैत छी जे एसाव केँ कसम खाउ जे ओ याकूब केँ कोनो तरहक चोट नहि पहुँचाओत आ ने शत्रुता सँ ओकर पीछा करत। किएक तँ अहाँ एसावक विचार सभ केँ जनैत छी जे ओ जवानी सँ विकृत अछि आ हुनका मे कोनो भलाई नहि अछि। किएक तँ ओ अहाँक मृत्युक बाद ओकरा मारबाक इच्छा रखैत अछि।
10 अहाँ सभ जनैत छी जे जहिया सँ हुनकर भाय याकूब हारान गेलाह, ताहि दिन सँ आइ धरि ओ जे किछु कयलनि। तोहर भेँड़ा

कैँ ओ अपना लेल ल' लेलक आ तोहर सभटा सम्पत्ति तोहर सामने सँ लऽ गेल।"

11 जखन हम सभ हुनका सँ विनती आ विनती केलहुँ तँ ओ हमरा सभ पर दया करय बला आदमी जकाँ कयलनि।

12 ओ अहाँ पर कटु छथि, किएक तँ अहाँ अपन सिद्ध आ सोझ पुत्र याकूब कैँ आशीर्वाद देलहुँ। कारण, ओकरा मे कोनो बुराई नहि छैक, मात्र भलाई छैक, आ जहिया सँ ओ हारान सँ आयल छथि, तहिया सँ आइ धरि ओ हमरा सभ कैँ किछु नहि लूटने छथि, कारण ओ हमरा सभ कैँ सदिखन अपन समय मे सब किछु अनैत छथि, आ जखन हम सभ हुनकर हाथ पकड़ि लैत छी आ ओ हमरा सभ कैँ आशीर्वाद दैत छथि तखन पूरा मोन सँ आनन्दित होइत छथि, आ जहिया सँ ओ हारान सँ आयल छथि, आइ धरि हमरा सभ सँ अलग नहि भेलाह, आ ओ हमरा सभक संग निरंतर घर मे रहैत छथि।'

13 इसहाक ओकरा कहलथिन, 'हमहूँ हमरा सभक संग रहनिहार याकूबक काज सभ कैँ जनैत छी आ देखैत छी जे ओ हमरा सभक मन सँ आदर करैत छथि। मुदा हम पहिने एसाव कैँ याकूब सँ बेसी प्रेम करैत छलहुँ, किएक तँ ओ जेठ छल। मुदा आब हम एसाव सँ बेसी याकूब सँ प्रेम करैत छी, किएक तँ ओ अनेक तरहक दुष्कर्म केने छथि, आ हुनका मे कोनो धार्मिकता नहि छनि, कारण हुनकर सभटा बाट अधर्म आ हिंसा अछि, [आओर हुनका चारू कात कोनो धार्मिकता नहि छनि।]

14 आब हुनकर सभ काजक कारणेँ हमर मोन त्रस्त अछि, आ ने हुनका आ ने हुनकर वंशज उद्धार पाओत, किएक तँ ओ सभ पृथ् वी सँ नष्ट भऽ जेताह आ स् वर्गक नीचाँ सँ उखाड़ि देल जेताह, किएक तँ ओ अब्राहमक परमेश् वर कैँ छोड़ि अपन स् त्री सभक पाछाँ लागि गेल छथि आ हुनकर सभक अशुद्धताक बाद आ हुनकर सभक गलतीक बाद, ओ आ हुनकर बच्चा सभ।

15 अहाँ हमरा आज्ञा दैत छी जे ओ अपन भाय याकूब कैँ नहि मारत। भले ओ कसम खा लेत जे ओ अपन शपथक पालन नहि करत, आ नीक नहि करत, बल्कि अधलाह मात्र करत।

16 मुदा जँ ओ अपन भाय याकूब कैँ याकूबक हाथ मे मारय चाहैत छथि तँ हुनका याकूबक हाथ मे देल जायत, आ ओ हुनका हाथ सँ नहि बचि जेताह, [किएक तँ ओ हुनकर हाथ मे उतरि जेताह।]

17 याकूबक कारणेँ अहाँ नहि डेराउ। कारण, याकूबक रक्षक महान आ शक्तिशाली आ सम्मानित अछि, आ एसावक रक्षक सँ बेसी प्रशंसित अछि।'

18 तखन रिबेका पठा कऽ एसाव कैँ बजा कऽ बजौलनि आ ओ हुनका लग आबि गेलाह आ ओ हुनका कहलथिन, 'हे हमर बेटा, हमरा लग एकटा निहोरा अछि जे हम अहाँ सँ विनती करब, आ अहाँ ओकरा पूरा करबाक प्रतिज्ञा पूरा करू, हमर बेटा।'

19 ओ कहलथिन, 'अहाँ जे कहब से हम पूरा करब, आ अहाँक विनती कैँ हम ठुकरा नहि देब।'

20 ओ हुनका कहलथिन, 'हम अहाँ सँ माँगैत छी जे जाहि दिन हम मरब, अहाँ हमरा अपना मे समेटि कऽ अहाँक पिताक माय सारा लग दफना दऽ दिअ, आ अहाँ आ याकूब एक-दोसर सँ प्रेम करब आ दुनू मे सँ कियो एक-दोसरक विरुद्ध अधलाहक इच्छा नहि करब, बल्कि केवल आपसी प्रेमक इच्छा करब, आ (एहि तरहेँ) अहाँ सभ समृद्ध होयब, हमर बेटा सभ, आ देशक बीच मे सम्मानित होयब, आ कोनो दुश्मन अहाँ सभ पर आनन्दित नहि होयब, आ अहाँ सभ एकटा एहन दुश्मन बनि जायब जे सभ अहाँ सँ प्रेम करैत छथि, हुनका सभक नजरि मे आशीर्वाद आ दया।'

21 ओ कहलथिन, 'अहाँ जे किछु कहलहुँ से हम पूरा करब आ जाहि दिन अहाँ मरब ओहि दिन हमर पिताक माय सारा लग दफना देब, जेना अहाँ चाहैत छलहुँ जे हुनकर हड्डी अहाँक हड्डीक लग मे रहय।

22 हमर भाय याकूब सेहो, हम सभ शरीर सँ बेसी प्रेम करब। कारण, हमरा समस्त पृथ्वी पर कोनो भाइ नहि अछि, मात्र हुनका छोड़ि, आ जँ हम हुनका सँ प्रेम करैत छी तँ ई हमरा लेल कोनो पैघ पुण्य नहि अछि। कारण, ओ हमर भाय छथि, आ हम सभ अहाँक शरीर मे एक संग बोओल गेलहुँ, आ हम सभ एक संग अहाँक कोखि सँ निकललहुँ, आ जँ हम अपन भाय सँ प्रेम नहि करब तऽ हम केकरा सँ प्रेम करब?

23 हम, स्वयं अहाँ सँ याकूब कैँ हमरा आ हमर पुत्र सभक विषय मे आग्रह करबाक लेल आग्रह करैत छी, किएक तँ हम जनैत छी जे ओ हमरा आ हमर पुत्र सभ पर निश्चित रूप सँ राजा बनताह, कारण जाहि दिन हमर पिता हुनका आशीर्वाद देलथिन, ओ हुनका उच्च आ हमरा नीचाँ बना देलनि।

24 हम अहाँक कसम खाइत छी जे हम हुनका सँ प्रेम करब, आ जीवन भरि हुनका विरुद्ध अधलाहक इच्छा नहि करब, बल् कि मात्र नीकक इच्छा करब।'

25 ओ एहि सभ विषय मे हुनका शपथ लेलनि। ओ एसावक नजरि मे याकूब कैँ बजा कऽ एसाव कैँ जे बात कहने छलीह, ताहि अनुसारेँ ओकरा आज्ञा देलथिन।

26 ओ कहलथिन, 'हम अहाँक मन मे काज करब। हमरा विश्वास करू जे एसावक विरुद्ध हमरा वा हमर पुत्र सभक कोनो अधलाह नहि निकलत, आ हम प्रेम छोड़ि किछुओ मे पहिल रहब।'

27 ओ सभ ओहि राति ओ आ ओकर बेटा सभ खाइत-पीबैत छल आ ओहि राति तीन जयंती एक सप्ताह आ एक वर्षक उम्र मे मरि गेल आ ओकर दुनू बेटा एसाव आ याकूब ओकरा अपन पिताक माय साराक समीप दोहरी गुफा मे गाड़ि देलक।

अध्याय 36

1 एहि सप्ताहक छठम वर्ष [2162 AM] इसहाक अपन दुनू बेटा एसाव आ याकूब कैँ बजौलनि, आ ओ सभ हुनका लग आबि गेलाह, आ ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन: 'हमर बेटा सभ, हम अपन पूर्वज सभक बाट पर जा रहल छी, ओहि अनन्त घर मे, जतय हमर पूर्वज छथि।

2 तेँ हमरा हमर पिता अब्राहमक समीप, हित्ती एफ्रोनक खेत मे दू गुफा मे दफना दिअ, जतय अब्राहम गाड़बाक लेल एकटा कब्र कीनने छलाह। जाहि कब्र मे हम अपना लेल खोदने रही, ओहि मे हमरा ओतहि गाड़ि दियौक।

3 हमर पुत्र सभ, हम अहाँ सभ कैँ ई आज्ञा दैत छी जे अहाँ सभ पृथ् वी पर धार्मिकता आ सोझताक पालन करू, जाहि सँ प्रभु अहाँ सभ पर ओ सभ किछु आनि सकथि जे प्रभु अब्राहम आ हुनकर वंशजक संग कहने छलाह।

4 हे हमर बेटा सभ, अहाँ सभक भाइ सभ सँ एक-दोसर सँ प्रेम करू जेना अपन प्राण सँ प्रेम करैत अछि, आ प्रत्येक अपन भाय कैँ जे किछु लाभ पहुँचाबय, तकरा खोजू आ पृथ् वी पर एक संग काज करू। आ एक-दोसर कैँ अपन आत्मा जकाँ प्रेम करथि।

5 मूर्तिक प्रश्नक विषय मे हम अहाँ सभ कैँ आज्ञा आ उपदेश दैत छी जे ओकरा सभ कैँ अस्वीकार करू आ ओकरा सभ सँ घृणा करू आ ओकरा सभ सँ प्रेम नहि करू, किएक तँ ओ सभ मूर्ति सभक आराधना करयवला आ ओकरा सभक समक्ष प्रणाम करयवला सभक लेल धोखा सँ भरल अछि।
6 हमर पुत्र सभ, अहाँ सभक पिता अब्राहमक प्रभु परमेश् वर कैँ मोन राखू, आ हमहूँ हुनकर आराधना केलहुँ आ धार्मिकता आ आनन्द मे हुनकर सेवा केलहुँ, जाहि सँ ओ अहाँ सभ कैँ बढ़ाबथि आ अहाँ सभक बीया कैँ स् वर्गक तारा जकाँ बढ़ा सकथि आ पृथ् वी पर अहाँ सभ कैँ धार्मिकताक पौधाक रूप मे स्थापित करथि जे सभ पीढ़ी धरि सदाक लेल जड़ि सँ नहि उखाड़ि सकब।
7 आब हम अहाँ सभ कैँ एकटा पैघ शपथ ग्रहण करब -किएक तँ एहि सँ पैघ कोनो शपथ नहि अछि जे गौरवशाली आ सम्मानित आ महान आ भव्य आ अद्‌भुत आ पराक्रमी नाम सँ हो, जे आकाश आ पृथ्वी आ सभ वस्तु कैँ एक संग सृष्टि केने अछि- जे अहाँ सभ हुनका सँ डेरब आ हुनकर आराधना करब।
8 आ एक-एकटा अपन भाय कैँ स्नेह आ धार्मिकता सँ प्रेम करत, आ कियो अहाँ सभक जीवन भरि अनन्त काल धरि अपन भाय पर दुष् टताक इच्छा नहि करत जाहि सँ अहाँ सभ अपन सभ काज मे सफल भऽ सकब आ नष्ट नहि भऽ जायब।
9 जँ अहाँ सभ मे सँ कियो अपन भाय पर अधलाह योजना बनाओत तँ ई जानि लिअ जे आब सँ जे कियो अपन भाय पर अधलाह योजना बनाओत से ओकर हाथ मे पड़ि जायत आ जीवित लोकक देश सँ जड़ि सँ उखाड़ि देल जायत आ ओकर संतान स् वर्गक नीचाँ सँ नष्ट भऽ जायत।
10 मुदा उथल-पुथल आ निन्दा आ क्रोध आ क्रोधक दिन, जहिना सदोम कैँ जरा देलनि, तहिना ओ अपन देश आ अपन नगर आ अपन सभ किछु जरा देत, आ मनुष् यक संतानक अनुशासनक पुस्तक मे सँ मेटा देल जायत, आ जीवनक पुस्तक मे नहि लिखल जायत, बल् कि जे विनाशक लेल निर्धारित अछि, ताहि मे ओ अनन्त मे विदा भ' जायत निंदा करब; जाहि सँ हुनका लोकनिक निन्दा सदिखन घृणा मे आ निन्दा मे आ क्रोध मे आ यातना मे आ आक्रोश मे आ विपत्ति मे आ रोग मे सदिखन नवीन भ' जाय।
11 हमर बेटा सभ, हम अहाँ सभ कैँ ओहि न्यायक अनुसार कहैत छी आ गवाही दैत छी जे अपन भाय कैँ चोट पहुँचाबऽ चाहैत अछि।
12 ओहि दिन ओ अपन सभ सम्पत्ति दुनू गोटेक बीच बाँटि देलथिन आ ओहि सँ पैघ भाग ओहि जेठका बच्चा कैँ दऽ देलथिन, बुर्ज आ ओकर आसपासक सभटा वस्तु आ शपथक इनार मे अब्राहम कैँ जे किछु छलनि।
13 ओ कहलथिन, 'ई पैघ हिस्सा हम जेठ बच्चा कैँ देब।'
14 एसाव कहलथिन, 'हम याकूब कैँ बेचि कऽ अपन ज्येष्ठता याकूब कैँ दऽ देलहुँ। ओकरा देल जाय, आ एहि विषय मे हमरा लग एकोटा शब्द नहि अछि, कारण ई ओकरे अछि।'
15 इसहाक कहलथिन, "हे हमर पुत्र सभ, अहाँ सभ आ अहाँक वंशज सभ पर आइ आशीर्वाद रहय, किएक तँ अहाँ सभ हमरा विश्राम दऽ देलहुँ, आ ज्येष्ठ अधिकारक विषय मे हमर मोन दुखी नहि अछि, जाहि सँ अहाँ सभ एहि कारणेँ दुष्टता नहि कऽ सकब।"
16 परमेश् वर परमेश् वर धार्मिकताक काज करऽ वला मनुष् य कैँ आ ओकर वंशज कैँ सदाक लेल आशीर्वाद देथिन।'
17 ओ सभ हुनका सभ कैँ आज्ञा दऽ आशीर्वाद देलथिन, आ ओ सभ हुनका सभ कैँ एक संग खाइत-पीबैत छलाह, आ ओ सभ आनन्दित भऽ गेलाह, किएक तँ हुनका सभक बीच एकेटा विचार छलनि आ ओ सभ हुनका सभ सँ बाहर निकलि ओहि दिन विश्राम कयलनि आ सुति गेलाह।
18 इसहाक ओहि दिन आनन्दित भऽ कऽ अपन बिछौन पर सुति गेलाह। ओ अनन्त नींद सुति गेलाह आ एक सय अस्सी वर्षक उम्र मे मरि गेलाह। पच्चीस सप्ताह पाँच साल पूरा केलनि; हुनकर दुनू पुत्र एसाव आ याकूब हुनका गाड़ि देलथिन।
19 एसाव एदोम देश, सेइर पहाड़ पर गेलाह आ ओतहि रहि गेलाह।
20 याकूब अपन पिता अब्राहमक प्रवासक देशक बुर्ज मे हेब्रोनक पहाड़ मे रहैत छलाह आ ओ अपन पीढ़ीक दिनक बँटवारा जकाँ प्रभुक आराधना पूरा मोन सँ आ दृश्यमान आज्ञाक अनुसार करैत छलाह।
21 पैंतालीसम जयंतीक दोसर सप्ताहक चारिम वर्ष मे हुनकर पत्नी लीआक मृत्यु भ' गेलनि, आ ओ ओकरा अपन माय रेबेकाक समीप अपन पिताक माय साराक कब्रक बामा कात दोहरी गुफा मे दफना देलनि
22 ओकर सभ बेटा आ ओकर बेटा सभ हुनका संग हुनकर पत्नी लीआ पर शोक करबाक लेल आ हुनका विषय मे हुनका सान्त्वना देबय लेल आबि गेलाह, किएक तऽ ओ हुनका विलाप कऽ रहल छलाह, कारण हुनकर बहिन राहेलक मृत्युक बाद ओ हुनका सँ बहुत प्रेम करैत छलाह।
23 किएक तँ ओ अपन सभ बाट मे सिद्ध आ सोझ छलीह आ याकूबक आदर करैत छलीह, आ जतेक दिन हुनका संग रहैत छलीह, हुनका मुँह सँ कोनो कठोर शब्द नहि सुनलनि, किएक तँ ओ कोमल आ शांतिप्रिय आ सोझ आ आदरणीय छलीह।
24 ओ हुनकर जीवन मे कयल गेल सभ काज कैँ मोन पाड़लनि आ हुनका पर बहुत विलाप कयलनि। कारण, ओ ओकरा सँ पूरा मोन आ पूरा प्राण सँ प्रेम करैत छल।

अध्याय 37

1 जाहि दिन याकूब आ एसावक पिता इसहाक मरि गेलाह, [2162 AM] एसावक पुत्र सभ सुनलनि जे इसहाक जेठकाक हिस्सा अपन छोटका पुत्र याकूब कैँ द' देने छथि आ ओ सभ बहुत क्रोधित भ' गेलाह।
2 ओ सभ अपन पिता सँ झगड़ा कऽ कऽ कहलथिन, 'अहाँक पिता याकूब कैँ जेठक भाग किएक दऽ कऽ अहाँ पर चढ़ि गेलाह, यद्यपि अहाँ जेठ आ याकूब छोट छी?'
3 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, 'किएक तँ हम अपन ज्येष्ठ अधिकार याकूब कैँ मसूरक छोट सन गंदगी मे बेचि देलहुँ, आ जाहि दिन हमर पिता हमरा शिकार करबाक लेल पठौलनि आ ओकरा लेल किछु एहन चीज आनय लेल पठौलनि जे ओ हमरा खाय आ आशीर्वाद देथि, ओ छल-प्रपंच सँ आबि हमर पिता कैँ भोजन-पान अनलनि, आ हमर पिता हुनका आशीर्वाद देलनि आ हमरा अपन हाथ मे राखि देलनि।
4 आब हमरा सभक पिता हमरा सभ कैँ शपथ दऽ देलनि अछि जे हम सभ अपन भाइ पर सेहो कोनो तरहक अधलाह कल्पना नहि करब, आ हम सभ एक-एकटा अपन भाय संग प्रेम आ शांति मे रहब आ अपन बाट कैँ भ्रष्ट नहि करब।'
5 ओ सभ हुनका कहलथिन, 'हम सभ हुनका संग मेल-मिलाप करबाक लेल अहाँक बात नहि सुनब। कारण, हमरा सभक

सामर्थ् य हुनकर सामर्थ् य सँ बेसी अछि, आ हम सभ हुनका सँ बेसी शक्तिशाली छी। हम सभ ओकरा विरुद्ध जा कऽ ओकरा मारि देब आ ओकरा आ ओकर पुत्र सभ कैँ नष्ट कऽ देब।" जँ अहाँ हमरा सभक संग नहि जायब तँ हम सभ अहाँ कैँ सेहो आहत करब।"
6 आब हमरा सभक बात सुनू, हम सभ अराम, फिलिस्ती, मोआब आ अम्मोन कैँ पठाबी, आ अपना लेल चुनल गेल लोक सभ कैँ चुनी जे युद्धक लेल उत्सुक हो, आ ओकरा विरुद्ध जा कऽ ओकरा संग युद्ध करब, आ ओकरा मजबूत होयबा सँ पहिने ओकरा पृथ्वी सँ समाप्त कऽ दियौक।'
7 हुनका सभक पिता हुनका सभ कैँ कहलथिन, 'नहि जाउ आ हुनका सँ युद्ध नहि करू, जाहि सँ अहाँ सभ हुनका सामने नहि खसि पड़ब।'
8 ओ सभ हुनका कहलथिन, 'जवानी सँ आइ धरि ठीक ई अहाँक काज अछि, आ अहाँ अपन गरदनि हुनकर जुआक नीचाँ राखि रहल छी।
9 हम सभ ई बात सभ नहि सुनब।' ओ सभ अपन पिताक मित्र कैँ अराम आ अदुराम मे पठौलनि, आ अपना सभक संग एक हजार लड़ाकू, चुनल युद्धक लोक कैँ राखि लेलनि।
10 मोआब आ अम्मोन वंशज मे सँ एक हजार चुनल-चुनल आदमी आ पलिश् ती सँ एक हजार चुनल-चुनल युद्धकर्मी आ एदोम आ होरी मे सँ एक हजार चुनल गेल युद्धकर्मी आ कित्तीम सँ युद्धक पराक्रमी हुनका सभक लग आबि गेलाह।
11 ओ सभ अपन पिता कैँ कहलथिन, "ओ सभ हुनका सभक संग जाउ आ हुनका सभक नेतृत्व करू, नहि तँ हम सभ अहाँ कैँ मारि देब।'
12 ओ ई देखि कऽ क्रोध आ क्रोध सँ भरल भऽ गेलाह जे हुनकर पुत्र सभ हुनका सभ कैँ अपन भाय याकूबक विरुद्ध आगू बढ़बाक लेल बाध्य कऽ रहल छथि।
13 मुदा तकर बाद ओ अपन भाय याकूबक विरुद्ध अपन हृदय मे नुकायल सभ दुष् ट बात मोन पाड़लनि। आ ओकरा ओ शपथ मोन नहि पड़लैक जे ओ अपन पिता आ मायक संग जे शपथ ग्रहण केने छल जे ओ अपन भाय याकूबक विरुद्ध अपन भरि दिन कोनो बुराई नहि सोचत।
14 एहि सभ बातक बादो याकूब कैँ ई नहि बुझल छलनि जे ओ सभ हुनका सँ युद्ध मे आबि रहल छथि आ ओ अपन पत्नी लीआक शोक मना रहल छलाह, जाबत धरि ओ सभ चारि हजार योद्धा आ चुनल गेल युद्धक पुरुषक संग बुर्जक बहुत नजदीक नहि पहुँचि गेलाह।
15 हेब्रोनक लोक सभ हुनका लग पठौलनि जे, 'देखू, तोहर भाय तलवार सँ बान्हल चारि हजार आदमी अहाँ सँ लड़य लेल आयल अछि आ ओ सभ ढाल आ हथियार लऽ कऽ चलैत अछि'। किएक तँ ओ सभ एसावसँ बेसी याकूबसँ प्रेम करैत छल। तेँ ओ सभ हुनका कहलथिन; कारण, याकूब एसाव सँ बेसी उदार आ दयालु लोक छलाह।
16 मुदा याकूब ताबत धरि विश् वास नहि करऽ लगलाह जाबत धरि ओ सभ बुर्जक बहुत नजदीक नहि पहुँचि गेलाह।
17 ओ बुर्जक फाटक सभ बन्न कऽ देलनि। ओ युद्धक मैदान पर ठाढ़ भ' क' अपन भाय एसाव सँ बजलाह, 'हम जे सान्त्वना सँ अहाँ हमर मरि गेल पत्नीक लेल हमरा सान्त्वना देबय लेल आयल छी से उदात्त अछि।" की ई ओ शपथ अछि जे अहाँ हुनका सभक मृत्यु सँ पहिने अपन पिता कैँ आ फेर अपन माय कैँ शपथ लेने रही? अहाँ शपथ तोड़ि देलहुँ, आ जहिया अहाँ अपन पिताक शपथ लेलहुँ, तखनहि अहाँक दोषी ठहराओल गेल।'
18 तखन एसाव हुनका उत्तर देलथिन, 'नहि मनुष्यक सन्तान आ ने पृथ् वीक जानवरक कोनो एहन धार्मिकताक शपथ नहि अछि जे शपथ खा कऽ ओ सभ सदा-सदा लेल शपथ लेने होथि। मुदा सभ दिन एक-दोसरक विरुद्ध बुराईक कल्पना करैत छथि, आ एक-एक गोटे अपन शत्रु आ शत्रु कैँ कोना मारि सकैत छथि।
19 अहाँ हमरा आ हमर बच्चा सभ कैँ अनन्त काल धरि घृणा करैत छी। आ तोरा संग भाइ-बहिनक संबंधक पालन नहि।
20 हम अहाँ कैँ ई बात सुनू जे जँ सुअर अपन चमड़ा बदलि सकैत अछि आ अपन बाल कैँ ऊन जकाँ कोमल बना सकैत अछि, वा जँ हरन वा बरदक सींग जकाँ माथ पर सींग अंकुरित क' सकैत अछि, तखन हम अहाँ सँ भाइ-बहिनक बंधन कैँ पालन करब, आ जँ स्तन अपन माय सँ अलग भ' गेल छल, कारण अहाँ हमरा लेल भाइ नहि रहलहुँ।
21 जँ भेड़िया मेमना सभक संग एहन मेल-मिलाप कऽ लेत जे ओकरा सभ कैँ नहि खा जाय वा ओकरा सभ कैँ हिंसा नहि करय, आ जँ ओकर सभक मोन ओकरा सभक प्रति सदाक लेल रहतैक, तखन हमर मोन मे अहाँ सभक प्रति शान्ति होयत।
22 जँ सिंह बैलक मित्र बनि ओकरा संग मेल-मिलाप करत, आ जँ ओकरा संग एक जुआ मे बान्हल रहत आ ओकरा संग जोत करत, तखन हम अहाँ सँ मेल-मिलाप करब।
23 जखन काग रजा जकाँ उज्जर भऽ जायत, तखन ई जानि लिअ जे हम अहाँसँ प्रेम केलहुँ, आ अहाँसँ मेल-मिलाप करब, अहाँकैँ जड़ि सँ उखाड़ि देल जायत, आ अहाँक बेटा सभ जड़ि सँ उखाड़ि देल जायत, आ अहाँक लेल कोनो शान्ति नहि होयत।'
24 जखन याकूब देखलक जे ओ ओकरा प्रति अपन हृदय सँ आ पूरा प्राण सँ ओकरा मारबाक लेल (एतेक) दुष्ट प्रवृत्ति रखैत अछि आ ओ जंगली सुअर जकाँ उछलैत आबि गेल अछि जे भाला पर आबि ओकरा छेदि कऽ मारि दैत अछि आ ओकरा सँ पाछू नहि हटि जाइत अछि।
25 तखन ओ अपन आ अपन नोकर सभ सँ कहलथिन जे ओ सभ हुनका आ हुनकर सभ संगी सभ पर आक्रमण करथि।

अध्याय 38

1 तकर बाद यहूदा अपन पिता याकूब सँ कहलथिन आ कहलथिन, 'हे पिता, अपन धनुष मोड़, आ अपन बाण पठाउ आ शत्रु कैँ नीचाँ फेकि दियौक आ शत्रु कैँ मारि दियौक। आ तोरा शक्ति हो, किएक तँ हम सभ तोहर भाइकैँ नहि मारब, किएक तँ ओहो तोरे सन अछि, आ ओ तोरे जकाँ अछि, हम सभ ओकरा (ई) सम्मान दिअ।'
2 तखन याकूब अपन धनुष मोड़ि कऽ बाण पठौलनि आ अपन भाय एसाव कैँ (ओकर दहिना छाती पर) मारि कऽ मारि देलनि।
3 ओ फेर बाण पठौलनि आ 'अदोरन' अरामियन कैँ बामा छाती पर प्रहार कयलनि आ ओकरा पाछू भगा क' मारि देलनि।
4 तखन याकूबक बेटा सभ आ ओकर नोकर सभ बुर्जक चारू कात दल मे बँटि गेलाह।
5 यहूदा आगू बढ़लाह, आ हुनका संग नफ्ताली आ गाद आ हुनका संग पचास टा नौकर-गुर्जक दक्षिण दिस बढ़लाह, आ ओ सभ जे किछु भेटल छल, तकरा मारि देलक, मुदा एको व्यक्ति नहि बचि सकल।

6 लेवी आ दान आ आशेर आ पचास गोटेक संग बुर्जक पूब दिस बढ़लाह आ ओ सभ मोआब आ अम्मोनक लड़ाकू सभ कैँ मारि देलनि।
7 रूबेन, इस्साकर आ जब्लून आ पचास आदमीक संग बुर्जक उत्तर दिस बढ़लाह आ ओ सभ पलिस्तीक लड़ाकू सभ कैँ मारि देलक।
8 शिमोन आ बिन्यामीन आ रूबेनक पुत्र हनोक आ पचास गोटेक संग बुर्जक पश्चिम दिस बढ़लाह आ ओ सभ एदोम आ होरी मे सँ चारि सय आदमी, जे मोटगर योद्धा छलाह। छह सय भागि गेल आ एसावक चारिटा पुत्र हुनका सभक संग भागि गेल आ अपन पिता कैँ मारल पड़ल छोड़ि देलक, जेना ओ अदुरामक पहाड़ी पर खसल छल।
9 याकूबक पुत्र सभ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ सेइर पहाड़ धरि पहुँचि गेलाह। याकूब अपन भाय कैँ अदुरामक पहाड़ी पर गाड़ि देलनि आ ओ अपन घर वापस आबि गेलाह।
10 याकूबक पुत्र सभ सेइर पहाड़ पर एसावक पुत्र सभ पर जोर सँ दबा देलक आ गरदनि झुका लेलक जाहि सँ ओ सभ याकूबक पुत्र सभक सेवक बनि गेल।
11 ओ सभ अपन पिता लग पठौलनि जे पूछताछ करथि जे की हुनका सभ सँ मेल-मिलाप करथि आ कि हुनका सभ कैँ मारि देबनि।
12 याकूब अपन पुत्र सभ कैँ ई बात पठौलनि जे ओ सभ मेल-मिलाप करथि, आ ओ सभ हुनका सभक संग मेल-मिलाप कयलनि आ हुनका सभ पर दासताक जुआ लगा देलनि, जाहि सँ ओ सभ याकूब आ हुनकर पुत्र सभ कैँ सदिखन कर देलनि।
13 जाबत धरि याकूब मिस्र देश नहि गेलाह, ताबत धरि ओ सभ याकूब कैँ कर दैत रहलाह।
14 एदोमक बेटा सभ आइ धरि ओहि दासताक जुआ सँ नहि मुक्त भेल अछि जे याकूबक बारह पुत्र ओकरा सभ पर लगा देने छल।
15 ई सभ राजा सभ छथि जे एदोम देश मे इस्राएलक सन्‌ तान सभ पर कोनो राजा राज्य करबा सँ पहिने एदोम मे राज करैत छलाह।
16 बेओरक पुत्र बालाक एदोम मे राज केलक आ ओकर नगरक नाम दानबा छल।
17 बालकक मृत्यु भऽ गेलनि आ हुनका बदला मे बोसेरक जराक पुत्र जोबाब राज केलनि।
18 अयबाबक मृत्यु भऽ गेलनि आ हुनकर बदला मे तेमान देशक असम राज केलनि।
19 असम मरि गेल आ बरदक पुत्र अदाथ जे मोआबक खेत मे मिदियान कैँ मारि देलक, ओकर बदला मे राज केलक आ ओकर नगरक नाम अवीत छलैक।
20 आदाथ मरि गेल आ ओकर बदला मे अमासेका सँ सलमान राज केलक।
21 सलमान मरि गेल, आ ओकर जगह पर राबोत (नदीक कात मे) राबोतक साउल राज केलक।
22 तखन साउल मरि गेलाह आ हुनका बदला मे अकबोरक पुत्र बाएलुनन राज केलनि।
23 अचबोरक पुत्र बएलुनान मरि गेलाह आ हुनकर बदला मे अदाथ राज केलनि आ हुनकर पत्नीक नाम मेताबेदजाबक बेटी मतरातक बेटी मैताबीत छलनि।
24 ई सभ राजा सभ छथि जे एदोम देश मे राज करैत छलाह।

अध्याय 39

1 याकूब अपन पिताक प्रवासक देश मे कनान देश मे रहैत छलाह। ई सभ याकूबक पीढ़ी अछि।
2 यूसुफ सत्रह वर्षक छलाह जखन ओ सभ हुनका मिस्र देश मे ल' गेलाह, तखन फिरौनक नपुंसक पोतिफर हुनका कीनि लेलनि।
3 ओ यूसुफ कैँ अपन समस्त घरक ऊपर राखि देलनि आ यूसुफक कारणेँ मिस्रक घर पर प्रभुक आशीष आबि गेलनि आ प्रभु हुनका सभटा काज मे फलित कयलनि।
4 मिस्रवासी सभ किछु यूसुफक हाथ मे सौंप देलक। किएक तँ ओ देखि रहल छल जे प्रभु हुनका संग छथि आ हुनकर सभ काज मे प्रभु हुनका समृद्धि दैत छथिन।
5 यूसुफक रूप-रंग सुन्दर छल [आ ओकर रूप बहुत सुन्दर छल] आ ओकर मालिकक पत्नी आँखि उठा कऽ यूसुफ कैँ देखलक आ ओ ओकरा सँ प्रेम कयलक आ ओकरा संग सुतबाक लेल विनती कयलक।
6 मुदा ओ अपन प्राण कैँ समर्पण नहि कयलनि, आ ओ प्रभु आ ओहि बात सभक स्मरण कयलनि जे हुनकर पिता याकूब अब्राहमक वचन मे सँ पढ़ैत छलाह जे पति वाला स्‌ त्रीक संग कोनो पुरुष व्यभिचार नहि करथि। कि ओकरा लेल परम परमेश्‌ वरक समक्ष स्वर्ग मे मृत्युक सजा निर्धारित कयल गेल अछि आ प्रभुक समक्ष अनन्त पुस्तक मे हुनका विरुद्ध पाप लिखल रहत।
7 यूसुफ एहि बात सभ कैँ मोन पाड़ि कऽ ओकरा संग सुतय सँ मना कऽ देलथिन।
8 ओ एक साल धरि हुनका सँ विनती कयलनि, मुदा ओ मना नहि कयलनि आ नहि सुनलनि।
9 मुदा ओ ओकरा गला लगा कऽ घर मे मजबूती सँ पकड़ि लेलक जाहि सँ ओकरा अपना संग सुतय लेल बाध्य कऽ देलक आ घरक दरबज्जा बन्न कऽ ओकरा पकड़ि लेलक। मुदा ओ अपन वस्त्र ओकर हाथ मे छोड़ि दरबज्जा तोड़ि कऽ ओकर सोझाँ सँ बाहर भागि गेल।
10 ओ स्‌ त्री देखलक जे ओ ओकरा संग नहि सुतय, आ ओ अपन मालिकक सोझाँ हुनका निन्दा करैत कहलक जे, 'तोहर इब्रानी सेवक, जकरा सँ अहाँ प्रेम करैत छी, हमरा जबरदस्ती करबाक प्रयास केलक जे ओ हमरा संग सुतय। जखन हम आवाज उठेलहुँ तखन ओ भागि गेल आ जखन हम ओकरा पकड़लहुँ तखन ओ अपन वस्त्र हमरा हाथ मे छोड़ि गेल आ ओ दरबज्जा तोड़ि देलक।'
11 मिस्रवासी यूसुफक वस्त्र आ टूटल-फूटल दरबज्जा देखि अपन पत्नीक बात सुनि यूसुफ कैँ ओहि ठाम जेल मे राखि देलक जतय राजा जे कैदी सभ कैँ राखल गेल छल।
12 ओ ओतहि जेल मे छलाह। परमेश्‌ वर जेलक पहरेदारक मुखिया सभक नजरि मे यूसुफ कैँ अनुग्रह आ दया देलनि, किएक तँ ओ देखलनि जे प्रभु हुनका संग छथि आ प्रभु हुनकर सभ काज कैँ सफल बना देलनि।
13 ओ सभ किछु अपना हाथ मे सौंपि देलथिन, आ जेलक पहरेदारक मुखिया सभ कैँ हुनका संग किछुओ नहि बुझल छलनि, किएक तँ यूसुफ सभ काज करैत छलाह आ प्रभु एकरा सिद्ध कयलनि।

14 ओ दू वर्ष धरि ओतहि रहलाह। ओहि समय मे मिस्रक राजा फिरौन अपन दुनू नपुंसक, प्रमुख भोज आ मुख्य बेकर पर क्रोधित भS गेलाह आ ओ ओकरा सभ कैँ मुख्य भनसा घर मे, जतऽ यूसुफ कैँ राखल गेल छल, ओहि मे राखि देलनि।
15 जेलक पहरेदारक प्रमुख यूसुफ कैँ हुनका सभक सेवा करबाक लेल नियुक्त कयलनि। ओ हुनका सभक समक्ष सेवा करैत छलाह।
16 दुनू गोटे एकटा सपना देखलनि, जे मुख्य भोज आ मुख्य बेकर छल, आ ओ सभ यूसुफ कैँ सुनौलनि।
17 जखन ओ हुनका सभ कैँ व्याख्या करैत छलाह, तेना हुनका सभक संग भेलनि, आ फिरौन हुनका सभ कैँ अपन पद पर राखि देलथिन, जेना यूसुफ हुनका सभ कैँ व्याख्या केने छलाह।
18 मुदा मुख्य खबास जेल मे यूसुफ कैँ बिसरि गेलाह, यद्यपि ओ हुनका पर की हेतैक से हुनका सूचित कऽ देने छलाह, आ यूसुफ हुनका कोना कहने छलाह, से फारो कैँ ई कहब मोन नहि पड़लनि, किएक तँ ओ बिसरि गेल छलाह।

अध्याय 40

1 ओहि दिन मे फिरौन एक राति मे दू टा सपना देखलनि जे पूरा देश मे होबय बला अकाल के विषय मे छल, आ ओ अपन नींद सँ जागि गेलाह आ मिस्र मे सपना के सब व्याख्या करय वाला आ जादूगर के बजा क’ हुनका सब कैँ अपन दुनू सपना सुनौलनि, मुदा ओ सब (ओ सब सपना) नहि कहि सकलाह।
2 तखन मुख्य खबास यूसुफ कैँ मोन पाड़लनि आ राजा सँ हुनका बारे मे बात कयलनि, आ ओ हुनका जेल सँ बाहर अनलनि आ ओ अपन दुनू सपना हुनका सोझाँ देखौलनि।
3 ओ फिरौनक समक्ष कहलथिन जे हुनकर दुनू सपना एकेटा छलनि, आ ओ हुनका कहलथिन: ‘सात वर्ष आओत (जखन मे पूरा मिस्र देश मे प्रचुरता होयत, आ सात वर्षक बाद अकाल, एहन अकाल जे पूरा देश मे नहि भेल अछि।”
4 आब फिरौन पूरा मिस्र देश मे पर्यवेक्षक नियुक्त करथि, आ ओ सभ प्रचुरताक वर्षक दिन मे प्रत्येक नगर मे भोजन जमा करथि, आ सात वर्षक अकाल मे भोजन होयत, आ अकाल मे देश नष्ट नहि होयत, कारण ई बहुत भयंकर होयत।’
5 परमेश् वर यूसुफ कैँ फिरौनक नजरि मे अनुग्रह आ दया देलनि आ फिरौन अपन सेवक सभ कैँ कहलथिन। एहि आदमी सन बुद्धिमान आ विवेकी आदमी हमरा सभ कैँ नहि भेटत, कारण प्रभुक आत् मा हुनका संग छथि।'
6 ओ हुनका अपन समस्त राज् य मे दोसर नियुक्त कयलनि आ समस्त मिस्र पर अधिकार देलनि आ फिरौनक दोसर रथ पर सवार कयलनि।
7 ओ ओकरा बाइसस वस्त्र पहिरि लेलक, आ ओकर गरदनि मे सोनाक जंजीर लगा देलक, आ (एकटा प्रचारक) ओकरा सोझाँ मे घोषणा कयलक जे ' 'एल 'एल वा 'अबिरेर', आ ओकर हाथ पर एकटा अंगूठी राखि ओकरा अपन समस्त घरक शासक बना देलक आ ओकरा महिमा क' क' कहलक। 'हम मात्र सिंहासन पर अहाँ सँ पैघ रहब।'
8 यूसुफ समस्त मिस्र देश पर शासन करैत छलाह, फिरौनक सभ राजकुमार, हुनकर सभ नौकर आ राजाक काज करयवला सभ हुनका सँ प्रेम करैत छलाह, किएक तँ ओ सोझ मे चलैत छलाह, किएक तँ ओ घमंड आ घमंड नहि करैत छलाह, आ व्यक्तिक प्रति कोनो आदर नहि करैत छलाह, आ वरदान नहि लैत छलाह, मुदा ओ ओहि देशक समस्त लोकक न्याय करैत छलाह।
9 यूसुफक कारणेँ मिस्र देश फिरौनक समक्ष शान्ति मे छल, किएक तँ प्रभु हुनका संग छलाह आ हुनका चिन्हनिहार आ हुनकर विषय मे सुननिहार सभक समक्ष हुनकर सभ पीढ़ीक लेल अनुग्रह आ दया देलनि, आ फिरौनक राज्य नीक जकाँ व्यवस्थित छल, आ ने शैतान आ कोनो दुष्ट व्यक्ति (ओहि मे) नहि छल।
10 राजा यूसुफक नाम सेफन्टिफन रखलनि आ हेलिओपोलिसक पुरोहित पोटिफरक बेटी यूसुफ कैँ पत्नी बना देलनि।
11 जाहि दिन यूसुफ फिरौनक समक्ष ठाढ़ छलाह, ओ तीस वर्षक छलाह [जखन ओ फिरौनक समक्ष ठाढ़ छलाह।
12 ओहि वर्ष इसहाक मरि गेलाह। जेना यूसुफ अपन दुनू सपनाक व्याख्या मे कहने छलाह, जेना ओ कहने छलाह, पूरा मिस्र देश पर सात वर्ष धरि भरमार छल, आ मिस्र देश मे प्रचुर मात्रा मे उत्पादन भेल, एक नाप (उत्पादन) अठारह सय नाप।
13 यूसुफ हर नगर मे भोजन जमा करैत रहलाह जाबत धरि ओ सभ धान्य सँ भरि नहि गेल जाबत धरि ओ सभ आब ओकर भीड़क हिसाब सँ ओकरा गिनती नहि कऽ सकलाह।

अध्याय 41

1 पैंतालीसम जुबली मे, दोसर सप्ताह मे, दोसर वर्ष मे, [2165 AM] यहूदा अपन पहिल पुत्र एर, अरामक बेटी मे सँ तामार नामक पत्नी कैँ ल’ लेलनि।
2 मुदा ओ घृणा करैत छल आ ओकरा संग नहि सुतैत छल, किएक तँ ओकर माय कनानक बेटी मे सँ छल, आ ओकरा अपन मायक रिश्तेदार मे सँ पत्नी बनाबय चाहैत छल, मुदा ओकर पिता यहूदा ओकरा अनुमति नहि देलक।
3 यहूदाक जेठका एर दुष्ट छल आ प्रभु ओकरा मारि देलक।
4 यहूदा ओकर भाय ओनान कैँ कहलथिन, ‘अपन भाइक पत्नी लग जाउ आ ओकरा लेल पतिक भाइक कर्तव्य पूरा करू।
5 ओनान कैँ बुझल छलनि जे ओ बीया ओकर नहि, (मुल् कि) मात्र ओकर भायक होयत, आ ओ अपन भाइक पत्नीक घर मे जा क’ बीया कैँ जमीन पर उझलि देलक आ प्रभुक नजरि मे ओ दुष्ट छल आ ओकरा मारि देलक।
6 यहूदा अपन पुतोहु तामार कैँ कहलथिन, ‘जा धरि हमर बेटा शेला पैघ नहि भऽ जायत, ताबत धरि तोहर पिताक घर मे विधवा बनि रहू।”
7 ओ पैघ भेलाह। मुदा यहूदाक पत्नी बेदसुएल अपन बेटा शेला कैँ विवाह करबाक अनुमति नहि देलनि। यहूदाक पत्नी बेदसुएल एहि सप्ताहक पाँचम वर्ष मे [2168 AM] मरि गेलीह।
8 छठम वर्ष मे यहूदा तिम्ना मे अपन भेँड़ा काटय लेल चलि गेलाह। [2169 AM] तखन ओ सभ तामार कैँ कहलथिन, 'देखू, अहाँक ससुर अपन भेँड़ा कतरबाक लेल तिम्ना मे जा रहल छथि।'
9 ओ अपन विधवाक वस्त्र उतारि कऽ घूंघट पहिरि कऽ सजौलीह आ तिमना दिसक बाट सँ सटल फाटक मे बैसि गेलीह।
10 जखन यहूदा जा रहल छल तखन ओ ओकरा पाबि गेल आ ओकरा वेश्या बुझलक आ ओकरा कहलक: ‘हमरा तोहर लग आबि जाउ’। ओ ओकरा कहलथिन जे भीतर आबि जाउ,’ ओ भीतर गेलाह।

11 ओ हुनका कहलथिन, 'हमरा हमर भाड़ा दिअ'। आ ओ ओकरा कहलथिन, 'हमरा हाथ मे हमर आँगुर पर राखल अंगूठी, हार आ हाथ मे राखल लाठी छोड़ि किछु नहि अछि।'
12 ओ हुनका कहलथिन, 'जाबत धरि अहाँ हमर भाड़ा नहि पठाबब ताबत धरि हमरा द' दिअ', आ ओ हुनका कहलथिन, 'हम अहाँ लग बकरीक बछड़ा पठा देब'। ओ ओकरा सभ कैँ दऽ देलथिन आ ओ ओकरा लग गेलाह आ ओ हुनका द्वारा गर्भवती भऽ गेलीह।
13 यहूदा ओकर बरद सभ लग गेल आ ओ अपन पिताक घर चलि गेल।
14 यहूदा अपन चरबाह अदुलामीक हाथ सँ बकरी सभक बछड़ा पठौलनि, मुदा ओ ओकरा नहि भेटलनि। ओ ओहि ठामक लोक सभ सँ पुछलथिन, 'एतय जे वेश्या छल से कतय अछि? ओ सभ हुनका कहलथिन। 'हमरा सभक संग एतय कोनो वेश्या नहि अछि।'
15 ओ घुरि कऽ हुनका सूचना देलथिन आ कहलथिन जे हुनका नहि भेटलनि: 'हम ओहि ठामक लोक सभ सँ पुछलियनि आ ओ सभ हमरा कहलथिन, "एतय कोनो वेश्या नहि अछि।" ' .
16 ओ कहलथिन, 'ओ ओकरा सभ कैँ राखय दियौक, जाहि सँ हम सभ उपहासक कारण नहि बनि जायब।' तीन मास पूरा भेला पर स्पष्ट भेल जे ओ गर्भवती छथि, तखन ओ सभ यहूदा कैँ कहलथिन, 'देखू, अहाँक पुतहु तामार वेश्यावृत्ति सँ गर्भवती छथि।
17 यहूदा अपन पिताक घर जा कऽ अपन पिता आ भाइ सभ कैँ कहलथिन, 'ओकरा बाहर आनि दियौक आ ओकरा सभ कैँ जरा दियौक, किएक तँ ओ इस्राएल मे अशुद्धि कएने छथि।"
18 जखन ओ सभ ओकरा जरेबाक लेल बाहर अनलनि तखन ओ अपन ससुर लग अंगूठी आ हार आ लाठी पठौलनि जे, 'ई सभ केकर अछि, किएक तँ हम हुनका द्वारा गर्भवती छी।'
19 यहूदा स्वीकार कयलनि आ कहलथिन, 'तामार हमरा सँ बेसी धर्मी छथि।
20 तेँ ओ सभ ओकरा नहि जराबथि' आ ताहि कारणेँ ओ शेला कैँ नहि देल गेलनि, आ ओ फेर हुनका लग नहि गेलाह।
21 तकर बाद एहि दोसर सप्ताहक सातम वर्ष मे पेरेज [2170 AM] आ जेराह नामक दूटा बेटा भेलनि।
22 ओहि सात वर्षक फल पूरा भेल, जकर विषय मे यूसुफ फिरौन कैँ कहलथिन।
23 यहूदा ई बात स्वीकार कयलनि जे ओ जे काज कयलनि से अधलाह अछि, किएक तँ ओ अपन पुतहुक संग पड़ल छल आ ओकरा अपन नजरि मे घृणित बुझलनि, आ ओ स्वीकार कयलनि जे ओ अपराध कऽ कऽ भटकि गेल छल, किएक तँ ओ अपन बेटाक वस्त्र खोलि देलक आ अपन अपराधक कारणेँ प्रभुक समक्ष विलाप आ विनती करय लगलाह।
24 हम सभ सपना मे हुनका कहलियनि जे हुनका माफ कयल गेलनि किएक तऽ ओ गंभीरता सँ विनती कयलनि आ विलाप कयलनि आ फेर ई काज नहि कयलनि।
25 ओ अपन पाप आ अज्ञानता सँ मुड़लाक कारणेँ हुनका क्षमा भेटलनि, कारण ओ हमरा सभक परमेश् वरक समक्ष बहुत उल्लंघन कयलनि। आ जे कियो एहन काज करैत अछि, जे कियो अपन सासुक संग सुतल रहैत अछि, ओकरा आगि मे जरा दियौक जाहि सँ ओ ओहि मे जरा सकय, कारण ओकरा पर अशुद्धता आ प्रदूषण छैक, आगि सँ ओकरा जरा दियौक।
26 अहाँ इस्राएलक सन् तान सभ कैँ आज्ञा दिअ जे हुनका सभक बीच कोनो अशुद्धता नहि हो, किएक तँ जे केओ अपन पुतहु वा सासुक संग लेटैत अछि, ओ अशुद्धि कएने अछि। आगि सँ ओकरा संग सुतल आदमी कैँ आ तहिना स्त्री कैँ जरा दियौक, आ ओ इस्राएल सँ क्रोध आ सजा कैँ दूर कऽ देत।"
27 हम सभ यहूदा कैँ कहलियनि जे हुनकर दुनू बेटा हुनका संग नहि सुतल छलनि आ एहि कारणेँ हुनकर वंशज दोसर पीढ़ी धरि स्थिर भ' गेल छलनि आ जड़ि सँ नहि उखाड़ल जेताह।
28 ओ एक आँखि मे जा कऽ दंडक खोज मे लागल छलाह, अर्थात् अब्राहमक न्यायक अनुसार जे ओ अपन पुत्र सभक आज्ञा देने छलाह, यहूदा ओकरा आगि मे जराबऽ चाहैत छल।

अध्याय 42

1 पैंतालीसम जयंतीक तेसर सप्ताहक पहिल वर्ष मे [2171 AM] देश मे अकाल पड़य लागल, आ बरखा पृथ्वी पर नहि देल गेल, कारण कियो किछु नहि भेल।
2 पृथ् वी बंजर भऽ गेल, मुदा मिस्र देश मे भोजन छल, किएक तँ यूसुफ ओहि देशक बीया सभ कैँ सात वर्षक भरमार मे जमा कएने छलाह आ ओकरा सुरक्षित कऽ लेने छलाह।
3 मिस्रवासी सभ यूसुफ लग आबि गेलाह जे ओ हुनका सभ कैँ भोजन दऽ सकथि, आ ओ ओहि भंडार सभ कैँ खोलि देलनि जाहि मे पहिल वर्षक अनाज छलनि आ ओ ओहि देशक लोक सभ कैँ सोना मे बेचि देलनि।
4 <कनान देश मे अकाल बहुत भय गेल छल> आ याकूब सुनलनि जे मिस्र मे भोजन अछि, आ ओ अपन दसटा बेटा कैँ पठौलनि जे ओ सभ मिस्र मे हुनका लेल भोजन कराबथि। मुदा बिन्यामीन कैँ ओ नहि पठौलनि, आ <याकूबक दस बेटा> <मिस्र> मे जे (ओतय) गेल छल, तकरा मे पहुँचि गेल।
5 यूसुफ हुनका सभ कैँ चिन्हलनि, मुदा ओ सभ हुनका सभ कैँ नहि चिन्हलनि, आ ओ हुनका सभ सँ बात कयलनि आ हुनका सभ सँ पूछताछ कयलनि। 'की अहाँ सभ जासूस नहि छी आ की अहाँ सभ देशक नजदीकी सभ कैँ खोजय लेल नहि आयल छी? 'आ ओ ओकरा सभकैँ वार्डमे राखि देलक।'
6 तकर बाद ओ हुनका सभ कैँ फेर सँ मुक्त कऽ देलथिन आ सिमोन कैँ असगरे रोकि कऽ अपन नौ भाय कैँ विदा कऽ देलथिन।
7 ओ हुनका सभक बोरा मे धान भरि देलनि आ हुनका सभक सोना हुनका सभक बोरा मे राखि देलनि, मुदा हुनका सभ कैँ ई नहि बुझल छलनि।
8 ओ हुनका सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे अपन छोट भाय कैँ आनब, किएक तँ ओ सभ हुनका सभ कैँ कहने छल जे हुनकर पिता जीबैत छथि आ छोट भाय।
9 ओ सभ मिस्र देश सँ चलि कऽ कनान देश मे आबि गेलाह। ओ सभ अपन पिता कैँ सभ बात कहलथिन जे कोना देशक मालिक हुनका सभ सँ कठोर बात कऽ कऽ सिमोन कैँ पकड़ि लेलनि जाबत धरि ओ सभ बिन्यामीन कैँ नहि अनैत छल।
10 याकूब कहलथिन, 'अहाँ सभ हमरा सँ हमर संतान कैँ वंचित कऽ देलहुँ! यूसुफ नहि छथि आ शिमोन सेहो नहि छथि, आ अहाँ सभ बिन्यामीन कैँ ल' जायब। हमरा पर अहाँक दुष्टता आबि गेल अछि।

11 'ओ कहलथिन, 'हमर बेटा अहाँ सभक संग नहि उतरत, कहीं ओ बीमार नहि पड़ि जाय। कारण, हुनका सभक माय दूटा बेटा कैं जन्म देलनि, आ एकटा नाश भ' गेल अछि, आ एकरा सेहो अहाँ सभ हमरा सँ ल' लेब।" जँ संभवतःसड़क पर बोखार भ' गेल होथि त' अहाँ सभ हमर बुढ़ापा कैं दुख सँ मृत्यु धरि उतारि दैतहुँ।'
12 ओ देखलनि जे हुनका सभक पाइ सभ कैं अपन बोरा मे राखल गेल अछि, आ एहि कारणेँ ओ हुनका पठेबा मे डरैत छलाह।
13 कनान देश मे आ मिस्र देश छोड़ि सभ देश मे अकाल बढ़ि गेल आ बेसी भ' गेल, किएक तँ मिस्रक बहुतो संतान सभ अपन बीया भोजनक लेल जमा कऽ लेने छल, जहिया सँ ओ सभ यूसुफ कैं बीया जमा करैत देखलक आ ओकरा भंडार मे राखि अकालक वर्ष धरि सुरक्षित राखि रहल छल।
14 मिस्रक लोक सभ अपन अकालक पहिल वर्ष मे ओहि पर पेट भरैत छल।
15 इस्राएल जखन देखलक जे देश मे अकाल बहुत बेसी अछि आ कोनो उद्धार नहि अछि, तखन ओ अपन पुत्र सभ कैं कहलथिन, 'फिर जाउ आ हमरा सभक लेल भोजन बनाउ जाहि सँ हम सभ नहि मरि जायब।"
16 ओ सभ कहलथिन, 'हम सभ नहि जायब। जाबे हमर सभक छोट भाइ हमरा सभक संग नहि जायत ताबे हम सभ नहि जायब।'
17 इस्राएल देखलक जे जँ ओ हुनका अपना सभक संग नहि पठौताह तँ ओ सभ अकालक कारणेँ नष्ट भऽ जेताह
18 रूबेन कहलथिन, 'ओकरा हमरा हाथ मे दऽ दिअ, आ जँ हम ओकरा अहाँ लग नहि अनब तँ ओकर प्राणक बदला हमर दुनू बेटा कैं मारि दियौक।'
19 ओ हुनका कहलथिन, 'ओ अहाँक संग नहि जायत।' यहूदा लग आबि कऽ कहलथिन, 'ओकरा हमरा संग पठा दियौक, आ जँ हम ओकरा अहाँ लग नहि अनब तँ हम जीवन भरि अहाँक सोझाँ दोष उठाब।'
20 एहि सप्ताहक दोसर वर्ष मे मासक पहिल दिन [2172 Am] हुनका सभक संग पठौलनि, आ ओ सभ गेल लोक सभक संग मिस्र देश आबि गेलाह, आ हाथ मे उपहार, स्टेक्ट आ बदाम आ टेरेबिन्थ नट्स आ शुद्ध मधु छलनि।
21 ओ सभ जा कऽ यूसुफक समक्ष ठाढ़ भऽ गेलाह आ ओ अपन भाय बिन्यामीन कैं देखलनि आ हुनका चिन्हलनि आ हुनका सभ कैं कहलथिन, "की ई अहाँक छोट भाइ छथि?" ओ सभ हुनका कहलथिन, 'ई ओ छथि।' ओ कहलनि जे, हमर बेटा, प्रभु अहाँ पर कृपा करथि!'
22 ओ हुनका अपन घर मे पठौलनि आ ओ शिमोन कैं हुनका सभक लग अनलनि आ हुनका सभक लेल भोज कयलनि आ ओ सभ हुनका सभक हाथ मे जे उपहार अनने छलाह से हुनका सभ कैं भेंट कयलनि।
23 ओ सभ हुनका आगू मे भोजन करैत छथि आ ओ सभ कैं भाग देलनि, मुदा बिन्यामीनक भाग हुनका सभक कोनो भाग सँ सात गुना बेसी छल।
24 ओ सभ खाइत-पीबैत उठि कऽ अपन गदहाक संग रहि गेल।
25 यूसुफ एकटा योजना बनौलनि जाहि सँ हुनका सभक विचार ई जानि सकथि जे हुनका सभ मे शान्तिक विचार प्रबल अछि वा नहि, आ ओ अपन घरक भण्डारी कैं कहलथिन: 'ओकर सभ बोरा मे भोजन भरि दियौक आ ओकर पाइ ओकरा सभक बर्तन मे घुरा दियौक, आ हमर प्याला, जे चानीक प्याला हम पीबैत छी, ओकरा छोटका सभक बोरा मे राखि कऽ ओकरा सभ कैं विदा क' दिअ।"

अध्याय 43

1 ओ यूसुफक अनुसारेँ काज कयलक आ ओकरा सभक सभ बोरा मे भोजन भरि देलक आ ओकर सभक पाइ ओकरा सभक बोरा मे राखि देलक आ प्याला बिन्यामीनक बोरा मे राखि देलक।
2 भोरे-भोर ओ सभ चलि गेलाह, आ जखन ओ सभ ओतय सँ चलि गेलाह, तखन यूसुफ अपन घरक भण्डारी कैं कहलथिन: 'ओकरा सभक पीछा करू, दौड़ आ ओकरा सभ कैं पकड़ि लिअ, ई कहैत, "नीक कारणेँ अहाँ सभ हमरा अधलाह प्रतिफल देलहुँ; अहाँ हमरा सँ ओ चानीक प्याला चोरा लेलहुँ, जाहि मे सँ हमर मालिक पीबैत छथि।" आ हुनका लोकनिक छोट भाइ कैं हमरा लग वापस आनि दियौक, आ हमरा अपन न्यायक आसन पर जेबा सँ पहिने जल्दी-जल्दी (ओकरा) आनि दियौक।'
3 ओ हुनका सभक पाछाँ-पाछाँ दौड़ि कऽ हुनका सभ कैं एहि बात सभक अनुसार कहलथिन।
4 ओ सभ हुनका कहलथिन, 'भगवान अहाँक नोकर सभ ई काज नहि करथि आ अहाँक मालिकक घर सँ कोनो बर्तन चोरा लेथि, आ जे पाइ हमरा सभ कैं पहिल बेर अपन बोरा मे भेटल छल, से हम सभ अहाँक नोकर सभ कनान देश सँ वापस अनने रही।
5 तखन कोनो बर्तन कोना चोराबी? देखू, एतय हम सभ आ हमर सभक बोरा सभ खोजि रहल छी, आ हमरा सभक बीचक ककरो बोरा मे जतय प्याला भेटत, ओकरा मारि देल जाय, आ हम सभ आ हमर सभक गदहा अहाँक मालिकक सेवा करब।'
6 ओ हुनका सभ कैं कहलथिन, 'एना नहि, जकरा संग हम पाबि लेब, ओकरा हम मात्र नोकर बना लेब, आ अहाँ सभ शान्तिपूर्वक अपन घर घुरि जायब।'
7 जखन यीशु हुनका सभक बर्तन मे खोजि रहल छलाह, जेठका सँ शुरू भ' क' छोटका सँ समाप्त भ' गेलाह, तखन ओ बिन्यामीनक बोरा मे भेटलनि।
8 ओ सभ अपन-अपन वस्त्र फाड़ि कऽ गदहा पर बोझ लऽ कऽ नगर मे घुरि कऽ यूसुफक घर पहुँचलाह आ सभ गोटे हुनका सामने जमीन पर झुकि गेलाह।
9 यूसुफ हुनका सभ कैं कहलथिन, 'अहाँ सभ अधलाह काज केलहुँ।' आ ओ सभ कहलक: 'हम सभ की कहब आ कोना अपन बचाव करब? हमर मालिक अपन नोकर सभक अपराधक पता लगा लेने छथि। देखू, हम सभ अपन मालिकक सेवक छी आ अपन गदहा सेहो।
10 'तखन यूसुफ हुनका सभ कैं कहलथिन, 'हमहूँ प्रभु सँ डेराइत छी। अहाँ सभ अपन-अपन घर जाउ आ अपन भाय कैं हमर सेवक बनय दिअ, किएक तँ अहाँ सभ अधलाह काज केलहुँ।" की अहाँ सभ नहि जनैत छी जे केओ अपन प्याला मे जेना हम एहि प्याला मे रमैत छी? आ तैयो अहाँ सभ हमरासँ चोरा लेलहुँ।'
11 यहूदा कहलथिन, 'हे हमर मालिक, अहाँक सेवक हमर मालिकक कान मे एकटा बात बाजि दियौक जे अहाँक सेवकक माय हमरा सभक पिता कैं दू भाइ कैं जन्म देलक (लड़का)।

12 जखन हम सभ अहाँक पिताक सेवक लग जायब आ ओ बालक हमरा सभक संग नहि रहत तखन ओ मरि जायत आ हम सभ अपन पिता केँ दुखी भऽ कऽ मरि जायब।
13 आब हमरा, अहाँक नोकर, ओहि लड़काक बदला मे अपन मालिकक दास बनि रहू आ ओहि लड़का केँ ओकर भाय सभक संग जाय दिअ, किएक तँ हम अहाँक पिताक दासक हाथ सँ ओकरा लेल जमानत बनि गेलहुँ, आ जँ हम ओकरा वापस नहि आनब तऽ तोहर सेवक हमरा सभक पिताक दोष सदाक लेल सुनत।'
14 यूसुफ देखलक जे ओ सभ एक-दोसरक नीक-नीकता मे मेल खाइत अछि, आ ओ अपना केँ नहि रोकि सकलाह, आ ओ हुनका सभ केँ कहलथिन जे ओ यूसुफ छथि।
15 ओ हुनका सभ सँ हिब्रू भाषा मे गप्प-सप्प कयलनि आ हुनका सभक गरदनि पर खसि पड़लाह आ कानय लगलाह।
16 मुदा ओ सभ हुनका नहि चिन्हलनि आ ओ सभ कानय लगलाह। ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, 'हमरा पर नहि कानब, बल् कि जल्दी-जल्दी हमर पिता केँ हमरा लग आनि दियौक। अहाँ सभ देखैत छी जे हमर मुँह बजैत अछि आ हमर भाय बिन्यामीनक आँखि देखैत अछि।
17 देखू, ई अकालक दोसर वर्ष अछि, आ एखनो पाँच वर्ष अछि जाहि मे फसल नहि काटल गेल अछि आ ने गाछक फल आ जोत नहि कयल गेल अछि।
18 अहाँ सभ आ अपन घरक लोक सभ जल्दिये उतरू, जाहि सँ अहाँ सभ अकाल मे नाश नहि भऽ जाय आ अपन सम्पत्तिक लेल दुखी नहि होउ, किएक तँ प्रभु हमरा अहाँ सभ सँ पहिने पठौने छलाह जे हम अहाँ सभ सँ पहिने एहन बात राखब जाहि सँ बहुत लोक जीवित रहथि।
19 हमर पिता केँ कहि दियौक जे हम एखन धरि जीवित छी, आ अहाँ सभ देखैत छी जे परमेश् वर हमरा फिरौनक पिता बना देलनि आ हुनकर घर आ समस्त मिस्र देशक मालिक बना देलनि।
20 हमर पिता केँ हमर समस्त महिमा आ सभटा धन आ महिमा जे प्रभु हमरा देने छथि, से कहू।'
21 फिरौनक मुँहक आज्ञा सँ ओ सभ केँ रथ आ बाट लेल भोजन देलनि आ सभ केँ अनेक रंगक वस्त्र आ चानी देलनि।
22 ओ हुनका सभक पिता केँ वस्त्र आ चानी आ दसटा गदहा पठौलनि जे धान्य लऽ कऽ जाइत छल।
23 ओ सभ जा कऽ अपन पिता केँ कहलथिन जे यूसुफ जीवित छथि आ पृथ् वीक समस्त जाति सभक लेल अन्न नापि रहल छथि आ ओ समस्त मिस्र देशक शासक छथि।
24 हुनका सभक पिता एहि बात पर विश् वास नहि कयलनि, किएक तँ ओ मन मे बौखला गेल छलाह। मुदा जखन ओ यूसुफक पठाओल गाड़ी सभ केँ देखलनि तँ हुनकर आत् माक जीवन जीवित भऽ गेलनि आ ओ कहलनि जे, 'जँ यूसुफ जीबैत छथि तँ हमरा लेल काफी अछि। हम मरबासँ पहिने नीचाँ जा कऽ हुनका देखब।'

अध्याय 44

1 इस्राएल तेसर मासक अमावस्या मे अपन घर सँ हारान सँ विदा भेलाह आ शपथक इनारक बाट पर चलि गेलाह आ एहि मासक सात तारीख केँ अपन पिता इसहाकक परमेश् वर केँ बलि चढ़ौलनि।
2 याकूब केँ ओ सपना मोन पड़लनि जे ओ बेथेल मे देखने छलाह, आ ओ मिस्र देश मे उतरबा सँ डेरा गेलाह।
3 जखन ओ यूसुफ केँ खबरि पठाबऽ चाहैत छलाह जे ओ हुनका लग आबि कऽ नहि जायब, तखन ओ सात दिन धरि ओतहि रहलाह, जँ हुनका कोनो दर्शन देखि सकैत छल जे ओ रहब वा नीचाँ उतरब।
4 ओ पहिल फलक फसलक पाबनि पुरान अनाज सँ मनाबैत छलाह, किएक तँ कनानक समस्त देश मे [ओहि देश मे] मुट्ठी भरि बीया नहि छल, किएक तँ सभ पशु-पक्षी आ पशु-पक्षी आ मनुष्य पर सेहो अकाल पड़ि गेल छल।
5 सोलहम दिन परमेश् वर हुनका प्रगट भऽ कहलथिन, "याकूब, याकूब"। ओ कहलनि, 'हम एतय छी।' ओ ओकरा कहलथिन, 'हम तोहर पूर्वजक परमेश् वर छी, अब्राहम आ इसहाकक परमेश् वर छी। मिस्र मे उतरबा सँ नहि डेराउ, कारण हम ओतय अहाँ केँ एकटा पैघ राष्ट्र बना देब हम अहाँक संग उतरब, आ अहाँ केँ (पुन:) ऊपर लऽ जायब, आ एहि देश मे अहाँ केँ दफनाओल जायत, आ यूसुफ अहाँक आँखि पर हाथ राखत।
6 डरू नहि। मिस्र मे उतरि जाउ।'
7 ओकर बेटा सभ आ बेटा सभक पुत्र सभ उठि कऽ अपन पिता आ अपन सम् पत्ति गाड़ी सभ पर बैसा देलक।
8 एहि तेसर मासक सोलहम दिन इस्राएल शपथक इनार सँ उठि कऽ मिस्र देश चलि गेलाह।
9 इस्राएल यहूदा केँ अपना सँ पहिने अपन पुत्र यूसुफ लग पठौलनि जे ओ गोशेन देशक जाँच करथि, किएक तँ यूसुफ अपन भाय सभ केँ कहने छलाह जे ओ सभ हुनका लग आबि कऽ ओतय रहथि।
10 ई मिस्र देशक सभसँ नीक (जमीन) छल आ ओकर नजदीक, सभ (ओहि सभक) लेल आ पशु-पक्षी सभक लेल सेहो।
11 ई याकूबक पुत्र सभक नाम अछि जे अपन पिता याकूबक संग मिस्र गेल छलाह।
12 इस्राएलक जेठ पुत्र रूबेन। ई हुनकर पुत्र हनोक, पल्लू, हेस्रोन आ कार्मी-पाँच के नाम अछि।
13 शिमोन आ ओकर पुत्र सभ। हुनकर पुत्र सभक नाम ई सभ अछि- यमुएल, यामीन, ओहद, याकीन, सोहर आ शाउल, जे सफाती स् त्रीक पुत्र छल-सात।
14 लेवी आ ओकर पुत्र सभ। हुनकर पुत्र सभक नाम ई अछि- गेर्शोन, कोहत आ मेरारी-चारि।
15 यहूदा आ ओकर पुत्र सभ। हुनकर पुत्र सभक नाम ई अछि- शेला, पेरेज आ जेरा-चारि।
16 इस्साकर आ ओकर पुत्र सभ। हुनकर पुत्र सभक नाम ई सभ अछि- तोला, फुआ, यासुब आ शिम्रोन-पाँच।
17 जबूलन आ ओकर पुत्र सभ। हुनकर पुत्र सभक नाम ई सभ अछि- सेरेद, एलोन आ यहलेल-चारि।
18 मेसोपोटामिया मे याकूबक पुत्र आ हुनकर पुत्र सभ छओ आ हुनका सभक एक बहिन दीना आ लीआक पुत्रक सभ प्राणी आ हुनकर सभक पुत्र जे अपन पिता याकूबक संग मिस्र गेल छलाह, उनतीस वर्ष छलाह आ हुनकर पिता याकूब हुनका सभक संग छलाह, ओ सभ तीस वर्षक छलाह।
19 याकूबक पत्नी लीआक दासी जिल्पाक बेटा सभ याकूबक संग गाद आ अशूरक जन्म देलनि।

20 हुनका सभक संग मिस्र मे गेल हुनका सभक पुत्र सभक नाम ई सभ अछि। गादक पुत्र सिफियोन, हग्गी, शुनी, एजबोन, <आ एरी>, आरेली आ आरोदी-आठ।
21 आशेरक पुत्र इमना, ईश्वा, <आ इश्वी>, बेरिया आ सेरा, हुनका सभक एक बहिन-छह।
22 सभ प्राणी चौदह आ लीआक सभ चौवालीस छल।
23 याकूबक पत्नी राहेलक पुत्र यूसुफ आ बिन्यामीन छल।
24 यूसुफक पिता मिस्र मे एला सँ पहिने मिस्र मे ओहि लोक सभक जन्म भेलनि, जिनका सभ कैँ हेलिओपोलिसक पोतीफर पुरोहितक पुत्री असेनथ हुनका लेल जनमलनि, मनश्शे आ एप्रैम-तीन।
25 बिन्यामीनक बेटा बेला, बेकर, अशबेल, गेरा, नामान, एही, रोश, मुप्पिम, हुप्पीम आ अर्द-एगारह।
26 राहेलक सभ प्राण चौदह छल।
27 याकूबक पत्नी राहेलक दासी बिलहाक पुत्र दान आ नफ्ताली छल।
28 हुनका सभक संग मिस्र गेल पुत्र सभक नाम ई सभ अछि। दानक बेटा हुशीम, सामोन आ असुदी छल। आ 'इजाका, आ सलोमन-छह।
29 जाहि साल ओ सभ मिस्र मे प्रवेश कयलनि, ओहि वर्ष मे ओ सभ मरि गेलाह आ दान हुशिम असगर रहि गेलाह।
30 ई सभ नफ्तालीक पुत्र सभक नाम अछि यहजीएल, गुनी, जेजर, शल्लुम आ ‘इव.
31 अकाल वर्षक बाद जन्मल इव मिस्र मे मरि गेलाह।
32 राहेलक सभ प्राणी छब्बीस छल।
33 याकूबक सभ प्राणी जे मिस्र देश गेल छलाह, सत्तर प्राणी छलाह। ई सभ हुनकर संतान आ हुनकर संतान सभक सत्तरि अछि, मुदा पाँच गोटे यूसुफ सँ पहिने मिस्र मे मरि गेलाह, मुदा हुनका कोनो संतान नहि छलनि।
34 कनान देश मे यहूदाक दूटा पुत्र एर आ ओनान मरि गेलाह, मुदा हुनका सभक कोनो संतान नहि छलनि, आ इस्राएलक लोक सभ नाश भेल लोक सभ कैँ गाड़ि देलक आ ओकरा सभ कैँ सत्तर गैर-यहूदी जाति मे गिनल गेल।

अध्याय 45

1 इस्राएल चारिम दिन अमावस्या मे मिस्र देश, गोशेन देश मे गेलाह। मास, पैंतालीसम जयंती के तेसर सप्ताह के दोसर साल में।
2 यूसुफ अपन पिता याकूब सँ भेंट करबाक लेल गोशेन देश मे गेलाह आ ओ अपन पिताक गरदनि पर खसि पड़लाह आ कानय लगलाह।
3 इस्राएल यूसुफ कैँ कहलथिन, ‘आब हम अहाँ कैँ देखि कऽ मरि जाउ, आ आब इस्राएलक परमेश् वर परमेश् वर कैँ अब्राहमक परमेश् वर आ इसहाकक परमेश् वर कैँ आशीर्वाद भेटय जे अपन सेवक याकूब सँ अपन दया आ कृपा नहि रोकने छथि।
4 हमरा लेल ई काफी अछि जे हम जीबैत काल अहाँक मुँह देखलहुँ। हँ, जे दर्शन हम बेथेल मे देखलहुँ से सत्य अछि। हमर परमेश् वर परमेश् वर कैँ सदाक लेल धन्य होनि, आ हुनकर नामक आशीर्वाद होनि।'
5 यूसुफ आ ओकर भाय सभ अपन पिताक समक्ष रोटी खा कऽ मदिरा पीबैत छलाह, आ याकूब बहुत हर्षित भऽ गेलाह, किएक तँ ओ यूसुफ कैँ अपन भाय सभक संग भोजन करैत आ हुनका सोझाँ पीबैत देखि, आ ओ सभ वस्तुक सृष्टिकर्ता कैँ आशीर्वाद देलनि जे हुनका सुरक्षित रखने छलाह आ हुनका लेल अपन बारह पुत्र कैँ सुरक्षित रखने छलाह।
6 यूसुफ अपन पिता आ अपन भाय सभ कैँ गोशेन देश आ रामसेस आ चारूकातक समस्त इलाका मे रहबाक अधिकार दान मे देने छलाह, जाहि पर ओ फिरौनक समक्ष शासन करैत छलाह। इस्राएल आ ओकर बेटा सभ गोशेन देश मे रहैत छल, जे मिस्र आ इस्राएलक सभसँ नीक भाग छल, जखन ओ मिस्र मे अयलाह तखन एक सय तीस वर्षक छल।
7 यूसुफ अपन पिता आ अपन भाय सभ आ हुनका सभक सम्पत्ति कैँ सेहो ओतबे रोटी सँ पोसलाह जे सात वर्षक अकाल मे हुनका सभक लेल पर्याप्त छलनि।
8 अकालक कारणेँ मिस्र देश कैँ कष्ट भऽ गेलैक आ यूसुफ अन्नक बदला मे फिरौनक लेल मिस्रक समस्त देश प्राप्त कऽ लेलक आ ओ लोक सभ आ ओकर पशु-पक्षी आ फारोक लेल सभ किछु पर कब्जा कऽ लेलक।
9 अकालक वर्ष पूरा भऽ गेल आ यूसुफ ओहि देशक लोक सभ कैँ बीया आ भोजन देलथिन जाहि सँ ओ सभ आठम वर्ष मे बोनि सकथि, किएक तँ नदी पूरा मिस्र देश मे उमड़ि गेल छल।
10 किएक तँ अकालक सात वर्ष मे ओ उमड़ि गेल छल आ नदीक कात मे किछुए ठाम सिंचाई केने छल, मुदा आब ओ उमड़ि गेल छल आ मिस्रक लोक सभ ओहि जमीन पर बोनि गेल छल, आ ओहि साल ओहि मे बहुत रास धान भेल छल।
11 ई पैंतालीसम जयंतीक चारिम सप्ताहक पहिल वर्ष छल।
12 यूसुफ फसलक पाँचम भाग राजाक लेल लऽ कऽ चारि भाग ओकरा सभक लेल भोजन आ बीयाक लेल छोड़ि देलनि आ यूसुफ आइ धरि मिस्र देशक लेल एकरा नियम बना देलनि।
13 इस्राएल मिस्र देश मे सत्रह वर्ष धरि जीवित रहलाह, आ जतेक दिन ओ तीन जुबली, एक सय सत्तालीस वर्ष छलनि, आ पैंतालीसम जुबलीक पाँचम सप्ताहक चारिम वर्ष मे हुनकर मृत्यु भ' गेलनि।
14 इस्राएल हुनकर मृत्यु सँ पहिने हुनकर पुत्र सभ कैँ आशीर्वाद देलक आ मिस्र देश मे जे किछु हुनका सभक संग होयत, से सभ बात हुनका सभ कैँ कहलकनि। ओ ओकरा सभ कैँ बुझा देलथिन जे अंतिम समय मे ओकरा सभ पर की होयतैक, आ ओकरा सभ कैँ आशीर्वाद देलथिन आ यूसुफ कैँ ओहि देश मे दू भाग देलथिन।
15 ओ अपन पूर्वज सभक संग सुति गेलाह आ कनान देशक दोगुना गुफा मे, हुनकर पिता अब्राहमक समीप ओहि कब्र मे दफना देल गेलनि जे ओ हेब्रोन देशक दोहरी गुफा मे अपना लेल खोदने छलाह।
16 ओ अपन सभ किताब आ अपन पूर्वजक किताब अपन पुत्र लेवी कैँ दऽ देलथिन जाहि सँ ओ ओकरा सभ कैँ सुरक्षित राखि कऽ आइ धरि अपन संतान सभक लेल नवीकरण करथि।

अध्याय 46

1 आ एहन भेल जे याकूबक मृत्युक बाद इस्राएलक संतान मिस्र देश मे बढ़ि गेल, आ ओ सभ एकटा पैघ जाति बनि गेल, आ ओ सभ एक-एकटा हृदयक छल, तेँ ओ भाइ भाइ कैँ प्रेम करैत छल आ प्रत्येक आदमी अपन भाइक सहायता करैत छल, आ ओ सभ

प्रचुर मात्रा मे बढ़ि गेल आ अत्यधिक बढ़ि गेल, दस [2242 AM] सप्ताहक वर्ष, यूसुफक जीवनक सभ दिन।
2 यूसुफक पिता याकूबक बादक जीवन मे शैतान आ ने कोनो अधलाह नहि छल, किएक तँ यूसुफक जीवन भरि सभ मिस्रवासी इस्राएलक सन् तान सभक आदर करैत छल।
3 यूसुफ एक सय दस वर्षक उम्र मे मरि गेलाह। सत्रह वर्ष कनान देश मे रहलाह, दस वर्ष तक दास रहलाह, तीन वर्ष जेल मे रहलाह, आ अस्सी वर्ष धरि राजाक अधीन रहलाह आ पूरा मिस्र देश पर शासन केलनि।
4 ओ अपन सभ भाय आ ओहि पीढ़ीक समस्त लोकक संग मरि गेलाह।
5 ओ इस्राएलक सन् तान सभ कें मरबा सँ पहिने आज्ञा देलथिन जे मिस्र देश सँ निकलला पर हुनकर हड्डी सेहो अपना संग लऽ कऽ चलि जाय।
6 ओ ओकरा सभ कें अपन हड्डीक शपथ लेलक, किएक तँ ओकरा बुझल छलैक जे मिस्रवासी सभ ओकरा फेर सँ कनान देश मे नहि आनि कऽ गाड़ि नहि देतैक, किएक तँ कनानक राजा मकामरोन अश्शूर देश मे रहैत मिस्रक राजाक संग घाटी मे लड़लनि आ ओतहि हुनका मारि देलनि आ मिस्रवासीक पाछाँ-पाछाँ एर्मोनक फाटक धरि गेलाह।
7 मुदा ओ प्रवेश नहि क' सकलाह, किएक तँ दोसर नव राजा मिस्रक राजा बनि गेल छलाह आ ओ हुनका सँ बेसी बलशाली छलाह, आ ओ कनान देश मे घुरि गेलाह आ मिस्रक फाटक बन्न भ' गेल छल, आ कियो बाहर नहि निकलल आ कियो मिस्र मे नहि आयल छल।
8 छियालीसम जुबली मे, छठम सप्ताह मे, दोसर वर्ष मे यूसुफ मरि गेलाह आ ओ सभ हुनका मिस्र देश मे दफना देलनि आ हुनकर बाद हुनकर सभ भाय मरि गेलाह।
9 मिस्रक राजा कनानक राजा [2263 AM] सतालीसम जुबली मे, दोसर वर्षक दोसर सप्ताह मे, कनानक राजाक संग युद्ध करय लेल निकललाह आ इस्राएलक सन्तान यूसुफक हड्डी छोड़ि याकूबक सभटा हड्डी निकालि देलनि आ ओ सभ ओकरा सभ कें खेत मे पहाड़क दोहरी गुफा मे गाड़ि देलनि।
10 ओहि मे सँ अधिकांश लोक मिस्र घुरि गेलाह, मुदा किछु गोटे हेब्रोनक पहाड़ मे रहि गेलाह आ अहाँक पिता अम्राम हुनका सभक संग रहि गेलाह।
11 कनानक राजा मिस्रक राजा पर विजय प्राप्त कयलनि आ मिस्रक फाटक सभ बन्न कऽ देलनि।
12 ओ इस्राएलक लोक सभक विरुद्ध एकटा दुष्ट षड्यंत्र रचलनि जे ओ सभ मिस्रक लोक सभ कें कहलथिन: 'देखू, इस्राएलक लोक हमरा सभ सँ बेसी बढ़ि गेल आ बढ़ि गेल।
13 आउ, हुनका सभक संग बहुत बेसी भऽ जाइ सँ पहिने हुनका सभक संग बुद्धिमानी सँ व्यवहार करी, आ हमरा सभ पर युद्ध आबय सँ पहिने आ ओहो सभ हमरा सभक विरुद्ध लड़बा सँ पहिने हुनका सभ कें गुलामीक शिकार बनाबी। नहि तऽ ओ सभ हमरा सभक शत्रु सभक संग मिलि कऽ ओकरा सभ कें हमरा सभक देश सँ निकालि लेत, किएक तँ ओकर सभक मोन आ मुँह कनान देश दिस अछि।'
14 ओ हुनका सभ कें गुलामीक शिकार करबाक लेल काजक मालिक सभ राखि देलनि। ओ सभ फिरौन, पिथोम आ रामसेसक लेल मजबूत शहर बनौलनि आ मिस्रक नगर सभ मे खसल सभ देबाल आ सभ किलाबंदी बनौलनि।
15 ओ सभ ओकरा सभ कें कठोरता सँ सेवा करौलनि, आ ओ सभ जतेक दुर्व्यवहार करैत छलाह, ओ सभ ओ सभ बढ़ैत गेलाह आ बढ़ैत गेलाह।
16 मिस्रक लोक इस्राएलक लोक सभ कें घृणित कयलक।

अध्याय 47

1 सातम सप्ताह मे, सातम वर्ष मे, सत्तालीसम जयंती मे, अहाँक पिता कनान देश सँ निकलल छलाह, आ अहाँक जन्म चारिम सप्ताह मे, छठम वर्ष मे, अड़तालीसम जयंती मे भेल छल। ई इस्राएलक सन् तान सभ पर कष्टक समय छल।
2 मिस्रक राजा फिरौन हुनका सभक विषय मे आज्ञा देलथिन जे ओ सभ अपन सभ पुरुख संतान कें नदी मे फेकि दियौक।
3 ओ सभ सात मास धरि ओकरा सभ कें ओहि दिन धरि फेकि देलक जाबत धरि तोहर जन्म नहि भेलहुँ
4 तोहर माय तोरा तीन मास धरि नुका कऽ राखि देलथिन आ ओ सभ ओकर विषय मे कहलथिन। ओ तोरा लेल एकटा जहाज बनौलक आ ओकरा खड्डा आ डामर सँ झाँपि देलक आ ओकरा नदीक कात मे झंडा मे राखि देलक आ सात दिन धरि ओहि मे राखि देलक आ तोहर माय राति मे आबि कऽ तोरा दूध पियाबैत छलीह आ दिन मे तोहर बहिन मरियम चिड़ै सभ सँ पहरा दैत छलीह।
5 ओहि दिन मे फिरौनक बेटी थर्मुथ नदी मे स्नान करय आयल छलीह, तखन ओ अहाँक आवाज सुनलीह, आ ओ अपन कुमारि सभ कें कहलथिन जे अहाँ कें बाहर आनब, आ ओ सभ अहाँ कें हुनका लग अनलनि।
6 ओ अहाँ कें जहाज सँ बाहर निकालि लेलनि आ अहाँ पर दया कयलनि।
7 तोहर बहिन ओकरा कहलथिन, 'की हम जा कऽ तोरा इब्रानी महिला मे सँ एकटा कें बजा कऽ तोरा लेल एहि बच्चा कें दूध पियाबय आ दूध पियाबय लेल बजाबी?'
8 ओ कहलथिन <ओकरा>: 'जाउ।' ओ जा कऽ तोहर माय योकेबेद कें बजा कऽ अपन मजदूरी दऽ कऽ तोरा दूध पियाबैत छलीह।
9 तकर बाद जखन अहाँ पैघ भेलहुँ तँ ओ सभ अहाँ कें फिरौनक बेटी लग अनलनि आ अहाँ हुनकर बेटा बनि गेलहुँ आ अहाँक पिता अम्राम अहाँ कें लिखब सिखाओलनि आ तीन सप्ताह पूरा भेलाक बाद ओ सभ अहाँ कें राज-प्रांगण मे अनलनि।
10 अहाँ तीन सप्ताहक वर्ष धरि दरबार मे रहलहुँ जाबत धरि [2351-] अहाँ राजदरबार सँ बाहर निकललहुँ आ देखलहुँ जे एकटा मिस्रवासी अहाँक मित्र कें मारि देलक जे [2372 AM] इस्राएलक संतान मे सँ छल, आ अहाँ ओकरा मारि कऽ बालु मे नुका देलियैक।
11 दोसर दिन अहाँ आ इस्राएलक दू गोटे एक संग झगड़ा कऽ कऽ जे गलत काज कऽ रहल छल, ओकरा कहलियैक: 'अहाँ अपन भाय कें किएक मारि दैत छी?
12 ओ क्रोधित आ क्रोधित भऽ कऽ कहलथिन, 'अहाँ कें हमरा सभक राजकुमार आ न्यायाधीश के बनौलनि? की अहाँ सोचैत छी जे जेना काल्हि मिस्रवासी कें मारलहुँ तहिना हमरा मारि देब?' आ अहाँ एहि बात सभक कारणेँ डरि गेलहुँ आ भागि गेलहुँ।

अध्याय 48

1 उनचालीसम जुबलीक तेसर सप्ताहक छठम वर्ष मे अहाँ विदा भेलहुँ आ पाँच सप्ताह एक वर्ष मिद्यान देश मे रहलहुँ। पचासम जुबली मे दोसर वर्ष मे दोसर सप्ताह मे अहाँ मिस्र देश घुरि गेलहुँ।
2 आ अहाँ स्वयं जनैत छी जे ओ अहाँ कें [2410 AM] सिनाई पर्वत पर की कहलनि, आ जखन अहाँ मिस्र मे घुरैत रही <बाट मे जखन अहाँ हुनका सँ ठहरबाक स्थान पर भेंट केलहुँ> तखन राजकुमार मस्टेमा अहाँ सँ की करय चाहैत छलाह।
3 की ओ अपन समस्त सामर्थ्यक संग तोरा मारि कऽ मिस्रवासी सभ कें तोहर हाथ सँ मुक्त नहि करऽ चाहैत छल, जखन ओ देखलक जे तोरा मिस्रवासी सभ पर न् याय आ प्रतिशोध करबाक लेल पठाओल गेल अछि?
4 हम अहाँ कें हुनकर हाथ सँ मुक्त कऽ देलियनि आ अहाँ मिस्र मे जे चमत्कार आ चमत्कार करबाक लेल पठाओल गेल छलहुँ, से अहाँ फिरौन, हुनकर सम् पूर्ण घर, हुनकर नोकर आ हुनकर लोकक विरुद्ध कयलनि।
5 परमेश् वर इस्राएलक कारणेँ हुनका सभ पर बहुत प्रतिशोध कयलनि आ खून आ बेंग, जूँ आ कुकुरक मक्खी आ घातक फोड़ा सँ मारि देलनि। आ ओकर सभक माल-जाल मृत्युक कारणेँ। आ ओला-पाथर द्वारा, ओ हुनका सभक लेल जे किछु बढ़ल छल, तकरा नष्ट क' देलनि। टिड्डी सभ जे ओला आ अन्हारक कारणेँ छोड़ल गेल अवशेष सभ कें खा गेल। आ <मृत्यु द्वारा> मनुष्य आ जानवरक जेठ बच्चा आ ओकर सभ मूर्ति पर प्रभु प्रतिशोध ल' क' ओकरा सभ कें आगि मे जरा देलनि।
6 अहाँक हाथ सँ सभ किछु पठाओल गेल छल जे अहाँ (ई सभ बात) पूरा होबऽ सँ पहिने सुनाउ आ मिस्रक राजा सँ हुनकर सभ सेवक आ हुनकर लोकक समक्ष गप्प कयल।
7 सभ किछु अहाँक बातक अनुसार भेल। मिस्र देश पर दस टा पैघ आ भयावह न् याय आयल जे अहाँ इस्राएलक लेल ओकर बदला लेब।
8 परमेश् वर इस्राएलक लेल आ अपन वाचाक अनुसार सभ किछु केलनि, जे ओ अब्राहमक संग निर्धारित कयलनि जे ओ हुनका सभक बदला लेताह, जेना ओ सभ हुनका सभ कें जबरदस्ती दास मे अनने छलाह।
9 राजकुमार मस्तेमा अहाँक विरुद्ध ठाढ़ भऽ अहाँ कें फिरौनक हाथ मे फेकबाक प्रयास कयलनि आ ओ मिस्रक जादूगर सभक सहायता कयलनि।
10 ओ सभ ठाढ़ भऽ अहाँक सोझाँ ओहि दुष्टता सभक काज कयलक जे हम सभ ओकरा सभ कें कर' देलियैक, मुदा जे उपाय हम सभ ओकरा सभक हाथ सँ नहि करय देलियैक।
11 परमेश् वर हुनका सभ कें घातक अल्सर सँ मारि देलथिन आ ओ सभ ठाढ़ नहि भऽ सकलाह, किएक तँ हम सभ हुनका सभ कें नष्ट कऽ देलियनि जाहि सँ ओ सभ एकोटा निशानी नहि कऽ सकलाह।
12 आ सभ (ई सभ) चमत्कार आ आश्चर्यक बादो राजकुमार मस्टेमा कें लाज नहि भेलनि, कारण ओ हिम्मत क' क' मिस्रवासी सभ कें चिचिया उठलाह जे मिस्रक सभ शक्ति, अपन रथ, घोड़ा आ मिस्रक समस्त सेना सभक संग अहाँक पाछाँ-पाछाँ चलय।
13 हम मिस्र आ इस्राएलक बीच ठाढ़ भऽ गेलहुँ आ हम सभ इस्राएल कें ओकर हाथ सँ आ ओकर लोकक हाथ सँ बचा लेलहुँ आ प्रभु ओकरा सभ कें समुद्रक बीच सँ एना पहुँचा देलथिन जेना ओ शुष्क भूमि हो।
14 जाहि सभ जाति सभ कें ओ इस्राएलक पाछाँ-पाछाँ चलबाक लेल अनलनि, प्रभु हमरा सभक परमेश् वर, ओकरा सभ कें समुद्रक बीचोबीच, इस्राएलक सन् तान सभक नीचाँक खाईक गहींर मे फेकि देलनि, ठीक ओहिना जेना मिस्रक लोक सभ अपन संतान कें नदी मे फेकि देने छल, ओ सभ ओकरा सभ मे सँ 1,000,000 लोकक बदला लेलनि, आ एक हजार बलवान आ ऊर्जावान आदमी एक बेर दूध पिलाबाक कारणेँ नष्ट भऽ गेलाह तोहर लोकक सन् तान सभ मे सँ जेकरा ओ सभ नदी मे फेकि देने छल।
15 चौदहम दिन आ पन्द्रहम आ सोलहम आ सत्रहम आ अठारहम दिन राजकुमार मस्तेमा कें इस्राएलक सन्तान सभक पाछाँ बान्हि कऽ जेल मे राखल गेल जे ओ ओकरा सभ पर कोनो आरोप नहि लगाबय।
16 उन्नैसम दिन हम सभ ओकरा सभ कें छोड़ि देलियैक जाहि सँ ओ सभ मिस्रक लोक सभक सहायता करथि आ इस्राएलक सन् तान सभक पाछाँ-पाछाँ चलथि।
17 ओ हुनका सभक हृदय कें कठोर कऽ कऽ जिद्दी बना देलथिन आ हमरा सभक परमेश् वर परमेश् वर द्वारा ई युक्ति कयल गेलनि जे ओ मिस्रवासी सभ कें मारि कऽ समुद्र मे फेकि सकथि।
18 चौदहम दिन हम सभ हुनका बान्हि देलियैक जे जाहि दिन इस्राएलक लोक सभ मिस्रवासी सभ सँ ओहि दिन मे आरोप नहि लगाबथि जे ओ सभ मिस्रवासी सभ कें ओहि दासताक बदला मे लूटबाक लेल बर्तन आ वस्त्र, चानीक बर्तन, सोनाक बर्तन आ कांस्यक बर्तन मंगलनि।
19 हम सभ इस्राएलक सन् तान सभ कें मिस्र सँ खाली हाथ नहि लऽ गेलहुँ।

अध्याय 49

1 फसह-पर्वक संबंध मे प्रभु जे आज्ञा देने छलाह, से मोन राखू जे पहिल मासक चौदह तारीख कें एकर समय मे मनाबी, जे साँझ होबय सँ पहिने ओकरा मारि दियौक आ सूर्यास्तक समय सँ पन्द्रहम दिन साँझ मे राति मे खाय।
2 किएक तँ एहि राति -पर्वक प्रारंभ आ आनन्दक प्रारंभ- अहाँ सभ मिस्र मे फसह-पाबनि खा रहल छलहुँ, जखन मिस्र देश मे मस्तमाक सभ शक्ति छोड़ि देल गेल छल जे मिस्र देशक सभ जेठ बच्चा, फिरौनक जेठ बच्चा सँ ल' क' चक्की मे बन्दी मे बंद दासीक जेठ बच्चा धरि आ मवेशी धरि।
3 प्रभु हुनका सभ कें ई चिन्ह देलनि जे, जाहि घर मे पहिल वर्षक मेमनाक खून देखलनि, ओहि घर मे ओ सभ वध करबाक लेल नहि प्रवेश करथि, बल् कि ओहि घर सँ गुजरि जाय, जाहि सँ ओहि घर मे रहनिहार सभ लोक कें उद्धार कयल जाय, किएक तँ खूनक निशानी ओकर छोर पर छल।
4 परमेश् वरक सामर्थ् य सभ परमेश् वरक आज्ञाक अनुसार सभ किछु कयलक आ ओ सभ इस्राएलक समस्त लोकक लग सँ गुजरि गेल आ ओकरा सभक बीच सँ कोनो पशु वा मनुख वा कुकुरक प्राणी कें नष्ट करबाक लेल विपत्ति नहि आयल।

5 मिस्र मे विपत्ति बहुत भयंकर छल आ मिस्र मे एहन कोनो घर नहि छल जतय कियो मृत नहि छल आ कानब आ विलाप कयल गेल हो।
6 समस्त इस्राएल फसहक मेमनाक मांस खा रहल छल आ मदिरा पीबि रहल छल आ अपन पूर्वजक परमेश् वर परमेश् वरक स्तुति आ आशीर्वाद आ धन्यवाद दऽ रहल छल आ मिस्रक जुआक नीचाँ सँ आ दुष्ट दासता सँ बाहर निकलबाक लेल तैयार छल।
7 अपन जीवनक सभ दिन आइ केँ मोन राखू आ ओकर सभ नियमक अनुसार साल मे एक बेर ओकर दिन मे एक बेर साल मे एक बेर एकर पालन करू आ दिन-प्रतिदिन वा महीना-महीना मे स्थगित नहि करू।
8 किएक तँ ई अनन्त नियम अछि आ स् वर्गीय पाटी सभ पर उकेरल अछि जे सभ इस्राएलक सन् तान सभक विषय मे ई सभ साल मे एक बेर एकर दिन मे एकर पालन करथि। आ दिनक कोनो सीमा नहि, कारण ई सदाक लेल निर्धारित अछि।
9 जे आदमी अशुद्धता सँ मुक्त अछि आ ओकर दिनक अवसर पर ओकरा मनाबऽ लेल नहि अबैत अछि, जाहि सँ प्रभुक समक्ष कोनो स्वीकार्य बलिदान आनय आ ओकर पाबनि दिन परमेश् वरक समक्ष भोजन-पीन करय लेल, ओ आदमी जे शुद्ध आ नजदीक मे अछि, ओकरा काटि देल जायत।
10 इस्राएलक सन्तान सभ अपन निर्धारित समयक दिन, पहिल मासक चौदहम दिन, साँझक बीच, दिनक तेसर भाग सँ राति केर तेसर भाग धरि, फसह-पाबनि मनाबथि, किएक तँ दिनक दू भाग इजोत केँ देल जाइत अछि आ एक तिहाई भाग साँझ मे।
11 प्रभु अहाँ केँ ई आज्ञा देलनि जे अहाँ साँझक बीच मे एकरा पालन करू।
12 इजोतक कोनो समय मे एकरा मारब उचित नहि, बल् कि साँझक सीमा मे एकरा मारल जाय, आ साँझक समय मे, राति के तिहाई भाग धरि एकरा खाय, आ राति के तिहाई भाग सँ जे किछु बचल अछि, ओकरा आगि सँ जराब।
13 ओ सभ ओकरा पानि सँ नहि पकाओत आ ने कच्चा खाओत, बल् कि आगि मे भुजत। कारण, इस्राएलक कोनो हड्डी कुचलल नहि जायत।
14 एहि कारणेँ परमेश् वर इस्राएलक सन् तान सभ केँ आज्ञा देलथिन जे फसह-पाबनि ओकर निर्धारित समय मे मनाबथि आ ओ सभ ओकर एक हड्डी नहि तोड़त। किएक तँ ई पाबनि-तिहारक दिन अछि आ आज्ञा देल गेल दिन अछि, आ दिन-प्रतिदिन आ महीना-महीना कोनो तरहेँ पार नहि भ' सकैत अछि, मुदा ओकर पाबनिक दिन एकरा मनाओल जाय।
"
16 ओ सभ एकरा परमेश् वरक पवित्र स्थानक बाहर नहि, बल् कि परमेश् वरक पवित्र स्थानक आगाँ खाओत, आ इस्राएलक सभ लोक एकरा निर्धारित समय मे मनाओत।
17 जे केओ अपन दिन मे आयल अछि, से बीस वर्ष आ ओहि सँ बेसी उम्र सँ प्रभुक समक्ष अहाँक परमेश् वरक पवित्र स्थान मे खाएत। किएक तँ एहि तरहेँ लिखल आ नियम कयल गेल अछि जे ओ सभ प्रभुक पवित्र स्थान मे एकरा खाएब।
18 जखन इस्राएलक सन्तान सभ ओहि देश मे आबि कऽ कनान देश मे आबि अपन कोनो गोत्र मे प्रभुक तम्बू केँ ओहि देशक बीच मे ठाढ़ करत जाबत धरि ओहि देश मे प्रभुक पवित्र स्थान नहि बनत, तखन ओ सभ आबि कऽ परमेश् वरक तम्बूक बीच मे फसह मनाबथि आ वर्ष-वर्ष परमेश् वरक समक्ष एकरा मारि दैत छथि।
19 जाहि दिन अपन उत्तराधिकारक देश मे प्रभुक नाम पर घर बनत, तखन ओ सभ ओतय जा कऽ साँझ मे, सूर्यास्त मे, दिनक तिहाई भाग मे फसह-पाबनि मारत।
20 ओ सभ ओकर खून वेदीक दहलीज पर चढ़ाओत आ ओकर चर्बी वेदी पर राखल आगि पर राखत आ ओकर मांस आगि मे भुजल ओहि घरक आँगन मे खाओत जे प्रभुक नाम सँ पवित्र कयल गेल अछि।
21 ओ सभ अपन-अपन नगर मे फसह-पाबनि नहि मना सकैत छथि, सिवाय प्रभुक तम्बूक समक्ष आ हुनकर घरक समक्ष, जतय हुनकर नाम रहैत छलनि। ओ सभ प्रभु सँ भटकत नहि।
22 हे मूसा, अहाँ इस्राएलक सन् तान सभ केँ आज्ञा दिअ जे ओ फसह-पर्वक नियमक पालन करथि, जेना अहाँ केँ आज्ञा देल गेल छल। अहाँ हुनका सभ केँ प्रति वर्ष आ ओकर दिनक दिन आ अखमीरी रोटीक पाबनि केँ घोषणा करू जे ओ सभ सात दिन धरि अखमीरी रोटी खाथि, (आ) जे ओ सभ ओकर पाबनि मनाबथि आ ओहि सात दिनक आनन्दक समय मे ओ सभ दिन अपन परमेश् वरक वेदी पर प्रभुक समक्ष एकटा बलिदान अनथिन।
23 अहाँ सभ मिस्र सँ निकलैत काल जाबत धरि शूरक जंगल मे नहि गेलहुँ, ताबत अहाँ सभ ई पावनि जल्दबाजी मे मनाबैत छलहुँ। किएक तँ समुद्रक कात मे अहाँ सभ एकरा पूरा केलहुँ।"

अध्याय 50

1 एहि धर्म-नियमक बाद हम अहाँ केँ विश्राम-दिनक दिन सिन[आइ] मरुभूमि मे, जे एलीम आ सिनाईक बीच मे अछि, से बुझा देलियनि।
2 हम अहाँ सभ केँ सिनै पर्वत पर जे देशक विश्राम-दिनक विषय मे कहलहुँ आ वर्षक विश्राम-दिन मे जयन्ती वर्षक विषय मे कहलियनि, मुदा जाबत धरि अहाँ सभ ओहि देश मे नहि पहुँचब जाबत धरि अहाँ सभ ओहि देश मे नहि पहुँचब।"
3 जाबत ओ सभ ओहि देश मे रहैत छथि ताबत ओ सभ अपन विश्राम-दिन केँ मनौत आ जुबली वर्षक बात बुझि जेताह।
4 तेँ हम अहाँक लेल वर्ष-हफ्ता आ वर्ष आ जुबली निर्धारित केने छी: आदमक दिन सँ आइ धरि [2410 AM] आ एक सप्ताह आ दू वर्ष धरि उनतालीस जयंती अछि, आ प्रभुक आज्ञा [2450 AM] सीखबाक लेल एखन चालीस वर्ष (शाब्दिक अर्थ मे 'दूर') अछि, जाबत धरि ओ सभ यरदन नदी पार क' कनान देश मे नहि पार क' पश्चिम दिस नहि जाइत अछि।
5 जुबली बीतैत रहत, जाबत धरि इस्राएल व्यभिचार, अशुद्धता, अशुद्धि, पाप आ गलतीक सभ अपराध सँ मुक्त नहि भ' जायत, आ पूरा देश मे विश्वासपूर्वक नहि रहि जायत, आ आब शैतान वा कोनो दुष्ट नहि रहत, आ ओहि समय सँ देश सदाक लेल शुद्ध रहत।
6 आ देखू विश्राम-दिनक आज्ञा -हम अहाँक लेल (ओ सभ) लिखने छी- आ ओकर सभ नियमक न्याय।
7 छह दिन परिश्रम करब, मुदा सातम दिन अहाँक परमेश् वरक विश्राम-दिन अछि। अहाँ सभ एहि मे कोनो तरहक काज नहि करब, अहाँ सभ आ अपन बेटा सभ, अपन नौकर-चाकर आ

दासी-दासी, आ अहाँक सभटा पशु आ प्रवासी सेहो जे अहाँ सभक संग अछि।
8 जे आदमी ओहि दिन अशुद्ध करत, जे कियो ओहि दिन अपवित्र करत, जे कियो पत्नीक संग सुतैत अछि, वा जे कहत जे हम एहि पर किछु करब, ओ कोनो खरीद-बिक्रीक संबंध मे ओहि पर यात्रा पर निकलि जायत घर मरि जायत।
9 अहाँ सभ विश्राम-दिन मे जे किछु काज नहि करब, सिवाय छठम दिन जे किछु अहाँ सभ अपना लेल तैयार केने छी, जाहि सँ अहाँ सभ खाइ-पीब, आ विश्राम करब, आ ओहि दिन सभ काज सँ विश्राम-दिन केँ राखब आ अहाँ सभक परमेश् वर परमेश् वर केँ आशीष देब, जे अहाँ सभ केँ पाबनि आ पवित्र दिन देलनि।
10 किएक तँ परमेश् वर इस्राएल केँ बहुत पैघ आदर देने छथि जे ओ सभ एहि पावनि-तिहारक दिन खा-पीब आ तृप्त भऽ जाय आ ओहि पर विश्राम करऽ वला सभ परिश्रम सँ विश्राम करैत अछि जे मनुष्य-सन्तति सभक परिश्रमक अछि, सिवाय लोबान जरेबाक आ प्रभुक समक्ष बलिदान आ बलिदान अनबाक दिन आ विश्राम-दिनक लेल।
11 ई काज असगरे विश्राम-दिन मे अहाँ सभक परमेश् वरक पवित्र स्थान मे कयल जायत। जाहि सँ ओ सभ इस्राएलक प्रायश्चित करथि, जाहि सँ ओ सभ दिन-प्रतिदिन बलिदानक प्रायश्चित करथि, जाहि सँ ओ सभ दिन-प्रतिदिन परमेश् वरक समक्ष प्रसन्नताक लेल बलिदान दऽ सकथि आ ओ सभ दिन-प्रतिदिन हुनका सभ केँ सदैव ग्रहण करथि जेना अहाँ केँ आज्ञा देल गेल अछि।
12 जे कियो कोनो काज करैत अछि, वा यात्रा करैत अछि, वा खेतक खेती करैत अछि, चाहे ओ अपन घर मे हो वा कोनो आन ठाम, आ जे केओ आगि जराबैत अछि, वा कोनो जानवर पर सवार अछि, वा समुद्र मे जहाज सँ यात्रा करैत अछि, आ जे कियो कोनो वस्तु पर प्रहार करैत अछि वा मारैत अछि, वा कोनो जानवर वा चिड़ै केँ मारैत अछि, वा जे कोनो जानवर वा चिड़ै वा माछ पकड़ैत अछि, वा जे उपवास करैत अछि वा युद्ध करैत अछि सब्त के दिन:
13 जे आदमी विश्राम-दिन मे एहि मे सँ कोनो काज करैत अछि, से मरि जायत, जाहि सँ इस्राएलक सन्तान सभ ओहि देशक विश्राम-दिनक आज्ञाक अनुसार विश्राम-दिनक पालन करत, जेना कि पाटी मे लिखल अछि, जे ओ हमरा हाथ मे देने छथि, जाहि सँ हम अहाँक लेल ऋतुक नियम आ ऋतु केँ ओकर दिनक बँटवारा अनुसार लिखि दी। एतय दिनक विभाजनक विवरण पूरा कयल गेल अछि|